



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 95]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 26, 2002/फाल्गुन 7, 1923

No. 95]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 26, 2002/PHALGUNA 7, 1923

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2002

सा.का.नि. 114(अ).—कतिपय प्रारूप नियम व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999 (1999 का 47) की धारा 157 की उपधारा (2) [उसके खण्ड (29), (30), (31), (32) और (33) को छोड़कर] के साथ पठित उपधारा (1) और साधारण खण्ड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 22 और 24 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र (असाधारण), भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में तारीख 18 मई 2001 को भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 373 (अ) प्रकाशित किए गए थे, जिनमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, उस तारीख से तीस दिन की समाप्ति के पूर्व जनता को अधिसूचना उपलब्ध कराई गई थी, आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे;

और उक्त अधिसूचना अन्तर्षिष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को 11 जून, 2001 को उपलब्ध करा दी गई थीं,

और जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999 (1999 का 47) की धारा 157 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बजाती है, अर्थात् :—

भाग 1

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1. (1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम व्यापार चिन्ह नियम, 2002 है।

(2) ये उस तारीख को प्रवृत्त होंगे, जिसको यह अधिनियम प्रवृत्त होता है।

2. (1) परिभाषाएं :— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) "अधिनियम" से व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999 (1999 का 47) अभिप्रेत है ;
- (ख) "अधिकर्ता" से अधिनियम की धारा 145 के अधीन कार्य करने के लिए प्राधिकृत कोई व्यक्ति अभिप्रेत है ;
- (ग) "किसी व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन" के अन्तर्गत माल या सेवाओं के लिए वह व्यापार चिन्ह है जो उसमें अन्तर्लिखित है ;
- (घ) "व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय" से नियम 4 में यथाविनिर्दिष्ट व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री का सुसंगत कार्यालय अभिप्रेत है ;
- (ङ) "वर्ग फीस" से किसी विशिष्ट वर्ग के किसी व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन फाइल करने के लिए विहित फीस अभिप्रेत है ;
- (च) "कन्वेंशन देश" से धारा 154 की उपधारा (1) के अधीन उस रूप में घोषित कोई देश या देशों का समूह या देशों का संघ या देशों के अंतर सरकारी संगठन अभिप्रेत हैं ;
- (छ) "कन्वेंशन आवेदन" से धारा 154 के आधार पर बनाए गए किसी व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन अभिप्रेत है ;
- (ज) "विभाजनीय आवेदन" से अभिप्रेत है—
- (i) किसी व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी वर्ग में माल या सेवाओं के विभाजन के लिए कोई अनुरोध अन्तर्लिखित करने वाला आवेदन, या
 - (ii) माल या सेवाओं के पृथक् वर्गों के लिए किसी व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन का विभाजन करके किया गया कोई विभाजित आवेदन ;
- (झ) "विभाजनीय फीस" से प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 68 के सामने विहित फीस अभिप्रेत है ;
- (ञ) "प्ररूप" से द्वितीय या तृतीय अनुसूची में दिया गया प्ररूप अभिप्रेत है ;
- (ट) "ग्राफीय समाकृति" से कागजपत्र के रूप में माल या सेवाओं के लिए किसी व्यापार चिन्ह की समाकृति अभिप्रेत है ;
- (ठ) "जर्नल" से नियम 43 में निर्दिष्ट व्यापार चिन्ह जर्नल अभिप्रेत है ;
- (ड) "अधिसूचित तारीख" से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको ये नियम प्रवृत्त होते हैं ;
- (ढ) "पुरानी विधि" से अधिनियम के प्रारम्भ के ठीक पूर्व विद्यमान व्यापार और पण्य वस्तु चिन्ह अधिनियम, 1958 और उसके अधीन बनाए गए नियम अभिप्रेत हैं ;
- (ण) "विरोध" से यथास्थिति किसी व्यापार चिन्ह या सामूहिक चिन्ह या प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई विरोध अभिप्रेत है ;
- (त) "भारत में कारबार का मुख्य स्थान" से नियम 3 में यथा विनिर्दिष्ट भारत में कारबार का सुसंगत स्थान अभिप्रेत है ;
- (थ) "प्रकाशित करना" से व्यापार चिन्ह जर्नल में प्रकाशित करना अभिप्रेत है ;
- (द) "रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अधिकर्ता" से वह व्यापार चिन्ह अधिकर्ता अभिप्रेत है जिसका नाम नियम 148 के अधीन रखे गए व्यापार चिन्ह अधिकर्ता के रजिस्टर में वास्तव में प्रविष्टि है ;
- (ध) "नवीकरण" से यथास्थिति किसी व्यापार चिन्ह या किसी प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह या सामूहिक चिन्ह का नवीकरण अभिप्रेत है और उसके अन्तर्गत है ;
- (न) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है ;
- (प) "धारा" से अधिनियम की कोई धारा अभिप्रेत है ;
- (फ) "विनिर्देश" से उन माल या सेवाओं का अभिधान अभिप्रेत है जिनके संबंध में व्यापार चिन्ह या व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता का रजिस्ट्रीकरण किया जाता है या किए जाने की प्रस्थापना की जाती है ;

- (ब) उस सभी अन्य शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में या माल का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 (1999 का 48), प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 (1957 का 14) में परिभाषित है, वे ही अर्थ होंगे जो कि उन अधिनियमों में कमशः उनके हैं।
- (2) इन नियमों में, अन्यथा उपदर्शित के सिवाय, किसी धारा के प्रति निर्देश अधिनियम में उस धारा के प्रति निर्देश है, किसी नियम के प्रति निर्देश उन नियमों में उस नियम के प्रति निर्देश है, किसी अनुसूची के प्रति निर्देश इन नियमों की उस अनुसूची के प्रति निर्देश है और किसी प्ररूप के प्रति निर्देश यथास्थिति, इन नियमों की द्वितीय या तृतीय अनुसूची में वर्णित उस प्ररूप के प्रति निर्देश है।
- (3) भारत में कारबार का मुख्य स्थान—भारत में कारबार के मुख्य स्थान से निम्नलिखित अभिप्रेत है—
- (1) जहां कोई व्यक्ति व्यापार चिन्ह से संबद्ध माल या सेवाओं का कारबार करता है वहां—
 - (क) यदि कारबार भारत में केवल एक ही स्थान में किया जाता है, तो वह स्थान,
 - (ख) यदि कारबार भारत में एक से अधिक स्थानों पर किया जाता है तो वह स्थान, जिसका वह व्यक्ति भारत में कारबार के मुख्य स्थान के रूप में उल्लेख करे ;
 - (ii) जहां कोई व्यक्ति किसी व्यापार चिन्ह से संबद्ध माल या सेवाओं का कारबार नहीं करता है, वहां—
 - (क) यदि वह भारत में कोई अन्य कारबार केवल एक स्थान में कर रहा है, तो वह स्थान,
 - (ख) यदि वह भारत में कोई अन्य कारबार एक से अधिक स्थानों में कर रहा है, तो वह स्थान, जिसका वह भारत में कारबार के मुख्य स्थान के रूप में उल्लेख करे ; और
 - (iii) जहां कोई व्यक्ति भारत में कोई कारबार नहीं करता है किन्तु उसका भारत में निवास स्थान है, वहां भारत में ऐसा निवास स्थान।
4. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय— धारा 18 के अधीन व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए या धारा 21 के अधीन विरोध की सूचना देने या धारा 47 के अधीन किसी व्यापार चिन्ह को हटाने के लिए या धारा 57 के अधीन किसी व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण को रद्द करने या उसमें परिवर्तन करने के लिए या अधिनियम और नियमों के अधीन किन्हीं अन्य कार्यवाहियों के लिए आवेदन करने के प्रयोजनों के लिए “व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय”—
- (क) अधिसूचित तारीख को व्यापार चिन्ह रजिस्टर में किसी व्यापार चिन्ह के संबंध में रजिस्ट्री का वह कार्यालय होगा जिसकी राज्य क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर—
 - (1) ऐसी तारीख को रजिस्टर में यथाप्रविष्ट व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का भारत में कारबार का मुख्य स्थान स्थित है,
 - (ii) जहां रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के भारत में कारबार के मुख्य स्थान के बारे में रजिस्टर में कोई प्रविष्टि नहीं है, वहां ऐसी तारीख को रजिस्टर में यथाप्रविष्ट भारत में तामील के लिए पते में उल्लिखित स्थान स्थित है,
 - (iii) संयुक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों के मामले में उस स्वत्वधारी का भारत में कारबार का मुख्य स्थान स्थित है जिसका नाम ऐसी तारीख को भारत में ऐसे कारबार का स्थान रखने वाले के रूप में रजिस्टर में सबसे पहले प्रविष्ट किया जाता है,
 - (iv) जहां संयुक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों में से किसी को भी भारत में मुख्य स्थान रखने वाले के रूप में रजिस्टर में नहीं दिखाया जाता है, वहां ऐसी तारीख को रजिस्टर में यथाप्रविष्ट संयुक्त स्वत्वधारियों के भारत में तामील के लिए पते में उल्लिखित स्थान स्थित है ,
 - (v) यदि व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का या संयुक्त रजिस्ट्रीकरण की दशा में व्यापार चिन्ह के संयुक्त स्वत्वधारियों में से किसी का भारत में कारबार का कोई मुख्य स्थान रजिस्टर में प्रविष्ट नहीं है और रजिस्टर में भारत में तामील के लिए कोई पता नहीं दिया गया है, तो व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के कार्यालय का वह स्थान जहां व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया गया था, स्थित है; और
 - (ख) उस व्यापार चिन्ह के संबंध में, जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण का कोई आवेदन अधिसूचित तारीख को लम्बित है या अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् किया गया है व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री का वह कार्यालय जिसकी राज्यक्षेत्रीय सीमाओं के भीतर—

- (i) आवेदक के आवेदन में प्रकट किए गए रूप में आवेदक का भारत में कारबार का मुख्य स्थान या संयुक्त आवेदकों की दशा में, उस आवेदक का भारत में कारबार का मुख्य स्थान स्थित है जिसका नाम कारबार का ऐसा स्थान रखने वाले के रूप में आवेदन में सबसे पहले उल्लिखित है;
 - (ii) जहां यथास्थिति, न तो आवेदक का और न संयुक्त आवेदकों में से किसी का भारत में कारबार का मुख्य स्थान है वहां आवेदन में, यथा विनिर्दिष्ट भारत में तामील के लिए पते में उल्लिखित स्थान स्थित है;
5. कारबार के मुख्य स्थान में या तामील के लिए पते में परिवर्तन के कारण समुचित कार्यालय की अधिकारिता में परिवर्तन न होना—किसी ऐसे परिवर्तन से जो —
- (क) अधिसूचित तारीख को रजिस्टर में किसी व्यापार चिन्ह के संबंध में किसी रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के या संयुक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों में से किसी के भारत में कारबार के मुख्य स्थान में या भारत में तामील के लिए पते में, उस तारीख के पश्चातवर्ती किया गया है या प्रभावी किया गया है, या
 - (ख) किसी व्यापार चिन्ह के संबंध में, जिसके रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन अधिसूचित तारीख को लंबित है या उस तारीख को अथवा उसके पश्चात किया गया है रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक के या रजिस्ट्रीकरण के लिए संयुक्त आवेदकों में से किसी के भारत में कारबार के मुख्य स्थान में या भारत में तामील के लिए पते में, यथास्थिति, उस तारीख को या ऐसा आवेदन फाइल करने की तारीख को किया गया या प्रभावी किया गया है,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय की अधिकारिता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

6. रजिस्ट्रार में समुचित कार्यालय की प्रविष्टि—अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् रजिस्टर किए गए प्रत्येक व्यापार चिह्न के संबंध में रजिस्ट्रार रजिस्टर में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय की प्रविष्टि कराएगा और रजिस्ट्रार इस प्रकार की गई प्रविष्टि में किसी भी समय कोई गलती ठीक कर सकेगा।
 7. लंबित आवेदन और कार्यवाहियों का व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालयों को हस्तांतरित करना—व्यापार चिह्न के संबंध में अधिसूचित तारीख को रजिस्ट्रार के समक्ष लंबित प्रत्येक आवेदन और कार्यवाही की बाबत यह समझा जाएगा कि वह व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय को हस्तांतरित करा दी गई है।
 8. दस्तावेजों का छोड़ना, आदि—(1) जैसा उपनियम (2) में उपबन्धित है, उसके सिवाय, अधिसूचित तारीख को व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार में किसी व्यापार चिह्न के संबंध में, जिसके रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन लंबित है, अधिनियम या नियमों द्वारा प्राधिकृत या अपेक्षित सभी आवेदन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय में किए जाएंगे, सूचनाओं की तामील वहां की जाएगी, विवरण या अन्य दस्तावेज वहां दिए या भेजे जाएंगे, या फीस का संदाय वहां किया जाएगा।
- (2) ऐसे दस्तावेज या फीस, जो अधिनियम या नियमों द्वारा भेजे जाने या संदत्त किए जाने के लिए प्राधिकृत या अपेक्षित हैं, या तो व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय या मुख्यालय को निम्नलिखित विषयों के संबंध में भेजी जा सकेंगी या संदत्त की जा सकेंगी,
- (क) किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए फाइल किए गए किसी आवेदन के संबंध में संसूचना और अन्य दस्तावेज जिनके अन्तर्गत शपथ पत्र भी हैं,
 - (ख) व्या. चि.-10, व्या. चि.-12, व्या. चि.-13, व्या. चि.-14, व्या. चि.-16, व्या. चि.-19, व्या. चि.-20, व्या. चि.-21, व्या. चि.-23, व्या. चि.-24, व्या. चि.-25, व्या. चि.-28, व्या. चि.-29, व्या. चि.-30, व्या. चि.-31, व्या. चि.-32, व्या. चि.-33, व्या. चि.-34, व्या. चि.-35, व्या. चि.-36, व्या. चि.-37, व्या. चि.-38, व्या. चि.-40, व्या. चि.-46, व्या. चि.-47, व्या. चि.-50, व्या. चि.-54, व्या. चि.-55, व्या. चि.-58, व्या. चि.-59, व्या. चि.-61 और व्या. चि.-62 प्ररूपों पर आवेदन या अनुरोध।
 - (ग) नियम 24 के उपनियम (1) और उपनियम (2) के खंड (क) या खंड (ख) या उपनियम (3) में अंतर्निहित किसी बात के होते हुए भी, प्ररूप व्या. चि.-60 में प्रमाणपत्र की खोज करने और जारी किए जाने, प्ररूप व्या. चि.-63 में त्वरित परीक्षा या प्ररूप व्या. चि.-70, में दस्तावेजों की त्वरित प्रमाणित प्रतियों, व्या. चि.-71 में त्वरित खोज रिपोर्ट या प्ररूप व्या. चि.-72 में त्वरित खोज और प्रतिलिप्याधिकार प्रमाणपत्र के जारी किए जाने के लिए अनुरोध मुख्य रजिस्ट्री में फाइल किया जाएगा जब तक कि रजिस्ट्रार जनता को जनरलों में सूचना देने के पश्चात् निदेश न दे।
9. दस्तावेजों आदि जो ऐसे कार्यालय में फाइल किए गए या छोड़े गए हैं जो समुचित नहीं हैं—नियम 8 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए जहां कोई आवेदन, सूचना, विवरण या अन्य दस्तावेज या कोई फीस, जो अधिनियम या नियमों द्वारा प्राधिकृत या अपेक्षित है, व्यापार रजिस्ट्री के ऐसे कार्यालय में, जो समुचित नहीं है, किया जाता है, उसकी तामील की जाती है, या उसे छोड़ा जाता

है या उसे भेजा जाता है या दी जाती है वहां रजिस्ट्रार स्वयं या लिखित प्रार्थना पर, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि वह आवेदक द्वारा की गई सद्भाविक गलती थी, तो वह ऐसे आवेदन, सूचना, विवरण या दस्तावेज को समुचित कार्यालय को वापस कर सकेगा।

परन्तु यह कि वह अवधि, जिसके दौरान ऐसा आवेदन, सूचना, विवरण या दस्तावेज ऐसे कार्यालय द्वारा प्रतिधारित किया जाता है, जो समुचित कार्यालय नहीं है, उस कार्यालय में, जहां ऐसे आवेदन, सूचना, विवरण या दस्तावेज में से किसी का विहित अवधि के भीतर प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है, परिसीमा काल की संगणना करने के प्रयोजनों के लिए अपवर्जित होगी :

परन्तु यह और कि ऐसे कार्यालय में, जो समुचित कार्यालय नहीं है, संदत्त की गई किसी फीस के बारे में यह समझा जाएगा कि उसका संदाय समुचित कार्यालय में किया गया है :

परन्तु यह और भी कि ऐसी प्रार्थना से इंकार करने के पूर्व रजिस्ट्रार आवेदक को सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा।

10. सूचनाओं आदि का जारी किया जाना—अधिनियम या नियमों के अधीन किसी आवेदन, विषय या कार्यवाही से संबंधित सूचना या संसूचना अध्यक्ष या रजिस्ट्रार द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा जारी की जा सकेगी।
11. फीस—(1) अधिनियम और नियमों के अधीन आवेदनों, विरोधों, रजिस्ट्रीकरण, नवीकरण, त्वरित परीक्षा या रिपोर्टों या किन्हीं अन्य विषयों के संबंध में दी जाने वाली फीसों, जिन्हें इसमें इसके पश्चात् विहित फीस कहा गया है वे होंगी जो कि प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट हैं।
 - (2) जहां किसी विषय के संबंध में नियमों के अधीन फीस दी जानी अपेक्षित है, वहां उससे संबंधित प्ररूप या आवेदन या प्रार्थना या याचिका के साथ विहित फीस होगी।
 - (3) फीस नकद दी जा सकेगी या व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रार को संबोधित मनीआर्डर से या अनुसूचित बैंक द्वारा पुरोधृत बैंक ड्राफ्ट द्वारा या उक्त बैंक पर चैक द्वारा उस स्थान पर, जहां व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय अवस्थित है, भेजी जा सकेगी और यदि वह डाक द्वारा भेजी जाती है तो उस समय संदत्त की गई समझी जाएगी जब मनीआर्डर या उचित रूप से संबोधित बैंक ड्राफ्ट या चैक डाक के साधारण अनुक्रम में परिदत्त किया गया होता।
 - (4) बैंक ड्राफ्ट और चैक रेखांकित होंगे और व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय में रजिस्ट्रार को संदेय होंगे और इन्हें उस स्थान के अनुसूचित बैंक पर लिखा जाएगा जहां कि व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय अवस्थित है।
 - (5) नियम 25 के उपनियम (19) में अंतर्विष्ट उपबन्धों के अधीन रहते हुए जहां किसी दस्तावेज के फाइल करने के संबंध में कोई फीस संदेय है और जहां दस्तावेज बिना फीस के या अपर्याप्त फीस के साथ फाइल किया जाता है, वहां यह समझा जाएगा कि ऐसा दस्तावेज इन नियमों के अधीन किन्हीं कार्यवाहियों के प्रयोजनों के लिए फाइल नहीं किया गया है।
 - (6) रजिस्ट्रार जनता को जरनल में सूचना देने के पश्चात् ऐसे मार्गदर्शक सिद्धांतों और अनुदेशों के अधीन रहते हुए, जो इस निमित्त विनिर्दिष्ट किए जाएं, इलैक्ट्रॉनिक फीस अन्तरण सुविधाएं उपलब्ध करा सकेगा।
12. प्ररूप—(1) द्वितीय और तृतीय अनुसूचियों में दिए प्ररूपों का प्रयोग उन सभी मामलों में किया जाएगा जिनमें वे लागू होते हैं और अन्य मामलों में लागू करने के लिए उन्हें रजिस्ट्रार के निदेशों के अनुसार उपांतरित किया जा सकेगा।
 - (2) कोई प्ररूप जब व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री में फाइल किया जाएगा तब उसके साथ विहित फीस होगी।
 - (3) अनुसूची में दिए गए किसी प्ररूप के उपयोग के लिए इस नियम के अधीन किसी अपेक्षा को या तो उस प्ररूप की प्रतिकृति के उपयोग द्वारा पूरा किया जाता है या ऐसे प्ररूप के द्वारा जो रजिस्ट्रार को स्वीकार्य हो और उसमें वह सूचना अंतर्विष्ट हो जो दिए गए प्ररूप द्वारा अपेक्षित हो और ऐसे प्ररूप के उपयोग के लिए किसी निदेश का अनुपालन करती हो।
 - (4) रजिस्ट्रार जनता को जरनल में सूचना देने के पश्चात् ऐसे प्ररूपों को विनिर्दिष्ट कर सकेगा जो इलैक्ट्रॉनिक तरीके से प्रस्तुत किए जाने अपेक्षित हों। उसके पश्चात् ऐसे प्ररूपों को ऐसी रीति में पूरा किया जाएगा जो कंप्यूटर में अर्न्तवस्तु के निवेश को स्वतः ही जैसे संप्रतीक अभिज्ञान या क्रमवीक्षण द्वारा अनुज्ञात करने के लिए विनिर्दिष्ट किया जा सके।
13. दस्तावेज का आकार आदि—(1) किन्हीं अन्य ऐसे निदेशों के जो रजिस्ट्रार द्वारा दिए जाएं, अधीन रहते हुए, व्यापार चिह्नों को छोड़कर वे सभी आवेदन, सूचनाएं, विवरण या अन्य दस्तावेज, जो व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री को या वहां या रजिस्ट्रार के पास या उसको किए जाने, तामील किए जाने, छोड़े जाने या भेजे जाने या संदत्त किए जाने के लिए अधिनियम या नियमों द्वारा प्राधिकृत या अपेक्षित है, 33 सेंटीमीटर लम्बाई और 20 सेंटीमीटर चौड़ाई के मजबूत कागज पर शपथपत्र के मामले को छोड़कर एक ओर गहरी अमिट स्याही में बड़े-बड़े सुपाठ्य अक्षरों में अंग्रेजी या हिन्दी में हाथ से लिखे जाएंगे या टाइप किए जाएंगे या शिला मुद्रित किए जाएंगे या मुद्रित किए जाएंगे और कागज में बाईं ओर कम से कम चार सेंटीमीटर का हाशिया होगा।

- (2) यदि रजिस्ट्रार किसी समय अपेक्षा करता है तो दस्तावेजों की दूसरी प्रतियां, जिनके अन्तर्गत व्यापार चिहनों की प्रतियां भी हैं व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में फाइल की जाएंगी।
- (3) रजिस्ट्रार जर्नल में जनता को सूचित करने के पश्चात् सभी आवेदनों, सूचनाओं, विवरणों या अन्य दस्तावेजों और प्ररूपों के, जो नियमों के अधीन इलैक्ट्रानिक रीति से समरूप बनाए जाने के लिए अपेक्षित हैं, आकार में परिवर्तन कर सकेगा।
- (4) रजिस्ट्रार जर्नल में जनता को सूचना दिए जाने के पश्चात् आवेदनों, विवरणों, सूचनाओं या अन्य दस्तावेजों को इलैक्ट्रानिक रीति द्वारा ऐसे मार्गदर्शक सिद्धांतों और अनुदेशों के अधीन रहते हुए, जो वह जर्नल में विनिर्दिष्ट करे, फाइल करने की अनुज्ञा दे सकेगा।
14. **दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना**—(1) किसी ऐसे दस्तावेज पर जो भागीदारी फर्म द्वारा हस्ताक्षरित किए जाने के लिए तात्पर्यित है, भागीदारों में से कम से कम एक भागीदार द्वारा यह कथन करते हुए हस्ताक्षर किए जाएंगे कि वह फर्म की ओर से हस्ताक्षर कर रहा है और ऐसे दस्तावेज पर जो निगम निकाय द्वारा हस्ताक्षरित किए जाने के लिए तात्पर्यित है, किसी निगम निकाय के निदेशक द्वारा या सचिव द्वारा या अन्य मुख्य अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे वह हैसियत, जिसमें कोई व्यक्ति भागीदारी या निगमित निकाय की ओर से किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करता है, उसके हस्ताक्षर के नीचे उल्लिखित की जाएगी।
- (2) किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षरों के साथ हिन्दी में या यदि हस्ताक्षर अंग्रेजी में हैं, तो बड़े अक्षरों में हस्ताक्षरकर्ता का नाम होगा।
15. **दस्तावेजों की तामील**—(1) रूपण चिपके हुए सभी आवेदन, सूचनाएं, विवरण, कागजपत्र या अन्य दस्तावेज, जो व्यापार चिह्न रजिस्ट्री को या वहां या रजिस्ट्रार या किसी अन्य व्यक्ति के पास या उसको किए जाने, तामील किए जाने, छोड़े जाने या भेजे जाने के लिए अधिनियम या नियमों द्वारा प्राधिकृत या अपेक्षित हैं, डाक से ऐसे पत्र द्वारा भेजे जा सकेंगे जिसके लिए डाक महसूल दे दिया गया है ;
- (2) इस प्रकार भेजा गया कोई आवेदन या कोई दस्तावेज उस समय किया गया तामील किया गया व छोड़ दिया गया या भेज दिया गया समझा जाएगा जब वह पत्र जिसमें वह आवेदन या दस्तावेज है, डाक से साधारण अनुक्रम में परिदत्त कर दिया जाता।
- (3) ऐसा भेजा जाना साबित करने में यह साबित करना पर्याप्त होगा कि पत्र पर उचित रूप से पता लिख कर उसे डाक में डाल दिया गया था।
- (4) व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के पास कोई आवेदन फाइल करने के पश्चात् कोई व्यक्ति उससे संबंधित पत्राचार करते समय निम्नलिखित विशिष्टियां देगा, अर्थात् :—
- (क) आवेदन की संख्या या संख्याएं, यदि कोई हो;
- (ख) फाइल करने की तारीख और स्थान ;
- (ग) यथास्थिति, समुचित वर्ग या कोई वर्ग, जिसके या जिनके संबंध में आवेदन फाइल किया गया है ;
- (घ) संसूचना के लिए पता ; और
- (ङ) संबंधित अभिकर्ता का कोड, यदि कोई हो, और संबंधित स्वत्वधारी का कोड, यदि आबंटित किया गया हो।
- (5) रजिस्ट्रार जर्नल में जनता को सूचित करने के पश्चात् किसी फीस का संदाय न करने की अपेक्षा करने वाले किसी दस्तावेज को विनिर्दिष्ट दस्तावेजों की अनुकृति (फैक्स) द्वारा भेजे जाने की अनुज्ञा दे सकेगा।
- (6) रजिस्ट्रार जर्नल में जनता को सूचित करने के पश्चात् ई-मेल द्वारा नैमित्तिक प्रकृति की संसूचनाओं जिनके लिए किसी फीस का संदाय अपेक्षित नहीं है स्वीकार कर सकेगा।
16. **आवेदकों और अन्य व्यक्तियों के पतों की विशिष्टियां**—(1) आवेदकों और अन्य व्यक्तियों के पूरे नाम और पते दिए जाएंगे और उसके साथ उनकी राष्ट्रीयता, आजीविका और ऐसी अन्य विशिष्टियां होंगी जो उनकी पहचान के लिए आवश्यक है।
- (2) किसी फर्म की दशा में, उसके प्रत्येक भागीदार के पूरे नाम और राष्ट्रीयता का कथन किया जाएगा।
- (3) कन्वेंशन देश से किसी आवेदन की दशा में और भारत में कारबार का कोई मुख्य स्थान न रखने वाले व्यक्तियों की दशा में, उनके अपने देश में उनके पते भारत में तामील के लिए उनके पते के अतिरिक्त दिए जाएंगे।
- (4) किसी निगम निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन देश या रजिस्ट्रीकरण की प्रकृति दी जाएगी।
17. **किसी आवेदन में भारत में कारबार के मुख्य स्थान का कथन**—(1) व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन

में आवेदक के भारत में कारबार के मुख्य स्थान का, यदि कोई हो, या संयुक्त आवेदकों की दशा में, संयुक्त आवेदकों में से ऐसे आवेदकों के, जिनका भारत में कारबार का मुख्य स्थान है, ऐसे कारबार के मुख्य स्थान का उल्लेख किया जाएगा।

- (2) नियम 18, 19 और 21 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, किसी व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के संबंध में किसी आवेदक को, संयुक्त आवेदकों की दशा में किसी संयुक्त आवेदक को आवेदन में उसके द्वारा दिए गए उसके भारत में कारबार के मुख्य स्थान के पते पर कोई लिखित संसूचना संबोधित की जाती है तो वह उचित रूप से संबोधित की गई समझी जाएगी।

18. तामील के लिए पता—(1) भारत में तामील के लिए पता—

- (क) व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक ऐसे आवेदक द्वारा दिया जाएगा, जिसका भारत में कारबार का कोई मुख्य स्थान नहीं है ;
- (ख) किसी व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए संयुक्त आवेदकों की दशा में, यदि उनमें से किसी का भी भारत में कारबार का मुख्य स्थान नहीं है, दिया जाएगा;
- (ग) व्यापार चिन्ह के ऐसे स्वत्वधारी, जिसका रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने की तारीख को भारत में अपना कारबार का मुख्य स्थान था किन्तु पश्चात्तर्ती उसका ऐसा स्थान नहीं रहा है, दिया जाएगा, और
- (घ) प्रत्येक आवेदक द्वारा फाइल अधिनियम या नियमों के अधीन किसी कार्यवाही में और विरोध की सूचना फाइल करने वाले प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, जिसका भारत में कारबार का मुख्य स्थान नहीं है, दिया जाएगा, और
- (ङ) प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, जिसको नियम 94 के अधीन मध्यक्षेप करने की इजाजत दी गई थी।
- (2) यदि किसी व्यक्ति को भारत में तामील के लिए उसके द्वारा दिए गए पते पर पूर्वोक्त रूप से लिखित संसूचना संबोधित की जाती है तो वह उचित रूप से संबोधित की गई समझी जाएगी।
- (3) जब तक कि उपनियम (1) में अपेक्षित रूप में भारत में तामील के लिए कोई पता नहीं दिया जाता है तब तक रजिस्ट्रार अधिनियम या नियमों के द्वारा अपेक्षित रूप में कोई सूचना भेजने के लिए बाध्य नहीं होगा और कार्यवाहियों में कोई पश्चात्तर्ती आदेश या विनिश्चय इस आधार पर प्रस्तुत नहीं किया जाएगा कि सूचना की तामील में कोई कमी थी उसकी तामील नहीं की गई थी।

19. आवेदन और विरोध संबंधी कार्यवाहियों में तामील के लिए पता—व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदक या विरोध की सूचना फाइल करने वाला कोई विरोधकर्ता इस बात के होते हुए भी कि उसका भारत में कारबार का मुख्य स्थान है, रजिस्ट्रार से यदि वह ऐसा चाहे तो, विनिर्दिष्ट रूप से लिखित में अनुरोध कर सकेगा और भारत में ऐसा पता दे सकेगा जिस पर ही आवेदन या विरोध संबंधी कार्यवाहियों के संबंध में संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। आवेदक या विरोधकर्ता का ऐसा पता, जब तक कि बाद में वह नहीं कर दिया जाता है, तब तक, यथास्थिति, आवेदक या विरोधी का वास्तविक पता समझा जाएगा और आवेदन अथवा विरोध की सूचना से संबंधित सभी संसूचनाओं और दस्तावेजों की तामील, यथास्थिति, आवेदक या विरोधी के ऐसे पते पर उन्हें परिदत्त करके या डाक द्वारा भेजकर की जा सकेंगी।

20. तामील के लिए पते की अनुपलब्धता—रजिस्ट्रार किसी भी समय जब रजिस्टर में प्रविष्ट भारत में तामील के लिए किसी पते की लगातार अनुपलब्धता के संबंध में कोई संदेह उत्पन्न होता है, तो वह उस व्यक्ति को जिसकी बाबत वह पता प्रविष्ट है, रजिस्टर में प्रविष्ट किसी अन्य पते पर अथवा यदि रजिस्टर में कोई ऐसा पता प्रविष्ट नहीं है तो ऐसे पते पर, जिसे रजिस्ट्रार यह समझता है कि उस पते पर पत्र उसके पास पहुंच जाएगा, पत्र डालकर उससे भारत में तामील के लिए पते की पुष्टि करने का अनुरोध कर सकेगा और यदि ऐसा अनुरोध करने के दो मास के भीतर रजिस्ट्रार को ऐसी कोई पुष्टि प्राप्त नहीं होती है, तो वह भारत में तामील के लिए पते को रजिस्टर से काट सकेगा और ऐसे व्यक्ति से भारत में तामील के लिए नया पता, या यदि उस समय उसका भारत में कारबार के मुख्य स्थान का कोई पता है तो वह पता, देने की अपेक्षा कर सकेगा।

21. अभिकरण—(1) धारा 145 के प्रयोजनों के लिए किसी अभिकर्ता का प्राधिकार प्ररूप व्या. चि.-48 में या ऐसे अन्य लिखित रूप में, जिसे रजिस्ट्रार पर्याप्त और उचित समझे, निम्नांकित किया जाएगा।

(2) ऐसे प्राधिकार की दशा में कार्यवाही या मामले से संबंधित किसी दस्तावेज की अभिकर्ता पर तामील, उसे इस प्रकार प्राधिकृत करने वाले व्यक्ति पर तामील समझी जाएगी; कार्यवाही या मामले की बाबत ऐसे व्यक्ति को की जाने के लिए निर्दिष्ट सभी संसूचनाएं, ऐसे अभिकर्ता को संबोधित की जाएंगी, और रजिस्ट्रार के समक्ष उनसे संबंधित सभी हाजिरियां ऐसे अभिकर्ता द्वारा या उसकी मार्फत की जा सकेंगी।

(3) किसी विशिष्ट मामले में रजिस्ट्रार किसी आवेदक, विरोधकर्ता, स्वत्वधारी, रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता या अन्य व्यक्ति के व्यक्तिगत हस्ताक्षर या उसकी उपस्थिति की अपेक्षा कर सकेगा।

22. **माल और सेवाओं का वर्गीकरण—**(1) व्यापार चिन्हों के रजिस्ट्रीकरण के प्रयोजन के लिए माल और सेवाएं उस रीति में वर्गीकृत की जाएंगी जो कि चतुर्थ अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।

(2) चतुर्थ अनुसूची में उल्लिखित माल और सेवाएं केवल ऐसे साधनों का उपबंध करती हैं जिनके द्वारा अंकित अंतर्राष्ट्रीय वर्गों की साधारण अंतर्वस्तु की शीघ्रता से पहचान की जा सके। ये माल और सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण के अनुसार प्रत्येक वर्ग की मुख्य अंतर्वस्तु के समरूप होते हैं और संपूर्ण होने के लिए आशयित नहीं हैं। विशिष्ट माल और सेवाओं के वर्गीकरण को अवधारित करने के लिए और अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण की अंतर्वस्तु के पूर्ण प्रकटीकरण के लिए आवेदक धारा 8 के अधीन रजिस्ट्रार द्वारा प्रकाशित या विश्व बौद्धिक संपदात्मक संगठन द्वारा प्रकाशित व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के प्रयोजन के लिए माल और सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण के विद्यमान संस्करण या पश्चातवर्ती संस्करण, जो प्रकाशित किया जाए, को माल और सेवाओं की वर्णक्रम अनुक्रमणिका को निर्दिष्ट कर सकेगा।

(3) रजिस्ट्रार, यथासाध्य, माल और सेवाओं के वर्गीकरण की वर्णक्रम अनुक्रमणिका में भारतीय मूल के माल या सेवाओं की पहचान करेगा और उन्हें सम्मिलित करेगा।

23. **सुभिन्नता के बारे में रजिस्ट्रार द्वारा प्रारंभिक सलाह—**(1) धारा 133 की उपधारा (1) के अधीन रजिस्ट्रार द्वारा प्रारंभिक सलाह के लिए कोई आवेदन चतुर्थ अनुसूची में किसी एक वर्ग के भीतर समाविष्ट माल या सेवाओं के संबंध में प्ररूप व्या. चि.-55 में किया जाएगा और उसके साथ व्यापार चिन्ह के तीन व्यपदेशन होंगे।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट सलाह सामान्यतः आवेदक के ऐसे फाइल करने के सात कार्यदिवसों के भीतर दी जाएगी और ऐसी सलाह में सलाह के लिए कारण भी होंगे।

24. **तलाशी के लिए रजिस्ट्रार से निवेदन—**(1) कोई व्यक्ति रजिस्ट्रार से प्ररूप व्या. चि.-54 में यह निवेदन कर सकेगा कि रजिस्ट्रार चतुर्थ अनुसूची में के किसी एक वर्ग में वर्गीकृत विनिर्दिष्ट माल और सेवाओं से संबंधित व्यापार चिन्ह की बाबत यह अभिनिश्चित करने के लिए तलाशी कराए कि अभिलेख में क्या कोई ऐसा व्यापार चिन्ह है जो उस व्यापार चिन्ह से सदृश है जिसके संबंध में निवेदन किया गया है। ऐसी तलाशी कराएगा और उसके परिणाम की संसूचना निवेदन करने वाले व्यक्ति को सामान्यतः ऐसे निवेदन की प्राप्ति के तीस दिन के भीतर दी जाएगी :

परन्तु यह कि रजिस्ट्रार ऐसी तलाशी के लिए सामान्य फीस की पांच गुणा फीस के संदाय पर प्ररूप व्या. चि.-71 में निवेदन करने पर त्वरित तलाशी रिपोर्ट को सामान्यतः सात कार्यकरण दिवसों के भीतर जारी करवाएगा।

(2) यदि पूर्वोक्त तलाशी के परिणाम की संसूचना की तारीख से तीन मास के भीतर प्रश्नाधीन व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है और रजिस्ट्रार इस आधार पर आपत्ति करता है कि यह व्यापार चिन्ह के सदृश है जो तलाशी में प्रकट नहीं किया गया था किन्तु जो उन अंतिम तरीखों को, जिनको तलाश की गई थी अभिलेख में विद्यमान था, तो आवेदक नियम 39 में वर्णित कालावधि के भीतर आवेदन के वापस लेने की सूचना देने पर उस फीस का प्रतिदान पाने का हकदार होगा जो कि आवेदन के फाइल करने पर दी गई थी।

(3) कोई व्यक्ति रजिस्ट्रार से प्ररूप व्या. चि.-60 में तलाशी करवाने के लिए और प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 (1957 का 14) की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन इस प्रभाव का प्रमाणपत्र जारी करने के लिए निवेदन कर सकेगा कि ऐसी कलात्मक कृति के जिसे प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 (1957 का 14) के अधीन प्रतिलिप्यधिकार के रूप में रजिस्ट्रीकृत कराने के लिए चाहा गया है, तदरूप या इतना समरूप जिससे धोखा हो जाए, कोई व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999 (1999 का 47) के अधीन व्यापार चिन्ह के रूप में आवेदक से भिन्न किसी व्यक्ति के नाम में रजिस्ट्रीकृत नहीं किया गया है या कि आवेदक से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा पुनः रजिस्ट्रीकरण के लिए उस अधिनियम के अधीन कोई आवेदन नहीं किया गया है। प्रमाणपत्र सामान्यतः निवेदन की तारीख से कार्यकरण के 30 दिन के भीतर जारी किए जाएंगे :

परन्तु यह रजिस्ट्रार आवेदक से अपेक्षाओं के विवरण के लिए मांग कर सकेगा और यदि अपेक्षाओं का उस विवरण के ऐसे मांगे जाने की तारीख से दो मास के भीतर अनुपालना नहीं किया जाता है तो प्ररूप व्या. चि.-60 पर उस निवेदन के बारे में यह माना जा सकेगा कि उसका परित्याग कर दिया गया है।

(4) रजिस्ट्रार ऊपर वर्णित उपनियम (3) के अधीन जारी किए गए प्रमाणपत्र को सूचना देने और उन आधारों का कथन करने के पश्चात् जिन पर रजिस्ट्रार प्रमाणपत्र को रद्द करने की प्रस्थापना करता है और सुनवाई के लिए युक्तियुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात्, रद्द कर सकेगा।

(5) उपनियम (3) के परन्तुक या उपनियम (4) के अधीन रहते हुए, रजिस्ट्रार ऐसी तलाशी के लिए सामान्य फीस की पांच गुणी फीस के संदाय पर प्ररूप व्या. चि.-72 में प्राप्त निवेदन पर प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 (1957 का 14) की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन त्वरित प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(6) यथास्थिति, प्ररूप व्या. चि.-60 या व्या. चि.-72 में उस निवेदन का परित्याग करने से पूर्व मांगी गई अपेक्षाओं के विवरण की अननुपालना के लिए रजिस्ट्रार उस मामले में सुनवाई के अवसर की प्रस्थापना करेगा।

अध्याय 2

व्यापार चिह्नों के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रक्रिया

व्यापार चिह्नों के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

25. आवेदन का प्रारूप और हस्ताक्षर करना.—(1) व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए रजिस्ट्रार को किए गए आवेदन पर आवेदक या उसके अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

(2) किसी एक वर्ग में सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए किसी व्यापार चिह्नों को रजिस्टर करने के लिए आवेदन प्रारूप व्या.चि.-1 में आवेदन किया जाएगा।

(3) किसी कन्वेंशन देश से किसी एक वर्ग में सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए धारा 154 की उपधारा (2) के अधीन किसी व्यापार चिह्न को रजिस्टर करने के लिए आवेदन प्रारूप व्या.चि.-2 में किया जाएगा।

(4) धारा 154 की उपधारा (2) के अधीन कन्वेंशन देश से माल या सेवाओं के विभिन्न वर्गों के लिए व्या.चि. के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन प्रारूप व्या.चि.-52 में किया जाएगा।

(5) नियम 145 के अधीन पंचम अनुसूची की एक मद में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए अनन्य रूप से अंकों या अक्षरों या उनके किसी संयोजन से मिलकर बनने वाले किसी कपड़ा व्यापार चिह्न (सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न से भिन्न) को रजिस्टर करने के लिए आवेदन प्रारूप व्या.चि.-22 में किया जाएगा।

(6) धारा 154 की उपधारा (2) के अधीन किसी कन्वेंशन देश से नियम 145 के अधीन पंचम अनुसूची की एक मद में सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए अनन्य रूप से अंकों या अक्षरों या उनके किसी संयोजन से मिलकर बनने वाले किसी कपड़ा व्यापार चिह्न (सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न से भिन्न) को रजिस्टर करने के लिए आवेदन प्रारूप व्या.चि.-45 में किया जाएगा।

(7) (क) किसी एक वर्ग में माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए किसी सामूहिक व्यापार चिह्न को रजिस्ट्रार करने के लिए धारा 63 (1) के अधीन आवेदन प्रारूप व्या.चि.-3 में किया जाएगा।

(ख) धारा 154 की उपधारा (2) के अधीन किसी कन्वेंशन देश से किसी एक वर्ग के माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए सामूहिक व्यापार चिह्न को रजिस्टर करने के लिए धारा 63 (1) के अधीन आवेदन प्रारूप व्या.चि.-64 में किया जाएगा।

(8) (क) किसी एक वर्ग में सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए किसी प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न को रजिस्टर करने के लिए धारा 71 के अधीन आवेदन प्रारूप व्या.चि.-4 में किया जाएगा।

(ख) धारा 154 की उपधारा (2) के अधीन किसी कन्वेंशन देश से माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए किसी प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न को रजिस्टर करने के लिए धारा 71 के अधीन आवेदन प्रारूप व्या.चि.-65 में किया जाएगा।

(9) माल या सेवाओं के विभिन्न वर्गों के किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन प्रारूप व्या.चि.-51 में किया जाएगा।

(10) प्रत्येक व्यापार चिह्न के लिए सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए धारा 15 के अधीन व्यापार शृंखला रजिस्टर करने के लिए आवेदन प्रारूप व्या.चि.-8 में किया जाएगा।

(11) धारा 154 की उपधारा (2) के अधीन किसी कन्वेंशन देश से प्रत्येक व्यापार चिह्न के लिए सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए धारा 15 के अधीन व्यापार चिह्न शृंखला रजिस्टर करने के लिए आवेदन प्रारूप व्या.चि.-37 में किया जाएगा।

(12) माल या सेवाओं के लिए किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन में—

(क) व्यापार चिह्न को, यदि आवश्यक हो तो, पर्याप्त सक्षमता के साथ शब्दों में वर्णित करके स्पष्ट किया जाएगा ताकि आवेदक का अधिकार अवधारित किया जा सके;

(ख) व्यापार चिह्न का ग्राफीय नमूनों में चित्रण करने में समर्थ होगा;

(ग) इसे तीन विमाओं वाले व्यापार चिह्नों के रूप में समझा जाएगा, यदि आवेदन में इस आशय का विवरण अंतर्निहित है;

(घ) इसे रंग समंजन वाले व्यापार चिह्न समझा जाएगा, यदि आवेदन में इस आशय का विवरण अंतर्निहित है;

(13) धारा 22 के परंतुक के अधीन आवेदन को विभाजित करने के लिए प्रारूप व्या.चि.-53 में संशोधन किया जाएगा।

- (14) यदि वह श्रृंखला व्यापार चिह्न नहीं है तो कितने भी वर्ग या वर्गों के माल या सेवाओं के लिए केवल एक व्यापार चिह्न की बाबत एक ही आवेदन किया जाएगा।
- (15) किसी वर्ग में सम्मिलित सभी माल या सेवाओं या किसी वर्ग में माल या सेवाओं के किसी बृहत किम्म की बाबत रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की दशा में रजिस्ट्रार उस आवेदन को स्वीकार करने से मना कर सकेगा जब तक कि उसका यह समाधान नहीं हो जाता है कि वह विनिर्देश उस चिह्न के उपयोग को न्यायसंगत ठहराता है जो आवेदक ने दिया है, या उसे वह देना चाहता है और यह तब जब वह रजिस्ट्रीकृत कर दिया जाता है।
- (16) प्रत्येक वर्ग के लिए माल या सेवाओं के विनिर्देश सामान्यतः पांच सौ लक्षणों से अधिक के नहीं होंगे। प्रथम अनुसूची में यथाविहित अधिक्य स्थान के लिए फीस प्रत्येक आवेदन के साथ प्ररूप व्या.चि.-61 में संदेय है।
- (17) विभिन्न वर्गों में सामूहिक चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन—
- (क) प्ररूप व्या.चि.-66 में किया जाएगा;
- (ख) किसी कन्वेंशन देश से विभिन्न वर्गों में सामूहिक चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन प्ररूप व्या.चि.-67 में किया जाएगा।
- (18) (क) विभिन्न वर्गों में प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन प्ररूप व्या.चि.-68 में किया जाएगा।
- (ख) किसी कन्वेंशन देश से विभिन्न वर्गों में प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन प्ररूप व्या.चि.-69 में किया जाएगा।

(19) जहां आवेदक एक से अधिक वर्गों के लिए एकल आवेदन फाइल करता है, और रजिस्ट्रार अवधारित करता है कि आवेदित माल या सेवा उन वर्ग या वर्गों के अतिरिक्त वर्ग या वर्गों के अंतर्गत आते हैं, तो वह उस आवेदक को आवेदित वर्ग के माल या सेवाओं के विनिर्देश तक निर्बंधित कर सकेगा या समुचित वर्ग की फीस और सम्भागीय फीस के संदाय पर अतिरिक्त वर्ग या वर्गों के लिए उस आवेदन को संशोधित करने के लिए निर्बंधित कर सकेगा। विभाजन के द्वारा सृजित नया वर्ग मूल रूप से फाइल करने की तारीख को या किसी कन्वेंशन देश से आवेदन की दशा में धारा 154 की उपधारा (2) के अधीन उस कन्वेंशन आवेदन की तारीख का फायदा ले सकता है। परन्तु यह कि वह दावा मूल आवेदन में अन्यथा यथोचित रूप से प्रख्यान किया गया हो।

26. कन्वेंशन ठहराव के अधीन आवेदन.—(1, जहां धारा 154 के अधीन किसी कन्वेंशन देश में सम्यक् रूप से फाइल किए गए किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी आवेदन के कारण पूर्विक्ता के अधिकार का दावा किया जाता है वहां यथास्थिति रजिस्ट्री या व्यापार चिह्न कार्यालय के सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रमाणपत्र के लिए नियम-25 के उपनियम (3), (4), (6), (7), (8) (ख), (11), (17) (ख) या (18) (ख) के अधीन रजिस्ट्रीकरण के आवेदन में समाविष्ट किया जाएगा और उस आवेदन में चिह्न, देश या देशों और आवेदन के फाइल करने की तारीख या तारीखों की विशिष्टियां और ऐसी अन्य विशिष्टियां जो रजिस्ट्रार द्वारा अपेक्षित हों सम्मिलित होंगी।

(2) जब तक कि रजिस्ट्रीकरण के लिए उस आवेदन को फाइल करने के समय ऐसा प्रमाण-पत्र फाइल नहीं किया गया है आवेदन के अंतर्गत आने वाले उस आवेदन के फाइल करने की तारीख, देश, चिह्न की समाकृति और माल या सेवाओं को रजिस्ट्रार के समाधान के लिए प्रमाणित करते हुए या सत्यापित करते हुए ऐसे आवेदन के फाइल करने के दो मास के भीतर वह फाइल किया जाएगा।

(3) आवेदन में कन्वेंशन आवेदन के फाइल करने की तारीख, उस कन्वेंशन देश का नाम, जहां यह फाइल किया गया, क्रम सं., यदि कोई हो, और ऐसा कोई विवरण जिसमें यह उपदर्शित किया गया हो कि पूर्विक्ता का दावा किया गया है, सम्मिलित होंगे :

परन्तु यह कि जहां आवेदक ने उसी व्यापार चिह्न की बाबत कुछ या सभी मालों या सेवाओं के लिए धारा 154 के अधीन एक से अधिक पूर्विक्ता दावे फाइल किए हैं, वहां रजिस्ट्रार, कन्वेंशन देश में किए गए पूर्वतर आवेदन की तारीख को, पूर्विक्ता की तारीख के रूप में लेगा :

परन्तु यह और कि ऐसी पूर्विक्ता तारीख केवल उन सभी या कुछ मालों या सेवाओं की बाबत होंगी जो कन्वेंशन आवेदन में पहले निर्दिष्ट किए गए हैं।

(4) जहां धारा 18 की उपधारा (2) के अधीन माल या सेवाओं के एक या अधिक वर्गों के लिए कन्वेंशन देश से कोई एकल आवेदन फाइल किया जाता है वहां आवेदक सभी ऐसे वर्गों में आवेदन के फाइल करने की तारीख के लिए रजिस्ट्रार के समाधान के लिए पर्याप्त आधार सिद्ध करेगा।

27. आवेदन में उपयोगकर्ता का विवरण.—जब तक कि व्यापार चिह्न का उपयोग करने की प्रस्थापना न की गई हो, व्यापार चिह्न को रजिस्ट्रीकृत करने के लिए आवेदन में उस कालावधि का, जिसके दौरान में और उस व्यक्ति का जिसने आवेदन में उल्लिखित माल या सेवाओं के संबंध में इसका उपयोग किया है, विवरण अंतर्निष्ठ होगा। रजिस्ट्रार आवेदक से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह उपयोग में लाये गये चिह्न को संदर्शित करने वाले प्रदेशों सहित ऐसे उपयोग विषयक परिसाक्ष्य वाला शपथपत्र फाइल करे।

28. चिह्न की समाकृति.—व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन में और जहां कि आवेदन की अतिरिक्त प्रतियां अपेक्षित हैं, वहां अन्य प्रतियों में चिह्न की समाकृति उस स्थान (8 सें.मी. x 8 सें.मी.) दी जाएगी जोकि आवेदन में उस प्रयोजन के लिए नियत है,

परंतु यह कि किसी भी दशा में ऐसी समाकृति का आकार 33 से.मी. × 20 से. मी. से अधिक नहीं होगा और जिसमें बाएं भाग में 4 से. मी. का हाशिया होगा।

29. अतिरिक्त समाकृतियाँ :—(1) व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन, इसमें तत्पश्चात् उपबंधित के सिवाय तीन प्रतियों में किया जाएगा और उसके साथ चिह्न की पांच अतिरिक्त समाकृतियाँ होंगी। आवेदन पर और उसकी प्रतियों में से प्रत्येक प्रति पर चिह्न की समाकृति और अतिरिक्त समाकृति ठीक एक दूसरे के सदृश होंगी। अतिरिक्त समाकृति सभी अवस्थाओं में उन वस्तुओं के, जिसके लिए रजिस्ट्रेशन चाहा गया है, वृत्त और वर्ग, आवेदक के नाम, उपयोग की कालावधि, यदि कोई हो, और ऐसी अन्य विशिष्टियों के जैसी कि समय-समय पर रजिस्ट्रार द्वारा अपेक्षित की जाएं, साथ टीपी जाएंगी और आवेदक या उसके अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होंगी।

(2) जहां किसी आवेदन में इस प्रभाव का कोई विवरण अंतर्विष्ट किया जाता है कि वह आवेदक ने रंगों के संयोजन को चिह्न की सुभिन्न आकृति के रूप में दावा करना चाहा है वहां उस आवेदन के साथ सुभिन्न चिह्न की एक प्रतिकृति श्याम और श्वेत और चिह्न की 4 प्रतिकृति रंगीन होंगी।

(3) जहां किसी आवेदन में इस प्रभाव का कोई विवरण अंतर्विष्ट होता है कि व्यापार चिह्न एक तीन आयामात्मक चिह्न है वहां चिह्न की प्रतिकृति में आयामात्मक ग्राफीय या फोटोग्राफीय निम्न प्रकार से अंतर्विष्ट होगी अर्थात् :—

(i) प्रस्तुत की गई प्रतिकृति में उस व्यापार चिह्न के तीन विभिन्न रूपण में होगी;

(ii) तथापि, जहां रजिस्ट्रार यह विचार करता है कि आवेदकों द्वारा भेजे गए चिह्न की प्रतिकृति तीन आयामात्मक चिह्न की विशिष्टियों को पर्याप्त रूप से दर्शित नहीं करती है, वहां वह आवेदक से उस चिह्न के पांच और विभिन्न रूपण तक और उस चिह्न का शब्दों द्वारा वर्णन दो मास के भीतर भेजने की मांग कर सकेगा;

(iii) जहां रजिस्ट्रार यह विचार करता है कि खंड (2) में निर्दिष्ट चिह्न के विभिन्न रूपण और/या वर्णन अभी तक तीन आयामात्मक चिह्न की विशिष्टियों को पर्याप्त रूप से दर्शित नहीं करते हैं वहां वह आवेदक से उस व्यापार चिह्न का नमूने भेजने की मांग कर सकेगा।

(4)(i) माल या उसकी पैकेजिंग की आकृति के रूप में किसी व्यापार चिह्न के किसी रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी आवेदन की दशा में भेजी गई प्रतिकृति में व्यापार चिह्न के कम से कम पांच विभिन्न रूपण और उस चिह्न का शब्द द्वारा वर्णन होगा।

(ii) यदि रजिस्ट्रार विचार करता है कि खंड (i) में उस चिह्न के विभिन्न रूपण और वर्णन माल या उसकी पैकेजिंग की आकृति की विशिष्टियों को पर्याप्त रूप में अभी भी दर्शित नहीं करते हैं तो वह यथास्थिति माल या पैकेजिंग का नमूने भेजने की आवेदक से मांग कर सकेगा।

30. समाकृति टिकाऊ और संतोषजनक होनी चाहिए :—(1) व्यापार चिह्न की सब समाकृतियाँ टिकाऊ होनी चाहिए और रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के साथ फाइल की जाने के लिए अपेक्षित अतिरिक्त समाकृति लगभग (13 इंच × 33 सेंटीमीटर × 20 सेंटीमीटर) के आकार के मजबूत कागज पर मढ़ी होनी चाहिए और कागज के वाम भाग में अन्यून (खेद 4 सेंटीमीटर) हाशिया होना चाहिए।

(2) यदि रजिस्ट्रार चिह्न की किसी समाकृति से संतुष्ट है तो वह आवेदन पर आगे कार्यवाही करने से पूर्व किसी समय यह अपेक्षा कर सकेगा कि उसके बदले में ऐसी अन्य समाकृति लगायी जाये जैसी कि रजिस्ट्रार को संतोषजनक लगती है।

(3) जहां व्यापार चिह्न की समाकृति उस रीति में नहीं दी जा सकती जो इसमें ऊपर दी गई है वहां व्यापार चिह्न को नमूना या प्रतिलिपि पूरे आकार में या छोटे पैमाने में और ऐसे प्ररूप में जिसे रजिस्ट्रार अधिक सुविधाजनक समझे भेज सकेगा।

31. व्यापार चिह्नों की अवलि:—(1) जहां कि धारा 15 की उपधारा (3) के अधीन व्यापार चिह्नों की अवलियों के रजिस्ट्रारण के लिए आवेदन किया जाता है, वहां अवलियों में के प्रत्येक व्यापार चिह्न की समाकृति की प्रतियाँ आवेदन के साथ नियम 28 और 29 में उपवर्णित रीति में भेजी जाएंगी।

(2) धारा 15 की उपधारा 3 के अधीन व्यापार चिह्न अवली के स्वत्वधारी का दावा करने वाला कोई आवेदक एक रजिस्ट्रेशन के लिए किसी श्रृंखला के रूप में उसका रजिस्ट्रीकरण के लिए यथास्थिति प्ररूप व्या. चि.-8 या व्या. चि.-37 में रजिस्ट्रार को आवेदन कर सकेगा और प्रत्येक ऐसे आवेदन में प्रत्येक वर्ग के उस व्यापार चिह्न की समाकृति संलग्न होगी जिसका उस अवली में दावा किया गया है। रजिस्ट्रार यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि वह चिह्न किसी श्रृंखला का गठन करते हैं तो वह आवेदनों में आगे की कार्यवाही करेगा।

(3) व्यापार चिह्न जनरल में आवेदन के प्रकाशन के पूर्व किसी भी समय उपनियम (2) के अधीन आवेदन करने वाला आवेदक उस अवलि के एक या अधिक चिह्नों की बाबत यथास्थिति प्रथम आवेदन या आवेदनों में उस आवेदन के विभाजन का प्ररूप व्या. चि. 53 पर निवेदन कर सकेगा और रजिस्ट्रार यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि निवेदित विभाजन धारा 15 की उपधारा (3) के अनुरूप है उस आवेदन या आवेदनों को तदनुसार विभाजित करेगा।

(4) उप नियम (3) के अधीन एक या अधिक आवेदनों में किसी आवेदन का विभाजन सम्भागीय फीस और ऐसी वर्ग फीस जो समुचित है के संदाय पर किया जाएगा।

32. किसी कम्पनी के नाम की तलाशी के लिए निवेदन:—रजिस्ट्रार द्वारा किसी जरनल में जनता को प्ररूप व्या. वि. — 11 में कोई अनुरोध किए जाने के लिए अनुज्ञात किए जाने के पश्चात् कोई व्यक्ति रजिस्ट्रार को तलाशी किए जाने और कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 20 की उपधारा (2) के खंड (ii) के अनुसरण में कोई इस आशय का प्रमाण पत्र जारी किए जाने के लिए अनुरोध कर सकेगा कि उस कम्पनी की बाबत जिसके लिए अनुरोध किया गया है उसके सदृश कोई व्यापार चिह्न या उसके नाम के इतना समरूप जिससे धोखा हो जाए व्यापार चिह्न के रूप में रजिस्ट्रीकृत नहीं किया गया है या व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 (1999 का 47) के अधीन ऐसा कोई व्यापार चिह्न लंबित है।

33. लिप्यांतर और अनुवाद:—जहां किसी व्यापार चिह्न में एक या कई शब्द हिन्दी या अंग्रेजी लिपि से भिन्न लिपि में हैं वहां अंग्रेजी या हिन्दी के ऐसे प्रत्येक शब्द का पर्याप्त लिप्यांतर और अनुवाद आवेदन प्ररूप और उसका अतिरिक्त समाकृतियों पर ऐसे पृष्ठांकित होगी जो रजिस्ट्रार को समाधानप्रद लगता है और प्रत्येक ऐसे पृष्ठांकन में वह भाषा भी कथित होगी जिस भाषा का वह शब्द है और उस पर आवेदक या उसका अधिकर्ता के हस्ताक्षर होंगे।

34. जीवित व्यक्तियों या हाल ही में मरे व्यक्तियों के नाम और समाकृति जहाँ कि किसी व्यक्ति का नाम या समाकृति व्यापार चिह्न में दी हुई है, वहां आवेदक अपने से यह अपेक्षा रजिस्ट्रार द्वारा किये जाने पर यथास्थिति उस अवस्था में, जिसमें कि वह व्यक्ति जीवित है, ऐसे व्यक्ति की उम्र अवस्था में, जिसमें कि उसकी मृत्यु उस तारीख के पूर्व बीस वर्ष के अन्दर हो गई थी, जिसको कि व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन दिया गया था, उसके वैध प्रतिनिधि को इस बात के लिए लिखित सम्मति कि उसके नाम या उसकी समाकृति का ऐसा उपयोग किया जा सकता है, रजिस्ट्रार को देगा और यदि ऐसी सम्मति नहीं दी जाती तो व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए अपवेदन पर कोई कार्यवाही करने से रजिस्ट्रार इंकार कर सकेगा।

35. व्यापार चिह्न पर माल या सेवाओं का नाम या अभिवर्णन :—(1) जहाँ किसी माल या सेवाओं का नाम या अभिवर्णन व्यापार चिह्न में दिया हुआ है, वहां रजिस्ट्रार ऐसे दिये नाम या अभिवर्णन वाले माल या सेवाओं से भिन्न किसी माल या सेवाओं के संबंध में ऐसे व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकरण करने से इंकार कर सकेगा।

(2) जहाँ कि किसी माल या सेवाओं का नाम अभिवर्णन व्यापार चिह्न में दिया हुआ है और वह नाम या अभिवर्णन उपयोग में लाये जाने में परिवर्तित होता रहता है, वहां रजिस्ट्रार उन माल या सेवाओं और अन्य माल या सेवाओं के लिए चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए अनुज्ञा तब दे सकेगा जब कि आवेदक यह वचन दे कि नाम और अभिवर्णन में परिवर्तन उस सूरत में किया जायेगा जिसमें कि वह नामांकित या अभिवर्णित माल या सेवाओं से भिन्न ऐसी माल या सेवाओं पर उपयोग में लाया जाता है जो कि विनिर्देश के अंतर्गत आ जाती है; इस भांति दिया गया वचन आवेदन के उस विज्ञापन में सम्मिलित किया जायेगा जो कि जरनल में धारा 20 के अधीन किया जाता है।

36. कमियाँ :—जहाँ नियम 11 के उपनियम (2) के अधीन किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन अधिनियम या नियमों उपबंधों में से किन्हीं अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है वहाँ रजिस्ट्रार कमियों के उपचार के लिए आवेदक को उनकी सूचना भेजेगा और यदि उस सूचना की तारीख से एक मास के भीतर उसको इस प्रकार अधिसूचित किसी कमी का उपचार करने में असफल रहता है तो आवेदन को परित्यक्त समझा जाएगा।

व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर प्रक्रिया

37. अभिस्वीकृति और तलाशी:—(1) किसी माल या सेवाओं के बारे में व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन की प्राप्ति रजिस्ट्रार द्वारा अभिस्वीकृत की जाएगी। यह अभिस्वीकृति करने की रीति यह होगी कि आवेदक ने अपने आवेदन के साथ जो अतिरिक्त समाकृतियाँ फाइल की हैं उनमें से एक पर आवेदन की राजकीय संख्या सम्यक्तः डालकर वह एक समाकृति लौटा दी जाये।

(2) रजिस्ट्रार किन्हीं माल या सेवाओं की बाबत व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर यह अभिनिश्चित करने के लिए कि वैसे ही माल या सेवाओं या उसी प्रकार के माल या सेवाओं की बाबत ऐसे कोई चिह्न अभिलेख संग्रह में हैं जो कि उस चिह्न से तादात्म्य है या इतने समरूप है कि धोखा हो जाए रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्नों की और लंबित आवेदनों का मुआयना करेगा और रजिस्ट्रार आवेदन को प्रतिग्रहीत करने से पूर्व पुनः ऐसा मुआयना कर सकेगा किन्तु ऐसा करने के लिए वह बाध्य नहीं होगा।

38. त्वरित जांच, प्रतिग्रहण विषयक आपत्ति, सुनवाई :—(1) नियम 37 के उपनियम (1) के अधीन आवेदन की शासकीय संख्या की प्राप्ति के पश्चात् आवेदक व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की त्वरित जांच के लिए आवेदन फीस की पांच गुणी फीस के संदाय पर निवेदन के लिए कारणों को कथन करते हुए घोषणा के साथ प्ररूप व्या. वि. 63 में निवेदन कर सकेगा।

(2) यदि उपनियम (1) के अधीन फाईल की गई घोषणा के आधार पर रजिस्ट्रार का यह समाधान हो जाता है कि आवेदन की त्वरित जांच आवश्यक है तो वह ऐसी आवेदन की त्वरित जांच उस क्रम में जिसमें निवेदन फाईल किये जाते हैं करवाएगा और व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए उम आवेदन की तारीख से तीन मास से अपूर्व जांच रिपोर्ट सामान्यतः जारी कर सकेगा।

(3) यदि रजिस्ट्रार उपनियम (1) के अधीन निवेदन से इंकार करता है तो आवेदक संदत्त फीस को वापिस लेने का हकदार होगा:

परन्तु किसी ऐसे निवेदन से इंकार करने से पूर्व रजिस्ट्रार आवेदक को सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा।

(4) यदि व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के या उपनियम (1) में निर्दिष्ट आवेदन की त्वरित परीक्षा के लिए आवेदन पर उपयोग या सुभिन्नता के या किसी अन्य बात के बारे में ऐसे किसी साक्ष्य पर, जिसे आवेदक दे या जिसे देने की अपेक्षा आवेदक से की गई है विचार करने पर, यदि आवेदन के प्रतिग्रहण के संबंध में कोई आपत्ति रजिस्ट्रार करता है या ऐसी शर्तों, संशोधनों, रूपांतरणों या मर्यादाओं के अधीन रहते हुए धारा 18 की उपधारा (4) के अधीन जिन्हें कि वह अधिरोपित करना ठीक समझता है उसे प्रतिग्रहीत करने की प्रस्थापना करता है, तो रजिस्ट्रार ऐसी आपत्ति या प्रस्थापना की लिखित संसूचना आवेदक को देगा।

(5) यदि आवेदक उपनियम (4) में निर्दिष्ट संसूचना की तारीख से एक मास के भीतर किसी ऐसी प्रस्थापना का अनुपालन करने में असफल रहता है या किसी आक्षेप अथवा प्रस्थापना के संबंध में अपनी टिप्पणी रजिस्ट्रार को प्रस्तुत करने में असफल रहता है या सुनवाई के लिए आवेदन नहीं करता है या सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं होता है तो यह समझा जाएगा कि आवेदन परित्यक्त कर दिया गया है।

39. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन का प्रत्याहरण करने की सूचना—व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन का प्रत्याहरण धारा 133 की उपधारा (2) या नियम 24 के उपनियम (2) के अधीन करने की इस प्रयोजन से सूचना कि आवेदन फाईल करने के अवसर पर दी गई किसी फीस का प्रतिदान करा लिया जाए नियम 38 के उपनियम (4) में वर्णित संसूचना की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर लिखित रूप में दी जाएगी।

40. रजिस्ट्रार का विनिश्चय—(1) रजिस्ट्रार ने जो विनिश्चय नियम 38 के अधीन या सुनवाई के पश्चात् या नियम 42 के अधीन सुनवाई के पश्चात् या उस दशा में सुनवाई बिना जिसमें कि आवेदक ने अपनी बात लिख कर सम्यक्तः संसूचित कर दी है और यह कथन कर दिया है कि मैं अपनी सुनवाई नहीं चाहता हूँ, किया है, उसकी लिखित संसूचना आवेदक को दी जाएगी और यदि आवेदक ऐसे विनिश्चय की अपील करने का आशय रखता है, तो वह ऐसी संसूचना की प्राप्ति की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर प्ररूप व्या.चि. 15 पर रजिस्ट्रार से यह अपेक्षा करने वाला आवेदन कर सकेगा कि रजिस्ट्रार अपने विनिश्चय के आधारों का और उन सामग्रियों का जिनका उपयोग उसने अपना विनिश्चय करने के लिए किया है, लिखित कथन दे।

(2) उस दशा में जिसमें कि रजिस्ट्रार ऐसी कोई अपेक्षाएं करता है आवेदक को जिनकी बाबत कोई आपत्ति नहीं है, आवेदक उन अपेक्षाओं का अनुवर्तन रजिस्ट्रार द्वारा उपनियम (1) के अधीन लिखित कथन दिए जाने के पूर्व करेगा।

(3) जिस तारीख को लिखित कथन उपधारा (1) के अधीन प्राप्त होता है, वह तारीख अपील के प्रयोजन के लिए वह तारीख समझी जाएगी जिसको रजिस्ट्रार ने अपना विनिश्चय किया है।

41. आवेदन में शुद्धि और संशोधन—व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक, अपने आवेदन में या तत्संबंधी किसी गलती को शुद्ध करने के लिए या अपने आवेदन में कोई संशोधन करने के लिए आवेदन उसके साथ विहित फीम देकर अपने आवेदन के प्रतिग्रहण के या तो पूर्व या पश्चात् किंतु चिह्न के रजिस्ट्रीकरण से पूर्व प्ररूप व्या.चि. 16 में कर सकेगा :

परन्तु ऐसा कोई संशोधन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जो मूल व्यापार चिह्न को सारभूत रूप से परिवर्तन करने या माल या सेवाओं के ऐसे नए विनिर्देश को रखने का प्रभाव रखता हो जो मूल आवेदन में समाविष्ट नहीं किया गया हो।

42. प्रतिग्रहण को रजिस्ट्रार द्वारा प्रत्याहृत कर लेना—(1) यदि रजिस्ट्रार को आवेदन के प्रतिग्रहण के संबंध में कोई आपत्ति आवेदन के प्रतिग्रहण के पश्चात् किंतु व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण से पूर्व इस आधार पर कि वह गलती से प्रतिग्रहीत कर लिया गया है, या उस चिह्न मामले की उन अवस्थाओं में प्रतिग्रहीत नहीं किया जाना चाहिए था, या रजिस्ट्रार यह प्रस्थापना करता है कि वह चिह्न केवल उन शर्तों, मर्यादाओं, विभाजनों के अधीन भी, या उन शर्तों या मर्यादाओं के जिन पर कि आवेदन प्रतिग्रहीत किया गया है अतिरिक्त या उनसे भिन्न शर्तों पर रजिस्ट्रीकृत किया जाना चाहिए, तो रजिस्ट्रार ऐसी आपत्ति की लिखित संसूचना आवेदक को देगा।

(2) आवेदक जब तक कि रजिस्ट्रार की अपेक्षाओं का अनुपालन करने की दृष्टि से अपने आवेदन का संशोधन उपनियम (1) में वर्णित संसूचना की प्राप्ति की तारीख से तीन दिन के भीतर या सुनवाई के लिए आवेदन नहीं कर देता है, आवेदन के प्रतिग्रहण की बाबत यह समझा जायेगा कि रजिस्ट्रार ने उसे प्रत्याहृत कर लिया है और आवेदन की बाबत ऐसी कार्यवाही की जायेगी मानो कि उसे प्रतिग्रहीत नहीं किया गया हो।

(3) जहां कि रजिस्ट्रार को आवेदक उपनियम (2) में वर्णित कालावधि के भीतर यह सूचित करता है कि मेरी यह इच्छा है कि मेरी सुनवाई हो तो आवेदक को रजिस्ट्रार उस तारीख की सूचना देगा जिसको रजिस्ट्रार उसकी सुनवाई करेगा। जब तक कि आवेदक इससे अल्पकाल वाली सूचना के लिए सम्मत न हो जाये, ऐसी सुनवाई की तारीख सूचना की तारीख से कम से कम 15 दिन बाद की रखी जाएगी। आवेदक यह कथन कर सकेगा कि वह अपनी व वैयक्तिक सुनवाई कराना नहीं चाहता और वह वे बातें पेश कर सकेगा जिन्हें कि वह वांछनीय समझता है।

(4) रजिस्ट्रार आवेदक की सुनवाई के पश्चात् या यदि आवेदक ने कोई बातें उसके समक्ष लिखित रूप में पेश की हैं तो उन पर विचार करने के पश्चात् ऐसे आदेश दे सकेगा जैसे कि वह ठीक समझता है।

आवेदन का विज्ञापन

43. **विज्ञापन की रीति**—(1) व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन की बाबत धारा 20 की उपधारा (1) में यह अपेक्षा की जाती है कि उसे विज्ञापित किया जाए या उस धारा की उपधारा (2) द्वारा उसे पुनः विज्ञापित किया जाए उसे जरनल में सामान्यतः रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के प्रतिग्रहण से छह मास के भीतर या धारा 154 की उपधारा (2) में निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर, जो भी बाद में हो, विज्ञापित किया जाएगा।

(2) जहां आवेदन किया गया व्यापार चिह्न, शब्द से भिन्न है, वहां रजिस्ट्रार आवेदक को, विज्ञापन के लिए आदेश किए गए व्यापार चिह्न की कैमरा रेडी प्रति को, डेस्क टाप प्रकाशन पैकेज में इलैक्ट्रॉनिक रूप से अवलोकन करने के लिए, प्रस्तुत करने के लिए कहेगा।

(3) रजिस्ट्रार जरनल में जनता को सूचित करने के पश्चात् जरनल में प्रकाशित आवेदनों के इंटरनेट, वेब साइट या किसी अन्य इलैक्ट्रॉनिक मीडिया पर रखेगा।

(4) रजिस्ट्रार जरनल में जनता को सूचित करने के पश्चात् उनकी लागत के संदाय पर सीडी-आर ओ एम में जरनल को उपलब्ध कराएगा।

44. **अवलियों का विज्ञापन**—जहां कि आवेदन ऐसे व्यापार चिह्नों की अवली के संबंध में है जो एक दूसरे से धारा 15 की उपधारा (3) में वर्णित विशिष्टियों की दृष्टि में विभिन्न हैं वहां यदि रजिस्ट्रार ठीक समझे तो वह आवेदन के विज्ञापन के साथ यह विवरण दे सकेगा कि वे व्यापार चिह्न एक दूसरे से किस प्रकार विभिन्न हैं।

45. **आवेदन में शुद्धि या संशोधन करने की अधिसूचना**—रजिस्ट्रार उस आवेदन की दशा में जिसे धारा 20 की उपधारा (2) का खंड (ख) लागू है, उस सूरत में जिसमें कि वह ऐसा विनिश्चय करता है, आवेदन को पुनः विज्ञापित कराने के बजाय आवेदन की संख्या, वह वर्ग जिसमें वह किया गया है, आवेदक का नाम और उसके कारबार का भारत में मुख्य स्थान का पता, यदि कोई हो, या जहां आवेदन का कोई कारबार का भारत में मुख्य स्थान नहीं है वहां भारत में तामील के लिए उसका पता, उस जरनल की संख्या जिसमें यह विज्ञापित किया गया है और आवेदन में की गई शुद्धि या संशोधन उपवर्णित करने वाली अधिसूचना जरनल में दे सकेगा।

46. चिह्न के विज्ञापन की विशिष्टियां देने के लिए रजिस्ट्रार से निवेदन प्ररूप व्या. चि. 58 में कोई व्यक्ति रजिस्ट्रार से यह निवेदन कर सकेगा कि रजिस्ट्रार उस जरनल की संख्या, तारीख की जानकारी दे जिसमें प्ररूप में विनिर्दिष्ट उस व्यापार चिह्न का विज्ञापन हुआ था जिसका रजिस्ट्रीकरण चाहा गया है और रजिस्ट्रार निवेदन करने वाले व्यक्ति को ऐसी विशिष्टियां देगा।

रजिस्ट्रीकरण का विरोध

47. **विरोध की सूचना**—(1) व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के विरोध की सूचना धारा 21 की उपधारा (1) के अधीन जनता को जरनल उपलब्ध कराए जाने की तारीख वह तारीख जो रजिस्ट्रार द्वारा ही प्रमाणित की जाएगी, से तीन मास के अंदर या ऐसी और अवधि के अंदर जो कुल मिलाकर एक मास से अधिक नहीं होगी, प्ररूप व्या.चि. 5 में तीन प्रतियों में दी जाएगी। इस सूचना के अंतर्गत उन आधारों का कथन होगा जिन पर विरोधी रजिस्ट्रीकरण पर आपत्ति करता है। यदि रजिस्ट्रीकरण का विरोध इस आधार पर किया जाता है कि प्रश्नास्पद व्यापार चिह्न पहले से ही रजिस्ट्र में के विद्यमान चिह्नों के सदृश है तो ऐसे व्यापार चिह्नों की रजिस्ट्रीकरण संख्याएं और उन जरनलों की, जिनमें उनका विज्ञापन किया जा चुका है, तारीखें भी दी जाएंगी।

(2) जहां विरोध की सूचना व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी एकल आवेदन की बाबत फाइल किया गया है, वहां प्रत्येक ऐसे वर्ग की बाबत उस पर फीस दी जाएगी जिसके संबंध में वह विरोध प्ररूप व्या. चि. 5 में फाइल किया जाता है।

(3) जहां कोई विरोध किसी एकल आवेदन की बाबत में केवल किसी विशिष्ट वर्ग या वर्गों के लिए धारा 18 की उपधारा (2) के अधीन फाइल किया जाता है वहां शेष वर्ग या वर्गों के आवेदन पर रजिस्ट्रीकरण के लिए आगे की कार्यवाही तब तक नहीं होगी जब तक कि आवेदक द्वारा सम्भागीय फीस के साथ आवेदन के विभाजन के लिए कोई निवेदन प्ररूप व्या.चि. 53 में नहीं किया जाता है।

(4) जहां किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी एकल आवेदन की बाबत किसी वर्ग या वर्गों में विरोध की सूचना फाइल नहीं की जाती है वहां ऐसे वर्ग या वर्गों की बाबत ऐसा आवेदन धारा 19 और धारा 23 की उपधारा (1) के अध्याधीन होगा, उस आवेदन पर उस वर्ग या वर्गों में आवेदन के विभाजन के पश्चात् जिसकी बाबत कोई विरोध संबंधित नहीं है रजिस्ट्रीकरण के लिए आगे कार्यवाही की जाएगी।

(5) किसी विशिष्ट जनरल की बाबत प्राप्त माल या सेवाओं के लिए किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के विरोध की सभी सूचनाएं उस व्यापार चिह्न जनरल में अधिसूचित की जाएंगी।

परन्तु यह कि इस उपनियम की किसी बात का यह अर्थ नहीं लगाया जाएगा जिससे कल्पना की जा सके कि इस प्रकार प्रकाशित किसी विशिष्ट जनरल के सभी शेष व्यापार चिह्नों पर स्वतः ही रजिस्ट्रीकरण की कार्यवाही हो जाएगी।

(6) जिस कालावधि में व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के विरोध की सूचना धारा 21 की उपधारा (1) के अधीन दी जा सकेगी उसे बढ़ाने के लिए आवेदन प्रथम अनुसूची में विहित अनुसूची में विहित फीस सहित धारा 21 की उपधारा (1) के अधीन तीन मास की अवधि के पूर्व प्ररूप व्या.चि.-44 में किया जाएगा।

(7) विरोध की सूचना की एक प्रति समुचित कार्यालय द्वारा उसकी प्राप्ति के तीन मास के भीतर आवेदकों को रजिस्ट्रार द्वारा तामील कराई जाएगी।

विरोध की सूचना की अपेक्षाएं

48. (1) विरोध की सूचना में निम्नलिखित होगा—

(क) उस आवेदन की बाबत जिसके विरुद्ध विरोध दर्ज किया जाता है—

- (i) उस आवेदन की आवेदन संख्या जिसके विरुद्ध विरोध दर्ज किया जाता है;
- (ii) उस व्यापार चिह्न के आवेदन में सूचीबद्ध उन माल या सेवाओं का उपदर्शन जिसके विरुद्ध विरोध दर्ज किया जाता है; और
- (iii) व्यापार चिह्न के आवेदक का नाम।

(ख) उस पूर्वतर चिह्न या पूर्वतर अधिकार की बाबत जिस पर विरोध आधारित है—

- (i) जहां विरोध किसी पूर्वतर चिह्न पर आधारित है वहां उस प्रभाव का कथन और पूर्वतर चिह्न की प्रास्थिति का कोई उपदर्शन ;
- (ii) जहां उपलब्ध हो पूर्वतर चिह्न की आवेदन संख्या या रजिस्ट्रीकरण संख्या और फाइल करने की तारीख जिसके अंतर्गत पूर्वतर चिह्न की तारीख भी है;
- (iii) जहां विरोध किसी पूर्वतर चिह्न पर आधारित है जिसके बारे में अभिकथन है कि वह धारा 11 की उपधारा (2) के अर्थान्तर्गत एक सुविख्यात व्यापार चिह्न है, वहां उस आशय का उपदर्शन और उस देश या देशों का उपदर्शन जिनमें पूर्वतर चिह्न को सुविख्यात रूप से मान्यता दी गई है;
- (iv) जहां विरोध किसी ऐसे पूर्वतर व्यापार चिह्न पर आधारित है जिसकी अधिनियम की धारा 11 के उपधारा (2) के खंड (ख) के अर्थान्तर्गत एक प्रतिष्ठा है वहां उस आशय का उपदर्शन और यह उपदर्शन कि वह पूर्वतर चिह्न रजिस्ट्रीकृत है या उपयोजित है अथवा नहीं;
- (v) विरोधी के चिह्न की समाकृति और जहां समुचित हो उस चिह्न या पूर्वतर अधिकार का एक अभिवर्णन; और
- (vi) जहां उन माल या सेवाओं जिनकी बाबत पूर्वतर चिह्न रजिस्ट्रीकृत किया गया है या उपयोजित किया गया है या जिसकी बाबत पूर्वतर चिह्न धारा 11 की उपधारा (2) के अर्थान्तर्गत सुविख्यात है या उस धारा के अर्थान्तर्गत उसकी एक प्रतिष्ठा है वहां वह विरोधी उन सभी माल या सेवाओं को उपदर्शित करते समय जिसके लिए पूर्वतर चिह्न संरक्षित है उन माल या सेवाओं को भी उपदर्शित करेगा जिन पर विरोध आधारित है।

(ग) विरोध करने वाले पक्षकार की बाबत—

- (i) जहां विरोध पूर्वतर चिह्न के या पूर्वतर अधिकार के स्वत्वधारी द्वारा दर्ज किया जाता है वहां उसका नाम और पता तथा यह उपदर्शन कि वह ऐसे चिह्न या अधिकार का स्वत्वधारी है;

- (ii) जहाँ विरोध अनुज्ञप्तिधारी द्वारा किसी रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता न होने के कारण दर्ज किया जाता है वहाँ अनुज्ञप्तिधारी का नाम और उसका पता तथा ऐसा कोई उपदर्शन कि वह विरोध दर्ज करने के लिए प्राधिकृत किया गया है;
- (iii) जहाँ विरोध किसी व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के उस हक उत्तराधिकारी द्वारा दर्ज किया जाता है जिसका नए स्वत्वधारी के रूप में रजिस्ट्रीकरण नहीं किया गया है उस आशय का उपदर्शन विरोध करने वाले पक्षकार का नाम और पता और उस तारीख का उपदर्शन जिसको नए स्वत्वधारी के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन उस समुचित कार्यालय द्वारा प्राप्त किया गया था या जहाँ वह जानकारी उपलब्ध नहीं है वहाँ उस समुचित कार्यालय को वह आवेदन भेजा गया था; और
- (iv) जहाँ विरोध करने वाले पक्षकार का कारबार का भारत में कोई स्थान नहीं है वहाँ विरोधकर्ताओं का नाम और भारत में उसकी तामील करने का पता।
- (घ) वे आधार जिनपर विरोध आधारित हैं :—
- (1) विरोध की सूचना को विरोधी द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जो उस मामले के तथ्यों से परिचित है अधोभाग पर सत्यापित किया जाएगा।
 - (2) सत्यापित करने वाला व्यक्ति विरोध की सूचना के संख्यांकित पैराओं के प्रतिनिर्देश से जो वह अपने स्वयं के ज्ञान से और जो वह प्राप्त सूचना के आधार पर और उसे सत्य मान कर सत्यापित करता है, विनिर्दिष्ट रूप से कथन करेगा।
 - (3) सत्यापन, उसे सत्यापित करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और जिस तारीख को वह हस्ताक्षरित किया गया था और जिस स्थान पर वह हस्ताक्षरित किया गया था कथन करेगा।

49. प्रतिकथन.—(1) धारा 21 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार प्रतिकथन रजिस्ट्रार से विरोध की सूचना की प्रति के आवेदक द्वारा प्राप्त होने से दो मास के भीतर प्ररूप व्या.चि. -6 में तीन प्रतियों में भेजा जाएगा और उसमें यह भी वर्णित होगा कि विरोध की सूचना में अभिकथित वे तथ्य यदि कोई हो, कौन से हैं जिन्हें आवेदक ने स्वीकार कर लिया है रजिस्ट्रार प्रतिकथन की एक प्रति की तामील उसकी प्राप्ति की तारीख से सामान्यतः दो मास के भीतर विरोधी पर कराएगा।

(2) प्रतिकथन को उसी रीति में सत्यापित किया जाएगा जिस रीति में विरोध की सूचना जो नियम 48 के उपनियम (1) खंड (ड)(1) में कथित की गई है।

50. विरोध के समर्थन में साक्ष्य.—(1) प्रतिकथन की प्रति की तामील विरोधी पर जिस दिन करा दी हो उससे दो महीने के भीतर या उसके पश्चात् कुल मिलाकर एक मास से अनधिक की ऐसी आगे की अवधि के भीतर जो निवेदन पर रजिस्ट्रार अनुज्ञात करे, विरोध या तो रजिस्ट्रार के पास ऐसा साक्ष्य शपथ पत्र द्वारा देगा जैसा कि वह अपने विरोध के समर्थन में देना चाहता है या रजिस्ट्रार को और आवेदक को यह लिखित प्रज्ञापन देगा कि मैं अपने विरोध के समर्थन में साक्ष्य नहीं देना चाहता हूँ, किंतु मेरा यह आशय है कि विरोध की सूचना में कथित तथ्यों का मैं सहारा लूंगा। वह आवेदक को ऐसे किसी साक्ष्य की प्रतियां देगा जिन्हें उसने रजिस्ट्रार के पास इस उपनियम के अधीन दिया है और ऐसी प्रतियां देने की लिखित में रजिस्ट्रार को सूचना देगा।

यदि विरोधी उपनियम (1) के अधीन उसमें वर्णित समय के भीतर कोई कार्यवाही नहीं करता है, तो यह समझा जाएगा कि विरोधी ने अपने विरोध का परित्याग कर दिया है।

(3) उपनियम (1) में वर्णित एक मास की अवधि के बढ़ाने के लिए आवेदन उसमें वर्णित दो मास की अवधि की समाप्ति से पूर्ण विहित फीस के साथ प्ररूप व्या० चि० 56 में किया जाएगा।

51. आवेदन के समर्थन में साक्ष्य.—(1) आवेदक रजिस्ट्रार के पास शपथ पत्र के रूप में ऐसा साक्ष्य विरोध के समर्थन में शपथ पत्रों की प्रतियों अपने को मिलने से या अपने को यह प्रज्ञापना मिलने से कि विरोधी अपने विरोध के समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं देना चाहता दो मास के भीतर या उसके पश्चात् कुल मिलाकर एक मास से अनधिक की ऐसी और अवधि के भीतर जो निवेदन पर रजिस्ट्रार अनुज्ञात करे देगा जैसा कि वह अपने आवेदन के समर्थन में देना चाहता है और उसकी प्रतियां वह विरोधी को देगा या रजिस्ट्रार को और विरोधी को वह यह प्रज्ञापना देगा कि मैं कोई साक्ष्य नहीं देना चाहता, किंतु मेरा यह आशय है कि प्रतिकथन में कथित तथ्यों का और/या प्रश्नास्पद आवेदन के संबंध में अपने द्वारा पेश कर दिए गए साक्ष्य का सहारा लूंगा। उस अवस्था, में जिसमें आवेदक आवेदन के संबंध में अपने द्वारा पेश किये जा चुके किसी साक्ष्य का सहारा लेता है, वह उसकी प्रतियां विरोधी को देगा।

(2) उपनियम (1) में वर्णित एक मास की अवधि को बढ़ाने के लिए आवेदन उसमें वर्णित दो मास की अवधि की समाप्ति से पूर्ण विहित फीस के साथ प्ररूप व्या. चि. 56 में किया जाएगा।

52. **विरोधी द्वारा दिए गए उत्तर में साक्ष्य.**—विरोधी द्वारा आवेदक के शपथपत्र की प्रतियां प्राप्त करने से एक मास के भीतर या ऐसी और अवधि के भीतर जो कुल मिलाकर एक मास से अधिक नहीं होगी और तत्पश्चात् जिसे रजिस्ट्रार प्ररूप व्यापार चिह्न-56 में अनुरोध पर अनुज्ञात करे, विरोधी उत्तर में शपथ पत्र द्वारा रजिस्ट्रार को साक्ष्य देगा और आवेदक को उसकी प्रतियां परिदत्त करेगा। यह साक्ष्य पूर्णतया केवल उस मामले तक सीमित होगा जो उत्तर से संबंधित है।

53. **और साक्ष्य.**—किसी की ओर से कोई और साक्ष्य नहीं दी जाएगी, किन्तु रजिस्ट्रार के समक्ष किन्हीं कार्यवाहियों में वह किसी भी समय, यदि उचित समझे, तो वह आवेदक को या विरोधी को ऐसे निबंधनों और खर्च पर या जिसे वह अन्यथा ठीक समझे कोई साक्ष्य देने की इजाजत दे सकेगा।

54. **प्रदर्श.**—जहां कि विरोध में फाइल किये गये शपथ-पत्रों के साथ प्रदर्श हैं, वहां प्रत्येक प्रदर्श की एक प्रति या छाप अन्य पक्षकार को उसके निवेदन पर और उसके व्यय पर भेजी जायेगी, या उस अवस्था में, जिसमें कि ऐसी प्रतियां या छाप सुविधापूर्वक नहीं दी जा सकती, मूल प्रतियां रजिस्ट्रार के पास निरीक्षणार्थ छोड़ी जा सकेंगी। जब तक कि रजिस्ट्रार अन्यथा निदेश न दे, मूल प्रदर्श सुनवाई के अवसर पर पेश किये जाएंगे।

55. **दस्तावेजों का अनुवाद.**—जहां कि हिंदी या अंग्रेजी से भिन्न भाषा वाली किसी दस्तावेज के प्रति निर्देश विरोध की सूचना में प्रतिकथन में या विरोधी कार्यवाहियों में फाइल किए गए शपथ-पत्र में किया गया है वहां हिंदी या अंग्रेजी में उसके अभिप्रमाणित अनुवाद की दो प्रतियां दी जाएंगी।

56. **सुनवाई और विनिश्चय.**—(1) साक्ष्य के पूरा होने पर यदि कोई हो रजिस्ट्रार, इस बात की सूचना पक्षकारों को देगा कि प्रथम बार सुनवाई कब होगी। सामान्यतः ऐसी सूचना साक्ष्य के पूरे हो जाने के तीन मास के भीतर दी जाएगी। सुनवाई की तारीख प्रथम सूचना की तारीख के पश्चात् कम से कम एक मास की होगी। प्रथम सूचना की प्राप्ति से चौदह दिन के भीतर कोई पक्षकार जो उपस्थित होना चाहता है वह रजिस्ट्रार को प्ररूप व्या. चि.-7 में इस प्रकार अधिसूचित करेगा। कोई पक्षकार जो रजिस्ट्रार को यथापूर्वकत समय के भीतर इस प्रकार अधिसूचित नहीं करता है यह समझा जाएगा कि वह सुनवाई नहीं चाहता है और रजिस्ट्रार मामले में तदनुसार कार्यवाही करेगा।

(2) यदि किसी भी पक्षकार द्वारा स्थगन के लिए पर्याप्त कारण दर्शित नहीं किया जाता है तो रजिस्ट्रार द्वारा तुरन्त कार्यवाई की जा सकेगी।

(3) यदि आवेदक सुनवाई की स्थगित तारीख पर उपस्थित नहीं है और प्ररूप व्या. चि.-7 में सुनवाई के समय उपस्थित रहने के अपने आशय को अधिसूचित नहीं किया है तो आवेदन का परित्याग किया जाना समझा जाएगा।

(4) यदि विरोधी सुनवाई की स्थगित तारीख पर उपस्थित नहीं है और प्ररूप व्या. चि.-7 में सुनवाई के समय उपस्थित रहने के अपने आशय को अधिसूचित नहीं किया है तो अभियोजन के अभाव में विरोध को रद्द कर दिया जाएगा और आवेदन पर धारा 19 के अध्वधीन रजिस्ट्रीकरण की कार्यवाही की जाएगी।

(5) स्थगन की प्रत्येक दशा में रजिस्ट्रार मामले की आगे की सुनवाई के लिए एक तारीख नियत करेगा और स्थगन होने के कारण होने वाले खर्च के लिए ऐसा आदेश या ऐसे उच्चतर खर्च के लिए जो रजिस्ट्रार ठीक समझे करेगा।

(6) यह तथ्य कि किसी पक्षकार का अभिकर्ता या अभिलेख अधिवक्ता किसी दूसरे न्यायालय में व्यस्त है स्थगन के लिए कोई आधार नहीं होगा।

(7) जहां किसी विधि व्यवसायी या अभिकर्ता की बीमारी या किसी कारण से मामले को संचालित करने के लिए उसकी अयोग्यता स्थगन के लिए एक आधार के रूप में प्रस्तुत की जाती है वहां रजिस्ट्रार स्थगन मंजूर नहीं करेगा जब तक कि यह समाधान नहीं हो जाता है कि यथास्थिति विधि व्यवसायी या अभिकर्ता द्वारा समय में दूसरा अभिकर्ता या विधि व्यवसायी नियुक्त नहीं किया जाता है।

(8) यदि कार्यवाही की किसी पार्टी द्वारा लिखित बहस पेश की जाएगी तो रजिस्ट्रार उसे अभिलेख में लेगा।

(9) रजिस्ट्रार का विनिश्चय लिखित में पक्षकारों को अधिसूचित किया जाएगा।

57. **खर्चों के लिए प्रतिभूति.**—खर्चों के लिए जो प्रतिभूति रजिस्ट्रार धारा 21 की उपधारा (6) के अधीन अपेक्षित रूप में वह इतनी किसी रकम की नियत की जा सकेगी जितनी कि रजिस्ट्रार ठीक समझे और विरोध विषयक कार्यवाहियों के किसी प्रक्रम में यह रकम रजिस्ट्रार द्वारा बढ़ाई जा सकेगी।

रजिस्ट्रीकरण पूरा न होने की सूचना

58. सूचना देने के लिए प्रक्रिया.—आवेदक को जो सूचना देने की रजिस्ट्रार से अपेक्षा धारा 23 की उपधारा (3) द्वारा की गई है वह आवेदक को उसके कारबार के भारत में मुख्य स्थान के पते पर या यदि उसके कारबार का भारत में मुख्य स्थान नहीं है तो आवेदन में कथित भारत में पते पर उसकी तामील के लिए प्ररूप ओ-1 में भेजी जाएगी, किन्तु यदि आवेदक ने आवेदन के प्रयोजन के लिए किसी अभिकर्ता को प्राधिकृत कर दिया हो तो सूचना, अभिकर्ता को और उसकी दूसरी प्रति आवेदक को भेजी जाएगी। सूचनाएं रजिस्ट्रीकरण पूरा करने के लिए सूचना की तारीख से इक्कीस दिन का समय या एक मास से अनधिक की ऐसा और समय जो रजिस्ट्रार द्वारा प्ररूप ब्या.चि.-56 में किए गए अनुरोध पर अनुज्ञात किया जाए, विनिर्दिष्ट होगा।

रजिस्ट्रीकरण

59. रजिस्टर में प्रविष्टि.—(1) जहाँ जरनल में विज्ञापित या पुनर्विज्ञापित आवेदन के विरोध की कोई सूचना धारा 21 की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर फाइल नहीं की जाती है या जहाँ कोई विरोध फाइल किया जाता है और वह खारिज कर दिया जाता है वहाँ रजिस्ट्रार धारा 23 की उपधारा (1) या धारा 19 के उपबंधों के अधीन रहते हुए व्यापार चिह्न की रजिस्टर में प्रविष्टि करेगा।

(2) व्यापार चिह्न की जो प्रविष्टि रजिस्टर में है उसमें आवेदन के फाइल करने की तारीख, रजिस्ट्रीकरण की वास्तविक तारीख, वे माल या सेवाएं और वर्ग या वर्गों जिनकी बाबत व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकृत किया गया है और धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित सभी विशिष्टियाँ, जिनके अंतर्गत निम्नलिखित विशिष्टियाँ हैं, अर्थात् :—

(क) व्यापार चिह्न के स्वत्वधारी के कारबार का भारत में मुख्य स्थान, का यदि कोई हो, पता या संयुक्त स्वामित्व वाले व्यापार चिह्न की अवस्था में व्यापार चिह्न के ऐसे संयुक्त स्वत्वधारियों के कारबार का भारत में मुख्य स्थान का पता जिनके कारबार का भारत में मुख्य स्थान है।

(ख) जहाँ व्यापार चिह्न के स्वत्वधारी के कारबार का कोई स्थान भारत में नहीं है, वहाँ उसके अपने स्वदेश वाले पते के साथ भारत में तामील के लिए उसका वह पता जो कि रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में प्रविष्ट है,

(ग) संयुक्त स्वामित्व वाले व्यापार चिह्न की अवस्था में, उस दशा में जिसमें कि संयुक्त स्वत्वधारियों में से किसी के भी किसी कारबार का भारत में मुख्य स्थान नहीं है, वहाँ संयुक्त स्वत्वधारियों में से प्रत्येक के अपने स्वदेश वाले पते के साथ भारत में तामील के लिए उनका वह पता, जो कि आवेदन में दिया गया है,

(घ) स्वत्वधारी के या संयुक्त स्वामित्व वाले व्यापार चिह्न की अवस्था में व्यापार चिह्न के संयुक्त स्वत्वधारियों के व्यापार, कारबार, वृत्ति, उपजीविका की विशिष्टियाँ, या अन्य वर्णन जो कि रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में प्रविष्ट हैं,

(ङ) रजिस्ट्रीकरण के विषय या रजिस्ट्रीकरण द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रभावित करने वाली विशिष्टियाँ, और

(च) कन्वेंशन आवेदन की तारीख यदि कोई हो, धारा 154 के अधीन, की गई किसी कन्वेंशन देश के आवेदकों की आवेदन के अनुसरण में दी जाएगी।

(छ) जहाँ वह चिह्न सामूहिक या प्रमाणीकरण चिह्न है, वह तथ्य

(ज) जहाँ कोई पूर्वतर व्यापार चिह्न या अन्य पूर्वतर अधिकार के स्वत्वधारी की सहमति से धारा 11 की उपधारा (4) के अनुसरण में वह चिह्न रजिस्ट्रीकृत किया जाता है वहाँ वह तथ्य।

(झ) उस व्यापार चिह्न से संबंधित चिह्न रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय विनिर्दिष्ट होंगी।

60. सम्बद्ध चिह्न—(1) जहाँ कि व्यापार चिह्न किन्हीं अन्य चिह्नों से सम्बद्ध होने के रूप में रजिस्ट्रीकृत किया गया है, वहाँ रजिस्ट्रार प्रथम वर्णित चिह्न के संबंध में उन चिह्नों की रजिस्ट्रीकरण संख्याएं रजिस्टर में लिखेगा, जिनके साथ वह सम्बद्ध है और ऐसे चिह्नों में से प्रत्येक के संबंध में रजिस्टर में उसके साथ सम्बद्ध चिह्न होने के नाते प्रथम वर्णित चिह्न की रजिस्ट्रीकरण संख्या भी लिखेगा।

(2) सम्बद्ध व्यापार चिह्नों के रूप में रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्नों में से किसी का सहबद्धता भंग करने के लिए धारा 16 की उपधारा (5) के अधीन आवेदन प्ररूप ब्या० चि०-4 में किया जायेगा और आवेदन के आधारों का कथन उसमें किया जाएगा।

61. रजिस्ट्रीकरण के पूर्व आवेदक की मृत्यु.—आवेदन की तारीख के पश्चात् और व्यापार चिह्न के रजिस्टर में प्रविष्ट किये जाने के पूर्व यदि व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के किसी आवेदक की मृत्यु हो जाती है, तो रजिस्ट्रार आवेदक की मृत्यु की सिद्धि पर और मृत व्यक्ति के हित के सम्प्रदान की सिद्धि पर आवेदन में ऐसे मृतक के उत्तराधिकारी के नाम को रखेगा और तत्पश्चात् यथासंशोधित आवेदन पर कार्यवाही की जायेगी।

(3) रजिस्ट्रार समय-समय पर कम्प्यूटर विशेषज्ञ के परामर्श से इलैक्ट्रानिक प्ररूप में सरकारी अभिलेख को रखने के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्त बना सकेगा।

62. **रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र.**—(1) व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण का वह प्रमाण-पत्र जो रजिस्ट्रार द्वारा धारा 23 की उपधारा (2) के अधीन दिया जाना है प्रारूप ओ-2 में ऐसे रूपभेद के साथ होगा जैसा कि किसी मामले की परिस्थितियों में अपेक्षित हो, और रजिस्ट्रार व्यापार चिह्न को एक प्रति प्रमाण-पत्र के साथ उपबद्ध करेगा,

(2) रजिस्ट्रीकरण के जिस प्रमाण-पत्र के प्रति निर्देश उपनियम (1) में किया गया है उसका उपयोग विधि कार्यवाहियों में या विदेश में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने के लिए नहीं किया जायेगा।

(3) रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र की दूसरी प्रति या अतिरिक्त प्रतियां रजिस्ट्रार विहित फीस सहित प्रारूप व्या.चि. 59 में अपने से निवेदन रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा किये जाने पर दे सकेगा। उस व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के प्रपत्र में चिह्न का जो रूप रजिस्ट्रीकरण के समय दिखाया गया है ठीक उसकी अनमढ़ी समाकृति ऐसे निवेदन के साथ भेजी जाएगी।

अध्याय-3

रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण और प्रत्यावर्तन

63. **रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण.**—(1) व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए आवेदन प्रारूप व्या. चि. -12 में किया जाएगा और वह व्यापार चिह्न के अंतिम रजिस्ट्रीकरण के अवसान से पूर्व छह माह के भीतर किसी समय किया जा सकेगा।

(2) नवीकरण के लिए ऐसा आवेदन उस व्यक्ति द्वारा फाइल किया जा सकेगा जो रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न का स्वत्वधारी या उसका अभिकर्ता है।

(3) यदि वह स्वत्वधारी जो नवीकरण के लिए आवेदन में वर्णित है वही व्यक्ति या उसी विधिक अस्तित्व का नहीं है जो रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी है, जिसकी रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी से हकदारी मिली है जिसके नाम से वर्तमान स्वामी के नाम अंतिम नवीकरण हुआ था प्रथमतः दर्शित होगा जिसके लिए दस्तावेजों के साथ शपथ पत्र होना चाहिए।

(4) रजिस्ट्रार नवीकरण के लिए आवेदन प्रबंधकारी न्यासी निष्पादकों, प्रशासकों और उसी तरह के किसी व्यक्ति से स्वीकार कर सकेगा जब न्यायालय आदेश या वर्तमान स्वत्वधारी की ओर से कार्य करने के प्राधिकार की अन्य साक्ष्य द्वारा समर्थित हो।

64. **रजिस्टर से व्यापार चिह्न के हटाने से पूर्व सूचना.**—(1) व्यापार चिह्न के अंतिम रजिस्ट्रीकरण के अवसान से एक मास अन्तर्गत से और तीन मास से अनधिक पूर्व वाली तारीख तक यदि विहित फीस के साथ प्रारूप व्या. चि. 12 में कोई आवेदन रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए प्राप्त नहीं होता है तो रजिस्ट्रार रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को और संयुक्त रूप से रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न की अवस्था में संयुक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों में से प्रत्येक को और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता को, यदि कोई हो, होने वाले अवसान की प्रारूप ओ 3 में लिखित अधिसूचना रजिस्टर में प्रविष्ट उनके क्रमशः कारबार के भारत में मुख्य स्थानों के पते से या जहां कि ऐसे रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का कोई कारबार का भारत में का मुख्य स्थान नहीं है, वहां रजिस्टर में प्रविष्ट भारत के पते पर तामील के लिए देगा।

(2) जहां किसी चिह्न की दशा में जिसका रजिस्ट्रीकरण (रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की तारीख के प्रति निर्देश से) नवीकरण के लिए शोध्य हो जाता है वह चिह्न उस तारीख से पूर्व जिसको नवीकरण होना नियत है छह मास के भीतर किसी भी समय रजिस्ट्रीकृत हो जाता है रजिस्ट्रीकरण की वास्तविक तारीख के पश्चात् छह मास के भीतर नवीकरण फीस के संदाय पर नवीकृत किया जा सकेगा और जहां उस अवधि के भीतर नवीकरण फीस का संदाय नहीं किया जाता है वहां रजिस्ट्रार नियम 66 के अधीन रहते हुए उस चिह्न को रजिस्टर से हटा देगा।

(3) जहां ऐसे चिह्न की दशा में जिसका रजिस्ट्रीकरण (रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की तारीख के प्रति निर्देश से) नवीकरण के लिए शोध्य हो जाता है वह चिह्न नवीकरण की तारीख के पश्चात् रजिस्ट्रीकृत किया जाता है वहां रजिस्ट्रीकरण की वास्तविक तारीख के छह मास के भीतर नवीकरण के संदाय पर रजिस्ट्रीकरण नवीकृत किया जा सकेगा और जहां उस अवधि के भीतर नवीकरण फीस का संदाय नहीं किया जाता है वहां रजिस्ट्रार नियम 66 के अधीन रहते हुए उस चिह्न को रजिस्टर से हटा देगा।

(4) सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण प्रारूप व्या. चि.-12 में होगा और उसके माध्यम वह फीस दी होगी जो प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।

65. **रजिस्टर से व्यापार चिह्न हटाने का विज्ञापन.**—यदि व्यापार चिह्न के अंतिम रजिस्ट्रीकरण के अवसान पर नवीकरण फीस नहीं दी गई है, तो रजिस्ट्रार रजिस्टर से व्यापार चिह्न को हटा सकेगा और तत्क्षण इस तथ्य को जनरल में विज्ञापित कर सकेगा।

परन्तु यह कि रजिस्ट्रार व्यापार चिह्न को रजिस्टर से नहीं हटाएगा यदि अधिभार के संदाय के लिए कोई आवेदन धारा 25 की उपधारा (3) के अन्तर्गत के अधीन प्रारूप व्या.चि. 10 में व्यापार चिह्न के अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति से छह मास के भीतर कर दिया जाता है।

66. **प्रत्यावर्तन और रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण.**—रजिस्टर में व्यापार चिह्न का प्रत्यावर्तन और इसके रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण का आवेदन धारा 25 की उपधारा (4) के अधीन विहित फीस सहित प्रारूप व्या.चि.-13 में व्यापार चिह्न के अंतिम रजिस्ट्रीकरण के अवसान के छह मास के पश्चात् और एक वर्ष के भीतर किया जाएगा। रजिस्ट्रार ऐसे प्रत्यावर्तन और नवीकरण के लिए अनुरोध पर विचार करते समय ऐसे अन्य व्यक्तियों के हितों को ध्यान में रखेगा, जो प्रभावित हैं।

67. **नवीकरण और प्रत्यावर्तन की सूचना और विज्ञापन.**—रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण या प्रत्यावर्तन और नवीकरण पर, उक्त आशय की एक सूचना रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता को भेजी जाएगी और नवीकरण या प्रत्यावर्तन और नवीकरण जनरल में विज्ञापित किया जाएगा।

अध्याय-4

समनुदेशन और पारोषण

68. **समनुदेशन या पारोषण की प्रविष्टि करने के लिए आवेदन.**—जो व्यक्ति रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न का हकदार समनुदेशन या पारोषण द्वारा बन जाता है उस व्यक्ति के हक को रजिस्ट्रीकृत करने के लिए आवेदन प्रारूप व्या. चि. 24 या व्या. चि. 23 में से उस प्रारूप में इस बात के अनुसार किया जाएगा कि वह ऐसे व्यक्ति द्वारा अकेले किया जाता है या वह ऐसे व्यक्ति और रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी दोनों ने मिलकर किया जाता है।

69. आवेदन में विशिष्टियों का दिया जाना.—नियम 68 के अधीन वाले आवेदन में उस लिखत की, यदि कोई हो, पूरी विशिष्टियाँ होंगी जिसके अधीन आवेदक या, संयुक्त आवेदन की अवस्था में, रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी से भिन्न व्यक्ति व्यापार चिह्न का हकदार होने का दावा करता है, और ऐसी लिखत या उसकी सम्यक् रूपेण प्रमाणित प्रति आवेदन करने के समय पर व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय में निरीक्षण के लिए पेश की जाएगी। रजिस्ट्रार हक की सिद्धि के हेतु निरीक्षण के लिए पेश की गयी किसी लिखत की अभिप्रमाणित प्रति अपेक्षित होगी और उसे अपने पास रख सकेगा।

70. आवेदन के साथ मामले का कथन भेजा जाना—जहाँ कि अपने हक के रजिस्ट्रीकरण के लिए नियम 68 के अधीन आवेदन करने वाला कोई व्यक्ति ऐसी किसी दस्तावेज या लिखत के अधीन अपना दावा सिद्ध नहीं कर पाता है जिसमें कि स्वयं उसके हक की सिद्धि हो जाती हो, वहाँ जब तक कि रजिस्ट्रार अन्य निदेश नहीं दे, वह या तो स्वयं आवेदन में उसके साथ मामले का ऐसा कथन देगा जिनमें उन तथ्यों की पूर्ण विशिष्टियाँ दी हुई हैं, जिन पर व्यापार चिह्न का स्वत्वधारी होने का उसका दावा आधारित है और जिससे यह संदर्शित है कि व्यापार चिह्न उसे समनुदिष्ट या संप्रदत्त हो चुका है। यदि रजिस्ट्रार ऐसी अपेक्षा करे, तो वह मामला का कथन प्ररूप व्या. चि. 18 में दिए गए शपथ पत्र द्वारा सत्यापित किया जायेगा।

71. हक का सबूत.—जो कोई व्यक्ति रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न के स्वत्वधारी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किये जाने के लिए आवेदन करता है रजिस्ट्रार उसे अपने हक का ऐसा सबूत या अतिरिक्त सबूत देने के लिए प्रस्तुत कर सकेगा, जो उसके समाधान के लिए अपेक्षित है।

72. लिखतों का परिबद्धन.—यदि रजिस्ट्रार की यह राय है कि किसी व्यक्ति के हक की सिद्धि में पेश की गई कोई लिखत उचित या पर्याप्त मुद्रांक पर नहीं है, तो रजिस्ट्रार उसे परिबद्ध कर लेगा और उससे ऐसी रीति में भरतेगा जैसी कि भारतीय मुद्रांक अधिनियम, 1899 (1899 का 2) के अध्याय 4 में उपबन्धित है।

73. भारत से बाहर धन के पारेषण के संबंध में समनुदेशन.—यदि भारत से बाहर धन के पारेषण का विनियमन करने वाली कोई विधि प्रवृत्त है तो जो व्यक्ति व्यापार चिह्न के लिए हकदार ऐसे पारेषण करने वाले समनुदेशन द्वारा हो जाता है उसके हक का रजिस्ट्रीकरण रजिस्ट्रार ऐसा पारेषण करने के लिए उस प्राधिकारी की अनुज्ञा जो ऐसी विधि में उल्लिखित है, पेश किये जाने पर करने के सिवाय न करेगा।

74. व्यापार चिह्न का जो समनुदेशन उस कारबार के गुडविल बिना किया जाता है उसका विज्ञापन करने के वास्ते रजिस्ट्रार के निदेश के लिए आवेदन.—(1) धारा 42 के अधीन निदेशों के लिए आवेदन प्ररूप व्या. चि. 20 में किया जायेगा और उसमें वह तारीख दी जायेगी जिसको समनुदेशन किया गया था। आवेदन में उस अवस्था में, जिसमें कि यह रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न है, रजिस्ट्रीकरण की विशिष्टियाँ दी जायेंगी और उस अवस्था में जिसमें कि वह अनरजिस्ट्रीकृत चिह्न के, जो कि उसके साथ समनुदिष्ट किया गया है, उपयोग सहित उसकी विशिष्टियाँ दी जायेंगी। रजिस्ट्रार कोई साक्ष्य या और जानकारी मांग सकेगा और यदि विभिन्न बातों के संबंध में उसका समाधान हो जाता है, तो वह समनुदेशन का विज्ञापन करने विषयक लिखित में निदेश देगा।

(2) जब तक किस रजिस्ट्रार का अनुमोदन धारा 41 के अधीन अभिप्राण नहीं कर लिया जाता है और रजिस्ट्रार के अनुमोदन विषयक अधिसूचना को प्रकट करने वाला निर्देश आवेदन में नहीं दे दिया जाता, रजिस्ट्रार ऐसे आवेदन पर विचार करने से इंकार उस मामले में कर सकेगा जिसके संबंध में वह धारा लागू है।

(3) उस कालावधि बढ़ाने के लिए, जिसके अंदर वह आवेदन जो उपनियम (1) में वर्णित है, अनुरोध किया जायेगा यह अनुरोध प्ररूप व्या. चि. 21 में किया जाएगा।

75. गुडविल के बिना समनुदेशन के प्रविष्टि करने के लिए आवेदन.—किन्हीं माल या सेवाओं के संबंध में व्यापार चिह्न के समनुदेशन संबंधी आवेदन जो नियम 68 के अधीन किया जाता है उसमें यह कथित होगा कि—

(क) क्या उस व्यापार चिह्न का उपयोग उन माल या सेवाओं में होने वाले किसी कारबार में किया जा चुका था या किया गया था, और

(ख) क्या समनुदेशन उस कारबार की गुडविल के संबंध में अन्यथा किया गया है,

और यदि दोनों परिस्थितियाँ विद्यमान हैं, तो समनुदेशन का विज्ञापन करने के लिए जो निर्देश नियम 74 के अधीन आवेदन करने पर प्राप्त किये गये हैं, उनकी एक प्रति और विज्ञापन की प्रतियों सहित सबूत या अन्यथा जैसीकि अपेक्षा रजिस्ट्रार करे, आवेदक व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में यह बात संदर्शित करने के लिए पेश कर देगा कि रजिस्ट्रार के निदेशों की पूर्ति की जा चुकी है और यदि रजिस्ट्रार का समाधान इस बात में नहीं होता है कि निदेशों की पूर्ति हो गई है, तो वह आवेदन के संबंध में कार्यवाही नहीं करेगा।

76. पृथक् रजिस्ट्रीकरण.—जहाँ कि नियम 68 के अधीन आवेदन के अनुसरण में और रजिस्ट्रीकरण के माल या सेवाओं के विभाजन और पृथक्करण या स्थानों अथवा बाजारों के विभाजन और पृथक्करण के फलस्वरूप विभिन्न व्यक्ति व्यापार चिह्न के तत्पश्चात् स्वत्वधारियों के रूप में एक ही रजिस्ट्रीकरण संख्या के अधीन पृथकतः रजिस्ट्रीकृत हो जाते हैं, तो उन विभिन्न व्यक्तियों के नामों में परिणामतः हुए पृथक् रजिस्ट्रीकरणों में से प्रत्येक रजिस्ट्रीकरण की बाबत इस अधिनियम के सभी प्रयोजनों के लिए यह समझा जायेगा कि वह पृथक् रजिस्ट्रीकरण है।

77. कुछ समनुदेशनों और पारेषणों के लिए रजिस्ट्रार का प्रमाण-पत्र या अनुमोदन.—कोई व्यक्ति जो धारा 40 की उपधारा (2) के अधीन रजिस्ट्रार का प्रमाण-पत्र या धारा 41 के अधीन उसके अनुमोदन की अधिसूचना प्राप्त करना चाहता है, वह अपने आवेदन के साथ मामले का कथन, जिसमें वे परिस्थितियाँ उपवर्णित हैं, यथास्थिति प्ररूप व्या. चि. 17 या प्ररूप व्या. चि. 19 में दो प्रतियों में और समनुदेशन या पारेषण को प्रभावित करने वाली कोई लिखत या प्रस्थापित लिखत भी रजिस्ट्रार को भेजेगा। रजिस्ट्रार कोई साक्ष्य या और जानकारी, जिसे वह आवश्यक समझता है, मांग सकेगा और मामले का कथन उस दशा में जिसमें कि उसमें सभी सुसंगत परिस्थितियों को सम्मिलित करने की अपेक्षा की गई है, संशोधित किया जायेगा और यदि यह अपेक्षा की जाये, तो उसे शपथपत्र द्वारा सत्यापित करेगा। रजिस्ट्रार आवेदक को उस दशा में, जिसमें कि उससे ऐसी अपेक्षा की गई है और किसी अन्य व्यक्ति को, जिसकी बाबत रजिस्ट्रार का यह विचार है कि वह अन्तरण में, हित रखता है, सुनने के पश्चात् मामले पर विचार करेगा और यथास्थिति उसका प्रमाण-पत्र या उस मामले के अनुमोदन या अनुमोदन की लिखत में अधिसूचना आवेदक को देगा और ऐसे अन्य व्यक्ति को भी इतिला तदनुसार देगा। जहाँ कि मामले का कथन संशोधित किया जाता है, वहाँ उसके अंतिम रूप वाली तीन प्रतियाँ व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में पेश कर दी जाएगी। रजिस्ट्रार मामले के कथन के अंतिम रूप वाली एक प्रति प्रमाणपत्र या अधिसूचना में अपनी मुद्रा लगाकर जोड़ देगा।

78. समनुदेशन की विशिष्टियों का रजिस्टर में प्रविष्ट करना.—जहां रजिस्ट्रार इस अधिनियम के अधीन किसी व्यापार चिह्न के समनुदेशन को अनुज्ञात कर चुका है वहां रजिस्टर में समनुदेशन की निम्नलिखित विशिष्टियों की प्रविष्टि की जायगी, अर्थात् :—

- (I) समनुदेशित का नाम और पता,
- (II) समनुदेशन की तारीख,
- (III) जहाँ समनुदेशन उम चिह्न में किसी अधिकार की बाबत है वहाँ समनुदेशित अधिकार का वर्णन,
- (IV) वह आधार जिसके अधीन समनुदेशन किया गया है, और
- (V) वह तारीख जिसको रजिस्टर में प्रविष्टि की जाती है।

79. धारा 46 के अधीन किसी कंपनी के लिए समनुदेशन का रजिस्ट्रीकरण.—धारा 46 की उपधारा (4) के प्रयोजनों के लिए वह कालावधि जिसमें किसी कंपनी को नियम 68 के अधीन किए गए आवेदन पर किसी रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न के पश्चात्पूर्वी स्वत्वधारी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किया जा सकेगा, व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के जनरल में विज्ञापन की तारीख से छह मास होगी या छह मास के अनधिक इतनी और कालावधि होगी जितनी कि रजिस्ट्रार उस कालावधि के पूर्व या दौगन जितनी कालावधि तक कि यह वृद्धि समनुज्ञात की जा सकती है, किसी समय यथास्थिति हक के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक द्वारा या रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा किए गए प्ररूप व्या. चि 25 में आवेदन पर अनुज्ञात करें।

अध्याय-5

रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता

80. रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता—रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन.—(1) रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रूप में धारा 49 के अधीन किसी व्यक्ति का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए जो आवेदन रजिस्ट्रार को किया जाता है वह उस व्यक्ति और व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा संयुक्ततः प्ररूप व्या. चि 28 में किया जायेगा और उसके साथ निम्नलिखित होगा—

- (क) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता में व्यापार चिह्न के अनुज्ञात उपयोग की बाबत हुआ लिखित करार या उसकी सम्युक्त रूपेण अधिप्रमाणित प्रति,
- (ख) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के बीच व्यापार चिह्न के अनुज्ञात उपयोग की बाबत हुए खंड (क) में निर्दिष्ट करार में उल्लिखित दस्तावेज और पत्राचार, यदि कोई हो, या उसकी सम्युक्त रूपेण अधिप्रमाणित प्रति,
- (2) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके निमित्त कार्य करने के लिए प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा रजिस्ट्रार के समाधानप्रद रूप में, आवेदन के साथ एक ऐसा शपथ पत्र फाइल किया जाएगा जो आवेदन के साथ लगे दस्तावेजों की वास्तविकता को अधिप्रमाणित करता हो और उसमें निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा,—

- (क) धारा 49 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा अपेक्षित विशिष्टियां और कथन,
- (ख) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता में, यदि कोई संबंध है तो उसका यथावत स्वरूप, उदाहरणार्थ यह बाल कि क्या उनका संबंध प्रधान और समनुषंगी कंपनी वाला संबंध है या क्या उनके कारबारों के बीच सामान्य नियंत्रण है;
- (ग) इस बाबत व्यौरों सहित कि जो व्यापार चिह्न आवेदन का विषय है क्या उसका उपयोग आवेदन की तारीख से पहले अपने व्यापार के अनुक्रम में उसने किया है और यदि किया है तो ऐसे उपयोग के परिणाम और अस्तित्वाधि के व्यौरों सहित उन माल या सेवाओं विषयक कथन जिनका कारबार रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी करता है।
- (3) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित उपयोक्ता ऐसी अन्य दस्तावेजों भी पेश और फाइल करेंगे और ऐसा अपर साक्ष्य और जानकारी भी देंगे जैसे कि रजिस्ट्रार उस निमित्त अपेक्षित करे।

(4) जब तक कि कोई आवेदन उपनियम (1) के खंड (क) में निर्दिष्ट करार की तारीख से छह मास के भीतर फाइल नहीं किया जाए, वह ग्रहण नहीं किया जाएगा।

(5) उपनियम (1) की किसी बात के होते हुए भी, जहां रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए एक से अधिक आवेदन उसी करार के अंतर्गत आने वाले व्यापार चिह्नों की बाबत उसी रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और उसी प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता द्वारा की जाती है वहां उपनियम (1) में वर्णित दस्तावेज किसी एक आवेदन के साथ फाइल किए जा सकेंगे और अन्य आवेदन या आवेदनों में दिए गए ऐसे दस्तावेजों के प्रति निर्देश किया जाएगा।

81. करार में कथित की जाने वाली विशिष्टियां.—अंतिम पूर्वगामी नियम के उपनियम (1) के खंड (क) में निर्दिष्ट करार में—

- (क) धारा 49 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपखंड (1) से लेकर उपखंड (IV) तक विशिष्टियां होंगी;
- (ख) उन स्वामित्व और अन्य पारिश्रमिक संबंधी निबंधनों, का प्रकरण जो कि प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता द्वारा उसके रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को अनुज्ञात व्यापार चिह्न के उपयोग के लिए संदेय होंगे,
- (ग) अनुज्ञात उपयोग को उस सूरत में जिसमें कि पक्षकारों के बीच वाले संबंध या अनुज्ञात उपयोक्ता पर रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नियंत्रण खत्म हो गया है, खत्म कराने के साधन उपबंधित होंगे;
- (घ) यह शर्त अंतर्विष्ट होगी कि जब रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न का उपयोग प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता निर्यात के लिए माल या सेवाओं से भिन्न अपने माल या सेवाओं के संबंध में करता है, तो चिह्न इस भांति वर्णित किया जाएगा जिससे यह स्पष्टतः उपदर्शित हो जाए कि यह रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का व्यापार चिह्न है और इसका उपयोग रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता केवल अनुज्ञात उपयोग के रूप में कर रहा है।

82. रजिस्ट्रार द्वारा विचार.—धारा 49 की उपधारा (2) के अधीन रजिस्ट्रार यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि आवेदन और उसके साथ के दस्तावेज अधिनियम और नियमों के सुसंगत उपखंडों और धारा 49 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपखंड (i) से लेकर उपखंड (iv) में विनिर्दिष्ट बातों का अनुपालन करते हैं तो उन मालों या सेवाओं की बाबत जिसके संबंध में वह इस प्रकार संतुष्ट हो जाता है, प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता को रजिस्ट्रीकृत करेगा।

83. आवेदन को अस्वीकार करने या उसे सशर्त स्वीकार करने से पूर्व सुनवाई :—

- (1) रजिस्ट्रार जहां वह आवेदन को किन्हीं शर्तों, निर्बंधनों या मर्यादाओं के अधीन स्वीकार करने की प्रस्थापना करता है वहां आवेदकों को लिखित में सूचना देगा। सूचना में वे आधार होंगे जिन पर रजिस्ट्रार ऐसे आदेश जारी करने की प्रस्थापना करता है और आवेदकों को सूचना देगा कि वे सुनवाई किए जाने के हकदार हैं।
- (2) जब तक कि उपनियम (1) में उल्लिखित सूचना की प्राप्ति से एक मास के भीतर रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता सुनवाई के लिए आवेदन नहीं करते हैं रजिस्ट्रार आवेदन को यथास्थिति अस्वीकार या सशर्त स्वीकार कर सकेगा।
- (3) यदि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता सुनवाई के लिए आवेदन करता है तो रजिस्ट्रार दो मास के भीतर सुनवाई के लिए समय नियत करेगा और इस प्रकार उनको नियत किए गए उस समय के लिए उनको कम से कम एक मास की सूचना देगा।
- (4) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता की सुनवाई के पश्चात् रजिस्ट्रार यह विनिश्चय करेगा कि आवेदन को स्वीकार किया जाए या उसे अस्वीकार किया जाए या उसे सशर्त स्वीकार किया जाए।
- (5) रजिस्ट्रार आवेदन पर अपना आदेश आवेदकों को और चिह्न के अन्य रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ताओं को, यदि कोई हो, लिखित रूप में संसूचित करेगा।

84. रजिस्टर में प्रविष्टि.—(1) जहां रजिस्ट्रार धारा 49 की उपधारा (2) के अधीन रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए किमी आवेदन को प्रतिग्रहण करता है वहां वह रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रूप में प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता को रजिस्ट्रीकृत करेगा।

(2) रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता विषयक जो प्रविष्टि रजिस्टर में है उसमें वह तारीख दी गई होगी जिसको रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया गया था और उस तारीख की बाबत यह समझा जायेगा कि वह रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रूप में उस व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण की वह तारीख है जो कि प्रविष्टि में वर्णित है धारा 49 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपखंड (i) से उपखंड (iv) में वर्णित विशिष्टियों और कथनों के अतिरिक्त रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के नाम का वर्णन और उसके कारबार के भारत में स्थान का और यदि वह भारत में कारबार नहीं करता है, तो भारत में उसकी तामील के लिए उसका पता भी उस प्रविष्टि में दिया होगा।

85. रजिस्ट्रीकरण से भारत के बाहर धन का पारेषण करने के लिए प्राधिकार विवक्षित नहीं है.—किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण से उस कारर का अनुमोदन विवक्षित नहीं समझा जायेगा जहां तक उसका संबंध किमी धन के पारेषण से है जो भारत से बाहर किसी स्थान के लिए उक्त व्यापार चिह्न के उपयोग के लिए प्रतिफल के रूप में हो।

86. रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण की अधिसूचना.—रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रजिस्ट्रीकरण की लिखित अधिसूचना रजिस्ट्रार व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता को और प्रत्येक अन्य ऐसे रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता को जिसका नाम उसी व्यापार चिह्न के बारे में प्रविष्टि किया गया है, भेजेगा और रजिस्टर में ऐसी प्रविष्टि के तीन मास के भीतर जनरल में भी उसे अंतःस्थापित किया जाएगा।

87. प्रविष्टि में परिवर्तन कराने के लिए रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का आवेदन.—व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रजिस्ट्रीकरण के परिवर्तन के लिए जो आवेदन व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा धारा 50 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन दिया जाता है वह प्ररूप व्या. चि. 29 में दिया जाएगा और जिन आधारों पर यह दिया गया है उनका कथन और जहां कि प्रश्नास्पद रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता सम्मति दे देता है, वहां रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता की लिखित सम्मति इसके साथ होगी।

88. रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण.—(1) धारा 50 की उपधारा (1) के खंड (ख) से खंड (घ) तक के अधीन रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण के लिए आवेदन यथास्थिति प्ररूप व्या. चि. 30 या प्ररूप व्या. चि. 31 में होगा और जिन आधारों पर यह किया गया है उसका कथन इसके साथ होगा।

(2) धारा 49 की उपधारा (1) के खंड (ख) के पैरा (iv) के अनुसार एक कालावधि के लिए रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रजिस्ट्रारकरण की दशा में रजिस्ट्रार रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता की प्रविष्टि को उस कालावधि के अंत पर रद्द कर देगा जहां कि कुछ या सब माल या सेवाएं उनमें से छोड़ दी जाती हैं जिनके बारे में व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकरण हुआ है वहां रजिस्ट्रार व्यापार चिह्न के उन रजिस्ट्रीकृत उपयोगों के वृत्तों से, जिनमें कि वे समाविष्ट हैं, उन्हें छोड़ देगा। इस उपनियम के अधीन जिन रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ताओं का अनुज्ञात उपयोग उसमें प्रभावित होता है उनका और उसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों का प्रत्येक छोड़ा जाना या अपखंडन रजिस्ट्रार अधिसूचित करेगा।

89. रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता की बाबत जानकारी मांगने की रजिस्ट्रार की शक्ति.—(1) रजिस्ट्रार, किसी भी समय लिखित में सूचना द्वारा रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी से यह अपेक्षा कर सकेगा वह उसे धारा 51 की उपधारा (2) के अधीन जानकारी प्रस्तुत करे और उस धारा की उपधारा (2) के अनुसार कार्रवाई करे।

90. प्रविष्टि को परिवर्तित करने या रजिस्ट्रीकरण को रद्द करने के आवेदन के संबंध में प्रक्रिया.—(1) रजिस्ट्रार, व्यापार रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता को (जो किसी भी दशा में आवेदक नहीं है) धारा 50 के अधीन लिखित में आवेदनों को अधिसूचित करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन अधिसूचित कोई व्यक्ति जो कार्यवाहियों में भाग लेने का आशय रखता है वह रजिस्ट्रार को उस आशय की सूचना ऐसी अधिसूचना की प्राप्ति के एक मास के भीतर प्ररूप व्या.चि.-32 में देगा और उसके साथ अपने भाग लेने के आधारों का कथन भेजेगा। तदुपरि रजिस्ट्रार

ऐसी सूचना और कथन की प्रतियों की तामील अन्य पक्षकारों, अर्थात् आवेदक पर रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी पर, उस रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता पर, जिसका रजिस्ट्रीकरण प्रश्नास्पद है कार्यवाही की विषयवस्तु है और अन्य किसी रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता या अनुज्ञाप्राप्त उपयोक्ता जो भाग लेता है, करेगा या करायेगा।

(3) धारा 50 के अधीन किए गए किसी आवेदन की दशा में आवेदक और उपनियम (1) के अधीन अधिसूचित कोई व्यक्ति ऐसे समय या समयों के भीतर जैसा या जैसे कि रजिस्ट्रार नियत करें, अपने मामले के समर्थन में साक्ष्य पेश कर सकेगा और रजिस्ट्रार पक्षकारों को सुने जाने का अवसर देने के पश्चात् आवेदन को प्रतिग्रहीत कर सकेगा या नामंजूर कर सकेगा या ऐसी किन्हीं शर्तों पर संशोधन, या रूपभेदों सहित या मर्यादाओं के अंतर्गत उसे प्रतिग्रहीत कर सकेगा जिन्हें वह अधिसूचित करना ठीक समझता है और तदनुसार वह पक्षकारों को लिखित में इतिला देगा।

(4) धारा 50 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन किसी रजिस्ट्रीकरण में परिवर्तन करने के लिए या रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण धारा 50 की उपधारा (1) के खंड (ग) की मद (1) से (iv) तक में वर्णित आधारों में से किसी पर किए गए आवेदन पर रजिस्ट्रार प्ररूप व्या. चि. -32 में की किसी सूचना और फाइल किए गए मामले के कथन सहित विचार करेगा और आवेदन का निपटारा करेगा और तदनुसार पक्षकारों को लिखित इतिला भी देगा।

91. रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता आवेदन—धारा 58 की उपधारा (2) के अधीन आवेदन व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता द्वारा या ऐसे व्यक्ति द्वारा जो, कि रजिस्ट्रार का यह समाधान कर दे कि वह रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के नाम में कार्य करने का हकदार है, प्ररूप व्या. चि. -16 या प्ररूप व्या. चि. -33 या प्ररूप व्या. चि. -34 या प्ररूप व्या. चि. -50 में से जो भी समुचित हो प्ररूप में दिया जायेगा और शपथपत्र द्वारा या अन्यथा ऐसा साक्ष्य देने की अपेक्षा रजिस्ट्रार कर सकेगा जैसा कि उन परिस्थितियों में ठीक समझता है जिनमें आवेदन किया गया है।

अध्याय-6

रजिस्ट्रार का परिशोधन तथा संशोधन

रजिस्ट्रार का परिवर्तन या परिशोधन

92. व्यापार चिह्न के परिशोधन या उसे रजिस्ट्रार से हटाने के लिए आवेदन—रजिस्ट्रार में व्यापार चिह्न से संबंधित किसी प्रविष्टि के करने, विलुप्त करने या परिवर्तन करने के लिए धारा 47, 57, 68, या 77 के अधीन जो आवेदन रजिस्ट्रार को किया जाता है वह यथास्थिति प्ररूप व्या. चि. -26 या प्ररूप व्या. चि. -43 में तीन प्रतियों में किया जायेगा और आवेदक के हित का स्वरूप, वे तथ्य जिन पर उसका मामला धारित है, और वह अनुतोष जिसे वह चाहता है, को पूर्णतया उपवर्णित करने वाला तीन प्रतियों में एक कथन उसके साथ होगा। जहां कि आवेदन ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाता है जो कि प्रश्नास्पद व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी नहीं है, वहां वह आवेदन और पूर्वोक्त कथन तीन प्रतियों में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में दिया जाएगा। उम अवस्था में, जिनमें कि रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता है ऐसे आवेदन और कथन के साथ उनकी उतनी अतिरिक्त प्रतियां होंगी जितनी रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता हैं। प्रत्येक आवेदन और कथन की एक-एक प्रति रजिस्ट्रार द्वारा एक मास के भीतर रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ताओं और ऐसे किसी अन्य व्यक्ति को, जिनके बारे में रजिस्ट्रार को यह प्रतीत होता है कि उसका व्यापार चिह्न में हित है, साधारणतः एक मास के भीतर भेजेगा। आवेदन उसी रीति में सत्यापित किया जाएगा जो विरोध की सूचना के सत्यापन के लिए नियम 48 के उपनियम (ड) के खंड (i) के अधीन विहित है।

93. और प्रक्रिया—नियम 92 में वर्णित आवेदन की प्रति रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा प्राप्ति से दो मास के भीतर या कुल मिलाकर एक मास से अनधिक की ऐसी और अवधि के भीतर वह रजिस्ट्रार को प्ररूप व्या. चि. 6 में तीन प्रतियों में उन आधारों का एक प्रतिकथन भेजेगा जिस पर आवेदन के बारे में प्रति विरोध किया गया है और यदि वह ऐसा करता है तो रजिस्ट्रार प्रतिकथन की एक प्रति की तामील आवेदन करने वाले व्यक्ति पर उसकी प्राप्ति के एक मास के भीतर करेगा। नियम 50 से नियम 57 तक के उपबंध इस आवेदन विषयक और कार्यवाहियों के संबंध में उसके पश्चात् यथा-परिवर्तित रूप में लागू हों। तथापि रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार को केवल इस लिए ही परिशोधित नहीं करेगा या उसमें से चिह्न को नहीं हटायेगा कि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ने प्रतिकथन फाइल नहीं किया है जब तक कि उसका यह समाधान नहीं हो जाता है कि प्रतिकथन के फाइल करने में विलंब स्वेच्छापूर्वक है और वह मामले की प्रतिस्थितियों द्वारा न्यायसंगत नहीं ठहरती है। कोई पक्षकार किसी बात विषयक शंका होने की अवस्था में निदेश प्राप्त करने के लिए आवेदन रजिस्ट्रार को कर सकेगा।

94. पक्षकारों द्वारा मध्यक्षेप—रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी से भिन्न कोई व्यक्ति जो व्यापार चिह्न के संबंध में अपने हित, जिसके बारे में नियम 92 के अधीन आवेदन किया गया है, वह मध्यक्षेप करने के लिए इजाजत के लिए अपने हित का स्वरूप का कथन करके प्ररूप व्या. चि. -27 में आवेदन कर सकेगा और रजिस्ट्रार संबंध पक्षकारों की सुनवाई करने के पश्चात् (यदि ऐसा अपेक्षित हो) ऐसी शर्तों और निबंधनों पर दे जैसी कि वह लागत की सुरक्षा के लिए अधिरोपित करना ठीक समझे ऐसी इजाजत देने से इंकार कर सकेगा या ऐसी इजाजत दे सकेगा।

95. रजिस्ट्रार द्वारा स्वप्रेरणा से रजिस्ट्रार का परिशोधन—(1) रजिस्ट्रार ऐसी सूचना जो धारा 57 की उपधारा (4) के अधीन देनी अपेक्षित है, रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता को, यदि कोई हो, और किसी अन्य व्यक्ति को, जिसकी बाबत यह प्रतीत होता है कि व्यापार चिह्न में उसका कोई हित है, लिखित रूप में भेजी जाएगी और इसमें उन आधारों का कथन करेगा जिन पर रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार का परिशोधन करने की प्रस्थापना करता है और उसमें ऐसी सूचना की तारीख से अन्यून एक मास का वह समय भी विनिर्दिष्ट किया जाएगा जिसके भीतर सुनवाई के लिए आवेदन किया जाएगा।

(2) जब तक कि पूर्वोक्त सूचना में विनिर्दिष्ट समय के भीतर, कोई व्यक्ति जिसे इस प्रकार अधिसूचित किया गया है, रजिस्ट्रार को उन तथ्यों को देते हुए, जिन पर वह सूचना में कथित आधारों को पूरा करने के लिए भरोसा करता है, लिखित में कथन नहीं भेजता है, या सुनवाई किए जाने के लिए आवेदन नहीं करता है, तो यह समझा जाएगा कि वह कार्यवाहियों में भाग नहीं लेना चाहता और रजिस्ट्रार तदनुसार कार्यवाई कर सकेगा।

(3) यदि रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार का परिशोधन करने का विनिश्चय करता है तो वह अपना विनिश्चय रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत या अनुज्ञात उपयोक्ता को यदि कोई हो लिखित रूप में संमूचित करेगा।

पते में परिवर्तन

96. रजिस्टर में पते का परिवर्तन—(1) व्यापार चिह्न का वह रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता, जिसके यथास्थिति कारबार का भारत में मुख्य स्थान का या स्वदेश का पता, इस भांति परिवर्तित हो गया है, जिससे कि रजिस्टर में की प्रविष्टि अशुद्ध हो गई है, रजिस्ट्रार से यह निवेदन प्ररूप व्या.चि.-34 में तत्क्षण करेगा कि रजिस्टर में पते को समुचित रूप से बदल दे और यदि रजिस्ट्रार का समाधान इस बाबत हो जाता है तो वह रजिस्टर में तदनुसार परिवर्तन कर देगा।

(2) व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता जिसका भारत में तामील के लिए वह पता जो रजिस्टर में प्रविष्ट है, चाहे तो इस कारण कि प्रविष्ट पता अमल में नहीं रहा है या किसी अन्य कारण से इस प्रकार बदल गया है कि रजिस्टर में वह प्रविष्टि अशुद्ध हो गई है, रजिस्ट्रार से प्ररूप व्या.चि.-50 में तत्क्षण यह निवेदन करेगा कि रजिस्टर में के पते को समुचित रूप से बदल दे और यदि रजिस्ट्रार का इस विषय में समाधान हो जाता है, जो वह तदनुसार रजिस्टर में परिवर्तन कर देगा।

(3) व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत अथवा अनुज्ञात उपयोक्ता जिसके कारबार का भारत में मुख्य स्थान का पता या जिसके स्वदेश का पता या भारत में जिसकी तामील का पता लोक प्राधिकारी द्वारा ऐसे बदल दिया गया है कि परिवर्तित पते से भी वही परिसर अभिहित है जो कि रजिस्टर में प्रविष्ट है, रजिस्ट्रार से यथास्थिति प्ररूप व्या.चि.-34 या व्या.चि.-50 में पूर्वोक्त निवेदन करेगा और यदि वह ऐसा करता है, तो वह उसके साथ उक्त प्राधिकारी द्वारा दिए गए परिवर्तन का प्रमाणपत्र देगा। यदि रजिस्ट्रार का समाधान मामले में तथ्यों के संबंध में हो जाता है, तो वह रजिस्टर में तदनुसार परिवर्तन करेगा, किंतु प्ररूपों पर दी जाने वाली कोई फीस नियम 11 के उपनियम (2) या नियम 12 के उपनियम (2) के उपबंधों के होते हुए भी नहीं मांगेगा।

(4) (1) जहां कि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी उपनियम (1), (2) या (3) के अधीन निवेदन करता है वहां यदि कोई रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता है या है तो वह निवेदन कि प्रति तामील उस या उन पर करेगा और तदनुसार रजिस्ट्रार को इत्तिला देगा।

(11) जहां कि पूर्वोक्त निवेदन रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता द्वारा किया जाता है वहां वह निवेदन की प्रति की तामील रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रत्येक अन्य रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ताओं पर यदि कोई हो, करेगा और रजिस्ट्रार को इत्तिला देगा कि उससे यह बात कर दी है।

(5) व्यक्ति को जो पता व्यापार चिह्न के एक से अधिक रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के भारत में तामील के लिए पते के रूप में लिखा हुआ है, उसे परिवर्तित कराने के मामले में रजिस्ट्रार प्ररूप व्या.चि.-50 में जिसे मामले के लिए उपयोग्य करने के लिए संशोधित कर लिया गया है उस व्यक्ति का वह आवेदन जो उस पते की बाबत है यह सिद्ध किए जाने पर कि उक्त पता आवेदक का पता है और उस दशा में जिसमें कि रजिस्ट्रार का समाधान हो जाता है कि वैसा करना ठीक होगा, आवेदक के पते की प्रविष्टियों में समुचित परिवर्तन उन विभिन्न रजिस्ट्रारकरणों में, जिनकी विशिष्टियां प्ररूप में दी जायेंगी उसे तामील के पते के रूप में करने के वास्ते ले सकेगा और तदनुसार प्रविष्टियों में परिवर्तन कर सकेगा।

(6) जब तक कि अपवाद स्वरूप परिस्थितियों में रजिस्ट्रार अन्यथा करने की समनुज्ञा नहीं देता है, प्ररूप व्या.चि.-50 इस नियम के अधीन किए जाने वाले आवेदन यथास्थिति रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता अथवा ऐसे आवेदन के प्रयोजन के लिए उसके द्वारा अभिव्यक्त रूपेण प्राधिकृत अधिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होंगे।

रजिस्टर की शुद्धि

97. धारा 58 (1) के अधीन आवेदन—जहां कि धारा 58 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन शुद्धि तबदीली रद्दकरण या माल या सेवाओं को काट देने के प्रयोजन से या ज्ञापन की प्रविष्टि कराने की दृष्टि से रजिस्टर में परिवर्तन करने के लिए किया गया है, वहां रजिस्ट्रार आवेदक से अपेक्षा कर सकेगा कि आवेदक शपथ पत्र द्वारा या अन्यथा ऐसा साक्ष्य जैसा कि रजिस्ट्रार ठीक समझता है उन परिस्थितियों के बारे में दें जिन परिस्थितियों में आवेदन किया गया है। ऐसा आवेदन प्ररूप व्या.चि.-16, व्या.चि.-33, व्या.चि.-34, व्या.चि.-35, व्या.चि.-36, या व्या.चि.-50, में से जो समुचित हो उसमें किया जाएगा और उसकी एक प्रति की तामील प्रश्नास्पद व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के अधीन रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता या उपयोक्ताओं पर और ऐसे किसी अन्य व्यक्ति पर जिसकी बाबत रजिस्टर से यह प्रतीत होता है कि वह व्यापार चिह्न में हित रखने वाला है, आवेदक द्वारा की जाएगी।

98. रजिस्टर व्यापार चिह्न में परिवर्तन—जहां कि कोई व्यक्ति धारा 59 के अधीन अपने रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न का परिवर्तन या परिवर्तन करने की इजाजत के लिए आवेदन करता है, वहां वह अपना आवेदन प्ररूप व्या.चि. 38 में लिखित रूप में करेगा और उस चिह्न की पांच प्रतियां देगा जैसा कि वह ऐसा परिषदित किए जाने या परिवर्तित किए जाने के पश्चात् प्रतीत होगा। आवेदन और इस भांति संशोधित या परिवर्तित चिह्न की प्रति तामील आवेदक प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता पर, यदि कोई हो, कराएगा।

99. विनिश्चय और विरोध आदि के पूर्व विज्ञापन—(1) रजिस्ट्रार आवेदन पर विचार करेगा और यदि उसे यह बात इष्टकर प्रतीत हो, तो आवेदन पर विनिश्चय करने के पूर्व उसे जनरल में विज्ञापित करायेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन विज्ञापन की तारीख से तीन मास के भीतर या कुल मिलाकर एक मास से अनधिक ऐसी और कालावधि के भीतर, जैसी कि रजिस्ट्रार समनुज्ञा करे, कोई व्यक्ति आवेदन का विरोध करने की सूचना प्ररूप व्या.चि. 39 में दे सकेगा और उसके साथ अपनी आपत्तियों का कथन भी देगा। सूचना और यदि कोई कथन हो तो तीन प्रतियों में भेजे जाएंगे उस अवस्था में जिसमें प्रश्नास्पद पद व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता है वहां ऐसी सूचना और कथन के साथ उनकी अपनी प्रतियां भी होंगी जितने कि रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता है। सूचना और कथन प्रत्येक की एक-एक प्रति रजिस्ट्रार रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत या अनुज्ञात उपयोक्ता को यदि कोई हो, तत्क्षण भेजेगा और रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी अपने को ऐसी प्रतियों के मिलने से दो मास के भीतर उन आधारों वाला एक प्रतिकथन जिन पर विरोध का प्रतिविरोध किया गया है, रजिस्ट्रार को प्ररूप व्या.चि. 6 में तीन प्रतियों में भेजेगा।

यदि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ऐसा प्रतिकथन भेजता है तो रजिस्ट्रार उसकी एक प्रति तामील विरोध की सूचना देने वाले व्यक्ति पर एक मास के भीतर करायेगा और विरोध पर होने वाली और कार्यवाहियों के संबंध में नियम 50 से लेकर नियम 57 तक के उपबंध यथापरिवर्तित रूप में लागू होंगे। रजिस्ट्रार आवेदन को केवल इस कारण ही नामंजूर नहीं करेगा कि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ने प्रतिकथन फाइल नहीं किया है। जब कि उसका यह समाधान नहीं हो जाता है कि प्रतिकथन फाइल करने में विलंब स्वेच्छा से है और मामले की परिस्थितियों में न्याय संगत नहीं ठहरता है। कोई पत्रकार रजिस्ट्रार से निदेश प्राप्त करने के लिए आवेदन उस दशा में कर सकेगा जिसमें किसी बात विषयक कोई शंका है।

(3) यदि उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर कोई विरोध नहीं किया जाता है तो रजिस्ट्रार आवेदक को उस दशा में सुनने के पश्चात् जिसमें कि आवेदक ऐसी इच्छा प्रकट करता है, आवेदन को मंजूर या नामंजूर कर सकेगा और आवेदक को अपने विनिश्चय की लिखित संसूचना देगा।

100. विनिश्चय—विज्ञापन—अधिसूचना—यदि रजिस्ट्रार आवेदन को मंजूर करने का विनिश्चय करता है तो वह रजिस्टर में तदनुसार चिन्ह परिवर्तित करेगा और जनरल में एक अधिसूचना निकलवाएगा कि चिन्ह परिवर्तित कर दिया गया है। यदि आवेदन नियम 99 के अधीन विज्ञापित नहीं किया गया है तो वह यथापरिवर्तित रूप में व्यापार चिन्ह को भी जनरल में विज्ञापित कराएगा।

वर्तमान रजिस्ट्रीकरण की बाबत माल का पुनर्वर्गीकरण

101. वर्तमान रजिस्ट्रीकरण के लिए पुनर्वर्गीकरण—(1) चतुर्थ अनुसूची में दिए हुए वर्गीकरण का संशोधन होने पर, व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी प्ररूप व्या. चि. 40 में आवेदन रजिस्ट्रार से अपने व्यापार चिन्ह विषयक विनिर्देश का संपरिवर्तन करने के वास्ते कर सकेगा कि वह विनिर्देश संशोधित वर्गीकरण के अनुरूप हो जाए। उस आवेदन में रजिस्ट्रीकरण के अधीन किन्हीं रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ताओं विषयक विनिर्देश में तदरूप संपरिवर्तन करने के लिए निवेदन इस आवेदन के अंतर्गत होगा और रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी आवेदन की एक प्रति की तामील व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता या उपयोक्ताओं पर यदि कोई हो, करायेगा।

(2) रजिस्ट्रार की राय में जो रूप प्रस्थापित संपरिवर्तन के परिणाम स्वरूप रजिस्टर में किए जाने वाले संशोधन का होना चाहिए, उस विषयक अपनी प्रस्थापना को रजिस्ट्रार तदुपरांत रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता या उपयोक्ताओं को यदि हो, लिखित रूप में अधिसूचित करेगा। व्यापार चिन्ह के ऐसे दो या अधिक रजिस्ट्रीकरण जो एक ही तारीख वाले हैं और ऐसी मालों या सेवाओं के बारे में हैं जो संशोधित या प्रतिस्थापित वर्गीकरण के अंतर्गत एक ही वर्ग में आते हैं इस नियम के अनुसार संपरिवर्तन हो जाने पर समामेलित किए जा सकेंगे।

(3) उपनियम (2) में निर्दिष्ट प्रस्थापना जनरल में विज्ञापित की जायेगी।

(4) ऐसी प्रस्थापना का विरोध करने की सूचना विज्ञापन की तारीख से तीन मास के भीतर प्ररूप व्या. चि. -41 में तीन प्रतियों में दी जायेगी या कुल मिलाकर एक मास से अनधिक ऐसी अवधि के भीतर दी जायेगी और उसके साथ यह संदर्भित करने वाला एक कथन तीन प्रतियों में दिया जायेगा कि प्रस्थापित संशोधन से किस प्रकार धारा 60 की उपधारा (1) के उपबंधों का उल्लंघन होगा। जहां कि प्रश्नास्पद व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के आधार पर कोई रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता है, वहां ऐसी सूचना और कथन के साथ उतनी प्रतियां होंगी जितने कि रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता हैं। सूचना और कथन में से प्रत्येक की एक-एक प्रति को रजिस्ट्रार रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता को यदि कोई हो, दो मास के भीतर भेजेगा और रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी दो मास के भीतर उन आधारों वाला एक प्रतिकथन जिन पर विरोध का प्रतिविरोध किया गया है, रजिस्ट्रार को प्ररूप व्या. चि. -6 में भेजेगा, यदि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ऐसा प्रतिकथन भेजता है तो रजिस्ट्रार उसकी एक प्रति की तामील विरोध की सूचना देने वाले व्यक्ति पर दो मास के भीतर कराएगा और विरोध के निपटारे के लिए अपर प्रक्रिया का विनियमन यथापरिवर्तित रूप में नियम 50 से लेकर नियम 57 तक के उपबंधों द्वारा होगा। कोई पक्षकार रजिस्ट्रार से निदेश प्राप्त करने के लिए आवेदन उस दशा में कर सकेगा जिसमें कि किसी बात विषयक कोई आशंका है।

(5) यदि उपनियम (4) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर कोई विरोध नहीं किया जाता है या विरोध किए जाने की अवस्था में यदि विनिर्देश का संपरिवर्तन समनुज्ञात कर दिया जाता है तो यथासमनुज्ञात प्रस्थापना को जनरल में विज्ञापित किया जाएगा और रजिस्टर में सभी आवश्यक प्रविष्टियां की जाएंगी। जिस तारीख को ऐसी प्रविष्टियां रजिस्ट्रार में की जाती हैं, वे तारीखें उसमें अभिलिखित की जाएंगी। इस उपनियम के अनुसरण में रजिस्टर में की गई किसी प्रविष्टि से धारा 25 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण की उस तारीख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जो उसी रीति में अवधारित की जाएगी जिसमें कि वह संपरिवर्तन के लिए अनुज्ञा मिलने के पहले की गई थी।

अध्याय-7

प्रकीर्ण

102. भौगोलिक उपदर्शन का विरोध करने वाले व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण से इंकार करना और उसका अविधि मान्यताकरण—रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह से इंकार करने या उसको अविधिमन्य करने के लिए अनुरोध हितबद्ध पक्षकार द्वारा रजिस्ट्रार को मामले के कथन के साथ और एक शपथपत्र के साथ, यथास्थिति, व्या. चि. -73 या व्या. चि. -74 में किया जा सकेगा जिसमें—

(क) ऐसा माल या मालों के वर्ग या वर्गों की बाबत ऐसा भौगोलिक उपदर्शन अंतर्विष्ट या समाविष्ट होगा, जो किसी देश के राज्यक्षेत्र में या उस देश के किसी प्रदेश या स्थान में उत्पादित नहीं होते हैं, जिसमें ऐसे भौगोलिक उपदर्शन उपदर्शित होते हैं, यदि ऐसे मालों के लिए व्यापार चिन्ह में ऐसे भौगोलिक उपदर्शन का उपयोग ऐसी प्राकृति का है, जो व्यक्तियों को वास्तविक उत्पादन के स्थान के बारे में ऐसे माल या माल के वर्ग या वर्गों के बारे में संदेह पैदा करता है या भ्रमित करता है।

(ख) माल का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन अधिसूचित माल या माल के वर्ग या वर्गों की पहचान करने वाले भौगोलिक उपदर्शन अंतर्विष्ट और समाविष्ट हैं।

103. धारा 18 की उपधारा (2) के अधीन एकल आवेदन—(1) जहाँ मालों या सेवाओं की विभिन्न वर्गों के लिए किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन धारा 18 की उपधारा (2) के अधीन किया जाता है वहाँ उसमें अंतर्विष्ट माल या सेवाओं के विनिर्देश में न्यूनतम संख्या के साथ प्रारम्भ होने वाले लगातार संख्यात्मक क्रम में उन वर्गों को और माल या सेवाओं के प्रत्येक वर्ग के अधीन सूची जो उस वर्ग के लिए समुचित हो उपवर्णित होगी।

(2) यदि किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए मूल आवेदन में अंतर्विष्ट माल या सेवाओं के विनिर्देश चतुर्थ अनुसूची में किसी वर्ग या वर्गों के प्रतिनिर्देश करते हैं, जो उसके अंतर्गत नहीं आते हैं। रजिस्ट्रार आवेदक से अपेक्षा कर सकेगा कि वह व्या. चि.-16 में वर्गीकरण त्रुटि को ठीक करे।

(3) धारा 18 की उपधारा (2) के अधीन फाइल किए गए आवेदनों को जब विज्ञापित करने के लिए आदेश दिया जाता है तब जनरल के पृथक खंड में उनको प्रकाशित किया जाएगा।

(4) रजिस्ट्रार धारा 18 की उपधारा (2) के अधीन किसी ऐसे आवेदन की बाबत जिस पर रजिस्ट्रीकरण के लिए कार्यवाही की जा चुकी है, रजिस्ट्रीकरण का एकल प्रमाण पत्र जारी करेगा।

104. सम्भागीय आवेदन—(1) जहाँ किसी एकल संज्ञित आवेदन के विभाजन के लिए धारा 22 के परन्तुक के अधीन प्ररूप व्या. चि.-53 में कोई आवेदन किया जाता है वहाँ ऐसे आवेदन का किसी सम्भागीय फीस और ऐसे वर्ग फीस जो विभाजन के अनुसार समुचित है, के संदाय पर आवेदनों को दो या अधिक पृथक आवेदनों में विभाजित किया जाएगा।

(2) रजिस्ट्रीकरण से पूर्व किसी समय, आवेदक रजिस्ट्रीकरण के लिए उसके मूल आवेदन के विभाजन के लिए दो या अधिक पृथक आवेदनों में (सम्भागी आवेदन) में माल या सेवाओं के विनिर्देश को प्रत्येक विभाजन के लिए उपदर्शित करते हुए प्ररूप व्या. चि. 53 में रजिस्ट्रार को निवेदन कर सकेगा।

(3) किसी वर्ग में सब माल या सेवाओं को विभाजित न करके कुछ माल या सेवाओं को विभाजित करने के निवेदन की दशा में विभाजित द्वारा सृजित किए जाने वाली पृथक आवेदन के लिए सम्भागीय फीस संदत्त की जाएगी। विभाजन के समय पर मूल आवेदन के संबंध में आवेदक द्वारा किसी कार्य के लिए कोई समय सीमा विभाजन की तारीख का विचार किए बिना विभाजन द्वारा सृजित प्रत्येक नए पृथक आवेदन को लागू होगी।

(4) यदि विभाजन के लिए आवेदन के साथ आवश्यक फीस नहीं लगाई जाती है या उसमें अन्यथा कोई कमी है तो रजिस्ट्रार उस कमी के संबंध में आवेदक को अधिसूचित करेगा। आवेदक ऐसी कमी को तीस दिन के भीतर सही कर सकेगा यदि आवेदक उपबंधित समय के भीतर कमी को पूरा करने में असफल रहता है तो निवेदन को परित्यक्त समझा जाएगा और आवेदन पर निवेदन को विचार में न लेते हुए आगे कार्यवाही की जाएगी।

(5) जहाँ आवेदन के विभाजन के लिए कोई निवेदन प्राप्त किया जाता है वहाँ रजिस्ट्रार यथास्थिति अतिरिक्त पृथक नए क्रम संख्या या संख्यांक समनुदेशित करेगा और उसमें मूल आवेदन के साथ प्रतिनिर्देश करेगा। ऐसी अतिरिक्त पृथक आवेदन या आवेदनों पर वही फाइल करने की तारीख समनुदेशित की जाएगी जो मूल आवेदन में होगी।

(6) संदेह के निवारण के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि जब किसी एकल आवेदन को विभाजित किया जाता है कोई नया रजिस्ट्रीकरण नहीं किया जाता है। इसके विपरीत जो आवेदन पहले से ही फाइल किया जाता है उसको पृथक-पृथक फाइलों में केवल पृथक किया जाता है या विभाजित किया जाता है।

105. समय बढ़ाना—(1) धारा 131 के अधीन ऐसे समय के बढ़ाने के लिए (जो अधिनियम में अभिव्यक्ति रूपेण उपबंधित या नियम 79 या नियम 80 के उपनियम (4) द्वारा विहित समय नहीं है, या जो ऐसा समय नहीं है जिसके विस्तार के लिए नियमों में उपबंध किया गया है) आवेदन प्ररूप व्या. चि. 56 में किया जायेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन किए गए आवेदन पर, यदि रजिस्ट्रार का समाधान हो जाता है कि परिस्थितियाँ ऐसी हैं कि जितना समय बढ़ाने के लिए आवेदन किया गया है, उतना उन परिस्थितियों में न्यायोचित है, तो जहाँ अधिकतम समय मर्यादा विहित है वहाँ वह नियमों के उपबंधों के अधीन और ऐसी शर्तें लगाकर, जैसी कि वह अधिरोपित करना ठीक समझता है, समय बढ़ा सकेगा और पक्षकारों को तदनुसार अधिमूर्चित करेगा और यद्यपि कार्य करने के लिए या कार्यवाही करने के लिए उस समय का, जिसके विषय में आवेदन किया गया है अवमान हो चुका है, तो भी समय बढ़ाने के लिए मंजूरी दी जा सकेगी।

106. रजिस्ट्रार की वैधैकिक शक्ति का प्रयोग—सुनवाई का अवसर पाने के लिए धारा 128 के अधीन हकदार व्यक्ति जिस समय के अंदर इस बात विषयक कि उसकी सुनवाई की जाए अपेक्षा करने की बाबत अपने विकल्प का प्रयोग करेगा, वह समय, अधिनियम या नियमों में अभिव्यक्त रूपेण अन्यथा उपबंधित के सिवाय उस सूचना की तारीख से एक मास का समय होगा जो सूचना कि रजिस्ट्रार उस विषय पर अपना अवधारण करने से पूर्व ऐसे व्यक्ति को देगा जिस विषय के प्रति निर्देश से सुनवाई के लिए ऐसा व्यक्ति हकदार है। यदि ऐसा व्यक्ति अपनी सुनवाई की जाने की अपेक्षा उस मास के अंदर कर देता है तो रजिस्ट्रार सुनवाई के लिए तारीख नियत करेगा और उसको उसके दस दिन की सूचना देगा।

107. विनिश्चय की अधिसूचना—अधिनियम या नियमों द्वारा जो कोई वैधैकिक शक्ति रजिस्ट्रार को दी गई है उसके प्रयोग में किया गया रजिस्ट्रार का विनिश्चय उस व्यक्ति को अधिसूचित किया जाएगा जिस पर प्रभाव पड़ता है।

108. प्रक्रिया विषयक अनियमितताओं का संशोधन और परिमार्जन—(1) व्यापार चिह्न के किसी दस्तावेज में या रेखाचित्र या अन्य समाकृति में संशोधन किया जा सकेगा और प्रक्रिया में हुई ऐसी किसी अनियमितता का, जो रजिस्ट्रार की यह राय में किसी व्यक्ति के हितों को हानि पहुंचाए बिना दूर की जा सकेगी, यदि रजिस्ट्रार ऐसा करना उचित समझता है, परिमार्जन की जा सकेगी, तो ऐसे निबंधनों पर, जैसा कि वह निदेश दे।

(2) रजिस्ट्रार किसी आवेदन या व्यापार चिह्न की समाप्ति को या किसी अन्य दस्तावेज को अधिनियम की यथारूप अपेक्षाओं के अनुरूप करने के लिए उसे संशोधित करने की या परिवर्धित करने की अपेक्षा कर सकेगा।

109. अन्यथा विहित न किए गए निदेश—जहां कि रजिस्ट्रार की यह राय है कि अधिनियम या नियमों के अधीन किन्हीं कार्यवाहियों के उचित अभियोजन या उनकी समाप्ति के लिए यह बात किसी व्यक्ति के लिए आवश्यक है कि वह ऐसा कार्य करे, ऐसी दस्तावेज फाइल करे या ऐसा साक्ष्य पेश करे जिसके विषय में कोई उपबंध अधिनियम या नियमों में नहीं हुआ है, तो रजिस्ट्रार लिखित सूचना द्वारा उस व्यक्ति से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह व्यक्ति सूचना में विनिर्दिष्ट कार्य करे, दस्तावेज फाइल करे या साक्ष्य पेश करे।

110. धारा 115(4) के अधीन रजिस्ट्रार की राय—(1) जहां धारा 115 की उपधारा (4) के परन्तुक के अधीन उसकी राय के लिए रजिस्ट्रार को कोई मामला निर्देशित कर दिया गया है वहां ऐसी राय को निर्देशित करने वाले प्राधिकारी को ऐसी लिखित सूचना की प्राप्ति से कार्यकरण के सात दिन के भीतर सील बंद लिफाफे में अग्रेषित कर दिया जाएगा और रजिस्ट्रार इस प्रकार निर्देशित मामले में पूर्ण गोपनीयता सुनिश्चित करेगा।

(2) इस नियम के अधीन राय, रजिस्ट्रार या अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन इस प्रयोजन के लिए विशिष्ट रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा दी जाएगी और अभिहित प्राधिकारी का नाम जनरल में प्रकाशित किया जाएगा।

111. सुनवाई—(1) उस व्यापार चिह्न के संबंध में जिसके रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन अधिसूचित तारीख को या तत्पश्चात् किया जाता है, उस आवेदन की सुनवाई और साथ ही अधिनियम या नियमों के अधीन तद्विषयक कोई कार्यवाही उस दशा में, जिसमें कि सुनवाई आवश्यक हो जाती है, उस व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकरण कार्यालय, जिसमें कि ऐसा आवेदन धारा 18 की उपधारा (3) के अधीन किया गया था, या उस स्थान जो कि उस कार्यालय की क्षेत्रीय अधिकारिता के भीतर है, में से वहाँ होगी जहां कि उसका होना रजिस्ट्रार उचित समझता है।

(2) उस व्यापार चिह्न के संबंध जिसके रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन रजिस्ट्रार के समक्ष अधिसूचित तारीख को लंबित है, उस आवेदन की सुनवाई या अधिनियम और नियमों के अधीन तद्विषयक कोई कार्यवाही, यदि कोई हो, समुचित व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकरण कार्यालय या उस स्थान, जो कि उक्त कार्यालय की क्षेत्रीय अधिकारिता के भीतर है, में से वहाँ होगी जहां कि उसका होना रजिस्ट्रार उचित समझता है।

(3) व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार में जो व्यापार चिह्न, अधिसूचित तारीख को चढ़ा हुआ है, अधिनियम और नियमों के अधीन तद्विषयक कार्यवाही के सिलसिले में सुनवाई, यदि कोई हो समुचित व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय या उस स्थान, जो कि उक्त कार्यालय की क्षेत्रीय अधिकारिता के भीतर है, में से वहाँ होगी जहां कि उसका होना रजिस्ट्रार उचित समझता है।

(4) रजिस्ट्रार की शक्तियों का प्रयोग करने वाले जिस पदाधिकारी ने अधिनियम या नियमों के अधीन किसी मामले को सुन लिया है और उस पर आदेश बाद में देने के लिए उसे अपने पास रख लिया है, जहां कि उसकी बदली एक रजिस्ट्रीकरण कार्यालय से दूसरी रजिस्ट्रीकरण कार्यालय को हो जाती है या उस पर आदेश देने या विनिश्चय करने से पूर्व वह दूसरी नियुक्ति पर वापिस चला जाता है वहां यदि रजिस्ट्रार ऐसा निदेश देता है तो वह वैसे ही आदेश दे सकेगा या विनिश्चय कर सकेगा जैसे कि वह उस अवस्था में देता या करता जिसमें कि वह उस रजिस्ट्रीकरण कार्यालय पदाधिकारी बना रहता जहां कि मामले कि सुनवाई हुई थी।

रजिस्ट्रार द्वारा खर्चों का दिलवाना

112. जिन मामलों में प्रतिविरोध नहीं किया गया है, उनमें खर्च—जहां नियमों के अधीन समयक्रूपेण संस्थित किसी विरोध का प्रतिविरोध आवेदक द्वारा नहीं किया गया है, वहाँ रजिस्ट्रार यह विनिश्चय करने में कि क्या खर्चा विरोधी को दिलवाया जाना चाहिए, इस बात पर विचार करेगा कि विरोध की सूचना से फाइल किये जाने के पूर्व यदि आवेदक को विरोधी युक्तियुक्त सूचना दे देता तो क्या कार्यवाहियां न होती।

113. नियम 112 का अपवाद—नियम 112 में किसी बात के होते हुए भी प्रथम अनुसूची की प्रविष्टियों 12, 13, 14 और 15 के अधीन विनिर्दिष्ट फीस और कार्यवाही में दिए गए शपथपत्रों पर लगे और चिपकाए गए सभी मुद्रांकों लेखें हुआ खर्चा जयाज के अनुसार होगा।

114. खर्चों का मापमान—छठी अनुसूची में उसके लिए अनुज्ञेय रकम से अनधिक ऐसे खर्चें रजिस्ट्रार, अपने समक्ष वाली सभी कार्यवाहियों में उस अवस्था के सिवाय जिसमें कि अधिनियम द्वारा अन्यथा अभिव्यक्त रूपेण उपबंधित है नियम 112 और 113 के उपबंधों के अधीन रहते हुए दिलवाएगा जिसे वह मामले की सभी परिस्थितियों पर विचार करके युक्तियुक्त समझता है।

रजिस्ट्रार द्वारा विनिश्चय का पुनर्विलोकन

115. रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन—रजिस्ट्रार के विनिश्चय का पुनर्विलोकन करने के लिए धारा 127 के उप खण्ड (ग) के अधीन उससे आवेदन ऐसे विनिश्चय की तारीख से एक मास के अंदर या तत्पश्चात् एक मास से अनधिक इतनी अपर कालावधि के अंदर, जितनी कि रजिस्ट्रार अपने से की गई प्रार्थना पर समनुज्ञात करे, प्ररूप ब्या० चि० 57 में दिया जायेगा, और उन आधारों वाला, जिन पर

पुनर्विलोकन चाहा गया है, एक कथन उसके साथ होगा। जहाँ कि प्रश्नास्पद विनिश्चय आवेदक के अलावा किसी अन्य व्यक्ति से भी सम्पृक्त है, वहाँ ऐसे आवेदन और कथन की तीन प्रतियाँ दी जाएंगी और रजिस्ट्रार आवेदन और कथन की एक-एक प्रति अन्य सम्पृक्त व्यक्ति को तत्क्षण भेजेगा। रजिस्ट्रार, पक्षकारों को सुने जाने का अवसर देने के पश्चात् आवेदन को या तो नामंजूर कर देगा या बिना शर्त के या ऐसी किन्हीं शर्तों या मर्यादाओं के अधीन जैसी कि वह ठीक समझता है, उसे मंजूर कर लेगा।

शपथ पत्र

116. शपथ पत्रों के प्ररूप आदि—(1) अधिनियम और नियमों के अधीन जिन शपथ पत्रों की बाबत यह अपेक्षित है कि वे व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में फाइल किए जाए या रजिस्ट्रार को दिए जाएं, वे उस सूरत में के सिवाय, जिसमें कि द्वितीय अनुसूची में अन्यथा उपबंधित हैं, उस बात या बातों वाले शीर्षक से होंगे, जिससे या जिनसे कि वे संबद्ध हैं उक्त पुरुष में लिखे होंगे क्रमवार संख्या वाले पैराओं में विभाजित होंगे और प्रत्येक पैरा यावत्साध्य एक बात तक परिसीमित होगा और प्रत्येक शपथ पत्र में उसे करने वाले व्यक्ति का अभिवर्णन और उसका सही निवास स्थान दिया होगा, उसे फाइल करने वाले व्यक्ति का नाम और पता उसमें दिया होगा और उसमें यह भी कथित होगा कि किसकी ओर से वह फाइल किया गया है।

(2) जहाँ कि दो या दो से अधिक व्यक्ति शपथ पत्र में सम्मिलित होते हैं वहाँ उनमें से प्रत्येक पृथक्: ऐसे तथ्यों का अभिलक्ष्य देगा जो उसके निजि ज्ञान में हैं और वे तथ्य पृथक्-पृथक् पैराओं में दिए जाएंगे।

(3) शपथ पत्र—(क) भारत में ऐसे किसी न्यायालय के या व्यक्ति के समक्ष, जिसे साक्ष्य लेने का प्राधिकार विधि द्वारा प्राप्त है, या ऐसे किसी अधिकारी के समक्ष, जो उपर्युक्त जैसे न्यायालय द्वारा शपथ दिलाने के लिए या शपथ पत्र कराने के लिए सशक्त है कराए जाएंगे;

(ख) भारत के बाहर किसी देश या स्थान में राजनयिक और वाणिज्य दूतीय पदाधिकारी (शपथ और फीस) अधिनियम, 1948 (1948 का 41) के अर्थ में ऐसे देश या स्थान के राजनयिक या वाणिज्य दूतीय पदाधिकारी के समक्ष या देश या स्थान के लेख्य प्रमाणक के समक्ष या किसी न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट के समक्ष, किए जाएंगे।

(4) जिस व्यक्ति के सामने शपथ पत्र किया जाएगा, वह उस तारीख को, जिस पर, और उस स्थान को, जहाँ शपथ पत्र किया गया है, लिख देगा और यदि उसकी अपनी मुद्रा है, तो उसे उस पर लगाएगा या उस न्यायालय की मुद्रा लगाएगा जिससे वह संलग्न है और उसके अंत में अपना नाम और अभिवर्णन देकर हस्ताक्षर करेगा।

(5) उस शपथ पत्र को जिसकी बाबत यह प्रकटतः अभिप्रेत है कि उस पर इस बात के परिसाक्ष्य स्वरूप कि वह उस व्यक्ति के समक्ष किया गया है, जो शपथ पत्र कराने के लिए उपनियम (3) द्वारा प्राधिकृत है, ऐसे व्यक्ति की मुद्रा लगी हुई या हस्ताक्षर किया हुआ है, रजिस्ट्रार उस मुद्रा या हस्ताक्षर के असल होने की या उस व्यक्ति की पदीय हैसियत की सिद्धि बिना ग्रहण कर सकेगा।

(6) परिवर्तन और पंक्तियों के बीच लिखी बातों को इससे पूर्व कि शपथ पत्र सौगंध लेकर या प्रतिज्ञान करके किया जाए, उस व्यक्ति के आद्याक्षरों द्वारा अधिप्रमाणित किया जाएगा, जिसके समक्ष शपथ पत्र किया गया है।

(7) जहाँ कि अभिसाक्ष्यकर्ता निरीक्षर, अंधा या उस भाषा से अपरिचित है जिसमें शपथ पत्र लिखा गया है, वहाँ शपथ कराने वाले व्यक्ति द्वारा या प्रमाणपत्र कि शपथ पत्र उसके समक्ष अभिसाक्ष्यकर्ता को पढ़कर सुनाया गया, उसके वास्ते उसका अनुवाद किया गया या उसकी व्याख्या की गई और यह प्रतीत हुआ कि अभिसाक्ष्यकर्ता उसे पूर्णतः समझता है और यह कि अभिसाक्ष्यकर्ता ने मेरी उपस्थिति में अपने हस्ताक्षर किए या चिह्न बनाया शपथ पत्र के निचले भाग में दिया होगा।

(8) अधिनियम या नियमों के अधीन वाली किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में जो शपथ पत्र रजिस्ट्रार के समक्ष फाइल किया जाता है वैसा प्रत्येक शपथ पत्र तत्समय प्रवृत्त विधि के अनुसार लगने वाले मुद्रांक पर होगा।

जनता द्वारा दस्तावेजों का निरीक्षण

117. दस्तावेजों का निरीक्षण—धारा 148 की उपधारा (1) में वर्णित दस्तावेज निरीक्षण के लिए व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के मुख्य कार्यालय में प्राप्य रहेंगे। रजिस्ट्रार की और धारा 148 में वर्णित ऐसे अन्य दस्तावेजों की प्रति, जैसी कि केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा निर्दिष्ट करें, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री प्राप्य रहेगी। निरीक्षण विहित फीस दिए जाने पर और उन सभी दिनों में, जिनमें व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय जनता के लिए बंद नहीं रहता ऐसे समयों पर, जैसे कि रजिस्ट्रार नियत करे किया जाएगा।

118. जनरल और अन्य दस्तावेजों की प्रतियों का वितरण—केन्द्रीय सरकार रजिस्ट्रार को निदेश दे सकेगी कि वह जनरल और किसी अन्य दस्तावेजों को, जिसे कि आवश्यक समझती है, ऐसे स्थानों में वितरित करे जैसे कि केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों से विचार विमर्श करके नियत करे, राजपत्र में समय-समय पर अधिसूचित करे।

प्रमाण पत्र

119. दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियाँ.—रजिस्टर में किसी प्रविष्टि की प्रमाणित प्रतियाँ या धारा 148 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट किसी दस्तावेज की या रजिस्ट्रार के किसी विनिश्चय या आदेश की प्रमाणित प्रतियाँ या धारा 23 की उपधारा (2) के अधीन वाले प्रमाण पत्र से भिन्न प्रमाण पत्र जो कि ऐसी किसी प्रविष्टि बात या चीज से सम्बद्ध है जिसे कि रजिस्ट्रार, अधिनियम या नियमों द्वारा करने के लिए प्राधिकृत या अपेक्षित है, रजिस्ट्रार विहित फीस सहित उसके लिए किसी व्यक्ति द्वारा प्ररूप व्या. चि.-46 में किए गए आवेदन की प्राप्ति पर दे सकेगा। किसी प्रमाण पत्र या प्रमाणित प्रति में किसी चिन्ह की प्रति सम्मिलित करने के लिए रजिस्ट्रार उस सूरत में के सिवाय बाध्य न होगा जिसमें कि आवेदक ने व्यापार चिन्ह की ऐसी नकल जैसी कि इस प्रयोजन के लिए समुचित है, उसे दे दी है :

परंतु यह कि रजिस्ट्रार उपर्युक्त वर्णित प्रमाणित प्रतियों को उसकी सामान्य फीस की पाँच गुणी फीस के संदाय पर उस आशय के लिए प्राप्त प्ररूप व्या. चि.-70 में आवेदन पर तीस कार्य दिवस के भीतर शीघ्रता से दे देगा।

120. विदेश में रजिस्ट्रीकरण कराने के वास्ते काम में लाए जाने के लिए प्रमाण पत्र.—(1) जहां कि व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण संबंधी कोई प्रमाण पत्र इस दृष्टि से चाहा जाता है कि भारत से बाहर वाले किसी राज्य क्षेत्र में रजिस्ट्रीकरण कराने के लिए वह काम में लाया जा सके, वहां रजिस्ट्रार प्रमाण पत्र चिन्ह की एक नकल सम्मिलित करेगा और प्रमाण पत्र आवेदक से वह अपेक्षा कर सकेगा कि वह आवेदक इस प्रयोजन के लिए समुचित चिन्ह की नकल रजिस्ट्रार को दे दे और यदि आवेदक वैसा करने में असफल रहता है, तो रजिस्ट्रार प्रमाण पत्र देने से इंकार कर सकेगा।

(2) जहां की व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रीकरण रंग संबंधी मर्यादा के बिना किया जाता है, वहां प्रमाण पत्र में सम्मिलित किए जाने वाले चिन्ह की नकल या तो उस रंग में हो सकेगी जिसमें कि वह रजिस्टर में दिखाया गया है या किसी अन्य रंग या रंगों में तो ही हो सकेगी और प्रमाण पत्र में यह कथित किया जा सकेगा कि व्यापार चिन्ह रंग की मर्यादा के बिना रजिस्ट्रीकृत है।

(3) रजिस्ट्रार प्रमाण पत्र में चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण से सम्बद्ध ऐसी विशिष्टियाँ देगा जैसी कि उसे ठीक लगती है और रजिस्टर में दी गई निबंधन और शर्तों और अन्य परिसीमाओं को विनिर्दिष्ट कर सकेगा। जिस प्रयोजन के लिए प्रमाण पत्र दिया गया है वह प्रयोजन उसमें कथित किया जाएगा।

121. अंतर्राष्ट्रीय अस्वत्वधारी नामों को अधिसूचित करने की रजिस्ट्रार की शक्ति.—रजिस्ट्रार धारा 13 की उपधारा (ख) में निर्दिष्ट अंतर्राष्ट्रीय अस्वत्वधारी नामों के रूप में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जो शब्द घोषित किए जाते हैं उन्हें जरनल में समय-समय पर प्रकाशित कर सकेगा।

बौद्धिक सम्पदा अपील बोर्ड को अपीलें

122. अपील के लिए समय.—अधिनियम या नियमों के अधीन रजिस्ट्रार के किसी विनिश्चय से बौद्धिक सम्पदा अपील बोर्ड को अपील ऐसे विनिश्चय की तारीख से तीन मास के भीतर की जाएगी।

123. रजिस्ट्रार को तामील.—अधिनियम के अधीन बौद्धिक सम्पदा अपील बोर्ड को किए प्रत्येक आवेदन की एक प्रति की तामील रजिस्ट्रार पर की जाएगी।

विधि मान्यता का प्रमाण पत्र

124. विधि मान्यता के प्रमाण पत्र का टीप लिया जाना.—(1) जहां कि बौद्धिक सम्पदा अपील बोर्ड ने रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह की विधि मान्यता के संबंध में, प्रमाण धारा 141 में यथा उपबंधित रूप में दिया है, वहां उसका रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी रजिस्ट्रार से प्ररूप व्या. चि.-47 में यह निवेदन कर सकेगा कि रजिस्टर में की प्रविष्टि में यह टिप्पण बढ़ाया जाए कि विधि मान्यता का प्रमाणपत्र, जिसकी विशिष्टियाँ निवेदन में दी जाएंगी, कार्यवाहियों के दौरान अनुदत्त किया गया है। प्रमाण पत्र की जो प्रति राजकीय रूप से प्रमाणित है वह इस निवेदन के साथ भेजी जाएगी और रजिस्ट्रार रजिस्टर में उस आशय का एक टिप्पण अभिलिखित करेगा और उस टिप्पण को जरनल में प्रकाशित करेगा।

प्रदर्श लौटाना और अभिलेख नष्ट करना

125. प्रदर्श लौटाना.—जहां कि अधिनियम या नियमों के अधीन किसी मामले में या कार्यवाही में पेश किए गए प्रदर्श की व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय में आने के लिए आवश्यकता नहीं रहती वहां रजिस्ट्रार संबद्ध पक्षकार को समाहृत कर सकेगा कि प्रदर्श रजिस्ट्रार द्वारा विनिर्दिष्ट समय के भीतर वापिस ले जाएं और यदि पक्षकार वैसा करने में असफल रहता है तो ऐसे प्रदर्श नष्ट कर दिए जाएंगे।

(2) जहां अधिसूचित तारीख के पूर्व कोई प्रदर्श किसी कार्यवाही में पेश किए जा चुके हैं वहां रजिस्ट्रार उस दशा में, जिसमें कि उसका यह समाधान हो जाता है कि उनका लंबे समय तक रखा जाना आवश्यक नहीं है रजिस्ट्रार संबद्ध पक्षकार से अपेक्षा कर सकेगा कि वह उसके द्वारा विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्रदर्श को वापिस ले जाएं और यदि पक्षकार वैसा करने में असफल रहता है तो ऐसे प्रदर्श नष्ट कर दिए जाएंगे।

126. अभिलेखों का नष्ट किया जाना.—जहां कि व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन प्रत्याहृत/परित्यक्त या खारिज कर दिया जाता है या कोई व्यापार चिन्ह रजिस्टर से हटा दिया जाता है या विरोध या परिशोधन कार्यवाही में उस विषय को समाप्त कर दिया गया है और

बौद्धिक सम्पदा अपील बोर्ड के समक्ष कोई अपील लंबित नहीं है वहां रजिस्ट्रार यथास्थिति आवेदन के प्रत्याहृत या परित्यक्त या खारिज किए जाने के पश्चात् या रजिस्ट्रार से व्यापार चिन्ह के हटाए जाने के पश्चात् या विरोध या परिशोधन कार्यवाही के बंद हो जाने के पश्चात् तीन वर्ष की समाप्ति पर आवेदन, विरोध या परिशोधन या उस संबद्ध व्यापार चिन्ह से संबंधित सब अभिलेखों को या उनमें से किसी को नष्ट करा देगा।

भाग—2

सामूहिक चिन्हों के लिए विशेष उपबंध

127. सामूहिक चिन्हों को लागू होने वाले नियम.—इन नियमों के भाग 1, भाग 4 और भाग 7 के उपबंध सामूहिक चिन्हों को, वहां तक जहां तक कि उनके लागू होने का संबंध है, केवल इस भाग के उपबंधों के अधीन रहते हुए ही लागू होंगे।

128. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन और तत्संबंधी कार्यवाहियां.—(1) माल और सेवाओं के लिए सामूहिक चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 63 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन रजिस्ट्रार से प्ररूप व्या. चि.-3 प्ररूप व्या. चि.-64 या किसी एकल आवेदन की दशा में यथास्थिति प्ररूप व्या. चि.-66 या प्ररूप व्या. चि.-67 में तीन प्रतियों में किया जाएगा और उसके साथ चिन्ह की पांच अतिरिक्त समाकृतियां होंगी। आवेदन के साथ धारा 63 की उपधारा (1) के अधीन प्रेषित किए जाने वाले विनियमों के प्ररूप की तीन प्रतियां भेजी जाएंगी और उसके साथ प्ररूप व्या. चि.-49 होगा।

(2) माल और सेवाओं के लिए व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन का प्रतिग्रहण करने विषयक जो निर्देश नियमों के भाग 1 में हैं उनके स्थान में वहां जहां तक कि सामूहिक चिन्ह के संबंध में उनके लागू होने का सवाल है वे निर्देश रख दिए जाएंगे जो कि आवेदन के संबंध कार्यवाही करने के प्राधिकार विषयक हैं।

(3) सामूहिक चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक की बाबत उस दशा में यह न समझा जाएगा कि आवेदक ने अपने आवेदन का परित्याग कर दिया है जिसमें कि आवेदक ने नियम 38 के उपनियम (5) वाली परिस्थितियों में सुनवाई के लिए आवेदन नहीं किया है या लिखा हुआ उत्तर नहीं दिया है।

(4) सामूहिक चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक का यदि कोई भारत में का पता है तो उन सब प्रयोजनों के लिए जिनके लिए ऐसा पता इन नियमों द्वारा अपेक्षित है, यह समझा जाएगा कि वह पता उसके कारबार का भारत में के मुख्य स्थान का पता है।

(5) सामूहिक चिन्हों को शासित करने वाले विनियमों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित विनिर्दिष्ट होगा :—

- (क) व्यक्तियों के संगम का नाम और उनके अपने कार्यालय के पते;
- (ख) संगम के उद्देश्य;
- (ग) सदस्यों के व्यौरे;
- (घ) सदस्यता के लिए शर्तें और उस समूह से प्रत्येक सदस्य का संबंध;
- (ङ) चिन्ह का उपयोग करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति और सामूहिक चिन्ह के प्रयोग पर आवेदक के नियंत्रण की प्रकृति;
- (च) सामूहिक चिन्ह के उपयोग को शासित करने वाली शर्तें जिसके अंतर्गत मंजूरीयां भी हैं;
- (छ) सामूहिक चिन्ह के उपयोग के विरुद्ध अपीलों के लिए व्यवहार में लाई जाने वाली प्रक्रिया;
- (ज) ऐसी अन्य विशिष्टियां जो रजिस्ट्रार द्वारा मांगी जाएं।

129. आवेदन के साथ मामले का कथन.—आवेदक अपने आवेदन के साथ उन आधारों वाला जिनका वह अपने आवेदन के समर्थन में सहारा लेता है मामले का कथन रजिस्ट्रार को भेजेगा। मामले का ऐसा कथन तीन प्रतियों में दिया जाएगा।

130. परीक्षा और सुनवाई.—(1) सबसे पहले रजिस्ट्रार सामूहिक चिन्ह के लिए आवेदन की परीक्षा करवाएगा कि क्या वह अधिनियम और नियमों की अपेक्षा को पूरा करता है और आवेदक को एक रिपोर्ट जारी करेगा।

(2) रजिस्ट्रार सामूहिक चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन को नामंजूर करने का आवेदन को किन्हीं शर्तों या मर्यादाओं या आवेदक या विनियम के किन्हीं संशोधनों या उपांतरणों के अधीन प्रतिगृहीत करने के लिए आवेदक को सुनवाई का अवसर देगा अन्यथा नहीं और यह प्रक्रिया नियम 38 के उपनियम (4) से लेकर नियम 42 के उपबंधों द्वारा विनियमित होगी।

131. सामूहिक चिन्हों के रजिस्ट्रीकरण का विरोध.—(1) आवेदन के प्रतिग्रहण पर रजिस्ट्रार आवेदन को जरनल में विज्ञापित कराएगा और नियम 47 से लेकर नियम 57 तक के उपबंध यथापरिवर्तित रूप में मामले की आगे की कार्यवाहियों में उसी भांति लागू होंगे जैसे कि व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के संबंध में लागू होते हैं।

(2) सामूहिक चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के विरोध से संबंधित कार्यवाहियों के संबंध में किसी संदेह की दशा में कोई पक्षकार निदेशों के लिए रजिस्ट्रार को आवेदन कर सकेगा।

132. सामूहिक चिह्नों और उनके नवीकरण से संबंधित विनियमों का संशोधन—(क) धारा 66 के अधीन विनियम के किसी संशोधन के लिए सामूहिक चिह्नों के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन प्ररूप व्या. चि. 42 में किया जाएगा और जहां रजिस्ट्रार ऐसे कोई संशोधन को अभिगृहीत करता है वहां वह ऐसे आवेदन को जर्नल में विज्ञापित करेगा और मामले में आगे कार्यवाहियां नियम 47 से लेकर नियम 57 द्वारा शासित होंगी।

(ख) सामूहिक चिह्न समय-समय पर नवीकृत किए जा सकेंगे और नियम 63 से लेकर नियम 67 के उपबंध नवीकरण के लिए ऐसे निवेदन की बाबत यथा परिवर्तित लागू होंगे।

133. सामूहिक चिह्न का हटाया जाना—सामूहिक चिह्न के हटाए जाने के लिए आवेदन धारा 68 में वर्णित किसी आधार सहित प्ररूप व्या. चि. 43 में किया जाएगा और उन आधारों की विशिष्टियां होंगी जिन पर आवेदन दिया जाता है। इन नियमों के नियम 92 से 94 तक के उपबंध मामले में आगे कार्यवाहियों के लिए यथा आवश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे।

भाग—3

प्रमाणीकरण व्यापार चिह्नों के लिए विशेष उपबंध

134. इन नियमों के भाग 1, भाग 4 और भाग 7 के उपबंध प्रमाणीकरण व्यापार चिह्नों को, वहां तक जहां तक कि उनके लागू होने का संबंध है, केवल इस भाग के उपबंधों के अधीन रहते हुए ही लागू होंगे।

135. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन और तत्संबंधी कार्यवाहियां—(1) प्रमाणीकरण व्यापार चिह्नों के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 71 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन रजिस्ट्रार के प्ररूप व्या. चि. 4, प्ररूप व्या. चि. 65 और किसी एकल आवेदन की दशा में यथास्थिति प्ररूप व्या. चि. 68 या प्ररूप व्या. चि. 69 में तीन प्रतियों में किया जाएगा और उसके साथ चिह्न की पांच अतिरिक्त समाकृतियां होंगी। आवेदन के साथ प्रेषित किए जाने वाले विनियमों के प्ररूप की तीन प्रतियां भेजी जाएंगी और उसके साथ प्ररूप व्या. चि. 49 होगा।

(2) व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन का प्रतिग्रहण करने विषयक जो निर्देश नियमों के भाग 1 में हैं उनके स्थान में वहां तक जहां तक कि प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के संबंध में उनके लागू होने का सवाल है वे निर्देश रख दिए जाएंगे जो कि आवेदन के संबंध में कार्यवाही करने के प्राधिकार विषयक हैं।

(3) प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक की बाबत उस दशा में यह न समझा जाएगा कि आवेदक ने अपने आवेदन का परित्याग कर दिया है जिसमें यदि उसने नियम 38 के उपनियम (5) वाली परिस्थितियों में सुनवाई के लिए आवेदन नहीं किया है या लिखा हुआ उत्तर नहीं दिया है।

(4) प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक का यदि कोई भारत में का पता है तो उन सभी प्रयोजनों के लिए जिनके लिए ऐसा पता इन नियमों द्वारा अपेक्षित है, यह समझा जाएगा कि वह पता उसके कारबार के भारत में के मुख्य स्थान का पता है।

(5) प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न को शासित करने वाले विनियमों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित विनिर्दिष्ट होगा :—

- (क) आवेदक का वर्णन;
- (ख) आवेदक के कारबार की प्रकृति;
- (ग) आर एण्ड डी, तकनीकी मानव शक्ति समर्थन जैसी अवसंरचना की विशिष्टियां;
- (घ) प्रमाणन स्कीम की प्रशासित करने की आवेदकों की क्षमता;
- (ङ) आवेदकों की वित्तीय व्यवस्था;
- (च) आवेदक से वचनबद्धता कि यदि वे विनियमों में अधिकथित अपेक्षाओं को पूरा करते हैं तो पक्षकारों के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा;
- (छ) चिह्न के लक्षण प्रमाणित माल में या प्रमाणित सेवा प्रदान करने के संबंध में संकेत देगा;
- (ज) भारत में चिह्न के उपयोग को मॉनीटर करने की रीति; और
- (झ) ऐसी अन्य सुसंगत विशिष्टियां जो रजिस्ट्रार द्वारा मांगी जाएं।

136. आवेदन के साथ मामले का कथन—(1) आवेदक अपने आवेदन के साथ उप आधारों वाला, जिनका वह अपने आवेदन के समर्थन में सहारा लेता है, मामले का कथन रजिस्ट्रार को भेजेगा। मामले का ऐसा कथन तीन प्रतियों में दिया जाएगा।

(2) रजिस्ट्रार सर्वप्रथम प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की इस विषय में परीक्षा करवाएगा कि क्या वह अधिनियम और नियमों की आवश्यकता को पूरी करता है या नहीं और आवेदक को एक रिपोर्ट जारी करेगा।

137. आवेदन को नामजूर करने या उसे सशर्त प्रतिग्रहण करने के पूर्व रजिस्ट्रार द्वारा सुनवाई—रजिस्ट्रार प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के लिए आवेदन को नामजूर या आवेदन को किन्हीं शर्तों या मर्यादाओं या आवेदन या विनियम के किन्हीं संशोधनों या रूपांतरणों के अधीन प्रतिग्रहण, आवेदक को सुनवाई का अवसर दिए बिना नहीं करेगा और उसकी प्रक्रिया इन नियमों के नियम 38 के उपनियम (4) से लेकर नियम 42 के उपबंधों द्वारा विनियमित होगी।

138. प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण का विरोध और उसका नवीकरण—(1) रजिस्ट्रार आवेदन के प्रतिग्रहण पर आवेदन को जनरल में विज्ञापित करवाएगा और नियम 47 से लेकर नियम 57 के उपबंध जैसे वे व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के संबंध में लागू होते हैं यथा आवश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे।

(2) प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के विरोध के संबंध में कार्यवाहियों के विषय में संदेह की दशा में कोई पक्षकार रजिस्ट्रार को निदेशों के लिए आवेदन कर सकेगा।

(3) प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न का समय-समय पर नवीकरण किया जा सकेगा और नियम 63 से लेकर नियम 67 के उपबंध नवीकरण के लिए ऐसे निवेदन की बाबत यथा आवश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे।

139. प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न का परिशोधन—प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के उपखंडन या परिवर्तन के लिए आवेदन धारा 77 में वर्णित आधारों में से किसी पर प्ररूप व्या.चि. 43 में किया जाएगा और उसमें उन आधारों की विशिष्टियां जिन पर आवेदन किया गया है, उपवर्णित होगी। नियम 92 से नियम 94 तक के उपबंध आवश्यक परिवर्तन सहित मामले की कार्यवाहियों में लागू होंगे।

140. निक्षेपित विनियमों का परिवर्तन और प्रमाणीकरण व्यापार चिह्नों के समनुदेशन और संप्रदान के वास्ते रजिस्ट्रार की सम्मति—(1) निक्षेपित विनियम के परिवर्तन के लिए धारा 74 की उपधारा (2) के अधीन प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन प्ररूप व्या. चि. 42 में किया जाएगा और जहां रजिस्ट्रार ऐसे परिवर्तन की आज्ञा देने का विनिश्चय करता है वहां यह आवेदन जनरल में विज्ञापित किया जाएगा और मामले में आगे कार्यवाहियां नियम 47 से लेकर नियम 57 द्वारा शासित होंगी।

(2) धारा 43 के अधीन प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के समनुदेशन और संप्रदान के लिए रजिस्ट्रार की सम्मति के लिए आवेदन प्ररूप व्या. चि. 62 में किया जाएगा।

भाग-4

टैक्सटाइल माल के लिए विशेष उपबंध

141. परिभाषाएं—नियम 146 और नियम 147 के प्रयोजनों के लिए,—“संतुलित संख्यांक” से अन्यून तीन अंक और अनधिक सात अंक वाली एक सी ही संख्या या एक से ही अक्षरों से मिलकर बना व्यापार चिह्न अभिप्रेत है।

अंक के अर्धान्तर्गत अकेला अक्षर है :

“अक्षरों वाली भिन्न” से एक या अधिक अक्षरों वाली भिन्न अभिप्रेत है।

142. टैक्सटाइल चिह्नों को लागू होने वाले नियम.—नियमों के भाग 1, भाग 3 और भाग 7 के उपबंध टैक्सटाइल माल संबंधी व्यापार चिह्नों को इस भाग के उपबंधों के अधीन रहते हुए, उसी भांति लागू होंगे जैसे कि वे उन माल संबंधी व्यापार चिह्नों को लागू होते हैं जो कि टैक्सटाइल माल नहीं हैं।

143. टैक्सटाइल चिह्न —“टैक्सटाइल चिह्न” पद से ऐसा व्यापार चिह्न अभिप्रेत है जिसका उपयोग उन मालों के संबंध में हुआ है या किए जाने की प्रस्थापना है जो कि नियम 144 “टैक्सटाइल माल” के रूप में अधिनियम के अध्याय-10 के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट हैं।

144. टैक्सटाइल माल—व्यापार चिह्नों के संबंध में जिन वर्गों के माल को अधिनियम का अध्याय 10 लागू होगा और जो अधिनियम और नियमों में टैक्सटाइल माल के रूप में निर्दिष्ट है वे माल वर्ग चतुर्थ अनुसूची के वर्ग 22 से वर्ग 27 तक (जिनके अंतर्गत दोनों वर्ग भी होंगे) वाले वर्ग होंगे।

145. टैक्सटाइल माल की मदों के बारे में अक्षरों या संख्याओं या उनकी किसी संहति के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन—(1) जहां कि चिह्न अनन्य रूप से अक्षरों या संख्याओं या उनकी किसी संहति से मिलकर बना है, वहां पांचवी अनुसूची में वर्णित टैक्सटाइल माल की मदों में से प्रत्येक संबंधी (सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न से भिन्न) व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए पृथक आवेदन यथास्थिति प्ररूप

व्या. चि.-22 या व्या. चि. 45 में किया जाएगा।

(2) पंचम अनुसूची में दी हुई मदों को निम्नलिखित रीति में समूहीकृत किया जाएगा और प्रत्येक समूह में आने वाले माल को यह समझा जाएगा कि वे एक ही समान हैं और विभिन्न समूहों में आने वाले माल को उन व्यापार चिह्नों के, जो कि अनन्यतः अक्षरों या संख्याओं या उनकी किसी संघति से मिलकर बने हैं, के संबंध में उपनियम (1) के अधीन दिए गए आवेदन के प्रयोजन के लिए एक ही माल समझा जाएगा—

समूह 1—मद 1, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 12, 16, 19, 20, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 30, 33, 36, 37, 39, 41, 42, 44, 45, 48, 49, 54, 55, 59, 61, 62, 65 और 91

समूह 2—मद 2, 3, 14, 17, 18, 34, 35 और 47

समूह 3—मद 6, 7, 21, 38 और 52

समूह 4—मद 13, 29, 75, 77 और 78

समूह 5—मद 15, 28, 31, 40, 66, 79, 88, 90 और 93

समूह 6—मद 32, 43, 64 और 94

समूह 7—मद 46, 83 और 85

समूह 8—मद 50, 51, 56, 57, 63, 76, 80, 84, 86, 87 और 89

समूह 9—मद 53

समूह 10—मद 58, 82 और 92

समूह 11—मद 67, 68, 69, 70 और 71

समूह 12—मद 72

समूह 13—मद 73

समूह 14—मद 74

समूह 15—मद 81

(3) उपनियम (2) में अंतर्लिखित किसी बात के होते हुए भी ऐसे व्यापार चिह्नों के संबंध में, जो कि अनन्यतः अक्षरों, संख्याओं या उन किसी संघति से मिलकर बने हुए हैं और जिनके रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन 31 जुलाई, 1945 को या उससे पूर्व दिए गए थे, किसी कार्यवाही या में पांचवी अनुसूची की विभिन्न मदों वाले मालों की बाबत यह न समझा जाएगा कि वे एक ही अभिवर्णन के वैसे ही माल हैं।

146. कुछ चिह्नों की अरजिस्ट्रीकरणीयता—टैक्सटाइल मालों के बारे में निम्नलिखित चिह्न रजिस्ट्रीकरणीय नहीं होंगे अर्थात् :—

- (क) एक अंक वाला या छः से अधिक अंकों वाला कोई संख्यांक, जो कि संतुलित संख्यांक नहीं है,
- (ख) एक अक्षर वाला या छः अक्षरों से अधिक अक्षरों वाली कोई संघति जो कि संतुलित संख्यांक नहीं है,
- (ग) आठ अंकों से अधिक संख्यांकों और अक्षरों वाली कोई संघति,
- (घ) ऐसी कोई भिन्न या अक्षरों वाली भिन्न जो मिलकर आठ अंकों से अधिक की है,
- (ङ) ऐसी कोई भिन्न या अक्षरों वाली भिन्न जो मिलकर तीन अंकों से कम की है,
- (च) संख्यांकों की कोई संघति या छः अंकों से अधिक अंकों वाली कोई भिन्न,
- (छ) संख्यांकों, अक्षरों भिन्नों और अक्षरमय भिन्नों की कोई संघति, जिसमें आठ अंकों से अधिक हैं, या जिसके अंत में ऐसी भिन्न है जिसके अंश या हर में एक अंश से अधिक अंक हैं,
- (ज) वस्त्र के आकार निरूपित करने वाले संख्यांक या अक्षर,

- (इ) संतुलित संख्यांक जिसमें उसी श्रेणी में के उस संतुलित संख्यांक में के अंकों से कम से कम दो अधिक या दो कम अंक हैं, जो कि किसी विभिन्न व्यक्ति के नाम में पहले से ही नहीं मालों या उसी अभिवर्णन की मालों का रजिस्ट्रीकृत है।

147. वह चिन्ह जिसकी बाबत यह सम्भाव्यता है कि उससे धोखा हो जाए या विभ्रम पैदा हो जाए—(1) संख्यांकों, अक्षरों भिन्नो, अक्षर वाली भिन्नो या उनकी संहति से बना व्यापार चिन्ह, जो संतुलित संख्यांक नहीं है टैक्सटाइल चिन्ह के रूप में उस दशा में रजिस्ट्रीकरणीय नहीं होगा यदि यह नहीं मालों या उसी प्रकार के अभिवर्णन के मालों के बारे में भिन्न व्यक्ति के नाम में रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह से उसमें :—

- (क) चार अंकों से अनधिक वाले संख्यांक की अवस्था में कम से कम एक तत्स्थानी अंक भिन्न नहीं है;
- (ख) पांच अंकों वाले संख्यांक की दशा में कम से कम दो तत्स्थानी अंक भिन्न नहीं है;
- (ग) छह अंकों वाले संख्यांक की दशा में कम से कम तीन तत्स्थानी अंक भिन्न नहीं हैं;
- (घ) दो अक्षरों वाली संहति की दशा में कम से कम एक तत्स्थानी अक्षर भिन्न नहीं है;
- (ङ) तीन या चार अक्षरों वाली संहति की दशा में कम से कम दो तत्स्थानी अक्षर भिन्न नहीं है;
- (च) पांच या छह अक्षर वाली संहति की दशा में कम से कम तीन तत्स्थानी अक्षर भिन्न नहीं है;
- (छ) एक अक्षर और एक गणनांक से बने चिह्न की दशा में उनमें से कम से कम कोई एक भिन्न नहीं है;
- (ज) एक अक्षर और दो या तीन गणनांकों वाले चिह्न की दशा में कम से कम एक तत्स्थानी गणनांक भिन्न नहीं है;
- (झ) एक अक्षर और चार या अधिक गणनांकों वाले चिह्न की दशा में, कम से कम दो तत्स्थानी गणनांक भिन्न नहीं है;
- (ञ) दो या अधिक अक्षर और एक या अधिक गणनांकों से मिलकर बने चिह्न की दशा में, कम से कम एक तत्स्थानी अक्षर और एक तत्स्थानी गणनांक भिन्न नहीं है;
- (ट) ऐसी भिन्न या अक्षर वाली भिन्न या उसकी किसी संहति की दशा में, जिनसे अंश और हर में कुल तीन या चार अंक हैं या तो अंश में या हर में कम से कम एक तत्स्थानी अंक भिन्न नहीं है;
- (ठ) ऐसी भिन्न या अक्षर वाली भिन्न या उसकी किसी संहति की दशा में जिसमें अंश और हर में कुल अंक पांच या उससे अधिक हैं, अंश में कम से कम एक तत्स्थानी अंक और हर में कम से कम एक तत्स्थानी अंक अथवा या तो अंश में रह में के दो तत्स्थानी अंक भिन्न नहीं है;
- (ड) एक संख्यांक और एक भिन्न से मिलकर बनी संहति की दशा में कम से कम एक तत्स्थानी संख्यांक भिन्न नहीं है;
- (ढ) अक्षरों, संख्यांकों और भिन्नो (जिसके अंतर्गत अक्षर वाली भिन्न है) की संहति की दशा में—
 - (i) वहां जहां कि भिन्न को छोड़कर कुल अंक तीन से अधिक नहीं हैं, कम से कम एक तत्स्थानी अंक भिन्न नहीं है;
 - (ii) वहां जहां कि भिन्न को छोड़कर कुल अंक चार या अधिक हैं, कम से कम दो तत्स्थानी अंक भिन्न नहीं है;

(2) उपनियम (1) की किसी बात का यह अर्थ नहीं लिया जाएगा कि जहां व्यापार चिन्ह उक्त उपनियम में विनिर्दिष्ट किसी मामले के विषय के भीतर नहीं आता है, वहां चिन्ह के बारे में आवश्यक रूप से यह समझा जाए कि यह सम्भाव्यता नहीं है कि उससे धोखा हो जाए या विभ्रम पैदा हो जाए।

भाग—5

व्यापार चिह्न के अधिकर्ताओं का रजिस्ट्रीकरण

148. व्यापार चिन्ह अधिकर्ताओं का रजिस्टर—व्यापार चिन्हों को रजिस्ट्रार व्यापार चिन्ह के अधिकर्ताओं का एक रजिस्टर रखेगा जिसमें प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह के अधिकर्ता का नाम, निवास स्थान का पता, कारबार के मुख्य स्थान का पता, राष्ट्रिकता, अर्हताएं और रजिस्ट्रीकरण की तारीख प्रविष्ट की जाएगी।

149. विद्यमान रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न अधिकर्ताओं, आचार संहिता आदि रजिस्ट्रीकरण—(1) नियम 150 में किसी बात के होते हुए भी प्रत्येक व्यक्ति जिसका नाम पुरानी विधि के अधीन रखे जाने वाले व्यापार चिन्ह अधिकर्ता रजिस्टर में लिखा है, यह समझा जाएगा कि वह इन नियमों के अधीन व्यापार चिन्ह अधिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत है।

(2) रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अभिकर्ता को उस रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हुए एक आचार संहिता जरनल में प्रकाशित कर सकेगा।

150. रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हताएँ—यदि कोई व्यक्ति—

- (i) भारत का नागरिक है;
- (ii) आयु में 21 वर्ष से कम का नहीं है;
- (iii) नियम 154 में विहित परीक्षा में उत्तीर्ण हो चुका है या अधिवक्ता अधिनियम, 1961 (1961 का 25) के अर्थान्तर्गत एक अधिवक्ता है या भारतीय कंपनी सचिव संस्थान का सदस्य है;
- (iv) भारत के किसी विश्वविद्यालय का स्नातक है या तत्समान अर्हता रखता है; और
- (v) व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए योग्य और उचित व्यक्ति रजिस्ट्रार द्वारा समझा जाता है, तो नियम 151 के उपबंधों के अधीन रहते हुए वह व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने के लिए अर्ह होगा।

151. वे व्यक्ति जिनका रजिस्ट्रीकरण विवर्जित है—यदि कोई व्यक्ति—

- (i) सक्षम न्यायालय द्वारा विकृत चित्र का न्यायनिर्णीत कर दिया गया है, तो
- (ii) अनन्तुक्त दिवालिया है, तो
- (iii) उन्मुक्त दिवालिया होते हुए उसने न्यायालय से इस आशय का प्रमाणपत्र अभिप्राप्त नहीं किया है कि अपनी ओर से कोई अवचार किए बिना वह दुर्भाग्यवश दिवालिया हो गया था, तो
- (iv) भारत के अन्दर या बाहर सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसे अपराध के लिए सिद्ध दोष ठहराया गया है जो कि निर्वासन या कारावास से दंडनीय है तो जब तक कि वह जिस अपराध के लिए सिद्ध दोष हुआ है उसके लिए उसे क्षमा नहीं मिल गई या जब तक कि केन्द्रीय सरकार ने उस किए गए आवेदन पर उसकी निर्योग्यता इस निमित्त आदेश द्वारा हटा नहीं दी है,
- (v) विधि व्यवसायी होते हुए वृत्ति संबंधी अवचार का दोषी भारत में किसी उच्च न्यायालय द्वारा या भारत की सीमाओं से बाहर वाले किसी न्यायालय द्वारा ठहराया है तो, या
- (vi) चार्टर प्राप्त लेखापाल होते हुए उपेक्षा या अवचार का दोषी उच्च न्यायालय द्वारा ठहराया गया है तो या
- (vii) रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अभिकर्ता होते हुए वृत्तिक अवचार का दोषी रजिस्ट्रार द्वारा ठहराया गया है तो

वह व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए पात्र नहीं होगा।

152. आवेदन करने की रीति—इस भाग के उपबंधों के अधीन सभी आवेदन तीन प्रतियों में किए जायेंगे, और उस व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री को भेजे या उसमें उपस्थित किए जायेंगे जिसकी क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर आवेदक के कारबार का मुख्य स्थान अवस्थित है।

153. व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन—(1) व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के रूप में अपना रजिस्ट्रीकरण चाहने वाला प्रत्येक व्यक्ति प्ररूप व्या. चि.अ-1 में आवेदन करेगा।

(2) आवेदक अपने आवेदन विषयक ऐसी अपर जाणकारी देगा जैसी देने की अपेक्षा उससे रजिस्ट्रार किसी समय करे।

154. आवेदन पर प्रक्रिया और अर्हक अपेक्षाएँ—(1) रजिस्ट्रार व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के रूप में किसी व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर ऐसी तारीख नियत करेगा जिस पर अभ्यर्थी व्यापार चिन्ह विधि और प्रणाली विषयक लिखित परीक्षा के लिए जिसके उपरांत साक्षात्कार होगा रजिस्ट्रार के समक्ष उपसंजात होगा यदि रजिस्ट्रार का यह समाधान हो जाता है कि आवेदक विहित अर्हताएं पूरी करता है। अभ्यर्थी से यह प्रत्याशा की जाएगी कि उसे अधिनियम और नियमों के उपबंधों का विस्तार से ज्ञान और व्यापार चिन्ह विधि के तत्त्वों का ज्ञान हो।

(2) लिखित परीक्षा के लिए और साक्षात्कार के लिए अर्हक अंक क्रमशः 40 प्रतिशत और 50 प्रतिशत होंगे और अभ्यर्थी को उस दशा में ही उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा यदि वह कुल अंकों का 50 प्रतिशत कुल मिलाकर प्राप्त कर लेता है।

155. रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र—किसी अभ्यर्थी के साक्षात्कार के पश्चात् और जो उसके आवेदन से संबंधित कोई ऐसी और जानकारी जो रजिस्ट्रार आवश्यक समझे अभिप्राप्त हो जाती है और यदि रजिस्ट्रार आवेदक को व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र और अर्हित समझता है तो वह आवेदक को इस आशय की एक प्रज्ञापना भेजेगा और इस प्रकार प्रज्ञापित कोई व्यक्ति व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के रूप में उसके रजिस्ट्रीकरण के लिए विहित फीस जमा कर सकेगा। विहित फीस की प्राप्ति पर रजिस्ट्रार आवेदक का नाम व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रविष्ट कर देगा और व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के रूप में उसको रजिस्ट्रीकरण का प्ररूप आ-4 में उसको एक प्रमाण पत्र जारी करेगा।

156. व्यापार चिन्ह के अभिकर्ताओं के रजिस्टर में नाम बना रहना—व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में व्यक्ति के नाम बने रहने की यह शर्त होगी कि वह प्रथम अनुसूची में विहित फीस देता रहे।

157. व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर से अभिकर्ता का नाम हटाया जाना—(1) रजिस्ट्रार ऐसे किसी रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के नाम को व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर से हटा सकेगा।

(क) जिससे इस आशय की प्रार्थना मिली है, या

(ख) जिससे उस तारीख से, जिस पर वार्षिक फीस शोध्य होती है, तीन मास की समाप्ति पर वार्षिक फीस प्राप्त नहीं हुई है।

(2) रजिस्ट्रार रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्हों के ऐसे किसी अभिकर्ता का नाम व्यापार चिन्ह के अभिकर्ताओं के रजिस्टर से हटा देगा :—

(क) जिसकी बाबत यह पाया जाता है कि वह अपने रजिस्ट्रीकरण के समय नियम 151 के खण्ड (1) से लेकर खंड (vii) तक में कथित नियोग्यताओं में से किसी के अधीन है या तत्पश्चात् हो गया है ; या

(ख) जिसकी बाबत रजिस्ट्रार ने इस कारण कि उसने अपनी वृत्तिक हैसियत में उपेक्षापूर्ण अवधारपूर्ण, या बेईमानी का कोई काम किया है, यह घोषित किया है कि वह व्यक्ति रजिस्टर में बने रहने के लिए अयोग्य और अनुचित व्यक्ति है ;

(ग) रजिस्टर में दुर्व्यपदेशन या तात्त्विक तथ्य को छुपाने के कारण प्रविष्ट कर दिया गया है :

परन्तु खंड (ख) और खंड (ग) के अधीन ऐसी घोषणा करने के पूर्व रजिस्ट्रार संबंधित व्यक्ति को यह हेतु संदर्शित करने के लिए समाहूत करेगी कि उसके रजिस्ट्रीकरण को अपखंडित क्यों न कर दिया जाए और वह ऐसी अपर जांच भी, यदि कोई हो, करेगा, जैसा कि वह आवश्यक समझता है।

(3) रजिस्टर व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से ऐसे किसी रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अभिकर्ता का नाम हटा देगा जो मर चुका है।

(4) वह बात कि व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से किसी व्यक्ति का नाम हटा दिया गया है जर्नल में अधिसूचित की जाएगी और जहां भी संभव हो उसकी संसूचना संबंधित व्यक्ति को दी जाएगी।

158. कतिपय अभिकर्ताओं के साथ व्यवहार करने से इंकार करने की रजिस्ट्रार की शक्ति—(1) रजिस्ट्रार—

(क) किसी ऐसे व्यक्ति को जिसका नाम रजिस्टर से हटा दिया गया है और रजिस्टर में प्रत्यावर्तित नहीं किया गया है मान्यता देने से इंकार कर सकेगा ;

(ख) किसी ऐसे व्यक्ति की जो व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत नहीं है और जो रजिस्ट्रार की राय में उस व्यक्ति के नाम में या उसके फायदे के लिए जिसने उसे नियोजित कर रखा है भारत में या अन्यत्र व्यापार चिन्ह के लिए लगाए जाने में अभिकर्ता के रूप में पूर्णतः या मुख्यतः कार्य करने में लगा हुआ है मान्यता देने से इंकार कर सकेगा ;

(ग) किसी ऐसी कंपनी या फर्म और यदि किसी व्यक्ति जिसको इन नियमों के अधीन किसी कारबार की बाबत अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रार ने मान्यता देने से इंकार कर दिया है, वह कंपनी के निदेशक या प्रबंधक के रूप में कार्य कर रहा है या वह फर्म में कोई भागीदार है, मान्यता देने से इंकार कर सकेगा।

(2) रजिस्ट्रार किसी ऐसे व्यक्ति जो न तो भारत में निवास करता है और न ही भारत में उसके कारबार का स्थान है को भी इस नियम के अधीन किसी कारबार की बाबत अभिकर्ता के रूप में मान्यता देने से इंकार कर सकेगा।

159. **हटाये गए नामों का प्रत्यावर्तन**—(1) जिस व्यक्ति का नाम नियम 157 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अधीन हटाया जा चुका है, व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से उसका नाम हटाये जाने की तारीख से छः मास के भीतर उस व्यक्ति से प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट फीस सहित आवेदन प्ररूप व्या. चि. अभि-2 में प्राप्त होने पर उसका नाम रजिस्ट्रार, व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रत्यावर्तित कर सकेगा और उस तारीख से, जिसको उसी अंतिम वार्षिक फीस शोध्य हुई थी, एक वर्ष की कालावधि के लिए उसका नाम रजिस्टर में रहने दे सकेगा।

(2) व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में नाम का प्रत्यावर्तन जनरल में अधिसूचित किया जाएगा और संसूचना संबद्ध व्यक्ति को दी जाएगी।

160. **व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में परिवर्तन**—(1) रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह का अभिकर्ता व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रविष्ट अपने नाम, निवास स्थान के पते, कारबार के मुख्य स्थान के पते, या अर्हताओं में परिवर्तन के लिए आवेदन प्ररूप व्या. चि. अ.-3 में कर सकेगा। ऐसे आवेदन और उस निमित्त विहित फीस की प्राप्ति कर रजिस्ट्रार व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में आवश्यक परिवर्तन करायेंगी।

(2) व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर में किया गया प्रत्येक परिवर्तन जनरल में अधिसूचित किया जाएगा।

161. **व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्टर का प्रकाशन**—रजिस्ट्रार व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं को रजिस्टर में सामान्यतया अभिकर्ताओं की सूची समय-समय पर जनरल में प्रकाशित करेगा और कम से कम दो वर्ष में एक बार उसके पते के साथ जो रजिस्टर में प्रविष्ट है रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह के अभिकर्ताओं के उपनाम की प्रविष्टियां वर्णानुक्रम अनुसार व्यवस्थित होंगी और उसकी प्रतियां विक्रय के लिए रखी जा सकेंगी।

162. **अपील**—इन नियमों के भाग-4 के अधीन व्यापार चिन्ह अभिकर्ताओं के रजिस्ट्रीकरण या हटाए जाने के संबंध में रजिस्ट्रार के किसी आदेश या विनिश्चय से अपील बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड में होगी और अपील बोर्ड का विनिश्चय अंतिम होगा और आबद्धकर होगा।

भाग-6

माल खंडों और सूत के परीक्षण और चिन्हांकन संबंधी उपबंध

163. **परिभाषाएं**—जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो इस भाग के प्रयोजनों के लिए—

(क) सूत के संबंध में “नम्बर” से अंग्रेजी प्रणाली या मीट्रिक माप तोल प्रणाली में किसी सूत की लंबाई का उसकी तोल से वह संबंध अभिप्रेत है, जो कि निम्नलिखित है—

(i) कच्चे और तैयार रेशम को छोड़कर सभी सूत्र विषयक मीट्रिक प्रणाली वाला नम्बर वह संख्या होगी जो कि 1000 मीटर सूत का 500 ग्राम या 2 मीटर सूत का संबंध 1 ग्राम से व्यक्त करती है या दूसरे शब्दों में (प्रत्येक 1000 मीटर लंबाई के सूत वाली) उतनी गुणियों की जितनी की तोल कुल मिलाकर 500 ग्राम है आधी संख्या के बराबर है।

(ii) कच्चे और तैयार रेशम का मीटर प्रणाली वाला नम्बर उतने ग्रामों की संख्या होगी जितने की 10000 मीटर सूत तोल में है।

निम्नलिखित सूत्र द्वारा “नम्बर” की अंग्रेजी प्रणाली को नम्बर की मीट्रिक प्रणाली में और विपर्ययेन संपरिवर्तित किया जा सकेगा:—

सूत्र की अंग्रेजी संख्या $\times 0.847$ मीट्रिक सं. 1 सूत की मीट्रिक सं. $\times 1.181$ अंग्रेजी संख्या।

(iii) कच्चे और तैयार रेशम की मीट्रिक सं. का भार 10000 मी. सूत के लिए ग्रामों में होगा।

(ख) “सीमाशुल्क कलेक्टर” का वही अर्थ होगा जो कि इस पद को सागर सीमा शुल्क अधिनियम 1978 में समनुदिष्ट है।

164. **माल खंडों की लंबाई और चौड़ाई विषयक परीक्षण**—(1) ऐसे मालखंडों की लंबाई का परीक्षण करने के लिए जैसे कि मामूली तौर से लंबाई में या खंड द्वारा बेचे जाते हैं; उसकी माप किनारे-किनारे की जाएगी।

(2) पूर्वोक्त माल खंडों की जांच चौड़ाई के लिए करने में कपड़े की निम्नलिखित प्रत्येक पद्धति को काम में लाने में इस बात की सावधानी बरती जाएगी कि कपड़े का ऐसा टुकड़ा चुना जाए जिसमें कम से कम सिकुड़न हो और क्रमशः ताना और बाना यथासम्भव सीधा हो।

(क) कपड़ा दो तह में मेज पर बिछाया जाएगा और उसमें जो सिकुड़न हो उन्हें ऐसे ठीक किया जाएगा कि वह पूरी तरह खोस हो जाए। तब मापदंड (पैमाना) कपड़े के पन्हे के अनुसार रखा जाएगा और मापदंड के अगल-बगल अंगुली और अंगूठा कपड़े के एक किनारे से दूसरे किनारे की ओर दबाकर रगड़े जाएंगे जिससे कि सलवट एक बार फिर मिट जाए। ऐसा करने में इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि सलवटों को ठीक किए जाने के समय कपड़ा खिंच न जाए और ताने के धागों का मापदंड से कोण 90 अंश का रह जाए तब माप अभिलिखित किया जाएगा।

(ख) कपड़े की एक तह ली जाएगी और उसे मुड़े छोड़ के प्रत्येक सिरे पर अंगुली अंगूठे से पकड़ा जाएगा और मापदंड पर फैलाया जाएगा। मापदंड मेज पर चपटा रखा जाएगा। फैलाने से सिकुड़ने न निकल जाएगी किंतु ताना इतना न खिंचेगा कि मापदंड की ओर तिरछा हो जाए।

165. **कपड़े की खसूसियतों और खिंचाव लेखें मोक लेखें**—(1) उपरोक्त माल लेने में मापे जाने वाले कपड़े की खसूसियतें ध्यान में रखी जाएंगी और उन लेखें सम्यक् मोक दी जाएगी।

(2) यदि कपड़े की खसूसियत के कारण इस बात का अवधारण कि तनाव की युक्तियुक्त मात्रा मापने के प्रयोजनों के लिए कितनी है कठिन पाया जाता है तो पूरी तरह खिंची अवस्था में की चौड़ाई और न खिंची अवस्था में की चौड़ाई की औसत अपनाई जायेगी।

(3) लम्बाई के वास्ते खिंचाई का जो प्रभाव चौड़ाई पर पड़ता है उसे कपड़ा मापने में सर्वदा ध्यान में रखा जायेगा। जहां कि बनाते समय, कपड़ा लम्बाई में ताना गया, वहीं उसकी लम्बाई चौड़ाई मापने के लिए बनाना कसे जाने से कम हो जायेगी। अतः यह बात अभिनिश्चित करनी होगी कि कहीं लम्बाई विषयक व्यापार अभिवर्णन उसे चौड़ाई के विषय में ठीक करने की प्रक्रिया के कारण गलत तो नहीं हो गया है, इस बात को अभिनिश्चित करने के लिए किनारे किनारे और पन्हे के अनुसार माप की जायेगी।

166. **सूत का परीक्षण**—सीमाशुल्क संग्राहक के पास जब यह शंका करने का कारण है या किसी इतिला देने वाले ने यह इतिला दी है कि व्यापार का अभिवर्णन मिथ्या है तब वह सूत की जांच लम्बाई और नम्बर ठीक-ठीक अभिनिश्चित करने के लिए कर सकेगा।

167. **संवृत्त किए जाने वाले नमूनों की संख्या**—नम्बर या लम्बाई विषयक अभिवर्णनों की शुद्धता परखने की दृष्टि से सूत की जांच इस मर्यादा के अनुसार होगी कि प्रथम बार परेषण में की, प्रत्येक सौ या खंडांश शत गांठों में से एक बंडल की जांच की जायेगी।

168. **और परीक्षण**—यदि ऐसे परीक्षण पर औसत नम्बर या लम्बाई और उस अभिवर्णित नम्बर या लम्बाई के बीच उससे अधिक अंतर निकलता है, जितना कि केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम की धारा 121 के अधीन निकाली जाने वाली अधिसूचना में अनुज्ञात है तो आयातक या प्रश्नास्पद माल पर या तत्संबंधी कोई दावा रखने वाला या उनसे अन्यथा हितबद्ध कोई व्यक्ति उनकी ओर से जांच के लिए आवेदन कर सकेगा।

169. **नमूनों के चुने जाने और जांच की रीति**—सूत की लम्बाई अवधारित किये जाने के लिए की जाने वाली जांच निम्नलिखित ढंग से की जायेगी—

(i) परेषण में की प्रत्येक सौ या खंडांश शत गांठों में से कोई एक बंडल यदृच्छया चुन लिया जायेगा। एक आवश्यक या ऐसे किसी अन्य हितबद्ध व्यक्ति की, जिसके प्रति निर्देश गत पूर्वगामी नियम में किया गया है, या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में इस गांठ में की अद्विष्टां एक-एक करके बार्पव्हील (फिरकी) पर मापी जायेंगी और उनकी लंबाई लिख ली जायेगी। यह प्रक्रिया इस मर्यादा के अंतर्गत कि यह उस बंडल की अद्विष्टां तक ही सीमित रहेगी तब तक चालू रखी जायेगी जब तक कि यथास्थिति या तो आयातक का या उस अन्य व्यक्ति का समाधान नहीं हो जाता है कि सूत लम्बाई में कम है या लिखी गई लम्बाई औसत से यह संदर्शित नहीं हो जाता है कि लम्बाई पूरी है,

(ii) जब तक आयातक या अन्य व्यक्ति का समाधान उपरोक्त जांच से नहीं होता है तब वह सीमा शुल्क संग्राहक से यह अपेक्षा इस जांच में लगने वाला खर्च देकर कर सकेगा कि परेषण में जितनी अद्विष्टां हैं, उन सब के 1 प्रतिशत तक की अन्य अद्विष्टां, जिन्हें कि सीमा शुल्क पदाधिकारी परेषण में के किन्हीं बंडलों में से यदृच्छया ले सकेगा सीमा शुल्क संग्राहक मापे।

170. **स्टोव परीक्षण**—(1) सीमा शुल्क पदाधिकारी द्वारा स्टोव परीक्षण केवल उन्हीं अवस्थाओं में किया जायेगा जिनमें मामूली पद्धतियों के अनुसार दी गई तोल से यह प्रतीत होता है कि सूत तोल में कम है अथवा जिन में सूत के स्पर्श और स्वरूप से यह संदर्शित है कि वह अप्रसामान्यतः आर्द्र या अतिआर्द्र है या जिनमें कि आयातक यह मांग पेश करता है कि ऐसा परीक्षण किया जाए। जहां कि परीक्षण आयातक की मांग पर किया जाता है, वहां परीक्षण के लिए उद्ग्रहीत फीस उस सूरत में लौटा दी जायेगी जिसमें कि परीक्षण से यह सिद्ध नहीं होता है कि सीमा शुल्क पदाधिकारियों द्वारा नम्बर और लम्बाई विषयक किया गया मूल अवधारण ठीक है। यदि एक से अधिक परीक्षण करने की मांग की जाती है, तो प्रत्येक नये परीक्षण के लिए अपर फीस उद्ग्रहीत की जाएगी, पूरी प्रभारित राशि इस बात के अनुसार की परीक्षणों के फलों पर उसका अंतिम विनिश्चय क्या है प्रतिधृत रहेगी या प्रतिदत्त कर दी जाएगी।

(2) (क) स्टोव परीक्षण करने में जहां कि कपास के सूत का सवाल है वहां तक पूरी तरह सुखा लिये जाने पर सूत की जो तोल निकलती है उसमें (8 1/4) साढ़े आठ प्रतिशत की बढ़ती जोड़ दी जायेगी और इस प्रकार जो संख्या आये वह प्रसामान्य दशा में सूत की असली तोल मानी जायेगी,

(ख) जहां तक रेशमी या ऊनी या कपास के सूत से भिन्न सूतों का सवाल है वहां ऐसे सूत को सुखा लिये जाने पर उनकी जो तोल निकलती है उसमें जोड़ी जाने वाली बढ़ती उस प्राधिकारक मानक सारणी के अनुसार होगी जो कि स्टोव परीक्षण आले के साथ दी जाती है।

171. **परीक्षण का स्थान**—नियम 164 से लेकर नियम 170 तक में निर्दिष्ट माल-खंडों और सूत का परीक्षण सीमाशुल्क प्रयोगशालाओं या ऐसे स्थान में और ऐसे पदाधिकारी द्वारा, जैसा कि सीमा शुल्क संग्राहक निर्दिष्ट करे किया जायेगा।

172. **प्रतिभूति**—सीमा शुल्क संग्राहक नियम 166 में निर्दिष्ट किसी इतिला देने वाले से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह इतिला देने वाले से पांच सौ रुपये से अनधिक प्रतिभूति दे और जहां कि सीमाशुल्क संग्राहक का समाधान हो जाता है कि कामतः मिथ्या जानकारी दी गई है, वहां प्रतिभूति जब्त कर ली जायेगी।

धारा 81 के अधीन माल खंडों और कपास के सूत का मुद्रांकन ।

173. माल-खंड—उन “माल-खंडों के अर्थान्तर्गत, जो कि मामूली रूप से लंबाई या खंड (थान) में बेचे जाते हैं। (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् “माल खंड” कहा गया है)” अधिनियम की धारा 81 के प्रयोजनों के लिए या सागर सीमा शुल्क अधिनियम 1878 की धारा 18 के प्रयोजनों के लिए सूती वस्तु-खंड, ऊनी वस्तु खंड, रेशमी वस्तु खंड, नकली रेशमी वस्तु खंड, संश्लिष्ट तंतुओं (सिन्थेटिक फाइबर) के वस्तु खंड और मिश्रित थान वाले अन्य माल खंड होंगे किन्तु इनके अंतर्गत निम्नलिखित अभिवर्णनों वाले माल नहीं होंगे, अर्थात्—

(क) अलेम्बरा वाली रजाइयों के सिवाय अलेम्बरा

कम्बल।

कटपीस में प्रकाश रोधी कपड़ा।

कटपीस के रूप में जिल्द चढ़ाने में काम आने वाला कपड़ा।

कटपीस के रूप में बुकरम।

गलीचे (लपेटे हुए)।

मेजपोश।

डिकैटिसिंग रैपर्स।

बुने हुए खंडों में झाड़न।

कसीदेदार आल ओवर्स और सभी किस्मों की कसीदेदार साड़ियां।

कसीदेदार झालरें।

फिल्टर क्लाथ।

बुने हुए खंडों में गलास क्लाथ।

बुने हुए खंडों में रूमाल।

काटन ब्रिटेन जालों लेस और जालियां।

पर्दों के वास्ते लेस वाला कपड़ा।

(नली के आकार का) तकिए का छींट वाला गिलाफ का कपड़ा।

आसन।

कटपीस के रूप में प्रेस क्लाथ।

रजाइयां।

लोई।

2½ गज, 2.28 मीटर की लम्बाई तक के सारंग

कसीदेदार शाल जिनके सिरों पर गोटा या झालर लगी हो जो कि अलग-अलग या एक-एक करके या एक या अधिक शाल वाले थानों में आयात किए गए हैं।

स्पंज का कपड़ा (पोचे के लिए)

टेडी बीयर या नकली सील स्किन क्लाथ

बुने खंडों में तौलिये

सफाई में काम आने वाले ऊनी कपड़े

सूई से सिले ऊनी कपड़े

ऊनी रालर क्लाथ

ऊनी साइजिंग फलालोन

(ख)(i) सूती टुकड़े या लम्बी कतरनें जो कि पन्द्रह गज (या चौदह मीटर) कम माप की हों जो कि लम्बाई या किसी खंड में प्रचलित मामूली व्यापार की प्रथा से नहीं बेचे जाते हैं।

(ii) लंबाई का ख्याल किये बिना फेंट, जो बनने, रंगने या छपाई में दुर्घटनाओं के कारण इतना त्रुटिपूर्ण है कि खंड द्वारा मामूली तौर से लंबाई या खंड के हिसाब से बेचे जाने लायक नहीं है।

174. **माल खंडों का मुद्रांकन**—(1) जो माल खंड भारत के उन परिसरों में अभिनियमित किये गये हैं, धोये गए हैं, रंगे गए हैं, छापे गए हैं, या फिनिश किए गए हैं जो कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) में यथापरिभाषित कारखाना है, उन पर वे विशिष्टियां अंकित की जाएंगी जो धारा 81 की उपधारा (1) के अधीन अपेक्षित हैं।

(2) भारत के बाहर अभिनिर्मित माल-खंडों की अवस्था में, प्रत्येक माल खंड पर अभिनिर्माता, निर्यातक या वस्तु के भारत में धोक क्रेता का नाम और उस पर सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 18 के खंड (च) के अधीन यथा अपेक्षित मानक गजों या मानक मीटरों में उन खंडों की वास्तविक लम्बाई अंकित की जायेगी।

175. **वे अवस्थाएं जिनमें मुद्रांकन संबंधी अपेक्षाएं अधिव्यक्त की जा सकेंगी**—(1) सीमा शुल्क संग्राहक किन्हीं अमुद्रांकित माल खंडों को उस सूत्र में निरुद्ध न कर सकेगा जिसमें कि उसका यह समाधान हो जाता है कि यद्यपि अमुद्रांकित वस्तुओं का उल्लेख नियम 173 के अधीन अपवादित मालों की सूची में नहीं हुआ है, तथापि वे इस रूप के हैं कि यदि उनको मुद्रांकित किया जाए, तो उनके मूल्य में भारी गिरावट होने की संभावना है।

परंतु तथापि जहां कि सीमा शुल्क संग्राहक इस उपनियम के अधीन स्वविवेक का प्रयोग करता है, वहां वह तत्क्षण यह बात केन्द्रीय सरकार को माल का नमूना राजस्व के केन्द्रीय बोर्ड के माध्यम द्वारा भेजते हुए करेगा, जिससे कि ऐसे माल के विषय में साधारण आदेश निकालने के प्रश्न पर विचार किया जा सके।

(2) व्यक्तियों के या व्यक्तियों के प्राइवेट संगमों के निजी उपयोग के लिए न कि व्यापारिक प्रयोजन के लिए, आयात किये गए सूती और ऊनी माल खंडों का मुद्रांकित किया जाना आवश्यक नहीं है।

176. **अपेक्षित मुद्रांकन का स्वरूप**—(1) माल खंडों की लम्बाई चिन्हित करने में "गज" "मीटर" संख्याओं के बाद दिये जाएंगे और कतरनों या नियम 173 के खंड (ख) में वर्णित से भिन्न किस्म के खंडों की अवस्था में गजों या मीटरों के साथ-साथ उन खंडों की गिनती कटपीस की सामने की उसकी बाहरी परत पर चिन्हित की जायेगी, संख्यांक इस तरह अंकित किये जायेंगे कि यह बात स्पष्ट हो जाये कि उनसे क्या आशयित है।

(2) लम्बाई ऐसे गजों या गजों के भागों या मानक मीटरों या मीटर के भागों में दी जायेगी और यह माल की वास्तविक लम्बाई, न कि उस सिक्कुन या शुष्कता से जो रंगाई जैसी प्रक्रियाओं के या वातावरण जात उन परिवर्तनों के जिनका युक्तियुक्त रूप से पूर्वानुमान किया जा सकता है, परिणामस्वरूप हुई लंबाई होगी। छोटे आकार वाले और कोमल बनत के वस्त्रों पर इंच या सेंटीमीटर व्यापार की प्रथा के अनुसार चिन्हांकित करने के लिए समनुज्ञा दी जा सकेगी।

(3) चिन्हांकन ऐसे किया जायगा कि जब तक कि कपड़ा धोया न जाये, वह चिन्ह हटाया न जा सके या ऐसे माल की अवस्था में जिन्हें मामूली रूप में धोया नहीं जा सकता, चिन्हांकन ऐसा होगा कि वह संभावना न रहे कि माल के क्रेता तक पहुंचने से पूर्व मामूली तौर से काम में आने के दौरान में वह चिन्ह उड़ जाए।

(4) चिन्हांकन कपड़े के रंग से भिन्न रंग में कपड़े पर, न कि हटाये जा सकने वाले लेबल या टिकट पर, ऐसे स्थान पर होगा कि वह सहज की दिखाई पड़े जाये जो भीतरी तह सहज ही नहीं देखी जा सकती उस पर चिन्हांकन न किया जायेगा और न यह पूर्ण रूप से अलग खंड पर होगा किन्तु यह ऐसे खंड पर हो सकेगा जो कि भागतः न कि पूर्णतः पृथक् है। जिन सारंगों की बाबत यह अपेक्षित है कि वे मुद्रांकित किए जाएं उनकी अवस्था में मुद्रांकन कपड़े की सबसे ऊपर वाली तह पर किये जाने के बजाय अंदर की तह में कोट पर किया जा सकता है। वे चिन्ह जो वस्त्र पर सी दिये जाते हैं और काट कर सरलता से हटाये जा सकते हैं, वैसे चिन्ह लगाने की समनुज्ञा नहीं होगी।

177. **चिन्हांकन के लिए प्रयुक्त की जाने वाली भाषा और संख्यांक**—धारा 81 की उपधारा (2) द्वारा अपेक्षित सभी चिन्हांकन अंग्रेजी में होंगे और उनका रूप भारतीय अंकों का अंतराष्ट्रीय रूप होगा।

178. **तोल, लंबाई, अभिनिर्माता के नाम आदि का उपदर्शन**—(1) सूत या चागे की जितनी मात्रा बंडल या नग में है उसकी वह तोल उस पर अंग्रेजी पद्धति के अनुसार पौंड या ओंसें में या मीट्रिक मापतोल प्रणाली के अनुसार ग्रामों में, मामूली तौर पर उपदर्शित की जाएंगी।

(2) प्रत्येक बंडल या नग में धागे की लंबाई उस पर मीटरों में उपदर्शित की जाएगी।

(3) भारत में के अधिकर्ता या धोक क्रेता का पूरा नाम या संक्षिप्त रूप में उस दशा में जिसमें कि उक्त नाम एतद्वारा स्पष्टतया और असंदिग्ध रूप में उपदर्शित किया जा सकता है, प्रत्येक बंडल या नग पर उपदर्शित किया जाएगा।

179. **रुई के सूत और रुई के धागे पर चिन्हांकन की रीति**—(1) रुई के सूत के प्रत्येक बंडल पर वे सब विशिष्टियां, जो कि अधिनियम की धारा 81 की उपधारा (2) के अधीन अपेक्षित हैं, उससे लगे, चिपके, या सिले एक या एक से अधिक अंतरांकित रैपरों, लेबलों या कार्डों के माध्यम द्वारा चिन्हांकित की जायेंगी। परंतु सब अपेक्षित विशिष्टियां दिखाने वाली सतह पर होनी चाहिए।

(2) रुई के धागे वाले नगों पर वे विशिष्टियां, जो अपेक्षित हैं—(क) उस सूरत में, जिसमें कि धागा लच्छियों में हैं, ऐसे अंतरांकित लेबल द्वारा जो कि प्रत्येक लच्छी या लच्छियों के बंडल के चारों ओर लपेटा हुआ है या सुतली से बंधा है,

(ख) उस सूरत में जिसमें कि धागा पेचक या गोले के रूप में है, ऐसे अंतरांकित लेबल द्वारा जो कि प्रत्येक पेचक या गोले से सज्जन है या उसमें बुसाया हुआ है किंतु साथ ही दिखाई देता है,

(ग) उस सूरत में, जिसमें कि धागा गत्ते, चक्के या सितारों पर चढ़ा है गत्ते, चक्के या सितारे के दिखने वाले प्रभाग पर अंतर्लेख से,

(घ) उस सूरत में जिसमें कि धागा रील पर चढ़ा हुआ है रील के सिरे या सिरों पर लगे एक या अधिक अंतरांकित लेबलों द्वारा सिरे पर,

(ङ) उस सूरत में, जिसमें कि धागा कागजी नली या शंकु पर चढ़ा है धागे के चारों ओर या अन्यथा जिपके या नली या शंकु के बाहरी तल के दिखने वाले प्रभाग पर, या वहां जहां कि नली या शंकु का व्यास इतना हो कि लेबल स्पष्टतया दिख सके नली या शंकु के आंतरिक तल पर लगे अंतरांकित लेबल द्वारा या नली अथवा शंकु के ऊपरी तल के दिखने वाले प्रभाग पर अंतर्लेख द्वारा,

(च) उस सूरत में, जिसमें कि धागा किसी अन्य ढंग से चढ़ा है ऐसी बनत वाली चीज से लो, चिपके या सिले या उससे परिवेष्टित या उसके अंदर वाले ऐसे अंतरांकित लेबल या कार्ड द्वारा।

(3) उपनियमों (1) और (2) के अनुसार काम में लाए गए लेबल या कार्ड इस तरह लगाए जायेंगे कि वे इसके पूर्व कि रुई के सूत का बंडल या रुई के धागे का प्रत्येक नग प्रसामान्य उपभोक्ता के हाथ में पहुंचे, उठाई धराई के मामूली अनुक्रम में सरलता से अलग न किए जा सके या हटाए न जा सके।

180. आवरण का चिन्हांकन—जहां कि रुई के धागे वाले नगों को आवरण में बंद किया जाता है वहां ऐसे आवरण पर वे विशिष्टियां, जो अपेक्षित हैं, चिन्हांकित की जायेंगी।

181. चिन्हांक स्पष्ट और सुभिन्न होंगे—रुई के सूत के बंडलों या रुई के धागे वाले नगों पर सभी चिन्हांक सुपाद्य होंगे, सुभिन्न होंगे, और ऐसे रंग में होंगे जिसे सरलतापूर्वक मिटाना सम्भव नहीं है और जो उस सतह के रंग से भिन्न हैं जिस पर चिन्हांक किया गया है।

182. रुई के सूत का नंबर अभिव्यक्त करने की रीति—रुई के सूत का नंबर साधारणतया अंग्रेजी में मीट्रिक माप तोल प्रणाली में संख्यांक या संख्यांकों के पश्चात् अक्षर "एस" जोड़कर अभिव्यक्त किया जाएगा जहां, तथापि कोई बंडल मीट्रिक माप प्रणाली में पैक किया जाता है वहां उसके साथ "मीट्रिक नम्बर" शब्द या ऐसा कोई अन्य स्पष्ट और सुनिश्चित संकेत होगा जिससे कि यह तथ्य प्रकट हो जाता है और ऐसे शब्द या संकेत के अभाव में चिन्हांकन यह उपदर्शित करते हुए की जाएगी कि यह अंग्रेजी प्रणाली में है।

183. अन्य विशिष्टियों का उपदर्शन—नियम 177 से लेकर नियम 182 तक में की किसी बात का यह अर्थ न लगाया जायेगा कि यह रुई के सूत या रुई के धागे संबंधी कोई अन्य विशिष्टियां उस पर किसी रीति में उपदर्शित करने का निषेध उस सूरत में के अलावा करती है जिसमें कि अपेक्षित विशिष्टियां उस विशिष्टियों के लगाए जाने के कारण सहजता से दृष्टिगोचर नहीं रह जाती।

184. छूट—उन सभी परिसरों को, जिनमें कि काम एक ही परिवार के सदस्यों द्वारा ऐसे कर्मचारियों की सहायता से या बिना किया जाता है, जिनकी संख्या दस से अधिक नहीं है, और सहकारी संस्था के नियंत्रणाधीन वाले उन सभी परिसरों को, जिनमें बीस कर्मचारों से अधिक नियोजित नहीं हैं, नियम 177 से लेकर नियम 182 तक के नियमों के प्रवर्तन से छूट प्राप्त होगी।

भाग—7

निरसन

185. निरसन—व्यापार और पण्य चिन्ह नियम, 1959, ऐसी किसी बात पर, प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना निरस्त किये जाते हैं जो कि नियमों के प्रवर्तन में आने से पूर्व उन नियमों के अधीन की गई थी।

प्रथम अनुसूची

(नियम 11 देखिए)

फीस

प्रविष्टि संख्या	किस पर देय	रकम	तत्सम्बन्धी प्ररूप संख्या
1	2	3	4
1.	जो माल या सेवाएं एक वर्ग के अन्तर्गत हैं उनके विनिर्देश से सम्बद्ध व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन लेखे, (धारा 18)	रुपए-पैसे 2500.00	व्या. चि.-1

1	2	3	4
2.	जो माल या सेवाएं नियम 25(5) और 145 के अधीन पांचवीं अनुसूची की किसी मद के अन्तर्गत हैं, उनके विनिर्देश से संबद्ध अनन्य रूप से अंकों या अक्षरों या उनके किसी समुच्चय से मिलकर बने कपड़ा व्यापार चिन्ह (प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह या सामूहिक चिन्ह को छोड़कर) का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन लेखें।	2500.00	व्या. चि.-22
3.	जो माल या सेवाएं धारा 18(1) और धारा 154(2) के अधीन किसी कन्वेंशन देश के किसी वर्ग के अन्तर्गत हैं, उनके विनिर्देश से संबद्ध व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन लेखें।	2500.00	व्या. चि.-2
4.	जो माल या सेवाएं भिन्न वर्गों के अन्तर्गत हैं धारा 154(2) के अधीन किसी कन्वेंशन देश में उनके विनिर्देश से संबद्ध व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए धारा 18(2) के अधीन एकल आवेदन लेखें	प्रत्येक वर्ग के लिए 2500.00	व्या. चि.-5
5.	जो माल या सेवाएं भिन्न वर्गों के अन्तर्गत हैं उनके विनिर्देश से संबद्ध व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए धारा 18(2) के अधीन एकल आवेदन लेखें।	प्रत्येक वर्ग के लिए 2500.00	व्या. चि.-51
6.	जो माल या सेवाएं एक वर्ग के अन्तर्गत हैं उनके विनिर्देश से संबद्ध व्यापार चिन्ह की शृंखला की धारा 15 के अधीन रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन लेखें।	(i) एक वर्ग में व्यापार चिन्ह के लिए 2500.00 (ii) प्रत्येक अतिरिक्त व्यापार चिन्ह के लिए 2500.00 (iii) प्रत्येक अतिरिक्त वर्ग के लिए 2500.00	व्या. चि.-8
7.	जो माल या सेवाएं एक वर्ग या वर्गों के अन्तर्गत हैं उनके विनिर्देश से संबद्ध धारा 154(2) के अधीन कन्वेंशन देश की व्यापार चिन्ह की शृंखला का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन लेखें।	(i) एक वर्ग में व्यापार चिन्ह के लिए 2500.00 (ii) प्रत्येक अतिरिक्त व्यापार चिन्ह के लिए 2500.00 (iii) प्रत्येक अतिरिक्त वर्ग के लिए 2500.00	व्या. चि.-37
8.	जो माल या सेवाएं एक वर्ग के अन्तर्गत हैं उनके विनिर्देश से संबद्ध सामूहिक चिन्ह का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए धारा 63(1) के अधीन आवेदन लेखें।	10,000.00 रु.	व्या. चि.-3
9.	जो माल या सेवाएं एक वर्ग के अन्तर्गत हैं उनके विनिर्देश से संबद्ध प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए धारा 71 के अधीन आवेदन लेखें।	10,000.00	व्या. चि.-4
10.	जो माल या सेवाएं धारा 154(2) के अधीन कन्वेंशन देश से, नियम 145 के अधीन पांचवीं अनुसूची की किसी मद के अन्तर्गत हैं उनके विनिर्देश से सम्बद्ध, अनन्य रूप से अंकों या अक्षरों या उनके किसी समुच्चय से मिलकर बने कपड़ा व्यापार चिन्ह (प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह या सामूहिक चिन्ह को छोड़कर) का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन लेखें।	2500.00	व्या. चि.-45
11.	विनिर्देश के लिए आधार कथित करने के लिए नियम 40(1) के अधीन प्रार्थना लेखें।	1000.00	व्या. चि.-15

1	2	3	4
12.	विरोध की जो सूचना विरोध किए गए प्रत्येक वर्ग के लिए धारा 21(1), 64, 66 या 73 के अधीन की जाती है	2500.00	व्या. चि.-15
13.	विरोध की सूचना धारा 21(1) के अधीन फाइल करने के लिए समय बहाने के लिए आवेदन लेखे ।	500.00	व्या. चि.-44
14.	विरोध की जो सूचना 21 के अधीन की जाती है, विरोध किए गए प्रत्येक आवेदन के विरोध की उस सूचना के उत्तर में या व्यापार चिन्ह के बारे में धारा 47 या 57 से किसी के अधीन किए गए आवेदन के उत्तर में या धारा 59 या नियम 101 के अधीन विरोध की जो सूचनाएं दी जाती हैं विरोध किए गए प्रत्येक आवेदन या संपरिवर्तन के विरोध की वैसी सूचना के उत्तर में प्रतिकथन लेखे ।	1000.00	व्या. चि.-6
15.	संबद्ध कार्यवाही के प्रत्येक पक्षकार द्वारा धारा 21, 47, 57 और 59 में से किसी के अधीन सुनवाई में हाजिर होने के आशय से दी गई सूचना लेखे ।	500.00	व्या. चि.-7
16.	रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्हों के बीच सम्बद्धता का विघटन करने के लिए धारा 16(5) के अधीन किए गए आवेदन लेखें ।	प्रत्येक विघटन के लिए 500.00	व्या. चि.-14
17.	किसी वर्ग में व्यापार चिन्ह के पिछले रजिस्ट्रीकरण के अवसान पर धारा 25 के अधीन रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण करने के लेखे, जिस लेखे से अन्यथा प्रभार नहीं लिया गया है ।	5000.00	व्या. चि.-12
18.	पिछले रजिस्ट्रीकरण के अवसान पर व्यापार चिन्ह शृंखला की धारा 25 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए— शृंखला के पहले दो चिन्हों के लिए : शृंखला के प्रत्येक अतिरिक्त चिन्ह के लिए :	5,000.00	व्या. चि.-12
19.	एक से अधिक वर्ग वाली वस्तुओं या सेवाओं संबंधी प्रत्येक वर्ग के लिए धारा 25 के अधीन व्यापार चिन्ह के एकल आवेदन का नवीकरण करने के लिए	5,000.00	व्या. चि.-12
20.	सामूहिक चिन्ह/प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए धारा 25 के अधीन नवीकरण लेखे ।	10,000.00	व्या. चि.-12
21.	रजिस्टर से हटाए गए व्यापार चिन्ह के गत रजिस्ट्रीकरण के अवसान से छह मास और एक वर्ष के भीतर प्रत्यावर्तन और नवीकरण करने के लिए धारा 25(4) के अधीन दिए गए आवेदन लेखे ।	5,000.00 +प्रविष्टि 17 से 20 के अधीन नवीकरण के लिए अनुरोध फीस	व्या. चि.-13
22.	व्यापार चिन्ह के पिछले रजिस्ट्रीकरण का अवसान होने के छह मास के भीतर धारा 25(3) के परन्तुक के अधीन नवीकरण के लिए आवेदन लेखे ।	अधिभार के रूप में 3,000.00	व्या. चि.-10
23.	रजिस्ट्रार का प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए धारा 40(2) के अधीन किए गए आवेदन लेखे : जिस चिन्ह के समनुदेशन की प्रस्थापन है वैसे प्रथम चिन्ह लेखे । उसी स्वत्वधारी के प्रत्येक ऐसे चिन्ह लेखे जो कि उसी समनुदेशन के अन्तर्गत हैं ।	2500.00 500.00	व्या. चि.-17
24.	रजिस्ट्रार का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए धारा 41 के अधीन किए गए आवेदन लेखे— प्रथम व्यापार चिन्ह लेखे । उसी स्वत्वधारी के प्रत्येक ऐसे चिन्ह लेखे जो कि उसी हस्तांतरण के अन्तर्गत हैं	2500.00 500.00	

1	2	3	4
25.	जो व्यापार चिन्ह उपयोग में हैं उनका बिना कीर्तिस्व के समनुदेशन करने का विज्ञापन करने के लिए रजिस्ट्रार के निदेश प्राप्त करने के लिए धारा 42 के अधीन किए गए आवेदन लेखे— एक समनुदिष्ट चिन्ह लेखे। हक के वैसे ही न्यागमन सहित समनुदिष्ट प्रत्येक अतिरिक्त चिन्ह लेखे।	2500.00 2500.00	व्या. चि. - 20
26.	जो व्यापार चिन्ह उपयोग में हैं उनका समनुदेशन बिना कीर्तिस्व के करने का विज्ञापन हक के एक न्यागमन के विषय में करने के लिए निदेश प्राप्त करने के लिए धारा 42 के अधीन आवेदन करने के लिए समय का विस्तार करने के लिए किए गए आवेदन लेखे— जो एक मास से अधिक नहीं हैं जो दो मास से अधिक नहीं हैं जो तीन मास से अधिक नहीं हैं	500.00 1000.00 1500.00	व्या. चि. - 21
27.	एकल व्यापार चिन्ह के समनुदेशन या अन्तरण की दशा में पश्चात्पूर्व स्वत्वधारी को रजिस्ट्रीकृत करने के लिए धारा 45 के अधीन किए गए आवेदन लेखे— यदि वह स्वधारिता के अर्जन की तारीख से छह मास के भीतर किया गया है यदि वह स्वधारिता के अर्जन की तारीख से छह मास के भीतर किन्तु बारह मास से पूर्व किया गया है। यदि वह स्वधारिता के अर्जन की तारीख से बारह मास के पश्चात् किया गया है।	5000.00 7500.00 10,000.00	व्या. चि. - 23 या व्या. चि. - 24 व्या. चि. - 23 या व्या. चि. - 24 व्या. चि. - 23 या
28.	एक ही नाम में रजिस्ट्रीकृत एक से अधिक व्यापार चिन्ह वाले पश्चात्-पूर्व स्वत्वधारी को उस दशा में, जिसमें हक का न्यागमन एक सा ही रहा है, रजिस्ट्रीकृत करने के लिए धारा 45 के अधीन दिए गए आवेदन लेखे :— यदि वह स्वाधारिता के अर्जन की तारीख से छह मास के भीतर किया गया है— प्रथम चिन्ह लेखे प्रत्येक अतिरिक्त चिन्ह लेखे यदि वह स्वाधारिता के अर्जन की तारीखों से छह मास के अवसान के पश्चात् किन्तु बारह मास से पूर्व किया गया है :— प्रथम चिन्ह लेखे प्रत्येक अतिरिक्त चिन्ह लेखे यदि वह स्वधारिता के अर्जन की तारीखों से बारह मास के अवसान के पश्चात् किया गया है :— प्रथम चिन्ह लेखे प्रत्येक अतिरिक्त चिन्ह लेखे	5000.00 1,000.00 7500.00 1,500.00 10,000.00 2,000.00	व्या. चि. - 23 या व्या. चि. - 24 व्या. चि. - 23 या व्या. चि. - 24 व्या. चि. - 23 या व्या. चि. - 24 व्या. चि. - 23 या व्या. चि. - 24
29.	कंपनी का, इस रूप में कि वह समनुदेशन होने पर व्यापार चिन्हों की पश्चात्पूर्व स्वत्वधारी बन गई है, रजिस्ट्रीकृत करने के लिए समय के ऐसे विस्तार के लिए धारा 46(4) के अधीन किए गए आवेदन लेखे—		व्या. चि. - 25

1	2	3	4
	जो दो मास से अधिक का नहीं है	500.00	
	जो चार मास से अधिक का नहीं है	1000.00	
	जो छः मास से अधिक नहीं का है	1500.00	
30.	रजिस्टर का परिशोधन करने या रजिस्टर से व्यापार चिन्ह हटाने या किसी रजिस्ट्रीकृत सामूहिक चिन्ह अथवा प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह के रद्द-करण के लिए धारा 47 या धारा 57 में से किसी के अधीन किए गए आवेदन लेखे।	3,000.00	व्या. चि.-26
31.	रजिस्टर का परिशोधन करने के लिए धारा 47 या धारा 57 में से किसी के अधीन की गई कार्रवाहियों में या सामूहिक चिन्ह अथवा प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह आवेदन की बाबत नियम 133 या 139 के अधीन रजिस्टर से व्यापार चिन्ह हटाने के लिए कार्यवाही में मध्यक्षेप करने के लिए अनुमति के लिए नियम 94 के अधीन किए गए आवेदन लेखे।	500.00	व्या. चि.-27
32.	वस्तुओं और सेवाओं की बाबत उनके विनिर्देशों के भीतर रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन लेखे।	5000.00	व्या. चि.-28
33.	एक ही रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के एक से अधिक ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्हों के उसी रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता को, जहां कि सभी व्यापार चिन्ह वस्तुओं या सेवाओं की बाबत, उनके अपने-अपने विनिर्देशों की सीमा में और उन्हीं शर्तों तथा निर्बन्धनों के अधीन रहते हुए प्रत्येक दशा में उसी रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता करार के अन्तर्गत हैं, धारा 49 के अधीन रजिस्टर कराने के लिए आवेदन लेखे :— प्रथम चिन्ह लेखे स्वत्वधारी के प्रत्येक ऐसे अतिरिक्त चिन्ह लेखे आवेदन और रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता करार में सम्मिलित किया गया है	5,000.00 3,000.00	व्या. चि.-28
34.	जहां के व्यापार चिन्ह उसी रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता के अधीन है एक व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता की प्रविष्टि में फेर बदल करने के लिए धारा 50 की उप-धारा (1) के खंड (क) के अधीन उनमें से प्रत्येक की बाबत आवेदन लेखे :— प्रथम चिन्ह लेखे प्रत्येक अतिरिक्त चिन्ह लेखे जिसे आवेदन में सम्मिलित किया गया है।	5,000.00 2500.00	व्या. चि.-29
35.	एक व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता की प्रविष्टि रद्द करने के लिए धारा 50 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन आवेदन लेखे—जहां कि आवेदन में एक से अधिक व्यापार चिन्ह सम्मिलित हैं :— प्रथम चिन्ह लेखे प्रत्येक अतिरिक्त चिन्ह लेखे जिसे आवेदन में सम्मिलित किया गया है।	2500.00 2500.00 500.00	व्या. चि.-30
36.	एक व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता की प्रविष्टि रद्द करने के लिए धारा 50 की उपधारा (1) के खंड (ग) या (घ) के अधीन आवेदन लेखे :—	5000.00	व्या. चि.-31

1	2	3	4
	जहाँ आवेदन में एक से अधिक व्यापार चिन्ह सम्मिलित किए गए हैं :—	500.00	
	प्रथम चिन्ह लेखे	2000.00	
	प्रत्येक अतिरिक्त चिन्ह लेखे जिसे आवेदन में सम्मिलित किया गया है।		
37.	किसी व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता की प्रविष्टियों में फेरबदल या उनको रद्द करने के लिए की गई एक कार्य-वाही में भाग लेने के आशय से नियम 90 (2) के अधीन सूचना लेखे।	500.00	व्या. चि.-32
38.	किसी व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता का नाम या विवरण बदलने के लिए धारा 58 के अधीन आवेदन लेखे जहाँ निम्नलिखित में परिवर्तन नहीं हुआ है :	1000.00	व्या. चि.-33
	स्वत्वधारिता में या रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता की पहचान में ऐसे आवेदन को छोड़कर जो जन प्राधिकारी के किसी आदेश के परिणाम-स्वरूप या भारत के विधि के अनुसार किसी कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप किया गया है जहाँ आवेदन में एक से अधिक व्यापार चिन्ह सम्मिलित हैं :—	1000.00	
	प्रथम व्यापार चिन्ह लेखे	1000.00	
	प्रत्येक अतिरिक्त चिन्ह लेखे आवेदन में सम्मिलित किया गया है	500.00	
39.	किसी रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता के पते से संबंधित प्रविष्टि में परिवर्तन करने के लिए, जब तक कि वह नियम 96 (3) के अधीन छूट प्राप्त नहीं हो, धारा 58 के अधीन आवेदन लेखे :	500.00	व्या. चि.-34
	जब कि आवेदन में एक से अधिक व्यापार चिन्ह सम्मिलित है और जब कि प्रत्येक मामले में पता वही है और उसी प्रकार वह परिवर्तित किया गया है :—		
	प्रथम प्रविष्टि लेखे	5000.00	
	आवेदन में सम्मिलित प्रत्येक अन्य प्रविष्टि लेखे	200.00	
40.	व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता को भारत में तामील के लिए पते की प्रविष्टि करने के लिए आवेदन लेखे।	500.00	व्या. चि.- 50
	जब कि आवेदन में एक से अधिक व्यापार चिन्ह सम्मिलित है और तामील के लिए पता प्रत्येक मामले में एक ही है—		
	प्रथम प्रविष्टि लेखे	500.00	
	प्रत्येक अन्य प्रविष्टि लेखे जो आवेदन में सम्मिलित की गई है	200.00	
41.	रजिस्टर में, भारत में तामील के लिए पते संबंधी प्रविष्टि को, जब तक कि नियम 96 (3) के अधीन उसे फीस से छूट प्राप्त नहीं है, परिवर्तन या प्रतिस्थापित करने के लिए आवेदन लेखे	500.00	व्या. चि.- 50

1	2	3	4
	जब कि आवेदन में एक से अधिक व्यापार चिन्ह सम्मिलित हैं तथा प्रत्येक मामले में पता एक ही है और उसे उसी प्रकार परिवर्तित या प्रतिस्थापित किया गया है।		
	प्रथम प्रविष्टि लेखे	500.00	
	प्रत्येक अन्य प्रविष्टि लेखे जो आवेदन में सम्मिलित की गई है।	200.00	
42.	प्रविष्टि या प्रविष्टि के किसी भाग को रद्द करने या माल अथवा सेवाओं को रजिस्टर से निकाल देने के लिए धारा 50 की उपधारा (1) के खंड (ग) या (घ) के अधीन किए गए आवेदन लेखे।	200.00	व्या. चि.- 35 या व्या. चि.-36
43.	रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न में (लोक प्राधिकारी के आदेश के फलस्वरूप या किसी कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप किए गए आवेदन को छोड़कर) परिवर्धन या परिवर्तन करने की इजाजत के लिए धारा 59(1) के अधीन किए गए आवेदन लेखे— जब कि आवेदन में एक से अधिक व्यापार चिह्न सम्मिलित हैं और प्रत्येक मामले में किए गए वाला परिवर्धन या परिवर्तन भी वहीं हैं— प्रथम चिह्न लेखे	2500.00	व्या. चि.-38
	प्रत्येक अन्य चिह्न लेखे जो आवेदन में सम्मिलित किया गया है।	1000.00	
44.	रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न में परिवर्धन या परिवर्तन करने की इजाजत के लिए आवेदन पर धारा 59 की उपधारा (2) के अधीन किए जाने वाले विरोध की सूचना के लिए प्रत्येक आवेदन लेखे।	1500.00	व्या. चि.- 39
45.	विनिर्देश में से परिवर्तन के लिए धारा 60 के अधीन आवेदन लेखे	1000.00	व्या. चि.- 40
46.	रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न में विनिर्देश या विनिर्देशों में संपरिवर्तन के संबंध में धारा 60 की उपधारा (2) के अधीन प्रत्येक पृथक् वर्ग में विरोध की सूचना लेखे— प्रथम चिह्न लेखे	1500.00	व्या. चि.- 41
	प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न लेखे जो विरोध की सूचना में सम्मिलित किया गया है।	700.00	
47.	प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के विनियमन के लिए सामूहिक चिह्न के निक्षेप किए गए विनियमों या धारा 74 (2) के अधीन परिवर्तन में संशोधन के लिए धारा 66 के अधीन किए गए आवेदन लेखे जब कि चिह्नों की रजिस्टर में प्रविष्टि सहयुक्त व्यापार चिह्नों के रूप में की गई है— एक रजिस्ट्रीकरण के विनियमन लेखे	1000.00	व्या. चि.- 42
	प्रत्येक अतिरिक्त रजिस्ट्रीकरण के लिए वैसे ही या सारतः वैसे ही उन विनियमों लेखे जिन्हें एक ही रीति में परिवर्तित करने की प्रस्थापना है और जो एक ही आवेदन में सम्मिलित किए गए हैं।	200.00	

1	2	3	4
48.	सामूहिक चिह्न के रजिस्ट्रीकरण को हटाने के लिए धारा 68 या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्टर में किसी प्रविष्टि को निकालने या उसमें फेरफार करने के लिए धारा 77 के अधीन आवेदन लेखे।	1000.00	व्या. चि. - 43
49.	नियम 24(1) के अधीन एक वर्ग की बाबत तलाशी लेखे	500.00	व्या. चि. - 54
50.	व्यापार चिह्न के एक वर्ग की बाबत धारा 133(1) के अधीन रजिस्ट्रार की प्रारंभिक सलाह के लिए की गई प्रार्थना लेखे	1000.00	व्या. चि. - 55
51.	रजिस्ट्रार का प्रमाण पत्र [धारा 23(2) के अधीन प्रमाणपत्र को छोड़कर] धारा 137 के अधीन प्राप्त करने के लिए प्रार्थना लेखे	500.00	व्या. चि. - 46
52.	रजिस्ट्रार का प्रमाणपत्र [धारा 15 के अधीन व्यापार चिह्नों की शृंखला के रजिस्ट्रीकरण की धारा 23(2) के अधीन प्रमाणपत्र को छोड़कर] प्रत्येक वर्ग के लिए प्रार्थना लेखे।	500.00	व्या. चि. - 46
53.	रजिस्टर में की किसी प्रविष्टि या किसी दस्तावेज की प्रमाणीकृत प्रति के लिए या धारा 148 (2) के अधीन की गई प्रार्थना लेखे।	500.00	व्या. चि. - 46
54.	किसी वर्ग में एक चिह्न की बाबत विधि मान्यता के प्रमाणपत्र संबंधी टिप्पण रजिस्टर में प्रविष्टि करने और विज्ञापित करने के लिए नियम, 124 के अधीन की गई प्रार्थना लेखे।	200.00	व्या. चि. - 47
55.	लोक प्राधिकारी के आदेश के फलस्वरूप या भारत में विधि के अनुसार कानूनी अपेक्षाओं के परिणामस्वरूप की गई प्रार्थना को छोड़कर धारा 18(4) धारा 22 और 58 के अधीन लिपिकीय त्रुटि को ठीक करने या उसके संशोधन के लिए की गई उस प्रार्थना लेखे जिस पर अन्यथा प्रभार नहीं लिया गया है।	500.00	व्या. चि. - 16
56.	धारा 131 के अधीन एक मास या उसके किसी भाग के लिए समय में वृद्धि करने के लिए [जो कि अधिनियम में अभिव्यक्त रूप से उपबंधित या नियम 79 या नियम 80 (4) द्वारा विहित समय नहीं है] किए गए आवेदन लेखे।	500.00	व्या. चि. - 56
57.	रजिस्ट्रार के विनिश्चय का पुनर्विलोकन करने के लिए धारा 127(ग) के अधीन किए गए आवेदन लेखे।	2000.00	व्या. चिन्ह-57
58.	संवरोध कार्यवाही में किसी अन्तर्वर्ती मामले पर रजिस्ट्रार का आदेश प्राप्त करने के लिए याचिका (जिस पर अन्यथा प्रभार नहीं लिया गया है) लेखे।	2500.00	
59.	रजिस्ट्रार से चिह्न के विज्ञापन की विशिष्टियां देने के लिए नियम 46 के अधीन की गई प्रार्थना लेखे।	250.00	व्या. चिन्ह-58
60.	धारा 148 (1) में वर्णित निम्नलिखित दस्तावेजों का निरीक्षण करने के लिए—		
	(क) किसी विशिष्ट व्यापार चिह्न से संबंधित प्रत्येक घंटे या उसके किसी भाग के लिए।	200.00	
	(ख) कंप्यूटर से प्रत्येक पन्द्रह मिनट पर तलाश करने लेखे (जब उपलब्ध हो)	400.00	

1	2	3	4
	(ग) धारा 148 में वर्णित अनुक्रमणिका से प्रत्येक बंटे या उसके किसी भाग के लिए तलाश करने के लेखे।	200.00	
61.	दस्तावेजों की प्रतियां (फोटो-कापी या टाइप की गई) तैयार करने में एक पृष्ठ से अधिक के लिए प्रति पृष्ठ या उसके भाग लेखे।	5.00 रु. पृष्ठ (न्यूनतम 5.00 रु. के अधीन रखते हुए)	
62.	प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति या एक और प्रति प्राप्त करने के लिए प्रार्थना लेखे। नियम 62(3)	500.00	व्या. चि. -59
63.	सामूहिक व्यापार चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न की बाबत धारा 64, 66, 73 या 77 के अधीन दी गई विरोध की सूचना के उत्तर में प्रतिकथन लेखे।	1500.00	व्या. चि. - 9
64.	नियम 24(3) के अधीन प्रमाणपत्र तलाश करने और उसे जारी करने लेखे।	5000.00	व्या. चि. - 60
65.	माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन अधिसूचित माल या माल के वर्ग अथवा वर्गों की पहचान करने वाले किसी भौगोलिक उपदर्शन के अंतर्गत या उसमें अंतर्निष्ठ या उससे मिलकर बनने वाले किसी व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकरण उक्त अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (ख) के अधीन इन्कार किए जाने या अविधिमान्य बनाने के लिए किए गए आवेदन लेखे।	3000.00	व्या. चि. - 74
66.	माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 25 की उपधारा (क) के अधीन किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण से इन्कार करने या उसे विधितः अमान्य बनाने के लिए, जिसमें ऐसा भौगोलिक उपदर्शन अंतर्निष्ठ है या उससे मिलकर बना है जो उस देश के राज्य क्षेत्र में या उस राज्य क्षेत्र के किसी क्षेत्र या परिक्षेत्र में उद्गम नहीं होता है जैसे कि भौगोलिक उपदर्शन उपदर्शित करता है, आवेदन लेखे।	3000.00	व्या. चि. - 73
67.	यथास्थिति सामूहिक चिह्न की बाबत या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न की बाबत धारा 64, 66 या 77 के अधीन सुनवाई में भाग लेने के आशय की सूचना लेखे।	500.00	व्या. चि. - 7
68.	एक आवेदन को विभाजित करने या एकल आवेदन को विभाजित करने के लिए धारा 22 के परन्तुक, के अधीन किए गए आवेदन लेखे।	1000.00 धन उपयुक्त वर्ग फीस	व्या. चि. -53
69.	आवेदन भरे जाने के समय 500 अक्षरों से अधिक माल या सेवाओं के विनिर्देश सम्मिलित किए जाने पर नियम 25 के उपनियम (16) के अधीन अधिक स्थान फीस के रूप में किए गए आवेदन लेखे।	10.00 प्रति अक्षर	व्या. चि. -61
70.	प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के समनुदेशन या पारेक्षण पर रजिस्ट्रार की सहमति के लिए धारा 43 नियम 14(2) के अधीन किए गए आवेदन लेखे।	1000.00	व्या. चि. -62
71.	किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण की त्वरित परीक्षा के लिए नियम 38(1) के अधीन किए गए आवेदन लेखे।	12,500.00	व्या. चि. -63

1	2	3	4
72.	किसी कन्वेंशन देश से धारा 154 (2) के अधीन वर्ग में सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश पर सामूहिक चिह्न का रजिस्ट्रीकरण धारा 63 (1) के अधीन करने के लिए किए गए आवेदन लेखे।	10,000.00	व्या. चि.-64
73.	किसी कन्वेंशन देश से धारा 154 (2) के अधीन वर्ग में सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश पर प्रभाषीकरण व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए धारा 71 के अधीन किए गए आवेदन लेखे।	10,000.00	व्या. चि.-65
74.	रजिस्ट्रार का त्वरित प्रमाणपत्र (अधिनियम की धारा 23(2) के अधीन प्रमाणपत्र को छोड़कर) या दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां, नियम 119 के अधीन प्राप्त करने के लिए किए गए आवेदन लेखे।	2,500.00	व्या. चि.-70
75.	शीघ्रता से तलाश करने के लिए नियम 24 (1) के परन्तुक के अधीन प्रार्थना लेखे।	2,500.00	व्या. चि.-71
76.	शीघ्रता से तलाश करने और प्रमाणपत्र जारी करने के लिए नियम 24(5) के अधीन प्रार्थना लेखे।	2,000.00	व्या. चि.-72
77.	व्यापार चिह्न अभिकर्ता के रूप में नियम 152 के अधीन रजिस्ट्रीकरण लेखे।	1,000.00	व्या. चि.-1
78.	किसी व्यक्ति का व्यापार चिह्न अभिकर्ता के रूप में नियम 154 के अधीन रजिस्ट्रीकरण लेखे।	1,000.00	
79.	किसी व्यक्ति का नाम व्यापार चिह्न अभिकर्ता रजिस्टर में नियम 156 के अधीन बनाए रखने लेखे :— प्रत्येक वर्ष लेखे (प्रथम वर्ष को छोड़कर) जिसे प्रतिवर्ष पहली अप्रैल को संदत्त किया जाना है। किसी व्यक्ति को पहली अप्रैल और 30 सितम्बर के बीच रजिस्टर किए जाने की दशा में फीस या रजिस्ट्रीकरण के साथ प्रथम वर्ष के लिए संदत्त किए जाने लेखे। ध्यान दें कि इस प्रयोजन के लिए प्रथम वर्ष अप्रैल के प्रथम दिन आरम्भ होगा और पश्चात्पूर्ति मार्च के इकतीसवें दिन समाप्त होगा।	1,000.00 1,000.00	
80.	किसी व्यक्ति का नाम व्यापार चिह्न अभिकर्ता रजिस्टर में प्रत्यावर्तित कराने के लिए आवेदन लेखे।	1,000.00	व्या. चि.-2 धन मद सं. 79 के अधीन बनाए रखने की फीस
81.	व्यापार चिह्न अभिकर्ता रजिस्टर में नियम 16 के अधीन किसी प्रविष्टि में परिवर्तन के लिए आवेदन लेखे।	200.00	व्या.चि.-अ-3
82.	धारा 16 (1) के अधीन नए रजिस्ट्रीकृत चिह्न के साथ सहयोजित किसी व्यापार चिह्न की रजिस्ट्रीकृत प्रविष्टि में प्रत्येक परिवर्धन लेखे।	500.00	
83.	विभिन्न वर्गों की माल या सेवाओं के लिए सामूहिक चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 18 (2) के अधीन एकल आवेदन लेखे।	10,000.00	व्या. चि.-66
84.	किसी कन्वेंशन देश से विभिन्न वर्गों की माल या सेवाओं के लिए सामूहिक चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 18 (2) के अधीन एकल आवेदन लेखे।	10,000.00	व्या. चि.-67
85.	विभिन्न वर्गों की माल या सेवाओं के लिए प्रमाणिकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 18 (2) के अधीन एकल आवेदन लेखे।	10,000.00	व्या. चि.-68
86.	किसी कन्वेंशन देश से धारा 154(2) के अधीन विभिन्न वर्गों के माल या सेवाओं के लिए प्रमाणिकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 18 (2) के अधीन एकल आवेदन लेखे।	10,000.00	व्या. चि.-69
87.	कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 20 की उपधारा (2) के खंड (ii) के अनुसरण में तलाशी और प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध के लेखे।	5,000.00	व्या. चि.-75

द्वितीय अनुसूची

प्ररूप

प्ररूपों की सूची

प्ररूप सं.	अधिनियम की धारा	शीर्षक	प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि संख्या
1	2	3	4
व्या. चि.-1	18(1)	माल या सेवाओं (सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न से भिन्न) के व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन	
व्या. चि.-2	18(1), 154(2)	किसी कन्वेंशन देश से व्यापार (सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न से भिन्न) के रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन	3
व्या. चि.-3	63(1)	सामूहिक चिह्न के रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन	8
व्या. चि.-4	71(1)	प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन	9
व्या. चि.-5	21(1), 64, 66, 73	व्यापार चिह्न, सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के विरोध की सूचना	12
व्या. चि.-6	22, 47, 57, 59(2)	प्रतिकथन का प्ररूप	14
व्या. चि.-7	21(5), 47, 57 और 59, 64, 66, 73 और 77	सुनवाई में हाजिर होने के आशय की सूचना	15 और 67
व्या. चि.-8	15(3)	किसी वर्ग या विभिन्न वर्गों में माल या सेवाओं के लिए श्रृंखला व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन	6
व्या. चि.-9	66, 73 और 77	सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के संबंध में, विरोध की सूचना के उत्तर में प्रतिकथन का प्ररूप	63
व्या. चि.-10	धारा 25(3) का परन्तुक	व्यापार चिह्न, प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न और सामूहिक व्यापार चिह्न के नवीकरण के लिए अधिभार का संदाय	22
व्या. चि.-11	नियम 32	नियम 32 के अधीन तलाशी और प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध	87
व्या. चि.-12		किसी व्यापार चिह्न/सामूहिक चिह्न/प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के अंतिम रजिस्ट्रीकृत की समाप्ति के पश्चात् नवीकरण के लिए आवेदन	17 से 20 तक
व्या. चि.-13	25(4)	नवीकरण फीस न देने के कारण रजिस्टर से हटाए गए व्यापार चिह्न का प्रत्यावर्तन	21
व्या. चि.-14	16(5)	रजिस्ट्रीकरण व्यापार चिह्नों के बीच सहयोजन समाप्त करने के लिए आवेदन	16
व्या. चि.-15	नियम 40	विनिश्चय के आधारों के कथन के लिए प्रार्थना	11
व्या. चि.-16	18 (4), 22 और 58, नियम 41	लिपिकीय गलती की शुद्धि के लिए या संशोधन के लिए प्रार्थना	55

1	2	3	4
व्या. चि.-17	40(2), नियम 77	किसी रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न के प्रस्थापित समनु- देशन के संबंध में धारा 40(2) अधीन रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र के लिए आवेदन	23
व्या. चि.-18	40(2), नियम 68	मामले के कथन के समर्थन में शपथपत्र	
व्या. चि.-19	41, नियम 77	व्यापार चिह्नों के ऐसे प्रस्थापित समनुदेशन का या ऐसे पारेषण का, जिसके परिणामस्वरूप भारत के विभिन्न भागों के लिए अनन्य अधिकार प्राप्त होते हैं, रजिस्ट्रार के अनुमोदन के लिए आवेदन	23
व्या. चि.-20	42, नियम 74	कारबार की गुडविल से संबद्ध से अन्यथा व्यापार चिह्नों के समनुदेशन का विज्ञापन निकालने के लिए निदेशों के लिए आवेदन	25
व्या. चि.-21	42 और नियम 74(3), 18(1)	कारबार की गुडविल से संबद्ध से अन्यथा, व्यापार चिह्नों के समनुदेशन का विज्ञापन निकालने के लिए रजिस्ट्रार के निदेशों के लिए आवेदन करने का समय बढ़ाने के लिए आवेदन	26
व्या. चि.-22	नियम 25(5), 144 और 145	माल जो नियम 145 के अधीन पांचवीं अनुसूची की एक मद में सम्मिलित हैं, के विनिर्देश के लिए अनन्य रूप से अंकों या अक्षरों अथवा उसके संयोजन से युक्त वस्त्र व्यापार चिह्न (प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न या सामू- हिक व्यापार चिह्न से भिन्न) को रजिस्टर करने के लिए आवेदन	2
व्या. चि.-23	45	हक के एक ही न्यागमन पर व्यापार चिह्न या व्यापार चिह्नों के पश्चात्पूर्ती स्वत्वधारी के रूप में अंतरिती का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और अंतरिती द्वारा संयुक्त प्रार्थना	27-28
व्या. चि.-24	45, नियम 68	हक के एक ही न्यागमन पर व्यापार चिह्न या व्यापार चिह्नों के पश्चात्पूर्ती स्वत्वधारी का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए अनुरोध	27-28
व्या. चि.-25	46(4), नियम 79	किसी कंपनी का नाम व्यापार चिह्न के पश्चात्पूर्ती स्वत्वधारी के रूप में रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत करने के लिए समय बढ़ाने के लिए आवेदन	29
व्या. चि.-26	47, 57, नियम 92	रजिस्टर के परिशोधन के लिए या रजिस्टर से व्यापार चिह्न को हटाने के लिए आवेदन	30
व्या. चि.-27	नियम 94	रजिस्टर का परिशोधन करने या रजिस्टर से व्यापार चिह्न को हटाने या रजिस्टर से सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रद्दकरण से संबंधित कार्यवाहियों में मध्यक्षेप करने की इजाजत के लिए आवेदन	31
व्या. चि.-28	49, नियम 80	रजिस्ट्रीकृत उपयोगता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन	31, 32
व्या. चि.-29	50(1) (क), नियम 87	व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत उपयोगता के रजिस्ट्रीकरण में माल या सेवाओं या शर्त या निबंधनों के बारे में परि-	34

1	2	3	4
		वर्तन करने के लिए व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन	
व्या. चि.-30	50(1)(ख), नियम 88	व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता की प्रविष्टि में रद्द-करण के लिए व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा या व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ताओं में से किसी के द्वारा आवेदन	35
व्या. चि.-31	50(1)(ग) या (घ)	व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत या अनुज्ञात उपयोक्ता की प्रविष्टि के रद्द किए जाने के लिए आवेदन	36
व्या. चि.-32	नियम 90(2) चिह्न		37
व्या. चि.-33	58	व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी (या रजिस्टर में व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत या अनुज्ञात उपयोक्ता) का रजिस्टर में नाम या वर्णन परिवर्तित करने के लिए प्रार्थना	38
व्या. चि.-34	58	व्यापार चिह्न के रजिस्टर में पते में परिवर्तन करने के लिए प्रार्थना	39
व्या. चि.-35	58(1)(ग)	रजिस्टर में व्यापार चिह्न की प्रविष्टि को रद्द करने के लिए उसके रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन	42
व्या. चि.-36	58(1)(घ)	जिन माल या सेवाओं के लिए व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकृत किया जा चुका है उनमें से किसी माल या सेवाओं को काटने के लिए व्यापार के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का आवेदन	42
व्या. चि.-37	15(3), नियम 25 (1), 26 और 31	वर्ग या विभिन्न वर्गों में माल या सेवाओं के लिए कनवेंशन देशों से व्यापार चिह्न शृंखला की बाबत धारा 154(2) के अधीन आवेदन	7
व्या. चि.-38	59	रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न में परिवर्धन या परिवर्तन करने के लिए रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा धारा 59 के अधीन आवेदन	43
व्या. चि.-39	59(2), नियम 99 (2)	रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न में परिवर्धन या परिवर्तन करने के लिए आवेदन के विरोध की सूचना	47
व्या. चि.-40	60, नियम 101	रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न के स्वत्वधारी द्वारा विनिर्देश में संपरिवर्तन करने के लिए आवेदन	48
व्या. चि.-41	60 (2), नियम 101(4)	धारा 60(2) के अधीन विनिर्देश संपरिवर्तन करने के लिए प्रस्थापना का विरोध करने की सूचना	46
व्या. चि.-42	66, 74(1)	सामूहिक चिह्न का उपयोग शासित करने वाले निक्षिप्त विनियम में संशोधन करने या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के निक्षिप्त विनियम में संशोधन करने के लिए प्रार्थना	44
व्या. चि.-43	66, 77, नियम 133, 139	रजिस्टर में सामूहिक चिह्न को हटाने या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न को रद्द करने या परिवर्तित करने के लिए आवेदन	
व्या. चि.-44	21(1), नियम 47(6)	व्यापार चिह्न के विरोध की सूचना फाइल करने के लिए समय बढ़ाने के लिए आवेदन	13

1	2	3	4
व्या. चि.-45	नियम 25 (6), 144 और 145	ऐसे माल जो पाँचवीं अनुसूची के धारा 154(2) के अधीन कन्वेंशन देश की मद में सम्मिलित हैं, के लिए विशेषकर अंकों या संख्याओं अथवा उनके संयोजन से मिलकर बने वस्तु व्यापार चिन्ह (प्रमाणीकरण चिन्ह या प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह से भिन्न) के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन	10
व्या. चि.-46	137, 148 (2)	रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र या दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियों के लिए प्रार्थना	51 से 53
व्या. चि.-47	141 नियम 124	अपील बोर्ड द्वारा दिए गए विधिमान्यता प्रमाणपत्र विषयक टिप्पण की रजिस्टर में प्रविष्टि करने और उनका विज्ञापन करने के लिए प्रार्थना	87
व्या. चि.-48	145 नियम 21	अधिनियम के अधीन किसी मामले या कार्यवाही अभिकर्ता के प्राधिकार का प्ररूप	
व्या. चि.-49	63 (1), 74 (1) नियम 128 (5) या 135 (1)	सामूहिक चिन्ह या प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह के उपयोग को शासित करने के लिए विनियम	
व्या. चि.-50	नियम 91, 96, 97	व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत उपयोगता द्वारा भारत में तामील के लिए उसके पते को प्रविष्टि करने, परिवर्तित करने या प्रतिस्थापित करने की प्रार्थना का प्ररूप	40-41
व्या. चि.-51	18 (2) नियम 25 (9)	विभिन्न वर्गों में माल या सेवाओं के लिए व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 18 (2) के अधीन एकल आवेदन	5
व्या. चि.-52	18 (2) नियम 25 (4)	धारा 154 (2) के अधीन कन्वेंशन देश से व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 18 (2) के अधीन एकल आवेदन	4
व्या. चि.-53	धारा 22 का परन्तुक, नियम 104	डिविजनल आवेदन	68
व्या. चि.-54	नियम 24 (1)	तलाशी के लिए प्रार्थना	49
व्या. चि.-55	133	सुभिन्नता के बारे में प्राथमिक सलाह	50
व्या. चि.-56	131	समय बढ़ाने के लिए प्रार्थना	56
व्या. चि.-57	127	रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन	57
व्या. चि.-58	नियम 46	व्यापार चिन्ह के विज्ञापन की विशिष्टियों के लिए आवेदन	59
व्या. चि.-59	नियम 62 (3)	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति या और प्रति के लिए आवेदन	62
व्या. चि.-60	नियम 24 (3)	प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 45 (1) के अधीन तलाशी और प्रमाणपत्र के लिए आवेदन	64
व्या. चि.-61	नियम 25 (16)	माल या सेवाओं का 500 अक्षरों से अधिक के विनिर्देश को सम्मिलित करने के लिए आवेदन	69
व्या. चि.-62	43 नियम 140 (2)	प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह के समनुदेशन या पारेषण करने के लिए रजिस्ट्रार की सहमति के लिए आवेदन	70
व्या. चि.-63	नियम 38 (1)	व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के आवेदन की त्वरित परीक्षा के लिए नियम 38(1) के अधीन प्रार्थना	71

1	2	3	4
व्या. चि.-64	63 (1) नियम 128 (1)	धारा 154 (2) के अधीन कन्वेंशन देश से किसी वर्ग में सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए सामूहिक व्यापार चिन्ह का रजिस्टर करने के लिए आवेदन	72
व्या. चि.-65	नियम 135 (1)	धारा 154 (2) के अधीन कन्वेंशन देश से किसी वर्ग में सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह रजिस्टर करने के लिए धारा 71 के अधीन रजिस्ट्रार को आवेदन	73
व्या. चि.-66	18 (2), 63 (1)	माल या सेवाओं के विभिन्न वर्गों के लिए सामूहिक चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन	83
व्या. चि.-67	12 (2), 63 (1), 154 (2)	धारा 154 (2) के अधीन कन्वेंशन देश से माल या सेवाओं के विभिन्न वर्गों के लिए सामूहिक चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन	84
व्या. चि.-68	18 (2), 71	माल या सेवाओं के विभिन्न वर्गों के लिए प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन	85
व्या. चि.-69	18 (2), 71, 154 (2)	धारा 154 (2) के अधीन कन्वेंशन देश से माल या सेवाओं के विभिन्न वर्गों के लिए प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन	86
व्या. चि.-70	नियम 119 का परन्तुक	रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र या दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियों की त्वरित प्राप्ति के लिए प्रार्थना	74
व्या. चि.-71	नियम 24 (1) का परन्तुक	एक वर्ग की बाबत त्वरित शासकीय तलाशी के लिए प्रार्थना	75
व्या. चि.-72	नियम 24 (5)	प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 45 (1) के अधीन त्वरित तलाशी और प्रमाणपत्र के लिए प्रार्थना	76
व्या. चि.-73	माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 25 (क) माल के भौगोलिक उपदर्शन नियम, 2001 का नियम 74 (2)	भौगोलिक उपदर्शन अन्तर्विष्ट करने वाले या उससे बने व्यापार चिन्ह को नामजूर या अविधिमान्य करने के लिए प्रार्थना	66
व्या. चि.-74	माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 25 (ख) माल के भौगोलिक उपदर्शन नियम, 75 (2) और व्यापार चिन्ह नियम, 2001 का नियम 102	माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन अधिसूचित भौगोलिक उपदर्शन के विरोधी या उसे अन्तर्विष्ट करने वाले या उससे बने व्यापार चिन्ह को नामजूर या अविधिमान्य करने के लिए अनुरोध	65
व्या. चि. अ.-1	नियम 153	व्यापार चिह्न अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन	77

1	2	3	4
व्या. चि. अ.-2	नियम, 159	व्यापार चिह्न अधिकर्ताओं के रजिस्ट्रार में किसी व्यक्ति के नाम प्रत्यावर्तित करने के लिए आवेदन	80
व्या. चि. अ.-3	नियम, 160	व्यापार चिह्न अधिकर्ताओं के रजिस्ट्रार में किसी प्रविष्टि के परिवर्तन करने के लिए आवेदन	81

प्ररूप व्या. चि.-1

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस 2500 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

रजिस्ट्रार में माल या सेवाओं के लिए व्यापार चिह्न (सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न से भिन्न) के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन।

धारा 18 (1), नियम 25 (1)

(व्यापार चिह्न की अतिरिक्त पांच समाकृतियों की साथ तीन प्रतियों में भरा जाये)

एक समाकृति इस स्थान के भीतर लगायी जाए और अन्य पांच एक रूप से भेजी जाए। बड़े आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकेगा किन्तु तब उसे किसी वस्त्र या अन्य समुचित सामग्री के ऊपर लगाकर यहां चिपकाया जाना चाहिए। नियम 28 देखिए।

² की बाबत ¹ वर्ग में साथ लगे व्यापार चिह्न का, रजिस्ट्रार में ³ के नाम (नामों) में, जिसका (जिनका) पता ⁴ है और जो उक्त माल या सेवाओं के संबंध में उनका/उनके स्वत्वधारी होने का दावा करता है (करते हैं) और जिसके (जिनके) द्वारा उक्त चिह्न का उपयोग प्रस्तावित है तथा और जिसके (जिनके) और उसके (उनके) हक पूर्वाधिकारी (पूर्वाधिकारियों) द्वारा ⁶ उक्त चिह्न की तारीख ⁷ से निरंतर उपयोग किया जा रहा है, रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन किया जाता है।

⁸

⁹

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :-

तारीख

¹⁰

हस्ताक्षर, हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार,

¹¹ में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. यदि माल या सेवा का वर्ग ज्ञात नहीं है तो रजिस्ट्रार का निदेश लिया जा सकेगा।

2. उन माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें जिनके संबंध में आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं की बाबत एक पृथक् शीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः 500 से अधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपये प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25 (16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक का है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन करना होगा।

3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाठ्य रूप से अंतःस्थापित करें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और व्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो, प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।

4. आवेदक को भारत में अपने कारोबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन करना होगा। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारोबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया गया है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारोबार चला रहा है जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित हैं, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और ऐसे स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारोबार का प्रधान स्थान समझता हो। यदि, तथापि

आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चलाता, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं चला रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। (नियम 19 देखिए) जहां आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।

5. यदि चिह्न पहले से ही उपयोग में है तो काट दें।

6. यदि लागू नहीं है तो शब्दों को काट दें। यदि हक पूर्वाधिकारी (पूर्वाधिकारियों) द्वारा उपयोग का दावा किया गया है तो ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) के नाम (नामों) का, आवेदक द्वारा स्वयं आरंभ करने की तारीख के साथ कथन किया जाना चाहिए।

7. यदि 2 में विनिर्दिष्ट माल या सेवाओं की बाबत व्यापार चिह्न का कोई उपयोग नहीं है तो माल या सेवाओं की ऐसी मदों का, जिनकी बाबत चिह्न को वास्तव में उपयोग किया गया है, कथन किया जाना चाहिए।

8. अतिरिक्त मामले के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्यथा खाली छोड़ दें।

9. यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंगों का कथन करें। यदि चिह्न त्रिआयामी व्यापार चिह्न है तो इस आशय का कथन किया जाना चाहिए [नियम 25 और नियम 29 देखिए]।

10. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न अभिकर्ता या आवेदक के अनन्य और नियमित नियोजन में कोई व्यक्ति) (धारा 145 देखिए)।

11. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का कथन करें (नियम 4 देखिए)।

प्ररूप व्या. चि.-2

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस 2500 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

किसी कन्वेंशन देश के रजिस्टर में किसी व्यापार चिह्न (सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न से भिन्न) के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन।

[धारा 18(1), 154(2) नियम 25(3) और 26]

(व्यापार चिह्न की पांच अतिरिक्त समाकृतियों के साथ तीन प्रतियों में भरा जाये)

एक समाकृति इस स्थान के भीतर लगायी जाए और अन्य पृथक् रूप से भेजी जाए। बड़े आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकेगा किन्तु तब उसे वस्त्र या किसी अन्य समुचित सामग्री के ऊपर लगाकर यहां चिपकाया जाना चाहिए। नियम 28 देखिए।

² की बाबत ¹ वर्ग में साथ लगे व्यापार चिह्न का, रजिस्टर में ³ के नाम (नामों) में, जिसका (जिनका) पता ⁴ है और जो उक्त माल या सेवाओं के संबंध में उनका/उनके स्वत्वधारी होने का दावा करता है (करते हैं) और जिसके (जिनके) द्वारा उक्त चिह्न का उपयोग प्रस्तावित है ⁵ या (और जिसके) (जिनके) और उसके (उनके) हक पूर्वाधिकारी (पूर्वाधिकारियों) ⁶ द्वारा उक्त चिह्न का तारीख ⁷ से निरंतर उपयोग किया जा रहा है, रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है।

व्यापार चिह्न को कन्वेंशन देश में रजिस्टर करने के लिए आवेदन में तारीख को किया गया है।

ऐसे कन्वेंशन देश के, जिसमें आवेदन फाइल किया गया है, अधिकारी द्वारा अधिप्रमाणित, प्रमाणित प्रति (इसके अंग्रेजी अनुवाद के साथ) संलग्न है।

मैं/हम यह अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि उपरिबर्णित कन्वेंशन देश में आवेदन के आधार पर व्यापार चिन्ह, अधिनियम की धारा 154 के उपबंधों के अधीन पूर्णिकता तारीख के साथ रजिस्ट्रीकृत किया जाये।

8

9

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख

10

हस्ताक्षर,

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार,

.....¹¹ में

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. यदि माल या सेवा का वर्ग ज्ञात नहीं है तो रजिस्ट्रार का निदेश लिया जा सकेगा।

2. उन माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें जिनके संबंध में आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं शर्तों की बाबत एक पृथक शीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः 500 से अनधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपए प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25 (16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक का है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों को ठीक संख्या का कथन करना होगा।

3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाठ्य रूप से अंतःस्थापित करें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और व्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो, प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।

4. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन करना होगा। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया गया है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित है, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और ऐसे स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। यदि, तथापि आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चलाता, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं चला रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। (नियम 19 देखिए) जहां आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।

5. यदि चिन्ह पहले से ही उपयोग में है तो काट दें।

6. यदि लागू नहीं है तो शब्दों को काट दें। यदि हक पूर्वाधिकारी (पूर्वाधिकारियों) द्वारा उपयोग का दावा किया गया है तो ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) के नाम (नामों) का, आवेदक द्वारा स्वयं आरंभ करने की तारीख के साथ कथन किया जाना चाहिए।

7. यदि 3 में विनिर्दिष्ट माल या सेवाओं की बाबत व्यापार चिन्ह का कोई उपयोग नहीं है तो माल या सेवाओं की ऐसी मदों का, जिनकी बाबत चिन्ह को वास्तव में उपयोग किया गया है, कथन किया जाना चाहिए।

8. अतिरिक्त मामले के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्यथा खाली छोड़ दें।

9. यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंगों का कथन करें। यदि चिन्ह त्रिआयामी व्यापार चिन्ह है तो आशय का कथन किया जाना चाहिए [नियम 25 और नियम 29 देखिए]

10. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न अभिकर्ता या आवेदक के अनन्य और नियमित नियोजन में कोई व्यक्ति) (धारा 145 देखिए)।

11. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का कथन करें (नियम 4 देखिए)।

प्ररूप व्या. चि.-3

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस 10,000 रुपए

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

सामूहिक व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन।

सामूहिक चिह्न की पांच समाकृतियों और प्ररूप व्या.चि० 49 में प्ररूप विनियम की तीन प्रतियों के साथ तीन प्रतियों में फाइल किया जाए।

धारा 63 (1); नियम 25(7) (3) और नियम 128(1)।

एक समाकृति इस स्थान के भीतर लगाई जाए और चार अन्य पृथक रूप से भेजी जाएं। बड़े आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकेगा और उसे किसी वस्त्र या अन्य समुचित सामग्री के ऊपर लगा कर यहां चिपकाया जाना चाहिए। (नियम 28 देखिए)

3 के नाम में जिनका पता
4 है,
2 के बारे में वर्ग में सामूहिक व्यापार चिह्न सहित, रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन किया जाता है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख :

5

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्टर,

.....⁶ में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय।

1. यदि वर्ग ज्ञात नहीं है तो रजिस्ट्रार का निदेश लिया जा सकेगा।
2. माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः देवनागरी लिपि के 500 से अनधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपये प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25 (16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक का है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन अवश्य करना होगा।

3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय आजीविका और राष्ट्रिकता) भरिये। यदि आवेदक निगमित निकाय है तो निगमन के देश और उसकी प्रकृति का उल्लेख किया जाना चाहिए। (नियम 16 देखिए)
4. यहाँ आवेदक का पूरा पता भरें। भारत में कारबार या निवास के मुख्य स्थान का पता यदि कोई हो या विदेश में गृह देश के पते सहित भारत में तामील के लिए पता।
5. आवेदक या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न अधिकर्ता या ऐसा व्यक्ति) जो आवेदक के एकमात्र और नियमित नियोजन में है। (धारा 145 देखिए)।
6. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के नाम और स्थान का उल्लेख करें। (नियम 4 देखिए)

प्ररूप व्या. चि.-4

फीस 10,000 रूपए

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन। (नियम 135)

(धारा 713 नियम 25 (2)(क) और 135 देखिए)

(प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न की पांच समाकृतियों और विनियमों के प्ररूप की चार प्रतियों के साथ प्ररूप व्या०चि० 49 सहित तीन प्रतियों में फाइल किया जाए)

इस रिक्त स्थान में एक समाकृति चिपकाई जाये और अन्य चार पृथक रूप से भेजी जाएं। जो समाकृति बड़े आकार की है वह मोड़ी जा सकती है किन्तु उस दशा में वह कपड़े या अन्य उपयुक्त सामग्री पर मढ़ दी जाये और यहाँ चिपकायी जाये (नियम 28 देखिए)

साथ वाले प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के ².....की
बाबत ¹.....वर्ग में रजिस्टर में ².....के
नाम में, जिसका पता ⁴.....है, रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है:—

आवेदक उस प्रकार के माल या वस्तुओं में कारबार नहीं कर रहा है (कर रहे हैं) जिस के लिए उक्त प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रकरण चाहा गया है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं :—

तारीख :

5

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का पूरा नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्टार,

.....⁶ में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का कार्यालय।

1. यदि वर्ग ज्ञात न हो तो रजिस्ट्रार का निदेश अभिप्राप्त किया जाये।

2. माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें।
3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (उपजीविका और आजीविका) और राष्ट्रिकता भरें। यदि आवेदक निगमित निकाय है, तो निगमन के स्वरूप और देश का उल्लेख किया जाना चाहिए। (नियम 16 देखिए)।
4. आवेदक का पूरा पता भरिये (भारत में कारबार या निवास के मुख्य स्थान का पता, यदि कोई हो या विदेश में उसके अपने देश में के पते के साथ-साथ भारत में तामील के लिए पता)।
5. आवेदक या उसके अधिकर्ता विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अधिकर्ता या आवेदक के एकमात्र और निगमित नियोजन में के व्यक्ति के हस्ताक्षर। (धारा 145 देखिए)।
6. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये (नियम 4 देखिए)।

प्ररूप व्या. चि.-5

फीस 25,000 रुपए

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

व्यापार चिन्ह के या सामूहिक चिन्ह या प्रमाणीकरण चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के विरोध की सूचना

[धारा 21 (1), 64, 66, 73, नियम 47 (1), 131 और 138 (1)]

(तीन प्रतियों में फाइल किया जाये)

-----द्वारा किए गए संख्या-----वाले आवेदन के विषय में मैं (या हम) ¹-----
 -----उस व्यापार चिन्ह/प्रमाणीकरण चिन्ह/सामूहिक चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण का विरोध करने के अपने आशय की सूचना देता
 हूँ/देते हैं जिसका विज्ञापन ²-----के मास-----की तारीख-----
 -----वाली व्यापार चिन्ह पत्रिका के पृष्ठ-----पर उक्त संख्या वाले निर्देश से-----
 वर्ग के बारे में हुआ है।

विरोध के आधार निम्नलिखित हैं :—

3-----

इन कार्यवाहियों के संबंध में सभी सूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं :—

तारीख-----

4-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का पूरा नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार

----- ⁵ में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. पूरा नाम और पता लिखिये। यदि विरोधी का भारत में कारबार का या निवास का कोई स्थान नहीं है तो भारत में तामील के लिए उसका पता दिया जाना चाहिए।

2. जो आवश्यक नहीं है उसे काट दें।
3. यदि रजिस्ट्रीकरण का विरोध इस आधार पर किया जाता है कि चिह्न उन चिह्नों से मिलता है जो कि रजिस्टर में पहले से ही चढ़े हुए हैं तो उन चिह्नों की, और उन पत्रिकाओं की जिनमें विज्ञापन हुआ है, संख्याएं दीजिये।
4. विरोधी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
5. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें—नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या० चि०-6

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 1000 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

प्रतिकथन का प्ररूप [धारा 21 (2), 47, 57, 59, नियम 49, 93, 99 और 101]

(तीन प्रतियों में फाइल किया जाये)

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकरण के लिए वर्ग-----संख्या-----वाले
आवेदन के संख्या-----वाले विरोध के विषय में

उक्त व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक मैं/हम-----
यह सूचना देता हूँ/देते हैं कि अपने आवेदन के लिए जिन आधारों का मैं/हम सहारा लेता हूँ/लेते हैं वे निम्नलिखित हैं।

मैं (हम) विरोध की सूचना में निम्नलिखित अभिकथनों को स्वीकारोक्त करता हूँ/करते हैं।

2 इन कार्यवाहियों के संबंध में सभी संसूचनाएं भारत में स्थित निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

तारीख-----

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

2-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का पूरा नाम स्पष्ट अक्षरों में

----- में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में यथाकथित पूरा नाम और पता दीजिये।
2. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये।
नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या० चि०-7

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 500 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

सुनवाई में हाज़िर होने के आशय की सूचना

धारा 21, 47, 57, 59, 64, 66, 73 और 77

[नियम 56(1), 93, 99, 101, 131, 132, 133, 138, 139 और 140]

1-----के विषय में/में (या हम) 2-----

यह सूचना देता हूँ/देते हैं कि उक्त विषय की बाबत जो सुनवाई तारीख-----वाली (मुझे या हमें)
राजकीय सूचना के अनुसार तारीख-----को-----³ में-----
बजे पुराहन या----- बजे अपराहन होनी है उसमें मैं/हम हाज़िर रहूँगा/होंगे या मेरी/हमारी ओर से कोई व्यक्ति
हाज़िर होगा।

इस कार्यवाही के संबंध में सभी संसूचनाएं भारत में स्थित निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख-----

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

4-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

-----⁵ में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

- 1 जैसी विशिष्टियाँ जो राजकीय सूचना में हैं उन्हें अन्तःस्थापित कीजिये।
2. नाम और पता अन्तःस्थापित कीजिये।
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का कार्यालय का वह स्थान अन्तःस्थापित कीजिये जहां राजकीय सूचना के अनुसार सुनवाई होगी।
4. सूचना देने वाले व्यक्ति या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
- 5 व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये—नियम 4 देखिये।

प्ररूप व्या० चि०-8

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं 6 देखिए।

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

किसी वर्ग में या विभिन्न वर्गों के लिए माल या सेवाओं¹ के लिए श्रृंखला व्यापार चिह्न (सामूहिक चिह्न का प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न से भिन्न) के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

धारा 15 (3), नियम 25(10) और 31

(व्यापार चिह्न के पांच अतिरिक्त अभ्यावेदनों के साथ तीन प्रतियों में फाइल किया जाये)

एक समाकृति इस स्थान पर लगाएं और अन्य पृथक् रूप से भेजें। बड़े आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकेगा लेकिन तब उसे वस्त्र या अन्य समुचित सामग्री के ऊपर चढ़ाया जाएगा और यहां लगाया जाएगा। नियम 28 देखिये।

2. की बाबत वर्ग में साथ लगे व्यापार चिह्न के लिए श्रृंखला व्यापार चिह्न रूप में, रजिस्टर में (3) के नाम(नामों) में, जिसका/जिनका पता 4 हैं और जो उक्त मालों 7 की बाबत उनका (उनके) स्वत्वधारी होने का दावा करता है (करते हैं) (और जिसके द्वारा उक्त चिह्न का उपयोग किया जाना प्रस्तावित है 5 या और जिसके और उसके (उनके हक पूर्वाधिकारी/पूर्वाधिकारियों) 6 द्वारा उक्त चिह्न की तारीख--- से निरंतर उपयोग किया जा रहा है), रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है।

8

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख

9.

10.

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

11 में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का कार्यालय

1. जो आवश्यक न हो उसे काट दें।
2. यदि माल का वर्ग ज्ञात नहीं है तो रजिस्ट्रार का निर्देश लिया जा सकेगा। वस्त्र माल से संबंधित ऐसे चिह्न की दशा में जो अक्षर या अंकों से मिलकर बने हैं या उनके किसी संयोजन से बने हैं तो पांचवीं अनुसूची की मद संख्यांक का कथन किया जाए यदि माल उक्त अनुसूची की मदों में से किसी के अंतर्गत आता है (नियम 144 देखें)।
3. जहां हस्ताक्षर के ठीक पूर्व वाले स्थान पर माल या सेवाओं के विनिर्देश पांच सौ अक्षर से अधिक के हैं तो वहां आवेदक अधिक अक्षरों की वास्तविक संख्या कथित करेगा।
4. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता सुपाद्य रूप से अंतःस्थापित करे। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और व्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की यदि कोई हो, प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।
5. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन अवश्य करना होगा। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रेशन किया जाना है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित हैं, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और उस स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। तथापि यदि, आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चला रहा है, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता हो तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं चला रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के यदि, कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में निवास स्थान के अतिरिक्त, यदि चाहे तो ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। (नियम 19 देखिए) जहां आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।

6. यदि चिह्न पहले से ही उपयोग में है तो काट दें।
7. यदि लागू नहीं है तो शब्दों को काट दें। यदि हक पूर्वाधिकारी (पूर्वाधिकारियों) द्वारा उपयोग का दावा किया गया है तो ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) के नाम (नामों) का, आवेदक द्वारा स्वयं आरंभ करने की तारीख के साथ कथन 9 पर किया जाना चाहिए।
8. यदि 3 में विनिर्दिष्ट माल या सेवाओं की बाबत व्यापार चिह्न का कोई उपयोग नहीं किया गया है तो माल या सेवाओं की ऐसी मदों का, जिनकी बाबत चिह्न को वास्तव में उपयोग किया गया है, कथन किया जाना चाहिए।
9. अतिरिक्त मामले के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्थया खाली छोड़ दें। यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंगों का कथन करें। यदि चिह्न त्रिआयामी व्यापार चिह्न है तो उस आशय का कथन किया जाना चाहिए [नियम 25 और (29) देखिए]।
10. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रकृत व्यापार चिह्न अभिकर्ता या आवेदक के अन्य और निगमित नियोजन में कोई व्यक्ति) (धारा 145 देखिए)।
11. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का कथन करें (नियम 4 देखिए)।

प्ररूप व्या० चि०-9

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 1500 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के संबंध में प्रतिकथन का प्ररूप¹ धारा 64, 66, 73 और 77 नियम 131 से 133 और नियम 137 से 140)

(चार प्रतियों में फाइल किया जाए)

सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न¹ के रजिस्ट्रकरण के लिए संख्या वाले आवेदन के संख्या वाले विरोध के विषय में,

मैं (हम)² जो उपयुक्त संख्या वाले आवेदन के बारे में आवेदक हूँ/हैं यह सूचना देता हूँ/देते हैं कि मैं/हम अपने आवेदन का समर्थन करने के वास्ते जिन आधारों का सहारा लूँगा/लेंगे, व निम्नलिखित हैं :—

मैं (हम) विरोध की सूचना में के निम्नलिखित अभिकथन स्वीकार करता हूँ/करते हैं।

इन कार्यवाहियों से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं।

तारीख

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

.....⁴ में व्यापार चिह्न

रजिस्ट्री कार्यालय

1. जो लागू न हो उसे काट दें।

2. पूरा नाम और राष्ट्रीयता अंतः स्थापित करें। यदि विरोधी के पास भारत कारबार या निवास का स्थान नहीं है तो तामील के लिए भारत का पता दिया जाना चाहिए।

3. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

4. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के नाम का पता भरिये :—

नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या० चि०—10

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 3000 रु.

अधिकर्ता का कोड सं.

स्वत्वधारी का कोड सं.

व्यापार चिह्न, सामूहिक चिह्न और प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के नवीकरण के लिए अधिभार के मंदाय के लिए आवेदन।

धारा 25(3) का परन्तुक, नियम 65, 132(ख) और 138(3)

(प्ररूप व्या. चि.—12 और व्या. चि. 13 और उनकी विहित फीस के साथ फाइल किए जाएं)

मैं (हम) ¹ जो रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी हूँ, ² वर्ग में रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न/सामूहिक चिह्न/प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के जिसका को अख्यान हो गया था, नवीकरण के लिए आवेदन करता हूँ (करते हैं) और उसकी बाबत विहित अधिभार का मंदाय करता हूँ (करते हैं) और नवीकरण प्रमाणपत्र भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए :—

हस्ताक्षर

तारीख

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार,

4 में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. जो लागू न हो, उसे काट दें।
2. यहां रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का पूरा नाम और पता अंतःस्थापित करें।
3. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।
4. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान के नाम का कथन करें :

प्ररूप व्या० चि०—11

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 5000 रु. अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

नियम 32 के अधीन तलाशी और प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध

मैं/हम.....रजिस्ट्रार से यह पता लगाने के लिए तलाशी का अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि क्या कोई ऐसा/ऐसे व्यापार चिह्न अभिलेख पर है/हैं जो इसके साथ तीन प्रतियां भेजी गई कंपनी के नाम (या प्रस्थापित नाम) के सदृश है (प्रत्येक समाकृति लगभग 33 × 20 से. मी. के आकार में मजबूत कागज की शीट पर मढ़ा जाए) और प्रमाणपत्र जारी किया जाए।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी:-

तारीख

2

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

.....में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. भारत में पता

2. हस्ताक्षर

प्ररूप व्या० चि०—12

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस के लिए पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं 17 से 20 तक और 22 देखिए।

अभिकर्ता का कोड सं.

स्वत्वधारी का कोड सं.

व्यापार चिह्न/सामूहिक चिह्न/प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण

धारा 25 नियम 63(1) 132(ख) और 138(3)

मैं/हम² संख्या वाले वर्ग में व्यापार चिह्न/सामूहिक चिह्न प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण कराने के लिए रुपये की विहित फीस देता हूँ/देते हैं।

रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण की सूचना भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए—

तारीख

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार/हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

.....में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1 जो लागू न हो, उसे काट दें।

2 यहाँ रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता भरिये।

3. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर

4 व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये-----नियम 4 देखिए।

टिप्पण—यदि यह प्ररूप पिछले रजिस्ट्रीकरण के अवसान से छः मास से अधिक पूर्व फाइल किया गया है, तो यह लौटा दिया जाएगा। अधिनियम की धारा 159 की उपधारा (6) पर भी ध्यान दें।

प्ररूप व्या. चि. — 13

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड सं.....

स्वत्वधारी का कोड सं.....

फीस : 5000 रु. और साथ ही पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 17 से 20 तक में विहित लागू नवीकरण फीस।

नवीकरण फीस न देने के कारण रजिस्टर से हटाये गये व्यापार चिह्न का प्रत्यावर्तन और नवीकरण

धारा 25 (4) नियम 66, 132(ख) और 138(3)

मैं/हम ¹-----यह आवेदन करता हूँ/करते हैं कि-----वर्ग में के-----
 -----संख्या वाले व्यापार चिह्न/रजिस्टर में प्रत्यावर्तित कर दिया जाए और उक्त व्यापार चिह्न के उपरोक्त वर्ग में रजिस्ट्रीकरण का
 नवीकरण कर दिया जाए और प्रत्यावर्तन तथा नवीकरण की सूचना भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाये—

तारीख-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

मेधा में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

-----³ में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता भरिये।
2. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान के नाम भरिये—नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या. चि. — 14

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड सं.....

स्वत्वधारी का कोड सं.....

फीस प्रत्येक विघटन के लिए 500 रु.

किन्हीं रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न और किसी (किन्हीं) अन्य रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न (चिह्नों) के बीच सहयोजन समाप्त करने के लिए
 आवेदन।

[धारा 16(5); नियम 60(2)]

(मामले के कथन के साथ दिया जाए)

-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत-----सं. वाले व्यापार चिह्न के विषय में।

मैं/(हम)-----पूर्वोक्त सं. वाले व्यापार चिह्न का (के) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी होने के
 नाते यह आवेदन करता हूँ (करते हैं) कि इस व्यापार चिह्न का मेरे (हमारे) नाम में निम्नलिखित रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न (चिह्नों) के साथ सहयोजन
 समाप्त कर दिया जाये और तदनुसार रजिस्ट्रार का संशोधन किया जाए।

1(-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत सं.-----

-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत सं.-----)

इस आवेदन के आधार साथ लगे मामले के कथन में उपबर्णित हैं।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख—

—

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. अतिरिक्त संख्याएं प्ररूप के पीछे हस्ताक्षरित अनुसूची में दी जा सकेंगी।
2. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी (धारियों) या उसके (उनके) अभिकर्ता (अभिकर्ताओं) के हस्ताक्षर।
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान के नाम का कथन करें—नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या. चि.— 15

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

फीस : 1000 रु.

विनिश्चय के आधारों के कथन के लिए प्रार्थना,

नियम 40 (1)

के विषय में रजिस्ट्रार से यह प्रार्थना की जाती है कि 20 के मास के दिन जो विनिश्चय उमने 20 के मास के दिन को हुई सुनवाई के पश्चात् किया था उसके आधार और विनिश्चय करने में उसके द्वारा प्रयुक्त सामग्री को वह लिखित रूप में कथित करे।

इस आवेदन से संबंधित सभी सूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख—

—

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. वे विशिष्टतां यहां भरिये जिन से आवेदन की पहचान हो सकती है।
2. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये — नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या. चि.—16

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं.

स्वत्वधारी का कोड सं. -

फीस : 500 रु.

लिपिकीय गलती की शुद्धि के लिए या संशोधन के लिए प्रार्थना

[धारा 18 (4), 22 और 58, नियम 41, 91, 97]

1-----के विषय में, मैं/हम-----²जो आवेदक हूँ (हैं)

विरोधी

रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी
रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता

यह प्रार्थना करता हूँ/करते हैं कि-----

स्वत्वधारी/स्वत्वधारियों-----रजिस्ट्रीकृत

³ इस प्रार्थना की एक प्रति की तामील रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता/उपयोक्ताओं पर की गई है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख-----

4-----

फीस : नीचे पाद टिप्पण देखिए

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम-----

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

-----में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. प्रविष्टि या आवेदन या विरोध की पहचान कराने वाले शब्द और निर्देश संख्या भरिए
2. जो शब्द लागू नहीं हैं, उन्हें काट दीजिए
3. यदि लागू नहीं है, तो काट दीजिए
4. हस्ताक्षर
5. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये (नियम 4 देखिए)

टिप्पण—फीस 500 रुपए। किन्तु जहां शुद्धि या संशोधन के लिए प्रार्थना लोक प्राधिकारी के आदेश के फलस्वरूप या कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप की जाती है वहां, कोई फीस देय नहीं होगी।

प्ररूप व्या. चि.—17

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं :

स्वत्वधारी का कोड सं :

फीस : पहले व्यापार चिह्न के लिए 2500 रु और समनुदेशन में सम्मिलित प्रत्येक अतिरिक्त व्यापार चिह्न के लिए 500 रुपए।

किसी रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न के प्रस्थापित समनुदेशन के प्रतिनिर्देश में धारा 40(2) के अधीन रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र के लिए आवेदन

[नियम 77]

(मामले के कथन की दो प्रतियाँ और प्रतिस्थापित समनुदेशन की एक प्रति उसके साथ होनी चाहिए।)

के नाम में वर्ग (वर्गों) में रजिस्ट्रीकृत संख्या (संख्याओं) वाले व्यापार चिह्न (चिह्नों) के विषय में

1, जो उपरिर्णित रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न (चिह्नों) का (के) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी है (हैं), ऐसी परिस्थितियों में, जो साथ लगे मामले के कथन में पूर्णतः कथित हैं, 2 को संख्या (संख्याओं) वाले रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न के प्रस्थापित समनुदेशन के प्रतिनिर्देश में, धारा 40(2) के अधीन रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करता है (करते हैं)।

इस आवेदन में संबंधित सभी संयुक्तनाएँ भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी —

तारीख

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम (स्पष्ट अक्षरों में)

सेवा में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का पूरा नाम और पता भरिये।
2. प्रस्थापित समनुदेशिनी का पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता भरिये।
3. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
4. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये—(नियम 4 देखिए)

प्ररूप व्या. चि. — 18

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

अभिकर्ता व।

स्वत्वधारी व।

शपथ पत्र

(यह केवल उसी अवस्था में दिया जाये जब कि धारा 40(2) के अधीन फाइल किए गए या नियम 68 के अधीन प्रार्थनापत्र के साथ लगे मामले के कथन के समर्थन में यह रजिस्ट्रार द्वारा अपेक्षित हो)

(तत्समय प्रवृत्त नियमों के अनुसार स्टाम्पित किया जाए)

मैं, ¹ जो का हूँ, सत्यनिष्ठा और सत्यमन से यह घोषणा करता हूँ कि
वर्ग में के व्यापार चिह्न में मेरे द्वारा ² मामले के कथन में दी गई विशिष्टियों ² से चिह्नित और
मेरे द्वारा प्रदत्त प्रदर्श मेरे सर्वोत्तम ज्ञान, जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है और इनमें वे प्रत्येक सारवान् तथ्य और दस्तावेज समाविष्ट हैं,
जो व्यापार चिह्न की वर्तमान स्वत्वधारिता को प्रभावित करते हैं।

3

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख को

मेरे समक्ष ⁴

में घोषित

1. अभिसाक्षी का पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता भरिये
2. संबद्ध कार्यवाहियों की विशिष्टियां दीजिये
3. यहां घोषणा करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर होंगे
4. उस प्राधिकारी के हस्ताक्षर और उसका पद जिसके समक्ष शपथपत्र दिया गया। भारत में शपथपत्र किसी न्यायालय के या ऐसे व्यक्ति के, जिसे विधि द्वारा साक्ष्य प्राप्त करने का प्राधिकार है, या ऐसे पदाधिकारी के, जिसे शपथ दिलाने की शक्ति न्यायालय द्वारा प्रदत्त है, समक्ष दिया जा सकेगा। भारत के बाहर शपथपत्र राजनयिक और वाणिज्य दूतीय पदाधिकारी (शपथ और फीस) अधिनियम, 1948 के अर्थ में ऐसे देश या स्थान के राजनयिक या वाणिज्य दूतीय पदाधिकारी के समक्ष किया जा सकेगा या उस स्थान के नोटरी के समक्ष उस सूरत में किया जा सकता जिसमें कि स्थान के नोटरी के द्वारा किए गए नोटरी संबंधी कार्य केन्द्रीय सरकार द्वारा नोटरी अधिनियम, 1952 की धारा 14 के अधीन मान्यताप्राप्त हैं।

प्ररूप व्या. चि— 19

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं.

स्वत्वधारी का कोड सं.

फीस : पहले व्यापार चिह्न के लिए 2500 रु. और प्रत्येक अन्य व्यापार चिह्न के लिए 500 रुपए।

व्यापार चिह्न के ऐसे प्रस्थापित समनुदेशन का या ऐसे पारंपरण का, जिसके परिणामस्वरूप भारत के विभिन्न भागों के लिए, विभिन्न व्यक्तियों को अनन्य अधिकार प्राप्त होते हैं, धारा 41 के अधीन रजिस्ट्रार के अनुमोदन के लिए आवेदन।

[नियम 77]

(मामले के कथन की दो प्रतियों और समनुदेशन के लिए संस्थापित या पारंपरण करने वाली लिखत की एक प्रति के साथ)

(..... वर्ग (वर्गों) में संख्या (संख्याओं) के अधीन रजिस्ट्रीकृत।)

व्यापार चिह्न (चिह्नों) के विषय में—

* (i) द्वारा, जो कि निम्नलिखित माल या सेवाओं ³ के बारे में ⁴ (उसके नाम में रजिस्ट्रीकृत) और (उसके द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले) उस व्यापार चिह्न (चिह्नों) का स्वत्वधारी है जो साथ लगे मामले के कथन में दर्शित है ⁴ को निम्नलिखित माल या सेवाओं के बारे में, में बेची जानी है या जिनका अन्यथा व्यवसाय किया जाना है) और ⁴ को निम्नलिखित सब माल या सेवाओं के बारे में, जो बेची जानी है या अन्यथा जिनका व्यापार किया जाना है) उन सब परिस्थितियों में जो कि साथ लगे मामले के कथन में पूर्णतः कथित हैं, व्यापार चिह्न (चिह्नों) का प्रस्थापित समनुदेशन करने वाले वांस्ते रजिस्ट्रार के अनुमोदन के लिए आवेदन किया जाता है।

* (ii) ⁷ ----- द्वारा, जो कि यह दावा करता है कि साथ लगे मामले के कथन में दर्शित व्यापार चिह्न निम्नलिखित माल या सेवाओं अर्थात् ----- के बारे में था/थे और ⁸ ----- 20. ----- के ----- के दिन को उसे (iii) ⁹ ----- के माध्यम द्वारा जो कि उसका हक्क पूर्वाधिकारी था) ¹⁰ ----- द्वारा या से, जिसके द्वारा व्यापार चिह्न का उपयोग तब निम्नलिखित माल या सेवाओं अर्थात् ----- के बारे में उन सब परिस्थितियों में जो कि साथ लगे मामले के कथन में पूर्णतः कथित है, किया जाता था, पूर्वोक्त पारेषण के लिए रजिस्ट्रार के अनुमोदन के लिए आवेदन किया जाता है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं।

तारीख -----

"-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

12 ----- में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

* या तो पैरा (i) या पैरा (ii) काट दीजिये।

1. अरजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्नों की दशा में काट दें।
2. स्वत्वधारी का नाम और पता भरिये।
3. जो लागू न हो उसे काट दीजिये।
4. प्रस्थापित समनुदेशिनी (समनुदेशितियों) का नाम (के नाम) और पता(ते) भरिये।
5. भारत में के स्थान (स्थानों) का नाम (के नाम) भरिये।
6. यदि अपेक्षित न हो तो कोष्ठकबद्ध पैरा को काट दीजिये।
7. जो व्यक्ति अपने लिए पारेषण का दावा करता है उसका नाम और पता भरिये।
8. पारेषण की तारीख अन्तःस्थापित कीजिये।
9. यदि कोई हक्क पूर्वाधिकारी हो तो उसका नाम और पता भरिये।
10. जिस व्यक्ति ने पारेषण किया है, उसका नाम और पता भरिये।
11. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
12. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये।

(नियम 4 देखिए)

प्ररूप व्या. चि.—20

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : पहले चिह्न के लिए 2500 रु और प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए 500 रु।

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

कारबार की गुडविल से संबद्ध से अन्यथा, व्यापार चिह्नों के समनुदेशन का विज्ञापन निकालने के लिए निदेशों के लिए आवेदन

1 धारा 42, नियम 74 (i)

(दो प्रतियों में फाइल किया जाए)

उस कारबार की जिसमें निम्नलिखित व्यापार चिह्नों का उपयोग किया जा चुका था/किया गया था,² गुडविल से संबद्ध से अन्यथा उन व्यापार चिह्नों के समनुदेशन का विज्ञापन कराने के विषय में रजिस्ट्रार के निदेशों के लिए¹ ————— द्वारा आवेदन किया जाता है।

*(i) रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न :

रजिस्ट्रीकरण संख्या

वर्ग

वे माल या सेवाएं जिनके बारे में चिह्न का उपयोग किया जा चुका है या हुआ है और जिनको समनुदेशित किया गया है

.....

ये सब —————³ के नाम में, जो समनुदेशक है, रजिस्ट्रीकृत किए गए हैं या किए गए थे।

*(ii) ⁴ वे अरजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न, जो सभी ऐसे चिह्न हैं, जिनका उपयोग³ ————— के ————— द्वारा जो कि समनुदेशक है, अपने कारबार में माल या सेवाओं के बारे में किया जा चुका था या किया जाता था।²

*(i) चिह्न की समाप्ति —————

वे माल या सेवाएं जिन के बारे में चिह्न का उपयोग किया जा चुका है या किया जाता है और जिनको समनुदेशित किया गया है

समनुदेशन की तारीख 20 ————— के ————— मास का ————— दिन था।

समनुदेशन को प्रभावित करने वाली लिखत उसकी एक प्रति सहित इसके साथ भेजी जा रही है।

यह सुझाव दिया जाता है कि विज्ञापन निकालने का निदेश निम्नलिखित में अर्थात् ————— में दिया जाये।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

तारीख —————

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

⁶ ————— में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

जिन अतिरिक्त चिह्नों रजिस्ट्रीकरण संख्याओं के लिए स्थानाभाव है, उन्हें हस्ताक्षरित अनुसूची में इस प्ररूप की पीठ पर दिया जा सकेगा।

1. समनुदेशिनी (आवेदक) का नाम, राष्ट्रीयता और पता भरिये।
2. जो शब्द लागू नहीं हैं उन्हें काट दीजिये।
3. स्वत्वधारी (समनुदेशक) का नाम, राष्ट्रीयता और पता भरिये।
4. केवल ऐसे अरजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न यहां लिखिये जो एक समनुदेशन से ही संक्रांत होते हैं और एक ही कारबार में और उन्हीं माल या सेवाओं के लिए उपयोग में आते हैं, जिनके लिए रजिस्ट्रीकृत चिह्नों में से एक या अधिक रजिस्ट्रीकृत हुए हैं।
5. आवेदक या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।
6. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये ————— नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या. चि.—21

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : 1, 2 या 3 मास के विस्तार के लिए क्रमशः 500 रु., 1000 रु. या 1500 रु.।

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

कारबार की गुडविल से संबद्ध से अन्यथा, व्यापार चिह्नों के समनुदेशन का विज्ञापन निकालने के लिए रजिस्ट्रार के निदेशों के वास्ते आवेदन करने का समय बढ़ाने के लिए आवेदन [धारा 42, नियम 74 (3)]

उस कारबार की जिस में व्यापार चिह्नों 'का उपयोग (किया जा चुका था)/(किया गया था) गुडविल से संबद्ध से अन्यथा निम्नलिखित व्यापार चिह्नों के समनुदेशन का विज्ञापन निकालने के वास्ते रजिस्ट्रार के निदेशों के लिए आवेदन करने का '----- मास/मासों का समय बढ़ाने के लिए -----' द्वारा आवेदन किया जाता है, अर्थात्—

(1) रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न

रजिस्ट्रीकृत संख्या

वर्ग

वे माल और सेवाएं जिन के बारे में चिह्न का उपयोग किया जा चुका है या हो रहा है और जिन्हें समनुदेशित किया गया है।

ये सभी ----- के '----- के नाम में, जो समनुदेशक है, रजिस्ट्रीकृत हैं या थे।

(11) अरजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न, जो सभी ऐसे चिह्न हैं, जिनका उपयोग ----- के '----- द्वारा, जो कि समनुदेशक है, अपने कारबार में निम्नलिखित माल या सेवाओं के बारे में (किया जा चुका है)' (किया गया था)

*चिह्न की समाप्ति

वे माल या सेवाएं जिन के बारे में चिह्न का उपयोग किया जाता रहा है या किया जाता है और जिन्हें समनुदेशित किया गया है।

समनुदेशन करने की तारीख ----- थी।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी—

तारीख-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

----- में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

*जिन अतिरिक्त चिह्नों और रजिस्ट्रीकरण संख्याओं के लिए स्थानाभाव है, उन्हें हस्ताक्षरित अनुसूची में इस प्ररूप की पीठ पर दीजिये।

1. समनुदेशित (आवेदक) का नाम और पता भरिये।
2. "एक" या "दो" या "तीन" भरिये।
3. जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दीजिये।
4. स्वत्वधारी (समनुदेशक) का नाम और पता भरिये।
5. आवेदक या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।
6. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय का नाम और स्थान भरिये — (नियम 4 देखिए।)

प्ररूप व्या. वि.—22

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 2500 रु.।

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

अनन्य रूप से अंकों या अक्षरों से युक्त वस्तु व्यापार चिह्न को रजिस्टर करने के लिए आवेदन।

धारा 18 (1), 25(5) नियम 144 और 145

(व्यापार चिह्न की पांच अतिरिक्त समाकृतियों के साथ तीन प्रतियों में भरा जाए)

एक समाकृति को इस स्थान के भीतर चिपकाया जाए और अन्य पांच को पृथक् रूप में भेजा जाए।

बड़े आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकेगा किन्तु तब उसे किसी वस्तु या अन्य समुचित सामग्री के ऊपर लगाया जाएगा और यहां चिपकाया जाएगा। नियम 28 देखिए।

1. _____ की बाबत _____ 'वर्ग' में साथ लगे व्यापार चिह्न के, रजिस्टर में '_____ के नाम (नामों)' में है, जिसका (जिनका) पता _____ है, और ⁷ उक्त माल की बाबत उसका स्वत्वधारी होने का दावा करता है (करते हैं) ⁸ [और जिसके (जिनके) द्वारा उक्त चिह्न का उपयोग प्रस्तावित है ⁶ या [और जिसके (जिनके) द्वारा और उसके (उनके) हक पूर्वाधिकारी) पूर्वाधिकारियों द्वारा उक्त चिह्न तारीख _____ 20_____ से निरंतर उपयोग किया जा रहा है] रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है।

9. _____

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

10. _____

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

तारीख—_____ 20

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

_____ में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का कार्यालय

1. जो आवश्यक न हो उसे काट दें। आवेदक या उसके अधिकर्ता द्वारा प्रस्तुत सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित अतिरिक्त समाकृति पर चिह्न, नाम, आवेदक का पता, माल या सेवाओं का वर्णन, पांचवी अनुसूची में उल्लिखित वस्तु माल की मद, व्यापार चिह्न के उपयोग की अवधि, व्यापार का वर्णन और भारत में तामील के लिए पता होना चाहिए।

2. यदि माल या सेवा का वर्णन ज्ञात नहीं है तो रजिस्ट्रार का निर्देश लिया जा सकेगा।

3. अनन्य रूप से अक्षरों या अंकों या उनके किसी समुच्चय से युक्त वस्तु माल के मर्दों को विनिर्दिष्ट करें जिनके संबंध में आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं की बाबत एक पृथक् शीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः देवनागरी लिपि के 500 से अनधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपये प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25 (16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक का है वहां आवेदक की, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन अवश्य करेगा।

4. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाठ्य रूप से अंतःस्थापित करें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भगीदारों के नामों और व्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो, प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए, (नियम 16 देखिए)।

5. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान के पते का यदि कोई हो, कथन अवश्य करना चाहिए। (नियम 3 और 17 देखिए) यदि आवेदक ऐसे माल में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया जाना है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल में कारबार चला रहा है, जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित है, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और उस स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। तथापि, यदि, आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चला रहा है, किन्तु अन्य माल में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता हो तो उस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं चला रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में निवास स्थान के अतिरिक्त, यदि चाहे तो ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी (नियम 19 देखिए)। जहां आवेदक के पास भारत में ना तो कारबार का स्थान है और ना ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामिल के लिए पता देना चाहिए।

6. यदि चिह्न पहले से ही उपयोग में है तो काट दें।

7. यदि लागू नहीं है तो शब्दों को काट दें। यदि हक पूर्वाधिकारी (पूर्वाधिकारियों) द्वारा उपयोग का दावा किया गया है तो ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) के नाम (नामों) का, आवेदक द्वारा स्वयं आरंभ करने की तारीख के साथ कथन किया जाना चाहिए।

8. यदि 3 में विनिर्दिष्ट माल की बाबत व्यापार चिह्न का कोई उपयोग नहीं किया गया है तो माल की ऐसी मदों का, जिनकी बाबत चिह्न को वास्तव में उपयोग किया गया है, कथन किया जाना चाहिए।

9. अतिरिक्त मामले के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्यथा खाली छोड़ दें। यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंगों का कथन करें। यदि चिह्न त्रिआयामी व्यापार चिह्न है तो उस आशय का कथन किया जाना चाहिए [नियम 25 और (29) देखिए]।

10. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न) अभिकर्ता या आवेदक के अनन्य और नियमित नियोजन में कोई व्यक्ति (धारा 123 देखिए)।

11. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का कथन करें (नियम 4 देखिए)।

प्रारूप व्या. चि.-23

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 27 और 28 देखिए

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

हक के एक ही न्यागमन पर व्यापार चिह्नों के पश्चात्तवर्ती स्वत्वधारी के रूप में अन्तरिती का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और अन्तरिती द्वारा संयुक्त प्रार्थना (धारा 45, नियम 68)

हम¹ _____ और² _____ नियम 68 के अधीन यह प्रार्थना करते हैं कि⁵—
 _____ में _____⁴ के रूप में कारबार करने वाले³ _____ का नाम
 व्यापार चिह्न रजिस्ट्र में _____ वर्ग के संख्या (संख्याओं) वाले चिह्न व्यापार (चिह्नों)⁶ _____ के
 स्वत्वधारी के रूप में⁷ _____ तारीख से _____⁸ की सामर्थ्य से, जिसकी मूल और अभिप्रमाणित प्रति

इसके साथ संलग्न है, प्रविष्टि किया जाए।

व्यापार चिन्ह का समनुदेशन उस कारबार से, जिसमें चिन्ह का उपयोग किया⁹ (गया था) (हुआ था) गुडविल से संबद्ध से अन्यथा (नहीं) किया गया था (और इसके साथ समनुदेशन का विज्ञापन करने के वास्ते रजिस्ट्रार के निदेश की प्रति, निदेशों के अनुपालन में हुए विज्ञापनों में से प्रत्येक की एक प्रति और जिन प्रकाशनों में वे प्रकाशित हुए थे उन के अंकों की तारीखों का विवरण पत्र भेजा जाता है।)

यह घोषणा करते हैं कि इसमें कथित तथ्य और बातें हमारे सर्वोत्तम ज्ञान, जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख -----

10 -----

सेवा में,

समनुदेशक के हस्ताक्षर

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार

11 -----

अन्तरिति के हस्ताक्षर

-----¹²

हस्ताक्षरकर्ताओं के नाम स्पष्ट अक्षरों में

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी, या अन्य समनुदेशक या पारेपक का पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता।
2. अन्तरिति का पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता।
3. अन्तरिति का नाम।
4. अन्तरिति (की आजीविका या वृत्ति) का अभिवर्णन।
5. अन्तरिति का भारत में कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो पता। यदि भारत में कारबार का कोई स्थान नहीं है तो भारत में निवास के स्थान का पता लिखें यदि भारत में निवास का भी स्थान नहीं है तो विदेश में उसके अपने देश का पता लिखें और भारत में तामील के लिए पता लिखें।
6. अतिरिक्त संख्या प्रारूप की पीठ पर हस्ताक्षरित अनुसूची में दी जा सकेंगी।
7. स्वत्वधारिता के अर्जन की तारीख।
8. यदि समनुदेशन या पारेपण की कोई लिखत है तो उसकी पूर्ण विशिष्टियां या मामले का कथन।
9. जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दीजिये।
10. समनुदेशन या पारेपक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
11. अन्तरिति या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
12. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये (नियम 4 देखिये)

प्रारूप व्या. चि.-24

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 27 और 28 देखिए

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

हक के एक ही न्यागमन पर व्यापार चिन्ह या व्यापार चिन्हों के पश्चात्स्वर्ती स्वत्वधारी का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए प्रार्थना। (धारा 45, नियम 68)

मैं (हम)¹ ----- यह प्रार्थना करता हूँ¹ करते हैं कि मेरा/हमारा नाम, ----- वर्ग में

संख्या (संख्याओं)² वाले व्यापार चिह्न (चिह्नों) के स्वत्वधारी के रूप में तारीख³ से व्यापार चिह्न रजिस्टर में प्रविष्ट कर लिया जाए।

में (हम)⁴ के समर्थ से, जिसकी मूल प्रति और अभिप्रमाणित प्रति इसके साथ संलग्न है, व्यापार चिह्न (चिह्नों) के लिए हकदार हूँ/हैं।

व्यापार चिह्न का समनुदेशन उस कारबार के, जिसमें चिह्न का उपयोग किया गया था (हुआ था) गुडविल से संबद्ध से अन्यथा (नहीं) किया गया था⁵। (और इसके साथ समनुदेशन का विज्ञापन करने के वास्ते रजिस्ट्रार के निदेश की प्रति, निदेशों के अनुपालन में हुए विज्ञापनों में से प्रत्येक की एक प्रति और जिन किन्हीं प्रकाशनों में वे निकले थे उनके अंकों की तारीखों का विवरण पत्र भेजा जाता है)।

में (हम) घोषणा करता हूँ/करते हैं कि इसमें कथित तथ्य और बातें मेरे (हमारे) सर्वोत्तम ज्ञान, जानकारी, या विश्वास के अनुसार सत्य है। आवेदन में संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

हस्ताक्षर

में

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. आवेदक का पूरा नाम, भारत में कारबार के मुख्य स्थान का, यदि कोई हो, पता, आवेदक की राष्ट्रीयता और वर्णन भरिये। यदि भारत में कारबार का कोई स्थान नहीं है, तो भारत में निवास के स्थान का यदि कोई हो, पता भरिये। यदि भारत में निवास का भी कोई स्थान नहीं है तो विदेश में उसके अपने देश में का पता और भारत में तामील के लिए पता भरिये।
2. अतिरिक्त संख्याएं प्ररूप की पीठ पर हस्ताक्षरित अनुसूची में दी जा सकेंगी।
3. स्वत्वधारिता के अर्जन की तारीख भरिये।
4. यदि समनुदेशन या पारेषण की कोई लिखत है तो उसकी पूर्ण विशिष्टियां या मामले का कथन भरिये।
5. जो शब्द लागू न हो उन्हें काट दीजिये।
6. अन्तरिती या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।
7. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये—नियम 4 देखिये।

प्ररूप व्या. चि.-25

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 2, 4 या 6 मास के विस्तार के लिए क्रमशः 500, 1000 या 1500 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

किसी कंपनी का नाम व्यापार चिह्न के पश्चात्स्वती स्वत्वधारी के रूप में रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत करने के लिए समय ब्रह्माने के लिए धारा 46(4) के अधीन आवेदन

.....¹ (नियम 79) द्वारा, आवेदक (आवेदकों) के धारा 46 की उपधारा (1) का अनुपालन करने पर रजिस्ट्रीकृत निम्नलिखित व्यापार चिह्न (चिह्नों) के स्वत्वधारी के रूप में³ का नाम, रजिस्ट्रीकृत करने के लिए, जो एक ही समनुदेशन के बल पर हुआ है, धारा 46(4) और नियम 79 द्वारा अनुज्ञात छह मास की अवधि का² मास द्वारा समय विस्तार करने के लिए आवेदन किया जाता है।

⁴ रजिस्ट्रीकरण संख्या

वर्ग

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख —————

5 —————

हस्ताक्षर

सेवा में,

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार

स्पष्ट अक्षरों में

————— 6 में

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. आवेदक का नाम और पता भरिये।
2. यहां "दो" या "चार" या "छः" भरिये।
3. पश्चात्कर्ती स्वत्वधारी के रूप में रजिस्ट्रीकृत की जाने वाली कंपनी का नाम भरिये।
4. अतिरिक्त संख्याएं हस्ताक्षरित अनुसूची में प्ररूप की पीठ पर दी जा सकेंगी।
5. हस्ताक्षर
6. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये—नियम 4 देखिये।

प्ररूप व्या. चि.-26

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : 3000 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

रजिस्ट्रार के परिशोधन के लिए या रजिस्ट्रार से व्यापार चिन्ह के हटाने के लिए आवेदन।

(धारा 47 या 57 और नियम 92)

(दो प्रतियों/तीन प्रतियों में मामले के कथन की दो प्रतियों/तीन प्रतियों सहित और उनमें से प्रत्येक की उतनी प्रतियों के साथ जितने कि रजिस्ट्रीकरण के अधीन रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता है, फाइल किया जाये)

————— के नाम में ————— वर्ग में रजिस्ट्रीकृत —————
संख्या वाले व्यापार चिन्ह के विषय में

मैं/(हम)¹ ————— यह आवेदन करता हूँ/करते हैं कि ऊपर वर्णित व्यापार चिन्ह के बारे में रजिस्ट्रार में प्रविष्टि निम्नलिखित रीति में (हटा दी जाये)²(परिशोधित की जाये)।

मेरे (हमारे) आवेदन के आधार निम्नलिखित हैं :—

—————³ व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय रजिस्ट्रार में इस व्यापार चिन्ह के बारे में समुचित कार्यालय

के रूप में प्रविष्ट किया गया है।

प्रश्नास्पद व्यापार चिह्न संबंधित कोई कार्यवाई किसी न्यायालय में लम्बित नहीं है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

तारीख —————

4 —————

हस्ताक्षर

सेवा में,

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

स्पष्ट अक्षरों में

—————³, में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. पूरा नाम, पता और राष्ट्रिकता भरिये। यदि आवेदक का भारत में कारबार का या निवास का कोई स्थान नहीं है तो भारत में तामील के लिए पता दिया जाना चाहिए।
2. जो शब्द लागू न हो उसे काट दीजिये।
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये—नियम 4 देखिये।
4. हस्ताक्षर

प्ररूप व्या. चि. -27

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 500 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

रजिस्टर का परिशोधन करने या रजिस्टर से व्यापार चिह्न के हटाने या रजिस्टर से सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रद्दकरण से संबंधित कार्यवाहियों में मध्यक्षेप करने की इजाजत के लिए आवेदन।

(नियम 94, 133 और 139)

————— वर्ग में ————— के नाम में रजिस्ट्रीकृत संख्या —————
वाले व्यापार चिह्न के विषय में

मैं/हम¹ —————

—————

ऊपर वर्णित व्यापार चिह्न के सम्बंध में रजिस्टर में प्रविष्टि के परिशोधन या हटाने से संबंधित कार्यवाहियों में मध्यक्षेप करने की इजाजत के लिए यह आवेदन करता हूँ/करते हैं।

व्यापार चिह्न में मेरा (हमारा) हित ————— है।

इस कार्यवाही से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

तारीख ————— 20

2 —————

हस्ताक्षर

सेवा में,

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

स्पष्ट अक्षरों में

_____³, में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय.

1. पूरा नाम, पता और राष्ट्रिकता भरिये।
2. हस्ताक्षर।
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये (नियम 4 देखिये)

प्ररूप व्या. चि.-28

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्ट सं० 32 और 33 देखिए

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

रजिस्ट्रीकृत उपयोगिता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन।

(धारा 49 नियम 80)

(रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के बीच लिखित रूप में करार या उसकी समयकत: अधिप्रमाणित प्रति, नियम 80 (1) में वर्णित अन्य दस्तावेज नियम 80 (1) द्वारा यथा अपेक्षित विशिष्टियों और विवरणों का कथन करते हुए शपथपत्र और पूर्वोक्त दस्तावेजों में से प्रत्येक की दो प्रतियों के साथ तीन प्रतियों में भरा जाए)

1. _____ द्वारा जो कि _____³ के बारे में _____ वर्ग में रजिस्ट्रीकृत _____ संख्या (संख्याओं)² वाले व्यापार चिह्न (चिह्नों) का (के) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी है (हैं) और _____ द्वारा यह आवेदन किया जाता है कि उक्त _____ को ऊपर वर्णित _____ के बारे में रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न (चिह्नों) के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रूप में निम्नलिखित शर्तों और निर्बन्धनों के अधीन रहते हुए रजिस्ट्रीकृत कर लिया जाये _____⁷ _____⁸ (प्रस्थापित अनुज्ञात उपयोग का अंत 20 _____ के _____ मास के _____ दिन को होना है)

(प्रतिस्थापित अनुज्ञात उपयोग समय सीमा के बिना है)

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तांरीख _____

9 _____

10 _____

“हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

मेवा में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

_____ ¹² में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत/स्वत्वधारी का पूरा नाम, पता और राष्ट्रिकता भरिये।
2. अतिरिक्त संख्याएं हस्ताक्षरित अनुसूची में प्ररूप की पीठ पर दी जा सकेंगी।
3. जैसा विनिर्देश रजिस्टर में है, वैसा यहां दीजिए।
4. यह प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का पूरा नाम, अभिवर्णन (आजीविका या उपजीविका), राष्ट्रिकता और भारत में कारबार के मुख्य स्थान का पता, यदि कोई हो, भरिये। यदि भारत में कारबार का कोई स्थान नहीं है, तो भारत में निवास के स्थान का पता, यदि

कोई हो, भरिये। यदि भारत में निवास का कोई स्थान भी नहीं है तो विदेश में उसके अपने देश में का पता और भारत में तामील के लिए पता भरिये।

5. प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का नाम भरिये।
6. माल या सेवाओं का नाम भरिये (जो कि विनिर्देशन में दिए गए लक्षणों और वस्तुओं से युक्त होनी चाहिए।)
7. यदि कोई शर्त या निर्बंधन नहीं है तो कुछ भी न लिखिये।
8. जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दीजिये।
9. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
10. प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
11. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये—(नियम 4 देखिये)

प्ररूप व्या. चि.-29

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं० 34 देखिए

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रजिस्ट्रीकरण में माल या सेवाओं या शर्त या निर्बंधन के बारे में परिवर्तन करने के लिए व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन।

[धारा 50(1)(क) नियम 87]

(आवेदन के लिए आधारों के कथन) की तीन प्रतियों और रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता की लिखित सम्मति (यदि दी गई हों) की तीन प्रतियों के साथ यह तीन प्रतियों में फाइल किया जाये।

1 द्वारा जो कि³ के बारे में वर्ग में² संख्या /संख्याओं वाले व्यापार चिन्ह (चिन्हों) के स्वत्वधारी के रूप में रजिस्ट्रीकृत है, यह आवेदन किया जाता है कि⁴ बारे में उपर वर्णित व्यापार चिन्ह (चिन्ह) के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता के रूप में⁵ का रजिस्ट्रीकरण निम्नलिखित रीति में परिवर्तित किया जाए :—

⁶—इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख.....

7

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार

—, में

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का पूरा नाम और पता भरिये।
2. अतिरिक्त संख्याएं हस्ताक्षरित अनुसूची में प्ररूप की पीठ पर दी जा सकेंगी।
3. जैसा विनिर्देश रजिस्टर में है, वैसा यहां दीजिए।

4. रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का पूरा नाम और पता भरिये।
5. उस माल या सेवा को यहां लिखिये जिसके बारे में रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का रजिस्ट्रीकरण किया गया है।
6. वह रीति लिखिये जिसमें प्रविष्टि परिवर्तित की जानी चाहिए।
7. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
8. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये—नियम 4 देखिए।

. प्ररूप व्या. चि.-30

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं० 35 देखिए

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

¹व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता की प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा या व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ताओं में से किसी के द्वारा आवेदन।

[धारा 50(1)(ख) नियम 88(1)।]

(आवेदन के लिए आधारों के तीन प्रतियों में कथन के साथ यह तीन प्रतियों में फाईल किया जाए)।

1. द्वारा जो कि⁴ के बारे में वर्ग में रजिस्ट्रीकृत³संख्या /संख्याओं वाले व्यापार चिन्ह (चिन्हों) का (रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी)² (रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता) है,-----⁶के बारे में व्यापार चिन्ह (चिन्हों के रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता के रूप में-----को)⁵ के ऊपरवर्णित रजिस्ट्रीकरण (रजिस्ट्रीकरणों) में की प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए आवेदन किया जाता है।

इस आवेदन के लिए आधार साथ वाले कथन में उपवर्णित है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी:—

तारीख.....

7.

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार व्यापार चिन्ह

-----⁸,

में व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. आवेदक का या आवेदकों के पूरा/पूरे नाम और पता/पते भरिये।
2. जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।¹
3. अतिरिक्त संख्याएं हस्ताक्षरित अनुसूची में प्ररूप के पीछे दी जा सकती हैं।
4. जैसा रजिस्टर में है, वैसा विनिर्देश दें।
5. जिस रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता विषयक प्रविष्टि को रद्द करना चाहा गया है, उसका पूरा नाम और पता दें।
6. वह माल या सेवाएं लिखित जिसकी बाबत 6 में उल्लिखित रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता रजिस्ट्रीकृत है।
7. हस्ताक्षर।
8. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिए।

प्ररूप व्या. चि.-31

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 36 देखिए

अधिकर्ता का कोड सं.

स्वत्वधारी का कोड सं.

व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता विषयक प्रविष्टि को रद्द किए जाने के लिए आवेदन।

धारा 50 (1) (ग) 50(1) (घ), नियम 88 (1)।

(आवेदन के लिए आधारों के तीन प्रतियों में कथन के साथ यह तीन प्रतियों में फाइल किया जाए)।

2-----के नाम में-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत-----संख्या/संख्याओं वाले व्यापार चिह्न (चिह्नों) के विषय में 5-----के बारे में व्यापार चिह्न/चिह्नों के रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता के रूप में-----की जो प्रविष्टि ऊपर उल्लिखित रजिस्ट्रीकरण (रजिस्ट्रीकरणों) में है उसको रद्द करने के लिए-----³ द्वारा आवेदन किया जाता है।

इस आवेदन के आधार, जिनकी विशिष्टियां मामले के साथ वाले कथन में ब्यौरे से दी गई हैं,⁶-----हैं।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

तारीख :

7-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

-----⁸ में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय।

1. अतिरिक्त संख्याएं हस्ताक्षरित अनुसूची में प्ररूप के पीछे दी जा सकती हैं।
2. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम भरिये।
3. रद्द करने वाले आवेदक का नाम, पता और उसकी राष्ट्रीयता भरिये।
4. रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का वह नाम, पता और वर्णन जो रजिस्टर में प्रविष्टि किया गया है उसे यहां भरिये।
5. रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का जिस माल या सेवाओं की बाबत रजिस्ट्रीकरण हुआ है, वह माल या सेवा लिखिये।
6. धारा 50(1) के खंड (ग) के उपखंडों में से एक या अधिक उपखंड यहां लिखें।
7. हस्ताक्षर।
8. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये।

नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या. चि.-32

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 500 रु.

अधिकर्ता का कोड सं.

स्वत्वधारी का कोड सं.

व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता विषयक प्रविष्टि को परिवर्तित या रद्द करने के लिए कार्यवाहियों में मध्यक्षेप करने के आशय की सूचना [नियम 90(2)]

(मध्यक्षेप करने के आधारों के तीन प्रतियों में कथन के साथ यह तीन प्रतियों में फाइल किया जाए)।

1-----के नाम में-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत संख्या-----वाले व्यापार चिह्न के बारे में।

और

चिह्न के रजिस्ट्रीकृत उपभोक्ता के रूप में तदधीन-----²के रजिस्ट्रीकरण के विषय में।

मैं/हम ³-----उपर्युक्त विषय संबंधी कार्यवाहियों में मध्यक्षेप करने के अपने आशय की सूचना देता हूँ/देते हैं।

इन कार्यवाहियों के संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

तारीख:

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

-----में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का कार्यालय।

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम भरिये।
2. रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का नाम और पता भरिये।
3. सूचना देने वाले व्यक्ति का पूरा नाम, पता और उसकी राष्ट्रीयता भरिये।
4. सूचना देने वाले व्यक्ति के या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
5. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये।

नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या. चि.-33

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 38 और नीचे पाद टिप्पण देखिए।

अभिकर्ता का कोड सं.

स्वत्वधारी का कोड सं.

व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी (या रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता) का नाम या वर्णन परिवर्तित करने के संबंध में रजिस्टर में प्रविष्टि करने के लिए प्रार्थना

धारा 58, नियम 91 और 97 ।

मैं/हम ¹-----प्रार्थना करता हूँ/करते हैं कि मेरा/हमारे नाम और वर्णन-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत संख्या ³-----वाले व्यापार चिह्न/चिह्नों के स्वत्वधारी (धारियों)/रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता (उपयोक्ताओं)² के रूप में व्यापार चिह्न रजिस्टर में प्रविष्टि किया जाए/किये जायें।

मैं (हम-----उक्त व्यापार चिह्न⁴ के लिए) रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता (उपयोक्ताओं) के रूप में उक्त व्यापार चिह्न³ का उपयोग करने के लिए हकदार हूँ/हैं।

उक्त व्यापार चिह्न की वास्तविक स्वत्वधारिता में ²उसके रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता/उपयोक्ताओं के रूप में परिवर्तन-----⁴के सिवाय नहीं है।

जो प्रविष्टि इस समय रजिस्टर में विद्यमान है, उसमें मेरा/हमारे नाम और वर्णन निम्नलिखित रूप में है

इस अनुरोध की एक प्रति की तामील रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता (उपयोक्ताओं) स्वत्वधारी (स्वत्वधारियों)⁵ पर कर दी गई है।

इस आवेदन से संबंधित समस्त संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख :

.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

.....⁷ में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय।

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का वर्तमान नाम और पता भरिये।
2. जो शब्द लागू न हों, उसे काट दें।
3. अतिरिक्त संख्याएं हस्ताक्षरित अनुसूची में प्ररूप की पीठ पर दी जा सकती हैं।
4. वे परिस्थितियां लिखें जिनमें नाम में परिवर्तन हुआ है।
5. यदि लागू न हो, तो काट दें।
6. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
7. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें।

नियम 4 देखिए।

पाद टिप्पण : फीस प्रथम चिह्न के लिए 1,000 रुपए, प्रत्येक अतिरिक्त सम्बद्ध चिह्न के लिए 500 रुपए, तथापि जहां कि नाम के बदलने या परिवर्तन के लिए आवेदन लोक प्राधिकारी के आदेश के फलस्वरूप या भारत में विधि के अनुसार, कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप किया जाता है, वहां कोई फीस देय नहीं होगी।

प्ररूप व्या. चि.-34

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 39 और निम्न पाद टिप्पण देखिए।

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

व्यापार चिह्न रजिस्टर में कारबार के भारत में मुख्य स्थान के या भारत में निवास के पते को या विदेश में उसके अपने देश में के पते में परिवर्तन करने के लिए प्रार्थना।

धारा 58, नियम 91, 96 और 97 ।

..... वर्ग में रजिस्ट्रीकृत.....¹ संख्या/संख्याओं वाले व्यापार चिह्न/चिह्नों के विषय में
.....में/हम जो उपर्युक्त संख्यांकित व्यापार
चिह्न/(चिह्नों) का/के रजिस्ट्रीकृत² स्वत्वधारी हूँ/हैं, प्रार्थना करता हूँ/करते हैं कि भारत में मेरे/हमारे कारबार³ (या निवास)
उपयोक्ता

के मुख्य स्थान का पता² या विदेश में के उस देश का मेरा (हमारा) पता बदल कर कर दिया जाए।

20..... के माम के वें दिन को⁴
ने पते के परिवर्तन के लिए आदेश दिया था। आदेश की शासकीय रूप से प्रमाणित प्रति इसके साथ संलग्न है।

इस प्रार्थना की एक प्रति की तामील रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी पर हो चुकी है।

उपयोक्ता

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख :

5.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

.....⁶ में के व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का कार्यालय।

1. अतिरिक्त संख्याएं हस्ताक्षरित अनुसूची में प्ररूप की पीठ पर दी जा सकती हैं।
2. जो शब्द लागू न हों, उसे/उन्हें काट दें।
3. जो लागू न हो, तो काट दें।
4. परिवर्तन का आदेश देने वाले लोक प्राधिकारी का नाम और आदेश की तारीख भरिये।
5. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

उपयोक्ता

6. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें।

नियम 4 देखिए।

पाद टिप्पण : फीस प्रथम चिह्न के लिए 500 रुपए, प्रत्येक अतिरिक्त सम्बद्ध चिह्न के लिए 200 रुपए, किन्तु उस दशा में जिसमें परिवर्तन भारत में लोक प्राधिकारी के आदेश के फलस्वरूप किया गया है, कोई फीस देय नहीं होगी।

प्ररूप व्या. चि.-35

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 200 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

रजिस्टर में व्यापार चिह्न विषयक प्रविष्टि को रद्द कराने के लिए उसके रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन।

धारा 58 (1)(ग), नियम 97

.....वर्ग के.....संख्या वाले व्यापार चिह्न के विषय में रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नामरजिस्टर में यथा प्रविष्टि पता.....

पूर्वोक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन किया जाता है कि.....वर्ग में व्यापार चिह्न संख्याके व्यापार चिह्न रजिस्टर में प्रविष्टि को रद्द कर दिया जाए।

2. 'रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता/उपयोक्ताओं पर आवेदन की एक प्रति की तामील की जा चुकी है।
इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—
तारीख :

2.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार व्यापार चिह्न,

-----³ व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय।

1. यदि लागू न हो, तो काट दें।
2. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें।

नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या. चि.-36

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 200 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं.:

जिन माल या सेवाओं के लिए व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकृत किया जा चुका है उनमें से किसी माल के काटने के लिए व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का आवेदन। [धारा 58 (1)घ, नियम 97]

व्यापार चिह्न सं.----- के विषय में रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता-----

जिन माल या सेवाओं के लिए व्यापार चिह्न संख्या-----वर्ग-----

रजिस्ट्रीकृत की गई है उनमें से 1-----के काटने के लिये पूर्वोक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन किया जाता है।

² इस आवेदन की एक प्रति की तामील रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता/उपयोक्ताओं पर की जा चुकी है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख :

1-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार व्यापार चिह्न,

----- ' 4 में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय ।

1. जो माल या सेवा काटी जाती है, उसका नाम दें।
 2. यदि लागू न हों, उसे काट दें।
 3. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
 4. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें:—
- नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या. चि.-37

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 7 देखिए।

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं.:

कन्वेंशन देश से किसी वर्ग या विभिन्न वर्गों के माल या सेवाओं (सामूहिक चिह्न या प्रमाणपत्र व्यापार चिह्न से भिन्न) के शृंखला व्यापार चिह्नों के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन। [धारा 154(2) और 15(3) नियम 25 (11), 26 और 31]

(व्यापार चिह्न के पांच अतिरिक्त समाकृतियों के साथ तीन प्रतियों में भरा जाए)

एक समाकृति इस खाली स्थान पर चिपकाएं और अन्य पांच समाकृतियां पृथक् रूप से भेजी जाएं। बड़े आकार की समाकृति मोड़ी जा सकती है किन्तु कपड़े पर या अन्य समुचित सामग्री पर अवश्य चिपकाई जाएं और इसके साथ लगाएं (नियम 28 देखिए)

2-----की बाबत 1-----वर्ग में साथ लगे व्यापार चिह्न के रजिस्टर में 3-----
के नाम (नामों) में, जिनका पता.....4-----है और उक्त माल या सेवाओं की बाबत जो उसका (उनके) स्वत्वधारी होने का दावा करता है (करते हैं) (और जिसके द्वारा उक्त चिह्न में शीर्षक 6 में उपयोग किया जाना प्रस्तावित है) या (और जिसके द्वारा और उसके पूर्ववर्ती द्वारा उक्त चिह्न -----'से निरन्तर उपयोग किया जा रहा है। रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है।

कन्वेंशन देश में व्यापार चिह्न के रजिस्टर के लिए आवेदन-----को किया गया है उस कन्वेंशन देश, जिसमें आवेदन फाइल किया था, के पदाधिकारी द्वारा प्रमाणित एक प्रमाणित प्रति (उसके अंग्रेजी अनुवाद सहित) संलग्न है।

मैं/हम यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि व्यापार चिह्न अधिनियम की धारा 154 के उपबंधों के अधीन कन्वेंशन देश में ऊपर उल्लिखित आवेदन पर आधारित पूर्विक्ता तारीख को रजिस्ट्रीकृत किया जाए।

8-----

9-----

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी:—

तारीख :

10-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

----- 11में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का कार्यालय

1. यदि माल या सेवा का वर्ग ज्ञात नहीं है तो रजिस्ट्रार का निर्देश लिया जा सकेगा।

2. उस वर्ग या वर्गों में उन माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें जिनकी बाबत आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं के लिए पृथक् शीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः 500 से अनधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपए प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25 (16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक का है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले किए गए स्थान पर अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन अवश्य करें।

3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाद्य रूप से अंतः स्थापित करें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और व्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो, प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।

4. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन अवश्य करें। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया जाना है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित हैं, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और उस स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। तथापि, यदि, आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चला रहा है, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता हो तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं चला रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उनके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में निवास स्थान के अतिरिक्त, यदि चाहे तो ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। (नियम 19 देखिए) जहां आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।

5. यदि चिह्न पहले से ही उपयोग में है तो काट दें।

6. यदि लागू नहीं है तो शब्दों को काट दें। यदि हक पूर्वाधिकारी (पूर्वाधिकारियों) द्वारा उपयोग का दावा किया गया है तो ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) के नाम (नामों) का, आवेदक द्वारा स्वयं आरंभ करने की तारीख के साथ कथन किया जाना चाहिए।

7. यदि 2 में विनिर्दिष्ट माल या सेवाओं की बाबत व्यापार चिन्ह का कोई उपयोग नहीं किया गया है तो माल या सेवाओं की ऐसी मदों का, जिनकी बाबत चिन्ह को वास्तव में उपयोग किया गया है, कथन किया जाना चाहिए।
8. अतिरिक्त मामले के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्यथा खाली छोड़ दें।
9. यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित क्रूरें और रंगों का कथन करें। यदि चिह्न त्रिआयामी व्यापार चिन्ह है तो उस आशय का कथन किया जाना चाहिए [नियम 25 (12) (ड) और (घ) देखिए]।
10. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर [विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अभिकर्ता या आवेदक के अनन्य और नियमित नियोजन में कोई व्यक्ति (धारा 145 देखिए)]।
11. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का कथन करें (नियम 4 देखिए)।

प्रारूप व्या. चि.-38

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस: पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 43 और निम्नलिखित पाद टिप्पण देखिए।

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह में परिवर्धन या परिवर्तन करने के लिए रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा धारा 59(1) के अधीन आवेदन

(नियम 98)

-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत ----- संख्या वाले व्यापार चिन्ह के विषय में ¹----- द्वारा, जो यथा उपर्युक्त संख्यांकित रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह का/के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी है/हैं, उक्त व्यापार चिन्ह में निम्नलिखित विशिष्टियां परिवर्धित या परिवर्तित करने के लिए आवेदन किया जाता है, अर्थात् -----

चिन्ह की उन रूपवाली पांच प्रतियां इसके साथ फाइल की जाती हैं जैसा कि वह ऐसे परिवर्तित कर दिए जाने पर होगा।

इस आवेदन की ² एक प्रति और ऐसे चिन्ह की प्रति की तामील रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता (उपयोक्ताओं) पर पहले ही कर दी गई है जैसा कि वह ऐसे परिवर्तित कर दिए जाने पर होगा।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी:—

तारीख :

⁴-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार व्यापार चिन्ह,

-----⁵ में व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय।

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता भरिये।
2. पूरी विशिष्टियां भरिये।
3. यदि लागू न हों, तो काट दें।
4. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

5. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें:—

नियम 4 देखिए।

टिप्पण : फीस 2500 रुपए : सम्बद्ध व्यापार चिन्हों की दशा में प्रथम रजिस्ट्रीकरण के लिए फीस 2500 रुपए; प्रत्येक अतिरिक्त रजिस्ट्रीकरण के लिए 1000 रुपए। तथापि, उस दशा में, जिसमें कि चिन्ह परिवर्धन या परिवर्तन लोक प्राधिकारी के आदेश के फलस्वरूप या कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप होता है, कोई फीस देय नहीं है।

प्ररूप व्या. चि.-39

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : 1500 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं.:

रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह में परिवर्धन या परिवर्तन करने के लिए आवेदन के विरोध की सूचना।

धारा 59(2), नियम 99(2)

(तीन प्रतियों में फाइल की जाए)

-----वर्ग में-----के नाम में रजिस्ट्रीकृत-----संख्या

वाले व्यापार चिन्ह के विषय में।

मैं/हम¹-----उक्त संख्यांकित और रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह के परिवर्धन या परिवर्तन का विरोध करने के अपने आशय की सूचना देता हूँ/देते हैं जिससे कि यह उस प्ररूप में होगा जैसा कि 2000 के-----मास के-----दिन के अंक-----वाली व्यापार चिन्ह पत्रिका (जर्नल) के पृष्ठ-----में विज्ञापित आवेदन में विज्ञापित है।

विरोध के आधार निम्नलिखित हैं -----

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री का-----²वाला कार्यालय उस व्यापार चिन्ह के सम्बन्ध में समुचित कार्यालय के रूप में रजिस्टर में प्रविष्ट किया गया है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी -----

तारीख :

³-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिन्ह

-----¹के व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री का कार्यालय।

1. पूरा नाम और पता भरिये। यदि सूचना देने वाले व्यक्ति का भारत में कारबार का या निवास का कोई स्थान नहीं है तो भारत में तामील के लिए पता दिया जाना चाहिए।

2. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें—नियम 4 देखिए।

3. सूचना देने वाले व्यक्ति या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।

प्ररूप व्या. चि.-40

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 1000 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं.:

रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न के स्वत्वधारी द्वारा विनिर्देश में संपरिवर्तन करने के लिए आवेदन।

[नियम 101(1)]

चतुर्थ अनुसूची के..... वर्ग में के नाम में रजिस्ट्रीकृत
..... संख्या वाले व्यापार चिह्न के विषय में।

ऊपर वर्णित रजिस्ट्रीकरण के विनिर्देश को और तद्धीन रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता/उपयोक्ताओं के विनिर्देश (विनिर्देशों)² को संपरिवर्तन करने के लिये, जो संपरिवर्तन व्यापार चिह्न नियम, 2002 की चतुर्थ अनुसूची में हुए संशोधन के परिणामस्वरूप आवश्यक हो गया है, आवेदन ऊपर संख्यांकित व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ¹ द्वारा किया जाता है।

संशोधन से पूर्व, उक्त अनुसूची के अनुसार, रजिस्टर में प्रविष्ट विनिर्देश-----
है/हैं।

यह अनुरोध किया जाता है कि संशोधित अनुसूची के अनुसार, निम्नलिखित विनिर्देशों की प्रस्थापना रजिस्ट्रार करें।

वर्ग

वर्ग

¹ इस आवेदन के प्रति की तामील रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता (उपयोक्ताओं) पर कर दी गई है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी.....

तारीख :

4.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

.....में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय।

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता भरिये।
2. यदि रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता नहीं है तो मोटे अक्षरों वाले शब्दों को काट दें।
3. यदि लागू न हो, तो काट दें।
4. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
5. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें—(नियम 4 देखिए।)

प्ररूप व्या. चि.-41

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 46 देखिए।

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

विनिर्देश संपरिवर्तित करने की प्रस्थापना का विरोध करने की सूचना।

[धारा 60(2) नियम 101(4)]

(यह बात कि प्रस्थापित संपरिवर्तन धारा 60 की उपधारा(1) के प्रतिकूल किस भांति होगा, दर्शित करने वाले कथन की तीन प्रतियों के साथ यह तीन प्रतियों में फाइल किया जाए)।

..... के नाम में चतुर्थ अनुसूची के..... वर्ग में रजिस्ट्रीकृत¹
..... संख्या (संख्याओं) वाले व्यापार चिह्न/चिह्नों के विषय में।

मैं (हम²..... उस (उन) व्यापार चिह्न (चिह्नों) के, जिसका/जिनका विज्ञापन 2000 के मास के वें दिन के अंक वाली व्यापार चिह्न पत्रिका में पृष्ठ पर हुआ था, विनिर्देश(विनिर्देशों) को संपरिवर्तित करने की प्रस्थापना का विरोध करने के अपने आशय की सूचना देता हूँ/ देते हैं।

विरोध के आधार निम्नलिखित हैं
.....

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का³..... वाला कार्यालय व्यापार चिह्न(चिह्नों) के सम्बन्ध में समुचित कार्यालय के रूप में रजिस्टर में प्रविष्ट किया जा चुका है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी
तारीख :

4.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न,

..... में के व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय।

1. एक से अधिक (सम्बद्ध व्यापार चिह्न होने वाले) ऐसे व्यापार चिह्नों की संख्या, जिनकी बाबत एक ही प्रस्थापना की गई है उस दशा में दी जा सकेगी जिसमें विनिर्देश एक ही है और चिह्न सम्बद्ध है।
2. पूरा नाम और पता दीजिये। यदि सूचना देने वाले व्यक्ति का भारत में कारबार का या निवास का कोई स्थान न हो तो भारत में तामील के लिए पता दिया जाना चाहिए।
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये (नियम 4 देखिए)।
4. सूचना देने वाले व्यक्ति के या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर।

प्ररूप व्या. चि.-42

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 47 देखिए।

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं.:

सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न का उपयोग शासित करने वाले जो विनियम निक्षिप्त किये गये हैं उन्हें परिवर्तित करने या संशोधित करने के निक्षिप्त विनियम को परिवर्तित करने के लिए अनुरोध।

[धारा 66 और 74 (2) नियम 132 (क) और 140]

(आवेदन की दो प्रतियां और विनियमों की चार प्रतियां, जिनमें प्रस्थापित संशोधन परिवर्तन लाल रंग में दर्शित हैं, इसके साथ होंगी।)

1-----द्वारा जो कि-----के, बारे
में-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत-----संख्याओं वाले सामूहिक
चिह्न/प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न(चिह्नों)-----का/के स्वत्वधारी है/हैं उक्त चिह्नों के उपयोग को शासित करने
वाले उन विनियमों को, जो निक्षिप्त हैं, उस रूप में संशोधित या परिवर्तित करने के लिए, जैसा कि उनका संशोधित या परिवर्तित किये जाने के लिए
प्रस्थापित रूप उन विनियमों की साथ वाली प्रतियों में लाल रंग में दर्शित किया गया है आवेदन किया जाता है।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

तारीख :

5-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

-----⁶ का व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय।

1. स्वत्वधारी का नाम और पता भरें जैसा कि रजिस्ट्रीकृत है। स्वत्वधिकारियों के नाम और पते भरें जैसे कि रजिस्ट्रीकृत हैं।
2. यदि वे ही विनियम रजिस्टर में सम्बद्ध चिह्नों के रूप में प्रविष्ट सामूहिक चिह्नों या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्नों के एक से अधिक रजिस्ट्रीकरण को लागू होते हैं, तो सभी रजिस्ट्रीकरणों की संख्याएं दी जानी चाहिये।
3. अतिरिक्त संख्याएं और विनिर्देश हस्ताक्षरित अनुसूची की पीठ पर दी जा सकती हैं।
4. क्रमिक रजिस्ट्रीकरणों के विनिर्देश लिखें।
5. हस्ताक्षर।
6. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें (नियम 4 देखिए।)

प्ररूप व्या. चि.-43

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 1000 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं.:

सामूहिक चिह्न के रजिस्टर से हटाए जाने या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण को रद्द या परिवर्तित करने के लिए आवेदन ।

(धारा 68, 77, नियम 133, 139)

(मामले के कथन की तीन-तीन प्रतियों के साथ तीन प्रतियों में फाइल किया जाए)

-----नाम में-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत-----संख्या

वाले सामूहिक चिह्न/प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के विषय में,-----
-----में/हम'-----

परिवेदित व्यक्ति होने के नाते रजिस्ट्रार के इस आदेश के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं कि—

2. ऊपर वर्णित सामूहिक चिह्न/प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न विषयक जो प्रविष्टि रजिस्ट्रार में है उसका 3 विलोप । परिवर्तन निम्नलिखित रीति में कर दिया जाये ।

मेरे (हमारे) आवेदन के आधार निम्नलिखित हैं :—

मामले के कथन में जो इसके साथ भेजा जा रहा है उपवर्णित तथ्य और विषय मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान, जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है ।
इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी ।

तारीख :

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

-----'के व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय ।

1. पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता भरिये । यदि आवेदक का भारत में कारखाना का या निवास का कोई स्थान नहीं है तो भारत में तामील के लिए पता भरा जाना चाहिए । (नियम 18 देखिये)

2. दोनों में से जो पैरा लागू न हो, उसे काट दें ।

3. जो शब्द लागू न हो, उसे काट दें ।

4. यथास्थिति, धारा 68 या धारा 77 के खंड (क) से खण्ड (घ) तक में उपवर्णित आधारों में से किसी को विनिर्दिष्ट करें ।

5. हस्ताक्षर ।

6. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें—नियम 4 देखिए ।

प्रारूप व्या० चि० 44

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : 500 रु०

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

विरोध की सूचना देने के लिए समय बढ़ाने हेतु आवेदन।

[धारा 21(1), नियम 47(6)]

.....संख्या वाले आवेदन के विषय में।

मैं/हम¹.....उस व्यापार चिन्ह के जिसका विज्ञापन 2000 के/की.....मास के.....वें दिन की व्यापार चिन्ह पत्रिका में ऊपर वाली संख्या के अधीन.....वर्ग के वास्ते हुआ था, रजिस्ट्रीकरण का विरोध करने की सूचना देने के लिए.....²का समय बढ़ाने के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं।

यह आवेदन करने के लिए कारण निम्नलिखित हैं—

.....

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी³

.....

तारीख.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में

रजिस्ट्रार, व्यापार चिन्ह,

.....में व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. पूरा नाम और पता भरिये।
2. पत्रिका में आवेदन के यथास्थिति, विज्ञापन या पुनर्विज्ञापन की तारीख से तीन मास के उपरान्त वाली एक भाग से अनधिक वह कालावधि भरिये जितने के लिए समय बढ़ाना अपेक्षित है।
3. केवल तभी लिखा जाना है जब दिया गया पता भारत का पता नहीं है।
4. हस्ताक्षर।
5. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें। (नियम 4 देखिए)

प्रारूप व्या. चि. 45

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : 2500 रु०

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

किसी कनवेंशन देश से अत्यधिक रूप से अक्षर या अंकों वाले टैक्सटाइल व्यापार चिन्ह को रजिस्टर करने के लिए आवेदन।

[धारा 18 (1) और 154 (2), नियम 25 (6), 26, 144 और 145]

(व्यापार चिह्न को पांच अतिरिक्त समाकृतियों के साथ तीन प्रतियों में भरा जाए)

एक समाकृति इस खाली स्थान पर चिपकाएं और अन्य पांच समाकृतियां पृथक् रूप से भेजी जाएं। बड़े आकार की समाकृति मोड़ी जा सकती है किन्तु कपड़े पर या अन्य समुचित सामग्री पर अवश्य चिपकाई जाएं और इसके साथ लगाएं।

(नियम 28 देखिए)

2. -----की बाबत -----¹ वर्ग के साथ लगे व्यापार चिह्न के रजिस्टर में ----- के नाम (नामों) में, जिनका पता ----- है और उक्त माल या सेवाओं की बाबत जो उसका (उनके) स्वत्वधारी होने का दावा करता है (करते हैं) (और जिसके द्वारा उक्त चिह्न में शीर्षक के 6 में उपयोग किया जाना प्रस्तावित है या) और जिसके द्वारा और उसके पूर्ववर्ती द्वारा उक्त चिह्न ----- से निरन्तर उपयोग किया जा रहा है। रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है।

कन्वेंशन देश में व्यापार चिह्न के रजिस्टर के लिए आवेदन ----- को किया गया है उस कन्वेंशन देश, जिसने आवेदन फाइल किया था, के पदाधिकारी द्वारा प्रमाणित एक प्रमाणित प्रति (उसके अंग्रेजी अनुवाद सहित) एक प्रमाणित संलग्न है।

मैं/हम यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि व्यापार चिह्न अधिनियम की धारा 154 के उपबंधों के अधीन कन्वेंशन देश में ऊपर उल्लिखित आवेदन के आधार पर पूर्विक्ता की तारीख से रजिस्ट्रीकृत किया जा सकेगा।

8.

9.

इस आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

तारीख

10.

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम
स्पष्ट अक्षरों में।

सेवा में

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

-----¹¹ में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का कार्यालय

1. यदि माल के वर्ग की जानकारी नहीं है तो रजिस्ट्रार के निदेश अभिप्राप्त किए जा सकते हैं।
2. जिस वर्ग की बाबत आवेदन किया गया है उस वर्ग के लिए वस्तु या सेवाएं विनिर्दिष्ट करें। माल या सेवाओं के व्यौरों वाली एक पृथक् शीट का उपयोग करें। माल या सेवाओं के विनिर्देश सामान्यतः 500 अक्षरों से अधिक नहीं होने चाहिए। 10 रुपये के प्रति अक्षरों के अतिरिक्त स्थान फीस इस सीमा के पश्चात् संदेय नहीं है। नियम 25 (16) देखिए। आवेदक को वहां अधिक अक्षरों की ठीक संख्या बतानी चाहिए। जहां माल या सेवाओं के विनिर्देश हस्ताक्षर करने से ठीक पूर्व, उपलब्ध कराए गए स्थान पर 500 अंक से अधिक है।
3. पूरा नाम, वर्णन (आवेदक का व्यवसाय और उपजीविका तथा राष्ट्रीयता सुपाद्य रूप से भरें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन का देश या फर्म बनाने वाले भागीदारों के नाम और वर्णन तथा रजिस्ट्रीकरण की प्रकृति, यदि कोई हो, लिखी जानी चाहिए। नियम 16 देखिए।
4. यदि आवेदक का भारत में कारबार का मुख्य स्थान है तो उसका पता, यदि कोई हो, दिया जाना चाहिए। नियम 3 और 17 देखिए (यदि आवेदक उस माल या सेवाओं का कारबार करता है जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण भारत में केवल एक स्थान में चाहा गया है) तो ऐसा तथ्य कथित किया जाना चाहिए और स्थान का पता दिया जाना चाहिए। यदि आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों में संयुक्त माल या सेवाओं का कारबार करता है तो आवेदक को यह तथ्य कथित करना चाहिए और कारबार उस स्थान का पता देना चाहिए जिसे वह अपने कारबार का मुख्य स्थान समझता है। तथापि, यदि आवेदक संप्रवृत्त वस्तु या सेवाओं का कारबार नहीं करता है किन्तु अन्य वस्तु या सेवाओं में केवल एक स्थान पर कारबार करता है तो यह तथ्य कथित किया जाना चाहिए और उस स्थान का

पता दिया जाना चाहिए, और जहां कि आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों में ऐसा कारबार करता है वहां ऐसा तथ्य कथित किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता, जिसे कि वह अपने कारबार का मुख्य स्थान समझता है, दिया जाना चाहिए जहां कि आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं करता है वहां यह तथ्य कथित किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। यथास्थिति, भारत में कारबार के या निवास के मुख्य स्थान के अतिरिक्त, आवेदक उस दशा में जिसमें वह ऐसी वांछा करता है, भारत में कोई ऐसा पता दे सकेगा जिस पते से कि आवेदक से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी (नियम 19 देखिए) जहां कि आवेदक का भारत में कारबार या निवास का कोई स्थान नहीं है वहां वह तथ्य कथित किया जाना चाहिए और विदेश में के अपने देश वाले पते के साथ भारत में तामील के लिए पता दिया जाना चाहिए।

5. यदि चिह्न का पहले उपयोग किया गया है तो काट दें।
6. जो शब्द लागू न हो उन्हें काट दें। यदि शीर्षक में पूर्ववर्ती द्वारा उपयोक्ता का दावा किया जाता है तो ऐसे व्यक्तियों को/के नाम स्वयं आवेदक द्वारा उपयोग आरंभ करने की तारीख सहित ऊपर 8 पर लिखा जाना चाहिए।
7. यदि 2 पर विनिर्दिष्ट सभी माल की बाबत व्यापार चिह्न का कोई भी उपयोग नहीं किया जाता है तो ऐसे माल या सेवाओं जिसकी बाबत चिह्न का वास्तविक रूप से उपयोग किया जा चुका है, को कथित करें।
8. अतिरिक्त विषय के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्यथा खाली छोड़ दें।
9. यदि रंग के संयोजन का दावा किया जाता है तो उसे स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंग लिखें। यदि चिह्न तीन विमीय व्यापार चिह्न है तो इस आशय का एक कथन किया जाए (नियम 25 और नियम 29 देखिए)।
10. आवेदक और उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर (आवेदक के एक मात्र और नियमित नियोजन में विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न अधिकर्ता या व्यक्ति) (धारा 145 देखिए)।
11. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय में स्थान का नाम लिखें (नियम 4 देखिए)।

प्ररूप व्या. चि. 46

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 51, 52 और 53 देखिए

अधिकर्ता का कोड सं० :

स्वत्वधारी का कोड सं० :

रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र के लिए अनुरोध [धारा 137 या 148 (2), नियम 119 और 120]

.....वर्ग/वर्गों में रजिस्ट्रीकृत.....संख्या वाले व्यापार चिह्न के विषय में¹

मैं/हम².....रजिस्ट्रार से अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि इस आशय का कि⁴.....

.....अपना प्रमाणपत्र¹ की प्रमाणित प्रति³ व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र⁵ में रजिस्ट्रीकरण कराने के लिए उपयोग में लाये जाने हेतु मुझे/हमें दें। प्रमाण-पत्र/प्रमाणित प्रति भारत में निम्नलिखित पते (6) पर भेजी जाए।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

तारीख

7हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिन्ह,

..... * में व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. अन्य मामलों में ठीक बैठाने के लिए इन शब्दों को बदला जा सकेगा।
2. अनुरोध करने वाले व्यक्ति का नाम, पता और राष्ट्रीयता भरें।
3. जो शब्द लागू न हो, उन्हें काट दें।
4. वे विशिष्टियां दें जिन्हें प्रमाणित करने के लिए रजिस्ट्रार अपेक्षित है या उस दस्तावेज की विशिष्टियां दें जिसकी प्रमाणित प्रति अपेक्षित है।
5. देश या राज्य का नाम भरें।
6. केवल तभी लिखा जाए जब इसमें दिया गया पता, भारत का पता न हो।
7. हस्ताक्षर।
8. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें—नियम 4 देखिए।

प्ररूप व्या. चि. 47

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : 200 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

अपील बोर्ड द्वारा दिये गये मान्यता प्रमाणपत्र विषयक टिप्पण को रजिस्ट्रार में प्रविष्ट करने और उसका विज्ञापन करने के लिए प्रार्थना।

(धारा 141, नियम 124)

1. _____ के नाम में _____ वर्ग में रजिस्ट्रीकृत _____ संख्या वाले व्यापार चिन्ह के विषय में।

मैं/हम _____ रजिस्ट्रार से प्रार्थना करता हूँ/करते हैं कि रजिस्ट्रार इस आशय का एक टिप्पण की अपील बोर्ड ने _____ में यह प्रमाणित किया है कि उक्त रजिस्ट्रीकरण की मान्यता प्रश्नास्पद हुई और मान्यता का व्यापार चिन्ह के स्वत्वधारी के पक्ष में उन शब्दों में विनिश्चय हुआ जो कि मान्यता प्रमाणपत्र की साथ वाली शासकीय प्रमाणित प्रति में दिये हुए हैं।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख—

³हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिन्ह,

.....⁴में व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता भरिये।
2. जिन कार्यवाहियों में प्रमाणपत्र दिया गया था, उनकी प्रकृति, उनमें के पक्षकारों के नाम सहित भरिये।
3. हस्ताक्षर।
4. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें.....नियम 4 देखिए।

प्रारूप व्या. चि. 48

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

अधिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकार का प्रारूप (धारा 145 और नियम 21 देखिए)

(तत्समय प्रवृत्त नियमों के अनुसार स्टांपित किया जाए)

मैं/हम¹—, ³—के लिये मेरे (हमारे) अधिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिये—
 के—² को प्राधिकृत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि तत्संबंधी
 सभी सूचनाएं, अध्यपेक्षाएं और संसूचनाएं ऐसे अधिकर्ता को उपर्युक्त पते पर भेजी जाएं।

मैं/हम इस कार्यवाही विषयक सभी पूर्ववर्ती प्राधिकारों को, यदि कोई हों, प्रतिसंहत करता हूँ/करते हैं।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख—

4.

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिन्ह,

.....¹ में व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के कार्यालय

1. पूरा नाम और पता और राष्ट्रिकता भरें—नियम 16 देखिये।
2. अधिकर्ता (विधि व्यवसायी, रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अधिकर्ता या अधिकर्ता की नियुक्ति करने वाले व्यक्ति के एकमात्र और नियमित नियोजन में के व्यक्ति) का पूरा नाम और उसका पता भरें।
3. यदि ज्ञात हो तो निर्देश संख्या देते हुए, उस विशिष्ट विषय या कार्यवाही को कथित करें, जिसके लिये अधिकर्ता की नियुक्ति की गई है।
4. अधिकर्ता की नियुक्ति करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित किया जाए।
5. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें.....नियम 4 देखिए।

प्रारूप व्या. चि. 49

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

विनियमों का प्रारूप

धारा 63, 71 नियम 128 (1), 135(1)

²—के बार में—¹सामूहिक चिन्ह सं.——¹प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह संख्या के उपयोग को शासित करने के लिए विनियम

(शासकीय उपयोग के लिये)

व्यापार चिन्ह पत्रिका के-----अंक के-----वें पृष्ठ पर-----के/की-----
मास के-----दिन को विज्ञापित

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी—

(आवेदन और रजिस्ट्रीकरण की तारीख -----2000)

1. जो लागू न हो, उसे काट दें।
2. यहां माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें।

प्ररूप व्या. चि. 50

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : पहली अनुसूची की प्रविष्टि सं. 40 और 41 देखिए

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

व्यापार चिन्ह के जिस रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का भारत में कारोबार का मुख्य स्थान नहीं है उसके द्वारा अपना वह पता, जैसे उसका भारत में तामील के लिये है, अपने रजिस्ट्रीकरण के भाग स्वरूप प्रविष्टि, परिवर्तित या प्रतिस्थापित कराने के लिये की जाने वाली प्रार्थना का प्ररूप (नियम 91, 96, 97)

¹-----जो कि-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत-----³संख्या वाले व्यापार चिन्ह (चिन्हों) का रजिस्ट्रीकृत ²स्वत्वधारी (उपयोक्ता) है, इस दृष्टि से तत्संबंधी (चिन्हों का भारत में तामील के लिये पते में यह जोड़ने या उसे परिवर्तित या प्रतिस्थापित करने के लिये कि भारत में तामील का पता⁵-----पढ़ा जाये, प्रार्थना करता है।)

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख-----

⁶.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

मेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न,

.....⁷ में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के कार्यालय

1. यहां अनुरोध करने वाले व्यक्ति का पूरा नाम और पता भरें।
2. यथास्थिति, "स्वत्वधारी" या "उपयोक्ता" शब्दों में से एक को काट दें।
3. (जहां कि चिन्ह रजिस्टर में सम्बद्ध व्यापार चिन्हों के रूप में प्रविष्टि हैं वहां) अतिरिक्त संख्याएं हस्ताक्षरित अनुसूची में इस प्ररूप के पीछे दी जाएं।
4. जो शब्द लागू न हों, उन्हें काट दें।
5. यहां वास्तविक प्रविष्टि या वांछित परिवर्तित प्रविष्टि भरें।
6. हस्ताक्षर।
7. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें.....(नियम 4 देखिए)।

टिप्पण—जिस रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता का भारत में तामील के लिये पता लोक प्राधिकारी द्वारा इस लिए बदला जा चुका है ताकि परिवर्तित पते से पहले वाले ही परिमर इंगित होते हैं वहां रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता इस के लिए फीस का संदाय करने से बचा जा सके इस बात का कथन भी इस प्ररूप के पीछे दिये गये स्थान में कर सकेगा।

(इस प्ररूप के पीछे व्यक्त हो)

केवल उस दशा में उपयोग में लाए जाने के लिये है जिसमें कि भारत में तामील के लिये पता परिसर से कोई परिवर्तन हुए बिना, लोक प्राधिकारी द्वारा बदला जाता है।

भारत में तामील के लिए पते में जिस परिवर्तन की प्रविष्टि करने के लिये आवेदन इस प्ररूप की दूसरी तरफ किया गया है उस परिवर्तन के लिए आदेश'-----द्वारा तारीख-----को दिया गया है।

आदेश की एक शासकीय प्रमाणित प्रति इसके साथ भेजी जाती है।

तारीख-----

2.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

1. परिवर्तन का आदेश देने वाले लोक प्राधिकारी का नाम और आदेश देने की तारीख यहां भरें।

2. हस्ताक्षर।

टिप्पण : यदि उपर्युक्त कथन किया जाए और परिवर्तन नामित प्राधिकारी के जिस आदेश से आवश्यक हो गया है उसकी शासकीय प्रमाणित प्रति दी जाए, यदि रजिस्ट्रार का समाधान उस मामले के तथ्यों के संबंध से हो जाता है, तो प्ररूप व्या० वि. 50 में दी जाने वाली कोई फीस देने की मांग न करना [नियम 96(3) देखिये]

प्ररूप व्या. वि. 51

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1955

फीस : 2500 रु० प्रत्येक वर्ग के लिए

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं.

माल या सेवाओं (सामूहिक चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न से भिन्न) के विभिन्न वर्गों के व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन

धारा 18 (2), नियम 25 (9), 103 ।

(व्यापार चिह्न के पांच अतिरिक्त समाकृतियों के साथ तीन प्रतियों में फाइल किया जाए)

एक समाकृति इस खाली स्थान पर चिपकाएं और अन्य तीन समाकृतियों प्रत्येक रूप से भेजी जाएं। बड़े आकार की समाकृति मोड़ी जा सकती है किन्तु कपड़े या अन्य समुचित सामग्री पर अवश्य चिपकाई जाए या और इसके साथ समर्थन । नियम 28 देखिए।

-----'के नाम (नामों) में, जिनका पता'-----है उसका (उनका) स्वत्वधारी होने का दावा करते हैं और जिसके द्वारा उक्त चिह्न का उपयोग किए जाने का प्रस्ताव है ⁵ और जिसके द्वारा या और उक्त चिह्न के शीर्षक-----
-----⁶ में उसके (उनके) पूर्ववर्ती/पूर्ववर्तियों द्वारा उक्त माल या सेवाओं ⁷ की बाबत-----से निरन्तर उपयोग किया जा रहा है, निम्नलिखित—

(i) ----- वर्ग 1----- की बाबत 2

(ii) ----- वर्ग 1----- की बाबत 2

(iii) ----- वर्ग 1----- की बाबत 2

व्यापार चिह्न के साथ रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है।

8. _____

9. _____

इस आवेदन के संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी—

तारीख :—

¹⁰हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार,

.....¹¹ में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का कार्यालय

1. यदि माल या सेवा का वर्ग ज्ञात नहीं है तो रजिस्ट्रार का निदेश लिया जा सकेगा।
2. वर्ग या वर्गों के लिए उन माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें जिनके संबंध में आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं की बाबत एक पृथक सीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः 500 से अनधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपए प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25 (16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक का है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन अवश्य करना चाहिए।
3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाद्य रूप से अंतः स्थापित करें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फार्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और व्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो, प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।
4. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन अवश्य करना चाहिए। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया जाना है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित हैं, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और उस स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। तथापि, यदि, आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चला रहा है, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता हो तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारोबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारोबार नहीं चला रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में निवास स्थान के अतिरिक्त, यदि चाहे तो ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। (नियम 19 देखिए) जहां आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।
5. यदि चिह्न पहले से ही उपयोग में है तो काट दें।
6. यदि लागू नहीं है तो शब्दों को काट दें। यदि एक पूर्वाधिकारी (पूर्वाधिकारियों) द्वारा उपयोग का दावा किया गया है तो ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) के नाम (नामों) का, आवेदक द्वारा स्वयं आरंभ करने की तारीख के साथ 8 पर कथन किया जाना चाहिए।
7. यदि 2 में विनिर्दिष्ट माल या सेवाओं की बाबत व्यापार चिह्न का कोई उपयोग नहीं किया गया है तो माल या सेवाओं की ऐसी मदों का, जिनकी बाबत चिह्न को वास्तव में उपयोग किया गया है, कथन किया जाना चाहिए।
8. अतिरिक्त मामले के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्यथा खाली छोड़ दें।
9. यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंगों का कथन करें। यदि चिह्न त्रिआयामी व्यापार चिह्न है तो उस आशय का कथन किया जाना चाहिए (नियम 25 और 29 देखिए)।

10. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अभिकर्ता या आवेदक के अनन्य और नियमित नियोजन में कोई व्यक्ति) (धारा 145 देखिए)।
11. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का कथन करें (नियम 4 देखिए)।

प्ररूप व्या. चि. 52

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फोस : 2500 रु० प्रत्येक वर्ग के लिए

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

कन्वेंशन देश से माल या सेवाओं (सामूहिक व्यापार चिह्न या प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह से भिन्न) के विभिन्न वर्गों के व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन।

धारा 18 (2), नियम 25 (4), 103

एक समाकृति इस खाली स्थान पर चिपकाएं और अन्य पांच समाकृतियां पृथक् रूप से भेजी जाएं। बड़े आकार की समाकृति मोड़ी जा सकती है किन्तु कपड़े पर या अन्य समुचित सामग्री पर अवश्य चिपकाई जाए और इसके साथ लगाएं (नियम 28 देखिए)।

-----³ के नाम (नामों) में, जिनका पता----- है उसका (उनका) स्वत्वधारी होने का दावा करते हैं और जिसके द्वारा उक्त चिन्ह का उपयोग किए जाने का प्रस्ताव है ⁵(या और जिसके द्वारा उक्त चिन्ह के शीर्षक या -----⁶ में उसके (उनके) पूर्ववर्ती/पूर्ववर्तिओं द्वारा उक्त माल या सेवाओं ⁷ की बाबत ----- से निरन्तर उपयोग किया जा रहा है, निम्नलिखित—

- (i) ----- वर्ग ¹----- की बाबत ²
- (ii) ----- वर्ग ¹----- की बाबत ²
- (iii) ----- वर्ग ¹----- की बाबत ²

व्यापार चिह्न के साथ रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन किया जाता है।

कन्वेंशन देश में व्यापार चिह्न के रजिस्टर के लिए आवेदन----- को किया गया है, उस कन्वेंशन देश, जिसने आवेदन फाइल किया था के पदाधिकारी द्वारा प्रमाणित एक प्रमाणित प्रति (उसके अंग्रेजी अनुवाद सहित) संलग्न है।

मैं/हम यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि अधिनियम की धारा 154 के उपबंधों के अधीन कन्वेंशन देश में ऊपर उल्लिखित आवेदन पर आधारित पूर्वाता की तारीख से रजिस्ट्रीकरण किया जा सकेगा।

8.....

9.....

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी---

तारीख :

¹⁰ हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिन्ह, रजिस्ट्रार

....." में

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री का कार्यालय

1. यदि माल या सेवा का वर्ग ज्ञात नहीं है तो रजिस्ट्रार का निदेश लिया जा सकेगा।
2. वर्ग या वर्गों के लिए उन माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें जिनके संबंध में आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं की बाबत एक पृथक सीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः 500 से अनधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपये प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25 (16) देखिए। जहां भारत या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक का है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन अवश्य करना चाहिए।
3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाद्य रूप से अंतः स्थापित करें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और व्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो, प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।
4. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन अवश्य करना चाहिए। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया जाना है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित हैं, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और उस स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। तथापि, यदि, आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चला रहा है, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता हो तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारोबार नहीं चला रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में निवास स्थान के अतिरिक्त, यदि चाहे तो ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। (नियम 19 देखिए) जहां आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।
5. यदि चिन्ह पहले से ही उपयोग में है तो काट दें।
6. यदि लागू नहीं है तो शब्दों को काट दें। यदि एक पूर्वाधिकारी (पूर्वाधिकारियों) द्वारा उपयोग का दावा किया गया है तो ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) के नाम (नामों) का, आवेदक द्वारा स्वयं आरंभ करने की तारीख के साथ 'पर' कथन किया जाना चाहिए।
7. यदि ² में विनिर्दिष्ट माल या सेवाओं की बाबत व्यापार चिन्ह का कोई उपयोग नहीं किया गया है तो माल या सेवाओं की ऐसी मदों का, जिनकी बाबत चिन्ह को वास्तव में उपयोग किया गया है, कथन किया जाना चाहिए।
8. अतिरिक्त मामले के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्यथा खाली छोड़ दें।
9. यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंगों का कथन करें। यदि चिन्ह त्रिआयामी व्यापार चिन्ह है तो उस आशय का कथन किया जाना चाहिए (नियम 25 और 29 देखिए)।
10. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अभिकर्ता या आवेदक के अनन्य और नियमित नियोजन में कोई व्यक्ति) (धारा 145 देखिए)।
11. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का कथन करें (नियम 4 देखिए)।

प्ररूप व्या. चि. 53

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : प्रभाजन फीस धन समुचित वर्ग फीस के रूप में 1000 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं. 68 देखिए

स्वत्वधारी का कोड सं. :

माल या सेवाओं के विभिन्न वर्गों के लिए किए गए एकल आवेदन या किसी आवेदन के प्रभाजन के लिए अनुरोध

धारा 22 का परन्तुक नियम 104

(चिन्ह के तीन अतिरिक्त समाकृतियों सहित तीन प्रतियों में भरा जाए)

_____ को फाइल _____ के नाम में _____
 _____ वर्ग में _____ संख्या वाले व्यापार चिन्ह के विषय में ।

मैं/हम¹ _____ रजिस्ट्रार से प्रार्थना करता हूँ/करते हैं कि वर्ग _____
 _____ से _____ में, या निम्नलिखित वर्ग या वर्गों में _____ वर्ग/वर्गों² से एकल आवेदन के
 प्रभाजन के लिए या नीचे यथा उपदर्शित _____ वर्ग में माल या वस्तुओं के विनिर्देश को प्रभाजित करने के
 लिए आवेदन सं. _____ को प्रभाजित किया जाए ।

रजिस्ट्रार के आदेश की एक प्रति प्रार्थना पर भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेगी :—

तारीख :—

⁴ हस्ताक्षरहस्ताक्षरकर्ता का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिन्ह,

.....³ में व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. आवेदक का पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता भरें ।
2. ऐसी वस्तुओं या सेवाओं और वर्ग या वर्गों को उल्लिखित करें जिन्हें उपरली संख्यात्मक क्रम में रजिस्ट्रीकृत किए जाते हैं ।
3. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें—नियम 4 देखिए ।
4. आवेदक या अभिकर्ता (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिन्ह अभिकर्ता के हस्ताक्षर) ।

प्ररूप व्या. चि. 54

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : 500 रु

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

नियम 24 (1) के अधीन तलाशी के लिए प्रार्थना

रजिस्ट्रार से नियम 24 (1) के अधीन प्रार्थना की जाती है कि वह ————— वर्ग में ¹ ————— की बाबत तलाशी यह अभिविशित करने के लिए करे कि क्या कोई ऐसे व्यापार चिन्ह अभिलेख में विद्यमान हैं, जो तीन प्रतियों में भेजे गए व्यापार चिन्ह के, जिसमें से प्रत्येक समाकृति मजबूत कागज के ऐसे पृष्ठ पर मढ़ी होगी जो आकार में लगभग 33 सेंटीमीटर x 20 सेंटीमीटर की हो, सद्गुण हैं।

इस आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख :—

³

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिन्ह

.....⁴ में व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. यदि वर्ग ज्ञात न हो तो रजिस्ट्रार का निदेश अभिप्राप्त किया जा सकेगा।
2. वे माल या सेवाएं (कथित वर्ग) में विनिर्दिष्ट करें जिनकी बाबत तलाशी ली जानी है।
3. हस्ताक्षर
4. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये।

पाद टिप्पण—उन मामलों में, जिनमें फीस के संदाय से छूट के लिए केन्द्रीय सरकार के निदेश अभिप्राप्त कर लिए गए हैं कोई फीस देय नहीं है।

प्ररूप व्या. चि. 55

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1955

फीस : 1000 रु.

व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन करने की प्रस्थापना जिस व्यक्ति ने की है, सुभिन्नता करने के बारे में रजिस्ट्रार की प्राथमिक सलाह अभिप्राप्त करने के लिए उस व्यक्ति द्वारा प्रार्थना [धारा 133 (1), नियम 23]।

मैं/हम¹ ————— रजिस्ट्रार से प्रार्थना करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें यह इस बाबत सलाह दे कि क्या साथ वाले व्यापार चिन्ह ² की बाबत उसे प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि वह मेरे/हमारे माल या सेवाओं को दूसरी वस्तुओं से सुभिन्नता दिखाने के लिए हैं।

जिन मालों या सेवाओं की बाबत व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने की मेरी/हमारी प्रस्थापना है वे-----
-----वर्ग वाली-----³ है।

रजिस्ट्रार की सलाह भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है ⁴-----

तारीख :—

⁵.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिन्ह,

.....⁶ का व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री का कार्यालय

1. पूरा नाम और पता लिखें।
2. तीन प्रतियों में भेजी जाए, प्रत्येक समाकृति मजबूत कागज के ऐसे पत्र पर मढ़ी होगी जो आकार में 33 सेंटीमीटर × 20 सेंटीमीटर का है।
3. यहां माल या सेवाएं विनिर्दिष्ट करें। एक ही वर्ग वाले माल या सेवाएं विनिर्दिष्ट की जानी चाहिए। प्रत्येक वर्ग के लिए पृथक आवेदन अपेक्षित है।
4. केवल तभी लिखें जब दिया गया पता भारत में किसी स्थान का नहीं है।
5. हस्ताक्षर
6. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये।

पाद टिप्पण.—यदि और जब आवेदन व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्रीकरण करने के लिए किया जाता है, और यदि व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के अभिलेखों में ऐसे चिन्ह पाये जाते हैं तो उसके समान है या इतने समरूप है कि धोखा हो जाए तो आपत्ति की जा सकेगी। ऐसे सुसंगत चिन्हों की पूर्वतर अधिसूचना (उस दशा में यदि वे पाये जाते हैं) रजिस्ट्रार से प्ररूप व्या. चि. 54 पर किए गए अनुरोध पर अभिप्राप्त किए जा सकते हैं।

प्ररूप व्या. चि. 56

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : 500 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

ऐसे समय के [जो अधिनियम में स्पष्टतया उपबंधित समय या नियम 79 द्वारा या नियम 80(4) द्वारा विहित समय नहीं है] या ऐसे समय के जिसके बढ़ाने के लिए उपबंध नियमों में किया गया है, बढ़ाने के लिए आवेदन। (धारा 131, नियम 106)।

1 _____ के विषय में

मैं/हम ² _____

जो उक्त मामले में _____ हूँ/हैं _____³ के लिये

_____⁴ के समय बढ़ाने के लिए आवेदन निम्नलिखित आधारों पर करता हूँ/करते हैं

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी—

तारीख _____

हस्ताक्षर

सेवा में,

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

स्पष्ट अक्षरों में

_____⁶ में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

- 1 यहाँ वे शब्द और निर्देश मख्या भरिये जिनसे उस विषय का पता चल जाता है जिसकी बाबत आवेदन किया गया है।
- 2 पूरा नाम और पता भरिये।
- 3 अपेक्षित विस्तार की कालावधि लिखिये।
- 4 वह प्रयोजन लिखिये जिसके लिये समय बढ़ाना अपेक्षित है।
- 5 हस्ताक्षर।
- 6 व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये—(नियम 4 देखिये)।

प्ररूप व्या. चि. 57

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीम 2000 रु

अभिकर्ता का कोड सं .

स्वत्वधारी का कोड सं .

रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन [धारा 127 (ग) नियम 115]

(तीन प्रतियों में कथन के साथ इसे तीन प्रतियों में फाइल किया जाय—नियम 115 देखिये)

1 _____ के विषय में (मैं या हम)² _____

जो उक्त _____ हूँ/हैं उक्त मामले में 2000 के _____ माम के _____ वे दिन वाले रजिस्ट्रार के विनिश्चय का पुनर्विलोकन करने के लिए उनसे आवेदन करता हूँ/करते हैं।

इस आवेदन को करने के लिए आधार साथ वाले कथन में दिए हुए हैं।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाओं को भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी—

तारीख _____

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

-----⁴ में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. यहां वे शब्द और निर्देश संख्या भरिये जिनसे उस विषय का पता चल सके जिसकी बाबत आवेदन किया गया है ।
2. पूरा नाम और पता भरिये ।
3. हस्ताक्षर ।
4. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये—(नियम 4 देखिये) ।

प्ररूप व्या. चि. 58

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 250 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

चिह्न के विज्ञापन की विशिष्टियों के लिये रजिस्ट्रार से अनुरोध—नियम 46

मैं(या हम) -----¹ अनुरोध करता हूं/करते हैं कि मुझे/हमें जर्नल के उस अंक, तारीख और पृष्ठ की जानकारी दी जाए जिनका रजिस्ट्रीकरण ----- संख्या वाले आवेदन से ----- के नाम में चाहा गया है, ----- नाम विज्ञापित है ।

यह जानकारी भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेगी ।²-----

तारीख -----

3-----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में,

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

-----⁴ में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. पूरा नाम और पता भरिये ।
2. हस्ताक्षर ।
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये—(नियम 4 देखिये) ।

प्ररूप व्या. चि. 59

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 500 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी या अन्य प्रति के लिये अनुरोध। [नियम 62(3)]

(यदि आवेदक के विज्ञापन के लिये लेबल दिया था, तो इस प्ररूप के साथ चिह्न की एक बेमढ़ी ठीक वैसी ही समाकृति होनी चाहिए जैसी कि रजिस्ट्रीकरण के समय आवेदन के प्ररूप में संदर्शित की गयी थी।)

मैं (या हम)¹-----रजिस्ट्रार से अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि यह मुझे (हमें) रजिस्ट्रार के
-----वर्ग में रजिस्ट्रीकृत-----संख्या वाले मेरे (हमारे) व्यापार चिह्न की बाबत धारा
23 की उपधारा (2) के अधीन मुझे(हमें) दिये गये रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की² दूसरी प्रति/¹ अन्य प्रति दें।

प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति/अन्य प्रति² भारत में मेरे/हमारे निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी।

तारीख -----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

-----⁴ में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता भरिये।
2. जो कोई लागू न हो, उसे काट दीजिये।
3. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
4. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरिये—(नियम 4 देखिये)।

प्ररूप व्या. चि. 60

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीम : 5000 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

नियम 24(3) और 32 के अधीन तलाशी और प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अनुरोध

रजिस्ट्रार से नियम 24(3) के अन्तर्गत यह पता लगाने के लिए तलाशी का अनुरोध किया जाता है कि क्या कोई ऐसा व्यापार चिह्न अभिलेख पर है जो इसके साथ तीन प्रतियों में भेजी गई कलाकृति के सदृश है (प्रत्येक कलाकृति कार्य लगभग 30×20 सें. मी. के आकार में मजबूत कागज की शीट में मढ़ा जाए) और प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 45 के अधीन उसके उपयोग के लिए प्रमाण पत्र जारी किया जाए।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख -----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

² मुम्बई स्थित व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. हस्ताक्षर
2. नियम 8(2)(ग) देखिए

प्ररूप व्या. चि. 61

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 500 अक्षरों से अधिक प्रत्येक अक्षर के लिए 10 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं.

500 अक्षरों से अधिक में माल या सेवाओं के विनिर्देश को सम्मिलित करने के लिए नियम 25 के उपनियम (16) के अधीन आवेदन।

मैं(हम) ¹ ----- वर्ग की ----- संख्या के अधीन व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन होने के फलस्वरूप नियम 25 के उपनियम 16 के अधीन 500 अक्षरों की अधिकता में 10 रुपये प्रति अक्षर की दर पर अधिक स्थान के लिए ----- रुपए फीस की राशि प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं।

मैं(हम) उपरोक्त आवेदन के अंतर्गत अधिक अक्षरों की संख्या का उल्लेख करता हूँ/करते हैं जो ----- है।

इस आवेदन से संबंधित सभी सूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख ----- 20

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

-----³ में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. आवेदक का पूरा नाम और पता भरिये।
2. आवेदक या अधिकर्ता के हस्ताक्षर
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें (नियम 4 देखिये)।

प्ररूप व्या. चि. 62

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 1,000 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के समनुदेशन या पारेषण के लिए धारा 43, नियम 140(2) के अधीन रजिस्ट्रार की सहमति के लिए आवेदन।
(समनुदेशन के प्रारूप विलेख की तीन प्रतियों के साथ या किसी शपथपत्र और शपथपत्र की दो प्रतियों में फाइल किया जाए)

मैं(हम) ¹ ----- वर्ग की रजिस्ट्रीकृत -----
व्यापार चिह्न प्रमाणपत्र की संख्या ----- के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी होने के नाते -----²को उपरोक्त व्यापार चिह्न प्रमाणन के समनुदेशन या पारेषण के लिए रजिस्ट्रार की सहमति के लिए आवेदन करते हैं।

³प्रस्तावित समनुदेशन का प्रारूप विलेख इसके साथ प्रेषित है।³ ये परिस्थितियां जिनके अधीन शपथपत्र के साथ पारेषण हुआ है संलग्न शपथपत्र में उपवर्णित हैं।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख -----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

-----⁵ में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम, पता और राष्ट्रियता भरें।
2. प्रस्तावित अंतरिती का नाम, पता और राष्ट्रियता का वर्णन करें।
3. यदि किसी विशिष्ट मामले में अपेक्षित न हो तो इन पैरों में से किसी एक को हटा दें।
4. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर।
5. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें। (नियम 4 देखिये)।

प्रारूप व्या. चि. 63

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 12,500 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण की शीघ्र परीक्षा के लिए नियम आवेदन
नियम 8(ग), 38(1)

..... को फाइल किए गए वर्ग में आवेदन संख्या के विषय में।

मैं(हम) ऊपर उल्लिखित आवेदन की बाबत शीघ्र परीक्षा रिपोर्ट के जारी करने के लिए रजिस्ट्रार से अनुरोध करता हूँ/करते हैं। अनुरोध के लिए कारण संलग्न घोषणा में उल्लिखित हैं।

इस अनुरोध से संबंधित सभी संसूचनाओं को भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख -----

हस्ताक्षर

²

हस्ताक्षरकर्ता का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

मुम्बई में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय ³

¹ हस्ताक्षर

² नियम 8(2)(ऊ) देखिये।

प्रारूप व्या. चि. 64

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 10,000 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

धारा 154(2) नियम 128(1) के अधीन कन्वेंशन देश से किसी वर्ग में सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए सामूहिक चिह्न रजिस्टर करने के लिए धारा 63(1) के अधीन आवेदन।

(प्रारूप व्या. चि.-49 के साथ प्रारूप विनियम की तीन प्रतियों के साथ तीन प्रति में फाइल किया जाए)

इस स्थान के भीतर एक समाकृति चिपकाई जानी है और पांच अन्य को पृथक् रूप से भेजा जाए। बृहद आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकता है किन्तु वस्त्र या अन्य उपयुक्त सामग्री के ऊपर चिपका कर यहां लगाया जाए। नियम 28 देखिए।

1. की बाबत वर्ग में साथ लगे व्यापार चिह्न के रजिस्टर में के नाम में जिसका पता
 2 है, में सामूहिक चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है।

सामूहिक चिह्न को रजिस्टर करने के लिए देश में आवेदन
 को किया गया है।

उस कन्वेंशन देश के पदधारी द्वारा, प्रमाणित की गई, एक प्रमाणित प्रति जिसमें आवेदन फाइल किया गया (अंग्रेजी में उसके अनुवाद सहित) संलग्न है।

मैं (हम) अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि सामूहिक चिह्न अधिनियम की धारा 154 के उपबंधों के अधीन कन्वेंशन देश में ऊपर लिखित आवेदन पर आधारित पूर्विकता की तारीख सहित व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकृत किया जाए।

इस आवेदन से संबंधित सभी सूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेगी :—

तारीख ————

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

..... में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. यदि माल या सेवाओं के वर्ग ज्ञात न हों तो रजिस्ट्रार से निर्देश अभिप्राप्त किए जा सकते हैं।

2. वर्ग या वर्गों के लिए उन माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें जिनकी बाबत आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं के लिए पृथक् शीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः के 500 से अनधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपए प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25 (16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन अवश्य करना चाहिए।

3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाठ्य रूप से अंतःस्थापित करें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और व्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो, प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।

4. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन अवश्य करना चाहिए। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया जाना है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित हैं, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और उस स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। तथापि, यदि, आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चला रहा है, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता हो तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं चला रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में निवास स्थान के अतिरिक्त, यदि चाहे तो ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। (नियम 19 देखिए) जहां आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।

5. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रकृत व्यापार चिन्ह अभिकर्ता या वह व्यक्ति जो आवेदक के एकल और निगमित नियोजन में है— धारा 145 देखिए)।

6. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के नाम और स्थान का उल्लेख करें। (नियम 4 देखिए)

प्ररूप व्या. चि. 65

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : 10,000 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

कन्वेंशन देश से किसी वर्ग में सम्मिलित माल या सेवाओं के विनिर्देश के लिए व्यापार चिन्ह रजिस्टर करने के लिए धारा 71 के अधीन आवेदन।

[धारा 154(2) नियम 25(8)(ख) और 135 (1)]

(प्ररूप व्या. चि.-49 के साथ प्रारूप विनियम की तीन प्रतियों के साथ तीन प्रतियों में भरा जाए)

इस स्थान के भीतर एक समाकृति लगाई जानी है और पांच अन्य को पृथक् रूप से भेजा जाए। बृहद आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकता है किन्तु तब उसे चमक या अन्य उपयुक्त सामग्री पर चिपकाया जाए और यहां लगाया जाए। नियम 28 देखिए।

1. की बाबत 2 वर्ग में साथ लगे प्रमाणन व्यापार चिन्ह के रजिस्टर में 3.
 के नाम/नामों में जिसका पता
 4 है और उक्त माल की बाबत उसका स्वत्वधारी होने का दावा करता है/करते हैं, रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है। आवेदक किसी भी ऐसे प्रकार के माल या सेवाओं का कारबार नहीं कर रहा है जिसके लिए व्यापार चिन्ह का उक्त प्रमाण पत्र का रजिस्ट्रीकरण चाहा गया है।

..... [5]..... [4].....

व्यापार चिन्ह को रजिस्टर करने के लिए देश में आवेदन
 को किया गया है।

उस कन्वेंशन देश के पदधारी द्वारा, प्रमाणित की गई, एक प्रमाणित प्रति जिसमें आवेदन फाइल किया गया (अंग्रेजी में उसके अनुवाद सहित) संलग्न है।

मैं (हम) अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि सामूहिक चिन्ह अधिनियम की धारा 154 के उपबंधों के अधीन कन्वेंशन देश में ऊपर उल्लिखित प्रथम आवेदन पर आधारित पूर्विक्ता की तारीख सहित व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रीकृत किया जाए।

इस आवेदन से संबंधित सभी सूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख ————— 20

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

..... में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. यदि माल या सेवाओं के वर्ग ज्ञात न हों तो रजिस्ट्रार से निर्देश अभिप्राप्त किए जा सकते हैं।
2. वर्ग या वर्गों के लिए उन माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें जिनकी बाबत आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं के लिए पृथक शीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः देवनागरी लिपि के 500 से अधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपये प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25 (16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन अवश्य करना चाहिए।
3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाद्य रूप से अंतःस्थापित करें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और व्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।
4. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन अवश्य करना चाहिए। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया जाना है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित हैं, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और उस स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। तथापि, यदि, आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चला रहा है, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता हो तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं चला रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में निवास स्थान के अतिरिक्त, यदि चाहे तो ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी (नियम 19 देखिए) जहां आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।
5. यदि अपेक्षित हो तो अतिरिक्त विषय के लिए खाली छोड़ दें।
6. यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंगों का कथन करें। यदि चिह्न त्रिआयामी व्यापार चिह्न है तो उस आशय का कथन किया जाना चाहिए।
7. आवेदक या उसके अधिकर्ता के हस्ताक्षर (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न अधिकर्ता यदि वह व्यक्ति को आवेदक के एकल और नियमित नियोजन में है—धारा 145 देखिए)।
8. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के नाम और स्थान का उल्लेख करें। (नियम 4 देखिए)

प्रारूप व्या. चि. 66

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 10,000 रु. प्रत्येक वर्ग के लिए

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

विभिन्न वर्गों के लिए सामूहिक व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन।

धारा 18 (2) 63 (1), नियम 25 (17), (क) 103, 128(1)।

(सामूहिक चिह्नों की पांच अतिरिक्त समाकृतियों और व्या. चि.-49 प्रारूप में प्रारूप विनियम की तीन प्रतियों के साथ फाइल किया जाए)

इस स्थान के भीतर एक समाकृति चिपकाई जाए और अन्य पांच को पृथक् रूप से भेजा जाए। बृहद आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकता है किन्तु तब इसे वस्त्र पर या अन्य उपयुक्त सामग्री पर चिपकाया जाए और यहां लगाया जाए। (नियम 28 देखिए)।

..... 'के नाम (नामों) में जिनका पता '..... है, उसका (उनका) स्वत्वधारी होने का दावा करते हैं जिसके द्वारा उक्त चिह्न का उपयोग किए जाने का प्रस्ताव है' या/और जिसके द्वारा उक्त चिह्न के शीर्षक 'में उसके (उनके) पूर्ववर्ती (तिथियों) द्वारा उक्त माल या सेवाओं की बाबत से निरन्तर उपयोग किया जा रहा है, निम्नलिखित :—

- (i). वर्ग। की बाबत ²
- (ii) वर्ग। की बाबत ²
- (iii) वर्ग। की बाबत ²

सामूहिक व्यापार चिह्न के साथ रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया गया है

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख 20

10—

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न रजिस्टर

....." में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. यदि माल या सेवाएं के वर्ग ज्ञात न हों तो रजिस्ट्रार से निर्देश अभिप्राप्त किए जा सकते हैं।

2. वर्ग या वर्गों के लिए उन माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें जिनकी बाबत आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं के लिए पृथक् शीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः देवनागरी लिपि के 500 से अनधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपये प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25 (16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक का है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन अवश्य करना चाहिए।

3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाद्य रूप से अंतःस्थापित करें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और ब्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।

4. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन अवश्य करना चाहिए। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया जाना है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित है, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और उस स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। तथापि, यदि, आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चला रहा है, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता हो तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक

स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं चला रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में निवास स्थान के अतिरिक्त, यदि चाहे तो ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। (नियम 19 देखिए) जहां आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।

5. यदि चिह्न पहले से ही उपयोग में है तो काट दें।

6. यदि लागू नहीं है तो शब्दों को काट दें। यदि हक पूर्वाधिकारी (पूर्वाधिकारियों) द्वारा उपयोग का दावा किया गया है तो ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) के नाम (नामों) का, आवेदक द्वारा स्वयं आरंभ करने की तारीख के साथ कथन किया जाना चाहिए।

7. यदि 2 में विनिर्दिष्ट माल या सेवाओं की बाबत व्यापार चिह्न का कोई उपयोग नहीं किया गया है तो माल या सेवाओं की ऐसी मदों का, जिनकी बाबत चिह्न को वास्तव में उपयोग किया गया है, कथन किया जाना चाहिए।

8. अतिरिक्त मामले के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्यथा खाली छोड़ दें।

9. यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंगों का कथन करें। यदि चिह्न त्रिआयामी व्यापार चिह्न है तो उस आशय का कथन किया जाना चाहिए। (नियम 25 और 29 देखिए)।

10. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न अभिकर्ता या आवेदक के अनन्य और नियमित नियोजन में कोई व्यक्ति (धारा 145 देखिए)।

11. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का कथन करें। (नियम 4 देखिए)।

प्रारूप व्या. चि. 67

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : प्रत्येक वर्ग के लिए 10,000 रु.

अभिकर्ता का कोड रॉ :

स्वत्वधारी का कोड सं.

कन्वेंशन देश से विभिन्न वर्गों के लिए सामूहिक व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन।

धारा 18 (2) 63 (1), 154 (4), नियम 25 (17)(ख) 103, 128(1)।

(सामूहिक व्यापार चिह्न की पांच अतिरिक्त समाकृतियों और प्रारूप व्या. चि.-49 में प्रारूप विनियम की तीन प्रतियों के साथ तीन प्रतियों में फाइल किया जाए)

इस स्थान के भीतर एक समाकृति चिपकाई जाए और अन्य पांच को पृथक् रूप से भेजा जाए। बृहद आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकता है किन्तु तब इसे वस्त्र या अन्य उपयुक्त सामग्री पर चिपकाया जाए और यहां लगाया जाए। (नियम 28 देखिए) :

..... के नाम (नामों) में जिनका पता है, उसका (उनका) स्वत्वधारी होने का दावा करते हैं जिन्हें द्वारा उक्त चिह्न का उपयोग किए जाने का प्रस्ताव है या/और जिसके द्वारा उक्त चिह्न के शीर्षक में उसके (उनके) पूर्ववर्ती (तियों) द्वारा उक्त माल या सेवाओं की बाबत से निरन्तर उपयोग किया जा रहा है, निम्नलिखित :—

- (i) वर्ग। की बाबत ²
- (ii) वर्ग। की बाबत ²
- (iii) वर्ग। की बाबत ²

सामूहिक व्यापार चिह्न के साथ रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचना

-----³ के नाम जिनका पता ⁴----- है।

कन्वेंशन देश में-----पर व्यापार चिह्न को रजिस्टर करने के लिए पहला-----
-----आवेदन-----को किया गया है :

उस कन्वेंशन देश के किसी अधिकारी द्वारा प्रमाणित की गई प्रमाणित प्रति जिसमें पहला आवेदन फाइल किया गया था, (अंग्रेजी अनुवाद सहित) संलग्न है।

मैं/हम अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि अधिनियम की धारा 154 के उपबंधों के अधीन कन्वेंशन देश में ऊपर उल्लिखित पहले आवेदन पर आधारित पूर्विक्ता की तारीख को व्यापार चिह्न को रजिस्टर किया जाए।

-----⁵

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख-----

⁵-----

¹⁰हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार

-----⁶में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. यदि माल या सेवाओं के वर्ग ज्ञात न हों तो रजिस्ट्रार से निर्देश अभिप्राप्त किए जा सकते हैं।

2. उन माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें जिनकी बाबत आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं के ब्यौरे देते हुए पृथक शीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः 500 से अनधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपये प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25 (16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक का है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन अवश्य करना चाहिए।

3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाद्य रूप से लिखें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और ब्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो, प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।

4. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन अवश्य करना चाहिए। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया जाना है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित हैं, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और उस स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। तथापि, यदि, आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चला रहा है, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता हो तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं चला रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में निवास स्थान के अतिरिक्त, यदि चाहे तो ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। (नियम 19 देखिए) जहां आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन 8 पर किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।

5. यदि चिह्न पहले से ही उपयोग में है तो काट दें।

6. यदि लागू नहीं है तो शब्दों को काट दें। यदि हक पूर्वाधिकारी (पूर्वाधिकारियों) द्वारा उपयोग का दावा किया गया है तो ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) के नाम (नामों) का, आवेदक द्वारा स्वयं आरंभ करने की तारीख के साथ कथन किया जाना चाहिए।
7. यदि 3 में विनिर्दिष्ट माल या सेवाओं की बाबत व्यापार चिह्न का कोई उपयोग नहीं किया गया है तो माल या सेवाओं की ऐसी मदों का, जिनकी बाबत चिह्न को वास्तव में उपयोग किया गया है, कथन किया जाना चाहिए।
8. अतिरिक्त मामले के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्यथा खाली छोड़ दें।
9. यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंगों का कथन करें। यदि चिह्न त्रिआयामी व्यापार चिह्न है तो उस आशय का कथन किया जाना चाहिए [नियम 25 (12) (ड) और (घ) देखिए]।
10. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर [विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न अभिकर्ता या आवेदक के अनन्य और नियमित नियोजन में कोई व्यक्ति (धारा 145 देखिए)]।
11. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का कथन करें (नियम 4 देखिए)।

प्ररूप व्या. चि. 68

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : प्रत्येक वर्ग के लिए 10,000 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

विभिन्न वर्गों के लिए प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन।

धारा 18 (2), 71। नियम 25 (18) (क), 103, 135।

(सामूहिक चिह्नों की पांच अतिरिक्त समाकृतियाँ और प्ररूप व्या. चि. 49 में प्ररूप विनियम की तीन प्रतियों में भरा जाए)

इस स्थान के भीतर एक समाकृति लगाई जानी है और पाँच अन्य को पृथक् रूप से भेजा जाना है। बृहद् आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकता है किन्तु तब इसे बक्स पर या अन्य उपयुक्त सामग्री के ऊपर चिपका कर यहां लगाया जाना चाहिए।
नियम 28 देखिए।

1. निम्नलिखित में प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के साथ रजिस्ट्र में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया गया है।

- (i) वर्ग ¹ की बाबत ²
- (ii) वर्ग ¹ की बाबत ²
- (iii) वर्ग ¹ की बाबत ²
- ³ का/के नाम जिसका पता ⁴ ----- है।

आवेदक ऐसे किसी प्रकार के माल या सेवाओं का कारबार नहीं कर रहा है/रहे हैं जिसके लिए उक्त प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकरण चाहा गया है।

5. -----

6. -----

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाओं को भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेगी :—

तारीख -----

7. -----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार व्यापार चिन्ह

—, —, —, —, —, — में

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. यदि माल या सेवाओं के वर्ग ज्ञात न हों तो रजिस्ट्रार से निदेश अभिप्राप्त किए जा सकते हैं।
2. उन माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें जिनकी बाबत आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं के ब्यौरे देते हुए पृथक शीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः के 500 से अनधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपए प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25(16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक का है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन अवश्य करना चाहिए।
3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाद्य रूप से अंतःस्थापित करें। निगमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और ब्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो, प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।
4. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन अवश्य करना चाहिए। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया जाना है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित हैं, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और उस स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो, तथापि यदि, आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चला रहा है, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता हो तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं चल रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में निवास स्थान के अतिरिक्त, यदि चाहे तो ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। (नियम 19 देखिए) जहां आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहां ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।
5. अतिरिक्त मामले के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्यथा खाली छोड़ दें।
6. यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंगों का कथन करें। यदि चिह्न त्रिआयामी व्यापार चिह्न है तो उस आशय का कथन किया जाना चाहिए [नियम 25 और (29) देखिए]।
7. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर [विधि व्यवसायी या रजिस्ट्राकृत व्यापार चिह्न अभिकर्ता या आवेदक के अनन्य और नियमित नियोजन में कोई व्यक्ति (धारा 145 देखिए)।
8. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का कथन करें (नियम 4 देखिए)।

प्ररूप व्या. चि. 69

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : प्रत्येक वर्ग के लिए 10,000 रु.

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

कन्वेंशन देश से विभिन्न वर्गों में प्रमाणीकरण व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण के लिए एकल आवेदन।

धारा 18(2), 71, 154(2), नियम 25 (18)(ख), 103, 135

(सामूहिक व्यापार चिन्ह की पांच अतिरिक्त समाकृतियां और व्या.चि. 49 में प्ररूप विनियम की तीन प्रतियों के साथ तीन प्रतियों में भरा जाए)

इस स्थान के भीतर एक समाकृति लगाई जानी है और अन्य पांच को पृथक रूप से भेजा जाना है। बृहद आकार की समाकृति को मोड़ा जा सकता है किन्तु तब इसे वस्त्र पर या अन्य समुचित सामग्री के ऊपर चिपका कर यहां लगाया जाना चाहिए। नियम 28 देखिए।

1. निम्नलिखित में प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के साथ रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया गया है।

(i) ----- वर्ग ¹ ----- की बाबत ² -----

(ii) ----- वर्ग ¹ ----- की बाबत ² -----

(iii) ----- वर्ग ¹ ----- की बाबत ² -----

-----³ का नाम जिसका पता ⁴ ----- है।

आवेदक ऐसे किसी प्रकार के माल या सेवाओं का कारबार नहीं कर रहा है/रही है जिसके लिए उक्त प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न चाहा गया है।

----- को ----- पर प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के प्रमाण को रजिस्टर करने के लिए कन्वेंशन देश में पहला आवेदन किया गया है।

कन्वेंशन देश के किसी अधिकारी द्वारा प्रमाणित की गई प्रमाणित प्रति जिसमें पहला आवेदन फाइल किया गया था। (अंग्रेजी अनुवाद सहित), संलग्न है।

मैं/हम अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि अधिनियम की धारा 154 के उपबंधों के अधीन कन्वेंशन देश में ऊपर उल्लिखित प्रथम आवेदन पर आधारित पूर्विक्ता की तारीख सहित व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकृत किया जाए।

⁵ -----

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख ----- 20

⁶ -----

⁷ -----

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार व्यापार चिह्न

-----⁸ में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. यदि माल या सेवाओं के वर्ग ज्ञात न हों तो रजिस्ट्रार से निदेश अभिप्राप्त किए जा सकते हैं।

2. उन माल या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें जिनकी बाबत आवेदन किया गया है। माल या सेवाओं के ब्यौरे देते हुए पृथक शीट का उपयोग किया जा सकता है। माल या सेवाओं के विनिर्देश में सामान्यतः 500 से अधिक अक्षर होने चाहिए। इस सीमा से अधिक अक्षर होने पर 10 रुपये प्रति अक्षर की अधिक स्थान फीस संदेय होगी। नियम 25(16) देखिए। जहां माल या सेवाओं का विनिर्देश 500 अक्षरों से अधिक का है वहां आवेदक को, हस्ताक्षर से तुरंत पहले अधिक अक्षरों की ठीक संख्या का कथन अवश्य करना चाहिए।

3. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन (व्यवसाय और आजीविका) और राष्ट्रीयता, सुपाद्य रूप से अंतःस्थापित करें। निर्गमित निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थापित, निगमन के देश या फर्म को बनाने वाले भागीदारों के नामों और ब्यौरों तथा रजिस्ट्रीकरण की, यदि कोई हो, प्रकृति का कथन किया जाना चाहिए। नियम 16 देखिए।

4. आवेदक को भारत में अपने कारबार के प्रधान स्थान का, यदि कोई हो, कथन अवश्य करना चाहिए। नियम 3 और 17 देखिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जिसके लिए भारत में केवल एक स्थान पर रजिस्ट्रीकरण किया जाना है तो ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और स्थान का पता देना चाहिए। यदि आवेदक ऐसे माल या सेवाओं में कारबार चला रहा है, जो भारत में एक से अधिक स्थानों से संबंधित हैं, तो आवेदक को ऐसे तथ्य का कथन करना चाहिए और उस स्थान का पता देना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो, तथापि, यदि, आवेदक संबंधित माल या सेवाओं में कारबार नहीं चला रहा है, किन्तु अन्य माल या सेवाओं में भारत के किसी एक स्थान पर कारबार चलाता हो तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए, और जहां आवेदक भारत में एक से अधिक स्थानों पर ऐसा कारबार चलाता है तो इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और ऐसे स्थान का पता दिया जाना चाहिए, जिसे वह अपने कारबार का प्रधान स्थान समझता हो। जहां आवेदक भारत में कोई कारबार नहीं रहा हो, वहां इस तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और भारत में उसके निवास के, यदि कोई हो, स्थान का कथन किया जाना चाहिए और उस स्थान का पता दिया जाना चाहिए। कोई आवेदक, यथास्थिति, कारबार के प्रधान स्थान या भारत में निवास स्थान के अतिरिक्त, यदि चाहे तो ऐसा कोई पता दे सकेगा, जिस पर आवेदन से संबंधित संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी। (नियम 19 देखिए)

जहाँ आवेदक के पास भारत में न तो कारबार का स्थान है और न ही निवास का, वहाँ ऐसे तथ्य का कथन किया जाना चाहिए और विदेश में उसके गृह देश के पते के साथ भारत में तामील के लिए पता देना चाहिए।

5. अतिरिक्त मामले के लिए, यदि अपेक्षित हो, अन्यथा खाली छोड़ दें।

6. यदि रंगों के संयोजन का दावा किया गया है तो स्पष्ट रूप से उपदर्शित करें और रंगों का कथन करें। यदि चिह्न त्रिआयामी व्यापार चिह्न है तो उस आशय का कथन किया जाना चाहिए [नियम 25 और (29) देखिए]

7. आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर [विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रकृत व्यापार चिह्न अभिकर्ता या असवेदक के अनन्य और नियमित नियोजन में कोई व्यक्ति (धरा 145 देखिए)]।

8. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का कथन करें (नियम 4 देखिए)।

प्ररूप व्या. चि. 70

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 2500 रु. पहली अनुसूची प्रविष्टि सं. 74 देखिए

अभिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

दस्तावेजों की त्वरित प्रमाणित प्रतियों के लिए प्रार्थना [धरा 137, 148। नियम 82 (ग), नियम 119 का परन्तुक।]।

_____ वर्ग _____ में रजिस्ट्रीकृत _____ संख्या वाले व्यापार चिह्न के विषय में ¹_____ मैं (या हम) ²_____ प्रार्थना करता हूँ/करते हैं कि रजिस्ट्रार मुझे (हमें) ⁴_____ इस आशय के अपने प्रमाणपत्र/एक अभिप्रमाणित प्रति दे दें,

जो _____ में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने में उपयोग किए जाने के लिए व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र³ है। प्रमाणपत्र/प्रमाणित प्रति भारत में ⁵_____ निम्नलिखित पते पर भेज दी जाए।

तारीख _____

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी—

⁶_____

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार व्यापार चिह्न

मुम्बई में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. अन्य मामलों में उपयुक्त लगने पर शब्दों में विभिन्नता हो सकती है।

2. प्रार्थना करने वाले व्यक्ति का नाम, पता और राष्ट्रिकता भरें।

3. जो शब्द लागू न हो, उन्हें काट दें।

4. वे विशिष्टियां दें, जिनको प्रमाणित करना रजिस्ट्रार से अपेक्षित है या उस दस्तावेज की विशिष्टियों का कथन करें जिसकी अभिप्रमाणित प्रति अपेक्षित है।

5. देश या राज्य का नाम भरें।

6. हस्ताक्षर

7. नियम 8(2) (ग) देखिए

प्ररूप व्या. चि. 71

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : 2500 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

शीघ्र तलाशी रिपोर्ट प्राप्ति के लिए प्रार्थना

[नियम 8(ग), नियम 24(1) का परन्तुक देखिए]

रजिस्ट्रार से नियम 24 (1) के अधीन ————— 'वर्ग की बाबत' ————— तलाशी का अनुरोध किया जाता है कि क्या कोई ऐसा व्यापार चिन्ह अभिलेख पर है जो इसके साथ तीन प्रतियों में भेजे गए व्यापार चिन्ह के सदृश हैं (प्रत्येक समाकृति आकार में लगभग 13 इंच या 33 सें. मी. × 20 से. मी. के मोटे कागज की शीट पर मढ़ी हो)।

इस अनुरोध से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेगी :—

तारीख —————

3. —————

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार व्यापार चिन्ह

मुम्बई में व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. यदि वर्ग ज्ञात न हो तो रजिस्ट्रार के निदेश अभिप्राप्त किए जा सकते हैं।
2. यहां उन मान या सेवाओं को विनिर्दिष्ट करें (कथित वर्ग में) जिनकी बाबत तलाशी की जानी है।
3. हस्ताक्षर।
4. नियम 8(2) (ग) देखिए।

प्ररूप व्या. चि. 72

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999

फीस : 25000 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

शीघ्र तलाशी और प्रतिलिप्यधिकार प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्रार्थना।

नियम 8 (2) (ग), नियम 24 (5)

रजिस्ट्रार से नियम 24 (3) के अधीन यह पता लगाने के लिए तलाशी करने का अनुरोध किया जाता है कि क्या कोई ऐसा व्यापार चिन्ह अभिलेख, में है जो इसके साथ तीन प्रतियों में भेजी गई कलाकृति के सदृश है (प्रत्येक कलाकृति को लगभग 30 से. मी. × 20 से. मी. के मजबूत कागज की शीट में मढ़ा जाए) और प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 45 के अधीन इसके उपयोग के लिए प्रमाणपत्र जारी करें।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख

1

¹ हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार व्यापार चिह्न

मुम्बई में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. हस्ताक्षर।

2. नियम 8 (2) (ग) देखिए।

प्रारूप व्या. धि. 73

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 3000 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के इंकार या अविधिमान्यकरण के लिए प्रार्थना।

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 [धारा 25 (क), नियम 74(2) देखिए]

(शपथ पत्र और मामले के कथन की तीन प्रति के साथ तीन प्रतियों में फाइल किया जाए।)

..... वर्ग में संख्या वाले नाम में व्यापार चिह्न लंबित/रजिस्ट्रीकृत है के विषय में।

क. मैं/हम आवेदन करता हूँ/करते हैं कि वर्ग में संख्या वाले के नाम में लंबित व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए निम्नलिखित आधारों पर इंकार किया जाए।

'ख. मैं/हम' आवेदन करता हूँ/करते हैं कि निम्नलिखित रीति में ऊपर उल्लिखित व्यापार चिह्न की बाबत रजिस्टर में प्रविष्टि को हटा दिया/परिशोधित² किया जाए।

मेरे (हमारे) अनुरोध के कारण निम्नलिखित है

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय² में समुचित कार्यालय है।

4. मामले के कथन के साथ शपथपत्र में यह घोषणा की जाएगी कि शपथकर्ता के सर्वोत्तम ज्ञान, जानकारी और विश्वास के अनुसार विवरण में दी गई विशिष्टि सही है और उसमें उस व्यापार चिह्न से संबंधित प्रत्येक तात्त्विक तथ्य और दस्तावेज समाविष्ट है जिनमें ऐसा भौगोलिक उपदर्शन है या अन्तर्विष्ट है जो किसी देश के राज्यक्षेत्र या उस राज्य क्षेत्र में किसी प्रदेश या अवस्थान में उद्भूत नहीं है जिसे ऐसा भौगोलिक उपदर्शित करता है और जिससे किसी व्यक्ति को भ्रम या ऐसी मिथ्या होने की संभावना है कि वह माल के भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण अधिनियम, 1999 की धारा 25 के अर्थान्तर्गत अभिसाक्षी के सर्वोत्तम ज्ञान, जानकारी और विश्वास के अनुसार ऐसे माल या वर्ग या माल के वर्ग के मूल का सही स्थान है।

इस प्रार्थना से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख

5

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिन्ह,
..... में

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय

1. पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता भरें। भारत में तामील के लिए पता लिखें यदि आवेदक का भारत में कारबार या निवास का कोई स्थान नहीं है।
2. उन शब्द को काट दें, जो लागू न हो।
3. व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें। नियम 4 देखिए।
4. शपथ पत्र उन व्यक्तियों द्वारा होना चाहिए जो व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण से इंकार या उसे अविधिमान्य करने के लिए प्रार्थना फाइल कर रहे हैं।
5. हस्ताक्षर।

प्ररूप व्या. चि. 74

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 3000 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

व्यापार चिह्न के इंकार या अविधिमान्यकरण के लिए प्रार्थना।

माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 की धारा 25(ख), नियम 75(2)

(रजिस्ट्रीकरण के अन्तर्गत जितने रजिस्ट्रीकृत उपयोक्ता हैं शपथ की उतनी प्रतियों और मामले के कथन की तीन प्रतियों के साथ फाइल किया जाए।)

..... वर्ग में संख्या वाले के नाम में व्यापार चिन्ह लंबित/रजिस्ट्रीकृत है, के विषय में।

क. मैं/हम' आवेदन करता हूँ/करते हैं कि वर्ग में संख्या वाले के नाम में लंबित व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रीकरण के लिए निम्नलिखित आधारों पर इंकार किया जाए।

ख. मैं/हम' आवेदन करता हूँ/करते हैं कि निम्नलिखित रीति में ऊपर उल्लिखित व्यापार चिन्ह की बाबत रजिस्टर में प्रविष्टि को हटा दिया' परिशोधित' किया जाए।

मेरे (हमारे) अनुरोध के कारण निम्नलिखित है-----

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री कार्यालय' -----को व्यापार चिन्ह के संबंध में समुचित कार्यालय के रूप में रजिस्टर में प्रविष्टि किया गया है।

मामले के कथन के साथ शपथपत्र में ' घोषित करेगा कि कथन में दी गई विशिष्टियां सही हैं और व्यापार चिन्ह से संबंध प्रत्येक तात्विक तथ्य दस्तावेज में मिल कर बने हैं जो विरोध में हैं या जो अभिसाक्षी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी से माल का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण) और संरक्षण अधिनियम, 1999 धारा 22 की उपधारा (2) के अधीन अधिसूचित माल या वर्ग या वर्गों के पहचानने वाले भौगोलिक उपदर्शन अंतर्विष्ट है या से मिल कर बना है।

इस प्रार्थना से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख.....

.....

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

-----' में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता भरें। भारत में तामील के लिए सेवा का पता लिखें। यदि आवेदक का भारत में कारबार या निवास का कोई स्थान नहीं है।
2. उन शब्दों को काट दें, जो लागू न हों।
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम भरें। नियम 4 देखिए।
4. शपथ पत्र उन व्यक्तियों द्वारा होना चाहिए जो व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण से इंकार या उसे अविधिमान्य करने के लिए प्रार्थना फाइल कर रहे हैं।
5. हस्ताक्षर।

प्ररूप व्या. चि.-75

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 5000 रु.

अधिकर्ता का कोड सं. :

स्वत्वधारी का कोड सं. :

नियम 32 के अधीन, तलाशी करने और प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्रार्थना

मैं/हम रजिस्ट्रार से तलाशी और यह अभिनिश्चित करने का अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि क्या कोई ऐसा व्यापार चिह्न अभिलेख पर है/हैं जो तीन प्रतियों में इसके साथ भेजे गए कंपनी के नाम (या प्रस्तावित नाम) के सदृश है (प्रत्येक समाकृति लगभग 33 सें मी. गुणा 20 से. मी. आकार के मजबूत कागज की शीट पर मढ़ी हुई हो) और एक प्रमाणपत्र जारी करें।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएं' :—

आज तारीख -----

हस्ताक्षर (2)

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार व्यापार चिह्न,

----- में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. भारत में पता
2. हस्ताक्षर

प्ररूप व्या. चि. अ.-1

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 1000 रु.

व्यापार चिह्न अधिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन, नियम 153
(तीन प्रतियों में भरा जाए)

मैं, व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के अधीन व्यापार चिह्न अधिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने के लिए प्रार्थना

करता हूँ।

1. ————— से प्राप्त चरित्र प्रमाणपत्र संलग्न है।

मैं, यह घोषणा करता हूँ कि मैं व्यापार चिह्न नियम, 2001 के नियम 151 के खंड (i), खंड (ii), खंड (iii), खंड (iv), खंड (v), और खंड (vi), में उल्लिखित किसी नियोग्यता से ग्रस्त नहीं हूँ।

1. उपनाम सहित यदि कोई हो, पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में) —————
2. निवास स्थान का पता —————
3. कारबार का प्रधान स्थल —————
4. पिता का नाम —————
5. राष्ट्रीयता —————
6. जन्म की तारीख और स्थान —————
7. पूरा व्यवसाय —————
8. व्यापार चिह्न अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हताओं की विशिष्टियाँ —————
9. क्या किसी समय व्यापार चिह्न अभिकर्ताओं के रजिस्टर से हटाया गया है, यदि ऐसा है, तो —————

तारीख —————

हस्ताक्षर

² हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

—————³ में

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

1. जहाँ आवेदक साधारणतः निवास करता है वहाँ जिले के जिला मजिस्ट्रेट से प्रमाणपत्र होना चाहिए।
2. दस्तावेज न्यायिक मजिस्ट्रेट या नोटेरी पब्लिक द्वारा अनुप्रमाणित होना चाहिए।
3. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं (नियम 4 देखें)

प्ररूप व्या. चि. अ.-2

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 1,000 रुपए और प्रथम अनुसूची में प्रविष्टि संख्या 79 में विनिर्दिष्ट निरंतरता फीस

व्यापार चिह्न अभिकर्ताओं के रजिस्ट्रार में किसी व्यक्ति के नाम को प्रत्यावर्तित करने के लिए आवेदन (नियम 159)।

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

मैं ————— का ————— व्यापार चिह्न अभिकर्ताओं के रजिस्टर में, जिसमें मेरा नाम ————— संख्या के अन्तर्गत प्रविष्ट किया गया था, अपना नाम प्रत्यावर्तित करने के लिए आवेदन करता हूँ।

मेरा नाम व्यापार चिह्न नियम, 2001 के नियम 157(1) के खण्ड (ख) के अधीन ————— को हटाया गया था।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख ————— 20 —————

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

—————² में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

प्रारूप व्या. चि. अ.-3

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

फीस : 200 रुपए

व्यापार चिह्न अभिकर्ताओं के रजिस्टर में किसी प्रविष्टि के परिवर्तन के लिए आवेदन

(नियम 160)

(तीन प्रतियों में फाइल किया जाए)

में ¹ ————— का ————— रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न अभिकर्ता

(रजिस्ट्रीकरण सं. —————) होते हुए यह अनुरोध करता हूँ कि व्यापार चिह्न अभिकर्ताओं के रजिस्टर में यथा प्रविष्टि मेरे नाम, निवास स्थान के पता कारबार के प्रधान स्थान के पता या अर्हताओं में निम्न प्रकार से परिवर्तन किया जाए।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख ————— 20 —————

हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

—————¹ में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय

- 1 पूरा नाम और पता भरें।
- 2 जो शब्द लागू न हों, उसे काट दें।
- 3 व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय का नाम और स्थान लिखें।

तृतीय अनुसूची

रजिस्ट्रार के उपयोग के लिए प्रारूप

प्रारूपों की सूची

प्रारूप सं.	धारा	शीर्षक
0-1	23(3)	रजिस्ट्रीकरण के पूरा न होने की सूचना
0-2	23(2)	व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र
0-3	25(3)	अंतिम रजिस्ट्रीकरण के अवमान की सूचना
0-4	(नियम 155)	व्यापार चिह्न अभिकर्ता के रूप में किसी व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

प्ररूप 0-1

भारत सरकार

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

रजिस्ट्रीकरण के पूरा न होने की सूचना—धारा 23(3) (नियम 58)

सं.-----

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 की धारा 23(3) द्वारा यथा अपेक्षित सूचना दी जाती है, कि उस व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकरण, जिसकी बाबत-----20----- को उपरोक्तानुसार संख्यांकित आवेदन किया गया था, आवेदक की छूक के कारण पूरा नहीं हुआ है। यदि इस सूचना की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर रजिस्ट्रीकरण पूरा नहीं कर दिया जाता, तो आवेदन को परित्यक्त मान लिया जाएगा।

इस आवेदन से संबंधित सभी संसूचनाएं भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकेंगी :—

तारीख -----20-----

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

सेवा में,

प्ररूप 0-2

भारत सरकार

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र धारा 23(2) नियम 62(1)

व्यापार चिह्न सं.-----

तारीख-----

प्रमाणित किया जाता है कि व्यापार चिह्न जिसकी समाकृति इसके साथ संलग्न है----- की बाबत-----
तारीख-----के सं. के अधीन-----वर्ग में-----के नाम में रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत किया गया है।

तारीख -----20-----को मेरे निदेशानुसार मुद्रांकित किया गया।

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

रजिस्ट्रीकरण, ऊपर उल्लिखित पहली तारीख से 10 वर्ष के लिए है और तब इसे 10 वर्ष की अवधि के लिए और उसके पश्चात् प्रत्येक 10 वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् भी नवीकरण किया जा सकेगा [व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 (1999 का 47) की धारा 25 और व्यापार चिह्न नियम, 2001 के नियम 63 से 66 तक देखिये।]

यह प्रमाणपत्र विधिक कार्यवाही में या विदेश में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्ति के उपयोग के लिए नहीं है।

टिप्पण—इस व्यापार चिह्न के स्वामित्व में कोई परिवर्तन, या भारत में कारबार के प्रधान स्थान के पता या सेवा के लिए पते में परिवर्तन होने पर तुरंत परिवर्तन को रजिस्टर करने के लिए आवेदन किया जाना चाहिए।

प्ररूप 0-3

भारत सरकार

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

अंतिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति की सूचना—धारा 23(2) नियम 64(1)

रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न सं.-----

वर्ग-----

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 की धारा 25(3) द्वारा यथा अपेक्षित सूचना दी जाती है कि पूर्वोक्त व्यापार चिह्न का रजिस्ट्रीकरण —
 ————— को समाप्त होगा और यह कि तारीख ————— को यह उससे पहले ————— रूपए की
 विहित फीस सहित संलग्न प्ररूप व्या. चि. 12 पर आवेदन के व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में प्राप्त होने पर 10 वर्ष की अवधि के लिए रजिस्ट्रीकरण
 का नवीकरण किया जा सकेगा।

तारीख ————— 20 —————

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

प्ररूप 0-4

भारत सरकार

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999

व्यापार चिह्न अधिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र (नियम 155)

सं. —————

प्रमाणित किया जाता है कि ————— के ————— को
 तारीख ————— 20 ————— को, व्यापार चिह्न नियम, 2001 के नियम 148 के अधीन रखे गए व्यापार चिह्न
 अधिकर्ताओं के रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत किया गया था।

रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न

चतुर्थ अनुसूची

माल और सेवाओं का वर्गीकरण—वर्गों के नाम

किसी वस्तु या माधुनिक के पुर्जे, साधारणतया, उसी वस्तु या उपकरण के पुर्जों के रूप में वहां के सिवाय जहां कि ऐसे पुर्जे स्वयं अन्य वर्गों
 में सम्मिलित वस्तुएं हैं, वर्गीकृत किये गए हैं।

1	2
1	उद्योग विज्ञान, फोटोग्राफ, कृषि, उद्यान-कृषि, वानिकी में उपयोग किए गए रसायन, अप्रसंस्कृत कृत्रिम राल, अप्रसंस्कृत प्लास्टिक खाद, अग्नि शमक मिश्रण, झलाई और फलाई चढ़ाने की निर्मितियां, खाद्य पदार्थों के परिरक्षण के लिये रासायनिक पदार्थ, चर्म शोधक पदार्थ, उद्योग में प्रयुक्त आसंजक पदार्थ।
2	पेंट, वार्निश, प्रलाक्षारस, जंग रोधी काष्ठ का अवलक्षयपा रोधी परिरक्षक रंजक पदार्थ, रंगने के पदार्थ, रंग स्थापक पदार्थ, कच्ची राल नैसर्गिक पेंटों, सज्जको, प्रिंटों और कालाकारों के लिये वर्क या चूरे के रूप में धातुएं।
3	लोंड़ी में प्रयोग के लिए विरंजक निर्मितियां और अन्य पदार्थ, स्वच्छ करने, चमकाने, खरोचन और घिसने वाली निर्मितियां, साबुन, परिमल पदार्थ (गन्ध द्रव्य) वाष्पशील तेल, सौंदर्य प्रसाधन, केश धोने वाले घोल, दंत मंजक।
4	औद्योगिक तेल और चिकनाइयां, स्नेहक, धूल जमाने वाले, गीला करने वाले, सोखने वाले सम्मिश्रण, ईंधन (मोटर स्पिरिट सहित) और प्रदीपक मोमबत्तियां, बत्ती।
5	भेषजीय, शामिलहोत्रिक और सफाई (शौच) सम्बन्धी निर्मितियां चिकित्सीय उपयोग के लिए अनुकूलित आहार संबंधी पदार्थ, शिशुओं के लिये खाद्य, लेप, पट्टी, रूई इत्यादि, दन्त रोधक सामग्री दन्त वैश्व रोगाणु, नाशक, अनखुण और कृमियों को नष्ट करने वाली निर्मितियां।
6	सामान्य धातुएं और ननक्री मिश्रधातु, धात्विक ढली सामग्री ढली भवन (निर्माण) सामग्रियां, रेल पथ के लिये पटरियां, जंजीरें (अ-विक्षसतीय) केबिल और तार और लोहे के समान का अन्य भेद, लुहारी की चीजें, धात्विक नल और नलियां, सेफ और तिजोरियां, कम कीमती धातु वाली अन्य वस्तुएं, जो कि अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं, अयस्क।

1	2
7	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें और इंजन (जो मोटरें यानों में काम आती हैं उन से भिन्न) मोटरें, जो (कपलिंग और माल यानों में काम आती हैं उनसे भिन्न) कपलिंग और माल प्रचालन से भिन्न कृषि उपकरण अंडों के लिए इन्क्यूबेटर।
8	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण, (हस्त प्रचालित) चाकू, छुरी कांटे और चम्मच, बगली शस्त्रास्त्र रेजर।
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, वैद्युत, फोटोग्राफी, सिनेफोटोग्राफी, आले, तुलाई, मापक, संकेतक, पड़तालक, (पर्यवेक्षक), प्राण रक्षक और शैक्षणिक यंत्र और उपकरण, ध्वनि, या बिम्ब का अभिलेखन, पारेषण या पुनः प्रस्तुतिकरण, चुम्बकीय डाटा वाहक, रिकार्डिंग डिस्क, स्वतः बेचन वाली मशीन, सिक्का प्रचालन साधित्र के लिए यांत्रिकी रोकड़ रजिस्टर, गणनयंत्र, डाटा प्रोसेसिंग उपस्कर और कम्प्यूटर, अग्नि शामक यंत्र।
10	शाल्यिक, औषधीय, दंत और शालिहोत्रिक आले और यंत्र, कृत्रिम अंग, नेत्र और दांत सहित आर्थोपेडिक वस्तुएं, सीवन सामग्री।
11	प्रकाशन साधित्र, तापक, वाष्पजनक, पकाने, वातानुकूलित करने, सुखाने, प्रघातक, जल प्रदाय और शौच के लिये प्रतिष्ठापित यंत्र।
12	यान, भूमि पर, ध्योम में अथवा जल पर चलने के लिये यंत्र।
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र, विस्फोटक पदार्थ, आतिशबाजी।
14	बहुमूल्य बाधुएं और उनका मिश्रातु और बहुमूल्य धातुओं में वस्तुएं या उनका पानी चढ़ी वस्तुएं, जो अन्य वर्ग में सम्मिलित नहीं हैं। आभूषण, बहुमूल्य रत्न, छड़ीसाजों और अन्य कालमापी उपस्कर।
15	संगीत के उपकरण।
16	कागज गत्ता और इन सामग्री से बनी वस्तुएं जो अन्य वर्ग में सम्मिलित नहीं हैं मुद्रित सामग्री, जिल्दसाजी सामग्री, फोटोग्राफ, लेखन सामग्री या घरेलू प्रयोजनों के लिए श्लेषक, कलाकारी की सामग्री, पेंट ब्रश, टाइपराइटर और कार्यालय की अपेक्षित वस्तुएं (फर्नीचर को छोड़कर), शिक्षा और अध्यापन सामग्री (साधित्र को छोड़कर), पैकिंग के लिए प्लास्टिक सामग्री (जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं), ताश, मुद्रण टाइप, मुद्रण ब्लॉक।
17	रबर, गट्टा पर्चा, गम, एस्बेस्टास, अभ्रक और इन सामग्री से बने माल जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं, विनिर्माण में उपयोग के लिए बहिर्वर्धित रूप में प्लास्टिक पैकिंग, तहराव और इनसुल सामग्री, नमनीय पाइप जो धातु की न हों।
18	चमड़े और कृत्रिम चमड़े और इन सामग्रियों से बने माल या जो अन्य वर्गों के अन्तर्गत नहीं हैं, पशु की खाल, चर्म, ट्रक और यात्रा में ले जाने वाले बैले, छाते, छतरियों और छडियां, सचेतक, साज-सज्जा और सैडिलरी।
19	भवन निर्माण सामग्री (गैर-धात्विक), भवनों के लिए गैर धात्विक कठोर पाइप, एम फाल्टापच और बिटुमैन, गैर धात्विक वहनीय भवन, स्मारक जो धातु हैं।
20	फर्नीचर, शीशे, तस्वीरों के चोखटे, (जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं) लकड़ी की शीजें, कार्क, सरकंडे, बेंत, सीक, सींग, हड्डी, हाथीदांत, खेल की हड्डी, सीप, अम्बर, सीपी, मरशेबम, सेल्युलाइड और इनकी प्लास्टिक की सामग्रियां।
21	छोटे घरेलू बर्तन और पात्र (जो किसी कीमती धातुओं के नहीं हैं या जिन पर ऐसी धातुओं का पानी नहीं है) कंघे और स्पंज, (चित्रकारी की ब्रशों से भिन्न) ब्रशें, ब्रश बनाने की सामग्रियां, मार्जनार्थ उपकरण, स्टीलवूल, अकृत या अर्धकृत कांच (भवन में प्रयुक्त कांच को छोड़कर) के बर्तन, चीनी के बर्तन और मिट्टी के बर्तन जो अन्य वर्गों के अन्तर्गत नहीं हैं।

1	2
22	रस्से, सुतली, जाल, तम्बू, चंदवा, तिरपाल, पाल, बोरे और धैले (जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं) गद्दी, और भरी जाने वाली सामग्रियां, (रबड़ या प्लास्टिक को छोड़कर) कच्चे रेशेदार वस्त्र सामग्रियां ।
23	वस्त्र उपयोग के लिए, सूत और धागे ।
24	वस्त्र और वस्त्र की वस्तुएं जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं, पलंग और टेबल पोश ।
25	कपड़े, जूतादि, हैडगियर ।
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी, बटन, दबाकर लगाने वाले बटन, हुक और अखुआ, पिन और सुईयां, गकली पूल ।
27	गलीचे, लोई, चटाइयां और बिछावन, विद्यमान फशों को बनाने के लिए लिनोलियम और अन्य सामग्रियां, (बेबुने) दीवार के पर्दे ।
28	खेल और खेलने की चीजें, जमनास्टिक और क्रीड़ा की चीजें जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं, क्रिसमस वृक्ष के लिए आभूषण और श्रृंगारिक वस्तुएं ।
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन क्रीड़ा, मांस का सत, अचार पड़े, सुखाये गये और पकाये गये फल और तरकारियां, जेली, जेम, फल सॉस, अण्डे, दूध और दुग्ध उत्पाद, खाद्य तेल और वसा ।
30	काफी, चाय, क्रोफा, चीनी, चावल, टेपीओका, साबूदाना, कृत्रिम काफी, आटा और अनाजों से बनी निर्मितियां, रोटी, पेस्ट्री और कन्फेक्शनरी, बर्फ, शहद, जूसी, खमीर, बेकिंग पाउडर, नमक, सरसों, काली मिर्च, सिरका (सॉस) मसाले, बर्फ ।
31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज, जो अन्य वर्गों के अन्तर्गत नहीं हैं, जीवित पशु, ताजे फल और तरकारियां, बीज, जीवित पौधे और फूल, पशुओं के लिये खाद्य पदार्थ, द्रव्य ।
32	बीयर, खनिज और वाति पेय और अन्य अमद्यसारिक पेय फलदेय, फल जूस, नैसर्गिक शर्बत और पेयों के बनाने के लिये अन्य निर्मितियां ।
33	मद्य-पेय (बीयर को छोड़कर) ।
34	तम्बाकू, धूम्रपान करने वालों की चीजें, दियासलाइयां ।
सेवाएं	
35	विज्ञापन, कारबार प्रबन्ध कारबार प्रशासन, कार्यालय के कृत्य ।
36	बीमा, वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, संपदा कार्य ।
37	भवन सन्निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं ।
38	दूरसंचार ।
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण; यात्रा इंतजाम ।
40	सामग्री का बहिर्ग्राह ।
41	शिक्षा; प्रशिक्षण देना, मनोरंजन, क्रीड़ा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप ।
42	खाद्य और पेय; अस्थायी वास, चिकित्सा, स्वच्छता और सौंदर्य देखभाल; पशुचिकित्सा और कृषि सेवाएं, विधिक सेवाएं, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सेवाएं देना जो अन्य वर्गों में सम्मिलित नहीं हैं ।

पाँचवी अनुसूची

नियम 145 में निर्दिष्ट वस्त्र वस्तुओं की मदों की सूची मद संख्या :

1. कोरा लट्ठा, शर्टिंग्स, सेलुलर, लिम्बरिक, पोपलिन, चदरें, छींट और ल्यापार्ड वस्त्र—इनके अन्तर्गत सभी ऊपर वर्णित कोरे कपड़े आ जाते हैं जिनकी जमीन में कोई रंग नहीं है किन्तु जिनका सिरा रंगदार बुना हुआ होगा।
2. कोरी ड्रिल, जीन और डक—इनके अन्तर्गत केवल कोरे कपड़े हैं और वह धारीदार जीन नहीं है जिसकी जमीन बिना धुली सफेद हो।
3. कोरी टिबिल्स।
4. कोरा सालीथा—टी क्लाथ्स और डोमेस्टिक्स।
5. कोरा मोटा वस्त्र।
6. सादी बुनाई वाली कोरी चदरें और खादी की चदरें—इनके अन्तर्गत सादी बुनाई वाली ऐसी सब चदरें होंगी जिनकी जमीन में कोई रंग नहीं है किन्तु सिरा रंगदार बुना हुआ या फैन्सी है किन्तु इसके अन्तर्गत चेक की और धारीदार चदरें नहीं हैं।
7. स्तुविल बुनावट की कोरी चदरें—इनके अन्तर्गत केवल ऐसी कोरी चदरें हैं जिनकी जमीन में कोई रंग नहीं है किन्तु सिरा रंगदार बुनाई का है।
8. कोरी धोतियां जिनके अन्तर्गत तेहमद हैं—[यह मद कोरी जमीन वाली (सब आकारों की) उन धोतियों से सम्मिलित है जो कि नकदी रेशम, रंगदार सूत, इटे सूत की हैं या नहीं या जिनका छपा बोर्डर और सिरा है या नहीं।]
9. कोरी साड़ियां और दुपट्टा और साड़ी का कपड़ा—जिनके अन्तर्गत केवल कोरी जमीन वाली (सब आकारों की) साड़ियां हैं भले ही वे नकली रेशम की, रंगीन सूत की हो या नहीं या जिनका छपा बोर्डर और सिरा हो या न हो और साड़ी की लम्बाई चौड़ाई वाले साड़ी वस्त्र के टुकड़े हैं किन्तु इसके अन्तर्गत धारीदार या चेक की जमीन वाली साड़ियां और रंगी तथा छपी साड़ियां नहीं हैं।
10. कोरी दुसूती।
11. कोरी जेकोनेट्स, जगन्नाथी, मुर्ल और मलमल।
12. पगड़ी का कोरा कपड़ा।
13. कोरा बुना विछावन और टाट, जिसके अन्तर्गत फिल्टर क्लाथ है।
14. समबूरा कपड़ा—लाल और काले सिरों वाली और केन्द्र में रंगीन धारी वाली कोरी ड्रिल।
15. सब प्रकार का कोरा डोबी वस्त्र और डोरिया।
16. धुला लट्ठा, शर्टिंग्स, सेल्यूलर, लिम्बरिक, पोपलिन, शीटिंग और छींट—इनके अन्तर्गत सभी ऊपर वर्णित सादा कपड़ा है जिसके सिरों में रंगीन बुनाई के सिवाय जमीन में कोई रंग नहीं है।
17. धुली ड्रिल, जीन और डक—मद 16 के अधीन टिप्पण देखिये।
18. धुली टिबिल्स—मद 16 के अधीन टिप्पण देखिये इस मद के अन्तर्गत धुली जमीन पर धारीदार दुविल नहीं हैं।
19. धुला वस्त्र और घरेलू काम का वस्त्र—मद 16 के अधीन टिप्पण देखिये।
20. धुला मोटा वस्त्र—मद 16 के अधीन टिप्पण देखिये।
21. धुली चादर—इसके अन्तर्गत बिना धारी की चादर और बुनी दुविल है।
22. धुली मुल्स, जेकोनेट, और नैनसुखा—मद 16 के अधीन टिप्पण देखिये।
23. धुला मदपल्लम और केम्बरिक्स—मद 16 के अधीन टिप्पण देखिये।
24. धुली धोतियां जिनके अन्तर्गत तेहमद है— इस मद का सम्बन्ध (सभी आकारों वाली) बिना धारी की धुली जमीन वाली धोती से है जिसमें नकली रेशम, रंगीन सूत, इटे सूत या छपी हुई किनारी या सिरा है।
25. धुली साड़ियां और दुपट्टे, इसके अन्तर्गत केवल बिना धारी वाली निरंजित जमीन की साड़ी (सभी आकारों की) हैं जिनमें नकली रेशम, रंगीन सूत और छपी किनारी और सिरा है, किन्तु इसके अन्तर्गत धारीदार या चेक वाली साड़ियां और रंगी और छपी साड़ियां नहीं हैं।
26. धुली दुसूती—मद 16 के अधीन टिप्पण देखिये।

27. धुली वाइल और मलमल—मद 16 के अधीन टिप्पण देखिये।
28. धुला डोरिया और फैन्सी—जिसके अन्तर्गत लड़े सूत की धारी या चारखाने वाला धुला कपड़ा है।
29. धुला बुना बिछावन और टाट—मद 16 के अधीन टिप्पण देखिये।
30. धुली पगड़ी क्लाथ—मद 16 के अधीन टिप्पण देखिये।
31. कशीदा की गई धुली वायलें, मलमल आदि।
32. धुली फलालेन और फलेनेन्स और सभी धुले वस्त्र जो केवल एक तरफ उठे हों और सूती मलमल।
33. रंगे हुए लट्टे, शर्टिंग, सेल्यूलर, लिम्बरिक, पोपलिन और शर्टिंग्स—इसके अन्तर्गत उक्त वर्णित रंगे हुए खण्ड वस्त्र हैं।
34. रंगी ड्रिल—मद 33 के अधीन टिप्पण देखिये। इस मद के अन्तर्गत रंगीन ताने या बाने की ड्रिल है।
35. रंगी टूविल—मद 33 के अधीन टिप्पण देखिये।
36. रंगा टी. क्लाथ और घरेलू काम का वस्त्र—मद 33 के अधीन टिप्पण देखिये।
37. रंगा मोटा वस्त्र—मद 33 के अधीन टिप्पण देखिये।
38. रंगी चद्दर—मद 33 के अधीन टिप्पण देखिये।
39. तहमद, साड़ियां और शालों सहित रंगी धोतियां—इस मद के अन्तर्गत अलग-अलग नगों में रंगीन धोतियां, साड़ियां या शाल है।
40. रंगा, फैन्सी माल—इनके अन्तर्गत वह फैन्सी माल है जो इकहरे रंगीन ताने या बाने वाला फैन्सी माल है या ताने या बाने या दोनों में छपा सूत है।
41. रंगा पगड़ी कपड़ा—मद 33 के अधीन टिप्पण देखिये।
42. रंगी वाइल—इसके अन्तर्गत किनारीदार वाइल है।
43. रंगी फलेनेन्स—इसके अन्तर्गत कोरा और एक रंगा का फलेनेन्स और सभी रंगे कपड़े जो एक तरफ उठे हैं और सूत मिश्रित मलमल है।
44. रंगी मुल्स।
45. छोटे का रंगा कपड़ा।
46. कोटिंग और पैन्ट कपड़ा (जिसके अन्तर्गत शोलापुरी, चैन्ई का कपड़ा, सन प्रूफ कपड़ा, टसर, काशिमरी क्लाथ, सर्ज, थाना वस्त्र, दूधीड, माजरी, मलटिया और कोरडुराई है) ऊपर गिनाई गई वस्तुओं के अतिरिक्त इस मद के अन्तर्गत सूती रंगे कोटिंग और ऐसे कोटिंग हैं जिनमें अकेले या रंगे सूती धागों को साथ-साथ नकली रेशम ताने या बाने में धारियों या चैकों के रूप में हैं।
47. धारीदार ड्रिल और जीन और धारीदार टूविल जिसके अन्तर्गत धारीदार ड्रिल या कोरी, धुली या रंगीन जमीन वाली टूविल है।
48. रंगे ताने और बाने कोरे या धुले बाने वाली बेड़ टिकिंग।
49. कोरी और धुली जमीन वाला धारीदार मोटा कपड़ा।
50. धारीदार शर्टिंग आदि कोरी, धुली या रंगी जमीन वाली धारीदार शर्टिंग, धारीदार सूती और चैक जैफर्स, किन्तु इसके अन्तर्गत नकली रेशम की धारीदार वस्तुएं नहीं हैं।
51. चैक शर्टिंग्स, चैक सूती और चैक जैफर्स—मद 50 के अधीन टिप्पण देखिये।
52. कोरी, धुली या रंगीन जमीन वाली बिना रंग की चैक चद्दर, और टूविल चैक चद्दर, सहित चैक चद्दर।
53. लुंगी और सारेंग।
54. बुनी रंगीन साड़ियां और पट्टे—(इसके अन्तर्गत धारीदार या चैक की जमीन वाली साड़ियां और दुपट्टे हैं, किन्तु इनके अन्तर्गत वे साड़ियां और दुपट्टे नहीं हैं जिनमें नकली रेशम कपड़े के बीच में हैं)।
55. चैक वाले चोले और गुमचे।
56. नकली रेशम की धारीदार शर्टिंग्स— इसके अन्तर्गत (क) नकली रेशमी ताने और बाने वाले, (ख) नकली रेशमी ताने या बाने वाले या (ग) धारियों में या तो अकेले या रंगीन सूती धागों सहित कृत्रिम रेशम वाले शर्टिंग्स हैं।

57. कोरी, धुली और रंगी जमीन वाली नकली रेशमी चैक शर्टिंग्स।
58. नकली रेशमी खिमखाव और "आल ओवर स्टाइल"।
59. नकली रेशमी धोतियां, साड़ियां, और दुपट्टे और साड़ी वस्त्र (इस मद के अन्तर्गत वे धोतियां और साड़ियां हैं जिनमें नकली रेशमी ताने या बाने या दोनों प्रयुक्त होते हैं। इसके अन्तर्गत वे धोतियां, आदि नहीं हैं जिनमें कृत्रिम रेशम का उपयोग केवल किनारियों में हुआ है)।
60. कोरा, धुला और रंगा हुआ क्रेप-वस्त्र। इस मद के अन्तर्गत रंग वस्त्र का छपा सूत भी है।
61. धुली धारीदार दुसूरी इसके अंतर्गत खण्ड सहित रंगी और धारीदार दुसूरी भी है।
62. वाइल की साड़ियों सहित छपी धोतियां, शाल, रूमाल, साड़ी और अन्य छपे वस्त्र।
63. कोरा, धुला और रंगी जमीन वाला छींटदार लट्टा, शर्टिंग्स सेल्युर लिम्बिक, पोपलीन, शर्टिंग्स (चदर)।
64. धारीदार, चेक और छपी फलालेन।
65. शुद्ध रेशमी साड़ी।
66. लेनों और मोकलेना, बैण्डेज का कोरा, धुला, रंगा या धारीदार कपड़े—इस मद के अन्तर्गत साज का कपड़ा भी है।
67. कोरे, धुले, रंगे, धारीदार, छींटदार या चेकदार तोलिये का कपड़ा सहित टेरी तोलिया।
68. कोरे, धुले, छींटदार, धारीदार या चैकदार तोलिये के कपड़े सहित हक बैक तोलिया।
69. कोरे, धुले, रंगे, छींटदार, धारीदार या चेकदार तोलिये के कपड़े सहित हनीकाम्ब तोलिया।
70. सभी अन्य तोलिये जिनके अन्तर्गत तोलिये का कपड़ा है।
71. (क) झाड़न, दस्ती रूमाल, रूमाल और कांच साफ करने वाले कपड़े (सरबीट्स)।
(ख) मेज पोश और मेज कवर्स, नैपकिन।
72. कोरी, धुली या रंगी डौबी और जेकर्ड चदर, पलंगपोश, रजाइयां खोल, इनके अन्तर्गत सुजनी है।
73. सूती और ऊनी सूत के मेल वाले कम्बलों और (न रंगे या न छपे) शालों या किसी भी तनु की लोई सहित सब किस्म के कम्बल और मलीदे।
74. दरी और गलीचे जिसके अन्तर्गत शतरंजी (फर्शी गलीचे) हैं।
75. रंगी हुई या सूत की बनी हुई रंगी और रंगीन किरमिच।
76. (पूरा रंगा हुआ और बिना धारी का) सादी और फैन्सी जमीन वाला नकली रेशम, वेफर्स, अलफका, क्रेप, आदि।
77. मोटर ठकने का कपड़ा।
78. कोरी, धुली और रंगी बुकरम।
79. धारीदार वायल—धुली और या रंगी अलग-अलग नगों में।
80. कोरी, धुली और रंगी छींटदार वायल।
81. मूकटा कलाथ—वह वस्त्र सूती ताने और सनी बाने से बुना हुआ होता है।
82. सूती सजावट के कपड़े और केसमेन्ट कपड़े सहित कोरे, धुले और रंगे और छपे नकली रेशमी पर्दे और बिछावन वस्त्र।
83. धुली और रंगी बेड फोर्ड रस्सी।
84. कोरी, धुली या रंगी जमीन वाली छपी क्रेप।
85. बेरंगी, धारीदार या चेक वाली शुद्ध रेशमी कोटिंग—इस मद के अन्तर्गत नकली रेशों, तारों या सूतों का बना कोटिंग भी है।
86. बिना रंग वाला धारीदार या चेकदार शुद्ध रेशमी शर्टिंग।
87. छपी झिल, बुविल और जीन।
88. धुली रंगीन, छपी और किनारी वाली कोर्डेड वाइल्स।
89. नकली रेशमी, ताना-बाना या दोनों वाली छपी बोस्की।

90. नकली रेशमी धारीदार वाइल-कोरी, धुली और रंगीन वाइलें जिनके बीच में नकली रेशमी धारियां हैं।
91. नकली रेशमी बार्डर सहित या रहित धुली, रंगी और छपी किनारीदार वाइलें।
92. नकली रेशमी साटिन—जिसके अन्तर्गत 100 प्रतिशत नकली रेशम वाली या ताने या बाने में लगे नकली रेशम वाली साटिन है।
93. कोरी, धुली और रंगी चेक वाइल (इस मद के अन्तर्गत ऐसी सूती वाइल है जिसमें कोरी, धुली या रंगीन जमीन वाले कपड़े के पूरे भाग पर चेक की डिजाइन है)।
94. कोरी फ्लेलेट्स—इसके अन्तर्गत एक तरफ उठा कोरा कपड़ा और सूती मखमल है।

छठी अनुसूची

रजिस्ट्रार के सामने नियम 114 की कार्यवाहियों में समनुज्ञेय खर्चों का मापमान

प्रविष्टि संख्या	वह मामला जिसे लेखे खर्च अधिनिर्णीत किया जाना है	रकम
1.	एक दिन की ऐसी सुनवाई के लिए जिसके अन्तर्गत साक्षियों से पृच्छा की जाती हैं	1000 रुपए
2.	जहां साक्षियों से कोई पृच्छा नहीं हुई है वहां एक दिन की सुनवाई के लिये	500 रुपए
3.	किसी पक्षकार की याचना पर सुनवाई का स्थगन मंजूर करने के लिये	500 रुपए और अन्य पक्षकारों के जिन साक्षियों से उस दिन पृच्छा होनी थी उन्हें पुनः आहूत करने का खर्च।
4.	शपथपत्र से कलंक कर विषय निकाल देने के लिये	200 रुपए
5.	साक्षियों की हाजिरी के लिये, जीवन निर्वाह भत्ता यात्रा भत्ता	500 रुपए (निम्नलिखित टिप्पण देखिए) प्रत्येक तरफ का प्रथम वर्ग या द्वितीय वर्ग का रेलगाड़ी या वाष्प जलयान का भाड़ा, और यदि रेलगाड़ी या वाष्प जलयान वहां न चलता हो तो साक्षी के ओहदे या हैसियत के हिसाब से 5 रुपए या 2.50 प्रति किलोमीटर होगा।

टिप्पण—साक्षियों के लिये जीवन निर्वाह भत्ते और यात्रा भत्ते की दरों में परिवर्तन साक्षियों की हैसियत के अनुसार होगा। किन्तु जो अधिकतम विहित है, उससे वह अधिक न होगा।

भाग 8

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की भाषा :—(1) (क) व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की भाषा अंग्रेजी होगी :

परन्तु कार्यवाही के पक्षकार, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के समक्ष में हिन्दी में प्ररूपित दस्तावेजों को फाइल कर सकते हैं, यदि उन्होंने ऐसी वांछा की हो :

परन्तु जहां—

(क) रजिस्ट्रार अधिकरण की कार्यवाहियों में हिन्दी के प्रयोग की अनुज्ञा देता है और ऐसी कार्यवाहियों में सुनवाई को वह स्वधिकेकानुसार अभिवाचनों और फाइल किए जाने वाले दस्तावेजों के अंग्रेजी अनुवाद के लिए निदेश दे सकेगा।

(ख) राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 2 के खंड (घ) में यथापरिभाषित “क” क्षेत्र में स्थित व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के कार्यालय के बारे में रजिस्ट्रार स्वविवेकानुसार अंतिम आदेश हिन्दी या अंग्रेजी में दे सकेगा।

(2) पैरा (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, जहां अंतिम आदेश हिन्दी में किया जाता है वहां उसका अधिप्रमाणित अंग्रेजी अनुवाद साथ ही साथ तैयार किया जाएगा और अभिलेख में रखा जाएगा।

[सं. 14(3)/98-पी.पी. एण्ड सी.]

ए. ई. अहमद, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Industrial Policy and Promotion)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 26th February, 2002

G.S.R. 114 (E).— WHEREAS certain Draft Rules were published in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with section 2 [except clauses (xxix), (xxx), (xxxi), (xxxii) and (xxxiii) thereof] of section 157 of the Trade Marks Act, 1999 (47 of 1999) and sections 22 and 24 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), vide notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Industrial Policy and Promotion) vide Number G.S.R. 373 (E) dated the 18th May, 2001 published in Part II section 3, sub-section (i) of the Gazette of India, (Extraordinary), inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of thirty days from the date on which copies of the Gazette containing the Notification were made available to the public;

AND WHEREAS the copies of the Gazette containing the said Notification were made available to the public on 11th June, 2001;

AND WHEREAS the objections and suggestions were received from the public have been considered by the Central Government;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 157 of the Trade Marks Act, 1999 (47 of 1999), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

PART 1**CHAPTER 1****PRELIMINARY**

1. (1) **Short title and commencement.** - These rules may be called the Trade Marks Rules, 2002.

(2) They shall come into force on the date on which the Act comes into force.

2. (1) **Definitions.** - In these rules, unless the context otherwise requires, -

- a) "Act" means the Trade Marks Act, 1999 (47 of 1999);
- b) "agent" means a person authorised to act under section 145 of the Act;
- c) "application for registration of a trade mark" includes the trade mark for goods or services contained in it;
- d) "appropriate office of the Trade Marks Registry" means the relevant office of the Trade Marks Registry as specified in rule 4;
- e) "class fee" means the fee prescribed for the filing of an application for registration of a trademark in a particular class;
- f) "convention country" means a country or group of countries or union of countries or Inter-Governmental organisations of countries declared as such under sub-section (1) of section 154;
- g) "convention application" means an application for registration of a trade mark made by virtue of section 154;
- h) "divisional application" means-
 - (i) an application containing a request for the division of goods or services in a class for the registration of a trade mark; or
 - (ii) a divided application made by the division of a single application for the registration of a trade mark for separate classes of goods or services;

- i) "divisional fee" means fee prescribed **against entry number 68** in the First Schedule,
- j) "Form" means a form set forth in either the Second or the Third Schedule,
- k) "graphical representation" means the representation of a trade mark for goods or services in paper form,
- l) "Journal" means the Trade Marks Journal referred to in rule 43,
- m) "notified date" means the date on which these rules come into force,
- n) "old law" means the Trade and Merchandise Marks Act, 1958 and rules made thereunder existing immediately before the commencement of the Act,
- o) "opposition" means an opposition to the registration of a trade mark or a collective mark or a certification trade mark, as the case may be,
- p) "principal place of business in India" means the relevant place of business in India as specified in rule 3,
- q) "publish" means publish in the Trade Marks Journal,
- r) "registered trade mark agent" means a trade marks agent whose name is actually on the register of trade marks agents maintained under rule 148,
- s) "renewal" means and includes renewal of a trade mark, or a certification trade mark or collective mark, as the case may be,
- t) "Schedule" means a Schedule to these rules,
- u) "section" means a section of the Act,
- v) "specification" means the designation of goods or services in respect of which a trade mark or a registered user of a trade mark is registered or proposed to be registered,
- w) All other words and expressions used but not defined in these rules but defined in the Act or in the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 (48 of 1999), the Copyright Act, 1957 (14 of 1957) shall have the meanings respectively assigned to them in those Acts

(2). In these rules, except as otherwise indicated, a reference to a section is a reference to that section in the Act, a reference to a rule is a reference to that rule in these rules, a reference to a Schedule is a reference to that Schedule to these rules and a reference to a Form is a reference to that Form contained in the Second Schedule or the Third Schedule, as the case may be, to these rules

3. Principal place of business in India - "Principal place of business" in India means-

- (i) where a person carries on business in the goods or services concerned in a trade mark-
 - (a) if the business is carried on in India at only one place, that place,
 - (b) if the business is carried on in India at more places than one, the place mentioned by him as the principal place of business in India,
- (ii) where a person is not carrying on a business in the goods or services concerned in a trade mark -
 - (a) if he is carrying on any other business in India at only one place, that place,
 - (b) if he is carrying on any other business in India at more places than one, the place mentioned by him as the principal place of business in India, and
- (iii) where a person does not carry on any business in India but has a place of residence in India, then such place of residence in India

4. Appropriate office of the Trade Marks Registry - The appropriate office of the Trade Marks Registry for the purposes of making an application for registration of a trade mark under section 18 or for giving notice of opposition under section 21 or for making an application for removal of a trade mark under section 47 or cancelling or varying the registration of a trade mark under section 57 or for any other proceedings under the Act and the rules shall be -

- a) in relation to a trade mark on the Register of Trade Marks at the notified date, the office of the Trade Marks Registry within whose territorial limits-
- (i) the principal place of business in India of the registered proprietor of the trade mark as entered in the register at such date is situate,

- (ii) where there is no entry in the register as to the principal place of business in India of the registered proprietor, the place mentioned in the address for service in India as entered in the register at such date is situate;
 - (iii) in the case of jointly registered proprietors, the principal place of business in India of the proprietor whose name is entered first in the register as having such place of business in India at such date is situate;
 - (iv) where none of the jointly registered proprietors is shown in the register as having a principal place of business in India, the place mentioned in the address for service in India of the joint proprietors as entered in the register at such date, is situate,
 - (v) if no principal place of business in India of the registered proprietor of the mark or in the case of joint registration, of any of the joint proprietors of the mark, is entered in the register, and the register does not contain any address for service in India, the place of the office of the Trade Marks Registry where the application for registration of the trade mark was made, is situate, and
- b) in relation to a trade mark for which an application for registration is pending at the notified date or is made on or after the notified date, the office of the Trade Marks Registry within whose territorial limits –
- (i) the principal place of business in India of the applicant as disclosed in the application or, in the case of joint applicants, the principal place of business in India of the applicant whose name is first mentioned in the application, as having such place of business is situate;
 - (ii) where neither the applicant nor any of the joint applicants, as the case may be, has a principal place of business in India, the place mentioned in the address for service in India as specified in the application is situate.
- 5. Jurisdiction of appropriate office not altered by change in the principal place of business or address for service.** - No change in the principal place of business in India or in the address for service in India, as the case may be,-
- (a) of a registered proprietor or of any of the jointly registered proprietors in relation to any trade mark on the register at the notified date, made or effected subsequent to that date; or
 - (b) of an applicant for registration or of any of the joint applicants for registration in relation to any trade mark for which an application for registration is either pending at the notified date or is made on or after that date, made or effected subsequent to that date or to the date of filing of such application, as the case may be,

shall affect the jurisdiction of the appropriate office of the trade marks registry .

6. Entry of the appropriate office in the register. - In respect of every trade mark on the register at the notified date or registered thereafter the Registrar shall cause to be entered in the register, the appropriate office of the trade marks registry and the Registrar may, at any time, correct any error in the entry so made.

7. Transfer of pending applications and proceedings to appropriate offices of the trade marks registry - Every application and proceeding pending before the Registrar at the notified date in relation to a trade mark shall be deemed to have been transferred to the appropriate office of the trade marks registry.

8. Leaving of documents, etc; - (1) Save as otherwise provided in sub-rule (2), all applications, notices, statements or other documents or any fees authorised or required by the Act or the rules to be made, served, left or sent or paid at or to the trade marks registry in relation to a trade mark on the Register of Trade Marks on the notified date or for which an application for registration is pending on, or is made on or after the notified date, shall be made, served, left or sent or paid to the appropriate office of the trade marks registry

(2) documents or fees authorised or required by the Act or the rules to be sent or paid may be sent or paid at or to either the appropriate office or the head office of the trade marks registry in the following matters -

(a) communication and other documents including affidavits in relation to an application filed for registration of a trade mark;

(b) application or request in Forms TM-10, TM-12, TM-13, TM-14, TM-16, TM-17, TM-19, TM-20, TM-21, TM-23, TM-24, TM-25, TM-28, TM-29, TM-30, TM-31, TM-32, TM-33, TM-34, TM-35, TM-36, TM-38, TM-40, TM-46, TM-47, TM-50, TM-54, TM-55, TM-58, TM-59, TM-61 and TM-62.

(c) Notwithstanding anything contained in sub-rule 1 and under clause (a) or clause (b) of sub rule 2 or sub rule 3 of rule 24, a request for search and issuance of certificate in Form TM-60, expedited examination in Form TM-63, or expedited certified copies of documents in Form TM-70, or for expedited search report in Form TM-71 or for expedited search and issuance of a copyright certificate in Form TM-72 shall be filed at the head registry until the Registrar after informing the public in the Journals directs otherwise.

(9) Documents etc. filed or left not at the appropriate office. - Subject to the provisions of rule 8, where an application, notice, statement or other document or any fee authorised or required by the Act or the rules is made, served, left or sent or paid, at or to an office inadvertently which is not the appropriate office of the Trade Marks Registry, the Registrar may on his own or on a request in writing, return such application, notice, statement or document to the appropriate office if he is satisfied that it was a bonafide error by the applicant:

Provided that the period for which such application, notice or statement or document is retained by the office which is not the appropriate office shall be excluded for the purposes of computing the period of limitation where any of such application, notice, statement or document is required to be presented within the prescribed period:

Provided further that any fee paid at the office which is not the appropriate shall be deemed to have been paid at the appropriate office:

Provided also that before declining any such request, the Registrar shall provide the applicant an opportunity of being heard.

10. Issue of notices etc; - A notice or communication relating to an application, matter or proceeding under the Act or the rules may be issued by the Head of Office or any other officers authorised by the Registrar.

11. Fees. - (1) The fees to be paid in respect of applications, oppositions, registration, renewal, expedited examination or reports or any other matters under the Act and the rules shall be those specified in the First Schedule, hereinafter referred to as the prescribed fees.

(2) Where in respect of any matter, a fee is required to be paid under the rules, the form or the application or the request of the petition thereof, it shall be accompanied by the prescribed fee.

(3) Fees may be paid in cash or sent by money order addressed to the Registrar or by a bank draft issued or by a cheque drawn on a scheduled bank at the place where the appropriate office of the Trade Marks Registry is situated and if sent through post, shall be deemed to have been paid at the time when the money order or the properly addressed bank draft or cheque would be delivered in the ordinary course of post.

(4) Bank drafts and cheques shall be crossed and made payable to the Registrar at the appropriate office of the Trade Marks Registry and these shall be drawn on a scheduled bank at the place where the appropriate office of the Trade Marks Registry is situate.

(5) Subject to the provisions contained in sub-rule 19 of rule 25, where a fee is payable in respect of filing of a document and where the document is filed without fee or with insufficient fee, such document shall be deemed not to have been filed for the purposes of any proceedings under these rules

(6) The Registrar may, after informing the public in the Journal, make available electronic fee transfer facilities, subject to guidelines and instructions as may be specified on that behalf.

12. Forms. - (1) The Forms set forth in the Second and the Third Schedules shall be used in all cases to which they are applicable and may be modified as directed by the Registrar to meet other cases.

(2) Any Form, when filed at the Trade Marks Registry, shall be accompanied by the prescribed fee.

(3) A requirement under this rule to use a Form as set forth in the Schedules is satisfied by the use either of a replica of that Form or of a Form which is acceptable to the Registrar and contains the information required by the Form as set forth and complies with any direction as to the use of such a Form.

(4) The Registrar may after informing the public in the Journal, specify such Forms as are required to be submitted in electronic mode. Thereafter, such Forms shall be completed in such a manner as may be specified as to permit an automated input of the content into a computer such as by character recognition or scanning.

13. Size, etc; of documents. - (1) Subject to any other directions that may be given by the Registrar, all applications, notices, statements or other documents except trade marks, authorised or required by the Act or the rules to be made, served, left or sent, at or to the Trade Marks Registry or with or to the Registrar shall be neatly handwritten or typewritten or lithographed or printed in Hindi or in English in large and legible characters with deep permanent ink upon strong paper, and except in the case of affidavits, on one side only, and of size of approximately 33 centimetres by 20 centimetres and shall have on the left hand part thereof a margin of not less than 4 centimetres.

(2) Duplicate documents including copies of trade marks shall be filed at the Trade Marks Registry if at any time required by the Registrar.

(3) The Registrar may after informing the public in the Journal alter the size, of all applications, notices, statements or other document and forms required under the rules to make it compatible in electronic mode.

(4) The Registrar may, after informing the public in the Journal, permit the filing of applications, statements, notices or other documents by electronic mode subject to such guidelines and instructions as he may specify in the Journal.

14. Signing of documents. - (1) A document purporting to be signed by a partnership firm shall be signed by at least one of the partners stating that he signs on behalf of the firm and a document purporting to be signed by a body corporate shall be signed by a director or by the secretary or other principal officer of the body corporate. The capacity in which an individual signs a document on behalf of a partnership or a body corporate shall be stated below his signature.

(2) Signatures to any document shall be accompanied by the name of the signatory in Hindi or in capital letters, if signed in English.

15. Service of documents. - (1) All applications, notices, statements, papers having representations affixed thereto, or other documents authorised or required by the Act or the rules to be made, served, left or sent, at or to the Trade Marks Registry or with or to the Registrar or any other person may be sent through the post by a prepaid letter.

(2) An application or a document so sent shall be deemed to have been made, served, left or sent at the time when the letter containing the same would be delivered in the ordinary course of post.

(3) In proving such sending, it shall be sufficient to prove that the letter was properly addressed and put into the post.

(4) After the filing of an application at the Trade Marks Registry, any person while making any correspondence relating thereto shall furnish the following particulars, namely:-

(a) the application number or numbers, if any;

(b) the date and place of filing;

(c) the appropriate class or classes, as the case may be, in relation to which the application is filed,

(d) an address for communication; and

(e) the concerned agent's code, if any and the concerned proprietor's code if allotted.

(5) The Registrar may, after informing the public in the Journal permit transmission of any document by facsimile (fax) of specified documents not requiring payment of a fee.

(6) The Registrar may after informing the public in the Journal accept communications of a routine nature through E-mail not requiring the payment of a fee thereof.

16. Particulars of address of applicants and other persons. - (1) Names and addresses of the applicants and other persons shall be given in full, together with their nationality, calling and such other particulars as are necessary for identification.

(2) In the case of a firm, the full name and nationality of every partner thereof shall be stated.

(3) In the case of an application from a convention country and persons having no principal place of business in India, their addresses in their home country shall be given in addition to their address for service in India.

(4) In the case of a body corporate or firm, the country of incorporation or the nature of registration, if any, as the case may be, shall be given.

17. Statement of principal place of business in India in an application. - (1) Every application for registration of a trade mark shall state the principal place of business in India, if any, of the applicant or in the case of joint applicants, of such of the joint applicants as have a principal place of business in India.

(2) Subject to the provisions of rules 18, 19 and 21, any written communication addressed to an applicant, or in the case of joint applicants to a joint applicant, in connection with the registration of a trade mark, at the address of his principal place of business in India given by him in the application shall be deemed to be properly addressed.

18. Address for service. - (1) An address for service in India shall be given –

- (a) by every applicant for registration of a trade mark who has no principal place of business in India;
- (b) in the case of joint applicants for registration of a trade mark, if none of them has a principal place of business in India;
- (c) by the proprietor of a trade mark who had his principal place of business in India at the date of making the application for registration but has subsequently ceased to have such place;
- (d) by every applicant in any proceeding under the Act or the rules and every person filing a notice of opposition, who does not have a principal place of business in India.
- (e) by every person granted leave to intervene under rule 94.

(2) Any written communication addressed to a person as aforesaid at an address for service in India given by him shall be deemed to be properly addressed.

(3) Unless an address for service in India as required in sub-rule (1) is given, the Registrar shall be under no obligation to send any notice that may be required by the Act or the rules and no subsequent order or decision in the proceedings shall be called in question on the ground of any lack or non-service of notice.

19. Address for service in application and opposition proceedings. - An applicant for registration of a trade mark or an opponent filing a notice of opposition may notwithstanding that he has a principal place of business in India, if he so desires, may specifically request in writing, the Registrar with an address in India to which communications in relation to the application or opposition proceedings only may be sent. Such address of the applicant or the opponent shall be deemed, unless subsequently cancelled, to be the actual address of the applicant or the opponent, as the case may be, and all communications and documents in relation to the application or notice of opposition may be served by leaving them at, or sending them by post to such address of the applicant or the opponent, as the case may be.

20. Non-availability of an address for service. - The Registrar may, at any time when a doubt arises as to the continued availability of an address for service in India entered in the register, request the person for whom it is entered, by letter directed to any other address entered in the register or if no such address is entered in the register to the address at which the Registrar considers that the letter would reach him, to confirm the address for service in India and if within two months of making such a request the Registrar receives no such confirmation, he

may strike the entry in the register of the address for service in India and require such person to furnish a fresh address for service in India or his address at the principal place of business in India, if he has any at that time.

21. Agency. - (1) The authorisation of an agent for the purpose of section 145 shall be executed in Form TM-48 or in such other written form as the Registrar may deem sufficient and proper.

(2) In the case of such authorisation, service upon the agent of any document relating to the proceeding or matter shall be deemed to be service upon the person so authorising him; all communications directed to be made to such person in respect of the proceeding or matter may be addressed to such agent, and all appearances before Registrar relating thereto may be made by or through such agent.

(3) In any particular case, the Registrar may require the personal signature or presence of an applicant, opponent, proprietor, registered user or other person

22. Classification of goods and services - (1) For the purposes of the registration of trade marks, goods and services shall be classified in the manner specified in the Fourth Schedule

(2) The goods and services specified in the Fourth Schedule only provide a means by which the general content of numbered international classes can be quickly identified. It corresponds to the major content of each class and are not intended to be exhaustive in accordance with the international classification of goods and services. For determining the classification of particular goods and services and for full disclosure of the content of international classification, the applicant may refer to the alphabetical index of goods and services, if any, published by the Registrar under section 8 or the current edition of the International Classification of Goods and Services for the purpose of registration of trade mark published by the World Intellectual Property Organisation or subsequent edition as may be published

(3) The Registrar shall identify and include in the alphabetical index of classification of goods and services, as far as practicable, goods or services of Indian origin.

23 Preliminary advice by Registrar as to distinctiveness. - (1) An application for preliminary advice by the Registrar under sub-section (1) of section 133 shall be made in Form TM-55 in respect of any goods or services comprised within any one class in the Fourth Schedule, accompanied by three representations of the trade mark

(2) The advice referred to sub-rule (1) shall ordinarily be given within seven working days of such filing of the application and such advice shall contain the reasons therefor.

24. Request to Registrar for search. - (1) Any person may request the Registrar, in Form TM-54 to cause a search to be made in respect of a trade mark relating to specified goods or services classified in any one class in the Fourth Schedule to ascertain whether any trade mark is on record which resembles the trade mark in respect of which the request is made. The Registrar shall cause such search to be made and the result thereof communicated ordinarily to the person making the request within thirty working days of the receipt of such request

Provided, that the Registrar shall cause an expedited search report to be issued ordinarily within seven working days on a request in Form TM-71 on payment of five times the ordinary fees for such search.

(2) If, within three months from the date of communication of the result of the search aforesaid, an application is made for the registration of the trade mark in question and the Registrar takes objection on the ground that the trade mark resembles a trade mark, which was not disclosed in the search but was on record on the last of the dates on which the search was made, the applicant shall be entitled, on giving notice of withdrawal of the application within the period mentioned in rule 39, to have repaid to him any fee paid on the filing of the application.

(3) Any person may request the Registrar, in Form TM-60 to cause a search to be made and for issue of certificate under sub-section (1) of section 45 of Copyright Act, 1957 (14 of 1957) to the effect that no trade mark identical with or deceptively similar to such artistic work, as sought to be registered as copyright under the Copyright Act, 1957 (14 of 1957) has been registered as a trade mark under the Trade Marks Act, 1999 (47 of 1999) in the name of, or that no application has been made under that Act for such re-registration by any person

other than the applicant. The certificate shall ordinarily be issued within thirty working days of the date of request:

Provided, however, the Registrar may call for a statement of requirements from the applicant and if the requirements are not complied within two months from the date of such calling of the statement, the request in Form TM-60 may be treated as abandoned.

(4) The Registrar may cancel the certificate issued under sub-rule (3) after giving notice and stating the grounds on which the Registrar proposes to cancel the certificate and after providing reasonable opportunity of being heard.

(5) Subject to proviso to sub-rule 3 or sub-rule 4, the Registrar shall ordinarily within seven working days issue an expedited search certificate under sub-section (1) of section 45 of the Copyright Act, 1957 (14 of 1957) on a request received in Form TM-72 on payment of five times the ordinary fee for such search.

(6) Before abandoning the request in Form TM-60 or TM-72, as the case may be, for non-compliance of the statement of requirements when called for, the Registrar shall offer an opportunity of being heard in the matter.

CHAPTER II

PROCEDURE FOR REGISTRATION OF TRADE MARKS APPLICATION

25. Form and signing of application. - (1) An application to the Registrar for the registration of a trademark shall be signed by the applicant or his agent.

(2) An application to register a trade mark for a specification of goods or services included in any one class shall be made in Form TM-1.

(3) An application to register a trade mark under sub-section (2) of section 154 for a specification of goods or services included in any one class from a convention country shall be made in Form TM-2

(4) A single application for the registration of a trade mark for different classes of goods or services from convention country under sub-section (2) of section 154 shall be made in Form TM-52.

(5) An application to register a textile trade mark (other than a collective mark or a certification trade mark) consisting exclusively of numerals or letters or any combination thereof for a specification of goods included in one item of the Fifth Schedule under rule 145 shall be made in Form TM-22.

(6) An application to register of a textile trade mark (other than a collective mark or a certification trade mark) consisting exclusively of numerals or letters or any combination thereof for a specification of goods included in one item of the Fifth Schedule under rule 145 from a convention country under sub-section (2) of section 154 shall be made in Form TM-45.

(7) (a) An application under section 63(1) to register a collective trade mark for a specification goods or services in any one class shall be made in Form TM-3.

(b) An application under section 63(1) to register a collective trade mark for a specification of goods or services in any one class from a convention country under sub-section (2) of Section 154 shall be made in Form TM-64

(8) (a) An application under section 71 to register a certification trade mark for a specification of goods or services included in any one class shall be made in Form TM-4.

(b) An application under section 71 to register a certification trade mark for a specification of goods or services in any one class from a convention country under sub-section (2) of Section 154 shall be made in Form TM-65.

(9) A single application for the registration of a trade mark for different classes of goods or services shall be made in Form TM-51.

(10) An application to register a series trade marks under section 15 for a specification of goods or services included in a class or for different classes shall be made in Form TM-8

(11) An application to register a series trade mark under section 15 for a specification of goods or services included in a class or for different classes from a convention country under sub-section (2) of section 154 shall be made in Form TM-37.

(12) An application for registration of a trade mark for goods or services shall –

- (a) explain with sufficient precision, a description by words, of the trade mark if necessary, to determine the right of the applicant;
- (b) be able to depict the graphical representation of the trade mark;
- (c) be considered as a three dimensional trade mark only if the application contains a statement to that effect;
- (d) be considered as a trade mark consisting of a combination of colours only if the application contains a statement to that effect;

(13) An amendment to divide an application under proviso to section 22 shall be made in Form TM-53

(14) An application, not being a series trade mark shall be in respect of one trade mark only for as many class or classes of goods or services as may be made.

(15) In the case of an application for registration in respect of all the goods or services included in a class or of a large variety of goods or services in a class, the Registrar may refuse to accept the application unless he is satisfied that the specification is justified by the use of the mark which the applicant has made or intends to make if and when it is registered.

(16) The specification of goods or services shall not ordinarily exceed five hundred characters for each class. An excess space fee as prescribed in the First Schedule is payable with each application in Form TM-61.

(17) A single application for the registration of a collective mark –

- (a) in different classes shall be made in Form TM-66;
- (b) in different classes from a convention country shall be made in Form TM-67.

(18) A single application for the registration of certification trade mark-

- (a) in different classes shall be made in Form TM-68;
- (b) in different classes from a convention country shall be made in Form TM-69.

(19) Where an applicant files a single application for more classes than one and the Registrar determines that the goods or services applied for fall in class or classes in addition to those applied for, the applicant may restrict the specification of goods or services to the class applied for or amend the application to add additional class or classes on payment of the appropriate class fee and the divisional fee. The new class created through a division retains the benefit of the original filing date or in the case of an application from a convention country the convention application date under sub-section (2) of Section 154 provided the claim was otherwise properly asserted in the initial application.

26. Application under convention arrangement. - (1) Where a right to priority is claimed by reason of an application for registration of a trade mark duly filed in a convention country under section 154, a certificate by the Registry or competent authority of that trade marks office shall be included in an application for registration under sub-rule (3), (4), (6), (7)(b), (8)(b), (11), (17)(b) or (18)(b) of rule 25, as the case may be, and it shall include the particulars of the mark, the country or countries and the date or dates of filing of application and such other relevant particulars as may be required by the Registrar.

2) Unless such certificate has been filed at the time of the filing of the application for registration, there shall be filed, within two months of the filing of such application certifying or verifying to the satisfaction of the Registrar, the date of the filing of the application, the country or countries, the representation of the mark, and the goods or services covered by the application.

(3) The application shall include a statement indicating the date of filing in the convention application, the name of the convention country where it was filed, the serial number, if any, and a statement indicating that priority is claimed.

Provided that where the applicant files more priority claims than one under section 154 for some or all the goods or services in respect of the same trade mark, the Registrar shall also take the date of the earlier application in a convention country, as the priority date.

Provided further that such priority date shall only be in respect of all or some of the goods or services referred to in the earlier convention application.

(4) Where a single application under sub-section (2) of section 18 is filed from a convention country for one or more classes of goods or services, the applicant shall establish a sufficient ground to the satisfaction of the Registrar for the date of filing of application in all such classes.

27. Statement of user in applications - An application to register a trade mark shall, unless the trade mark is proposed to be used, contain a statement of the period during which, and the person by whom it has been used in respect of the goods or services mentioned in the application. The Registrar may require the applicant to file an affidavit testifying to such user with exhibits showing the mark as used.

28. Representation of mark. - (1) Every application for the registration of a trade mark, and where additional copies of the application are required every such copy, shall contain a representation of the mark in the space (8cm x 8 cm) provided on the application form for that purpose.

Provided that in any case the size of such representation shall not exceed 33 centimetres by 20 centimetres with a margin of 4 centimetres on the left hand side.

29. Additional representations - (1) Every application for registration of a trade mark shall, except as hereinafter provided, be made in triplicate and shall be accompanied by five additional representations of the mark. The representations of the mark on the application and each of its copies and the additional representations shall correspond exactly with one another. The additional representations shall in all cases be noted with the specification and class or classes of goods or services for which registration is sought, the name and address of the applicant, together with the name and address of his agent, if any, the period of use, if any, and such other particulars as may from time to time be required by the Registrar and shall be signed by the applicant or his agent.

(2) Where an application contains a statement to the effect that the applicant wishes to claim combination of colours as the distinctive feature of the mark, the application shall be accompanied with one reproduction of the mark in black and white and four reproduction of the mark in colour.

(3) Where the application contains a statement to the effect that the trade mark is a three dimensional mark, the reproduction of the mark shall consist of a two dimensional graphic or photographic reproduction as follows, namely:-

(i) The reproduction furnished shall consist of three different view of the trademark;

(ii) Where, however, the Registrar considers that the reproduction of the mark furnished by the applicants does not sufficiently show the particulars of the three dimensional mark, he may call upon the applicant to furnish within two months up to five further different views of the mark and a description by words of the mark;

(iii) Where the Registrar considers the different views and/or description of the mark referred to in clause (ii) still do not sufficiently show the particulars of the three dimensional mark, he may call upon the applicant to furnish a specimen of the trade mark.

(4) (i) Where an application for the registration of a trade mark consists of shape of goods or its packaging, the reproduction furnished shall consist of at least five different views of the trade mark and a description by word of the mark.

(ii) If the Registrar considers the different views and description of the mark in sub-clause (i) still does not sufficiently show the particulars of the shape of goods or its packaging, he may call upon the applicant to furnish a specimen of the goods or packaging as the case may be

30. Representations to be durable and satisfactory. - (1) All representations of trade marks shall be of a durable nature, and each additional representation required to be filed with an application for registration shall be mounted on a sheet of strong paper of the size of approximately 33 centimetres by 20 centimetres, leaving a margin of not less than 4 centimetres on the left hand part of the sheet.

(2) If the Registrar is not satisfied with any representation of a mark he may at any time require another representation satisfactory to him to be substituted before proceedings with the application.

(3) Where representation of a trademark cannot be given in the manner set forth hereinabove, a specimen or copy of the trademark may be sent either in full size or on a reduced scale and in such form as the Registrar may think most convenient.

31. Series trade marks. - (1) Where an application is made for the registration of series trade marks under sub-section (3) of section 15, copies of representation of each trade mark of the series shall accompany the application in the manner set forth in rules 28 and 29.

(2) An applicant claiming to be the proprietor of a series trade mark under sub-section (3) of section 15 may apply to the Registrar in Form TM-8 or TM-37, as the case may be, for its registration as a series for one registration and there shall be included in each such application a representation of the all trade marks in a class or in each class claimed to be in the series. The Registrar shall, if satisfied that the marks constitutes a series proceed further with the applications.

(3) At any time before the publication of the application in the Journal, the applicant applying under sub-rule (2) may request in Form TM-53 for the division of the application into separate application or applications, as the case may be, in respect of one or more marks in that series and the Registrar shall, if he is satisfied that the division requested conforms with sub-section (3) of section 15, divide the application or applications accordingly.

(4) The division of an application into one or more applications under sub-rule (3) shall be on the payment of a divisional fee and such class fees as are appropriate.

32. Request for search of a company name. - Any person may, after the Registrar has informed the public in the Journal permitting a request in Form TM-11 request the Registrar to cause a search to be made and for issuance of a certificate pursuant to clause (ii) of sub-section (2) of section 20 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) to the effect that no trade mark identical with or deceptively similar to the name of the company in respect of which the request is made has been registered as a trade mark or is pending under the Trade Marks Act, 1999 (47 of 1999)

33. Transliteration and translation. - Where a trade mark contains a word or words in scripts other than Hindi or English, there shall be endorsed on the application form and the additional representations thereof, a sufficient transliteration and translation to the satisfaction of the Registrar of each such word in English or in Hindi and every such endorsement shall state the language to which the word belongs and shall be signed by the applicant or his agent.

34. Names and representations of living persons or persons recently dead. - Where the name or representation of any person appears on a trade mark the applicant shall, if the Registrar so requires, furnish him with the consent in writing of such person in case he is living or, in case his death took place within twenty years prior to the date of the application for registration of the trade mark, of his legal representative, as the case may be, to the use of the name or representation and in default of such consent the Registrar may refuse to proceed with the application for registration of the trade mark.

35. Name or description of goods or services on a trade mark. - (1) Where the name or description of any goods or services appears on a trade mark, the Registrar may refuse to register such mark in respect of any goods or services other than the goods or services so named or described.

(2) Where the name or description of any goods or services appear on a trade mark, which name or description in use varies, the Registrar may permit the registration of the trade mark for those and other goods or services on the applicant giving an undertaking that the name or description will be varied when the trade mark is

used upon goods or services covered by the specification other than the named or described goods or services. The undertaking so given shall be included in the advertisement of the application in the Journal under section 20.

36. Deficiencies.— Subject to sub-rule (2) of rule 11, where an application for registration of a trade mark does not satisfy the requirement of any of the provisions of the Act or rules, the Registrar shall send notice thereof to the applicant to remedy the deficiencies and if within one month of the date of the notice the applicant fails to remedy any deficiency so notified to him, the application may be treated as abandoned.

PROCEDURE ON RECEIPT OF APPLICATION FOR REGISTRATION OF A TRADE MARK

37. Acknowledgement and Search.— (1) Every application for the registration of a trade mark in respect of any goods or services shall on receipt, be acknowledged by the Registrar. The acknowledgement shall be by way of return of one of the additional representations of the trade mark filed by the applicant along with his application, with the official number of the application duly entered thereon.

(2) Upon receipt of the application for registration of trade mark, the Registrar shall cause a search to be made amongst the registered trade marks and amongst the pending applications for the purpose of ascertaining whether there are on record in respect of the same goods or services or similar goods or services any mark identical with or deceptively similar to the mark sought to be registered and the Registrar may cause the search to be renewed at any time before the acceptance of the application but shall not be bound to do so.

38. Expedited examination, objection to acceptance, hearing.— (1) After the receipt of the official number of an application under sub-rule (1) of rule 37, an applicant may request for expedited examination of an application for registration of a trade mark in Form TM-63 together with a declaration stating the reason for the request, on payment of five times the application fee.

(2) If the Registrar is satisfied on the basis of declaration filed under sub-rule (1) that an expedited examination of the application is warranted, he shall cause the expedited examination of such application in the order in which the requests are filed and may ordinarily issue the examination report within three months of the date of such request.

(3) Where the Registrar declines the request under sub-rule (1), the applicant shall be entitled to have the fee refunded:

Provided that before declining any such request, the Registrar shall provide the applicant an opportunity of being heard.

(4) If on consideration of an application for registration of a trade mark or on an application for an expedited examination of an application referred to in sub-rule (1) and any evidence of use or of distinctiveness or of any other matter which the applicant may or may be required to furnish, the Registrar has any objection to the acceptance of the application or proposes to accept it subject to such conditions, amendments, modifications or limitations as he may think fit to impose under sub-section (4) of section 18, the Registrar shall communicate such objection or proposal in writing to the applicant.

(5) If within one month from the date of communication referred to in sub-rule (4), the applicant fails to comply with any such proposal or fails to submit his comments regarding any objection or proposal to the Registrar or apply for a hearing or fails to attend the hearing, the application shall be deemed to have been abandoned.

39. Notice of withdrawal of application for registration.— A notice of withdrawal of an application for the registration of a trade mark under sub-section 2 of section 133, or sub-rule (2) of rule 24, for the purpose of obtaining repayment of any fee paid on the filing of the application, shall be given in writing within one month from the date of the receipt of communication mentioned in sub-rule (4) of rule 38

40. Decision of Registrar - (1) The decision of the Registrar under rule 38 or rule 42 after a hearing or without a hearing if the applicant has duly communicated his observations in writing and has stated that he does not desire to be heard, shall be communicated to the applicant in writing and if the applicant intends to appeal from such decision he may within thirty days from the date of receipt of such communication apply in Form TM-

15 to the Registrar requiring him to state in writing the grounds of, and the materials used by him in arriving at, his decision.

(2) In a case where the Registrar makes any requirements to which the applicant does not object the applicant shall comply therewith before the Registrar issues a statement in writing under sub-rule (1).

(3) The date when the statement in writing under sub-rule (1) is received shall be deemed to be the date of the Registrar's decision for the purpose of an appeal.

41. Correction and amendment of application. - An applicant for registration of a trade mark may, whether before or after acceptance of his application but before the registration of the mark, apply in Form TM-16_ accompanied by the prescribed fee for the correction of any error in or in connection with his application or any amendment of his application.

Provided however, no such amendment shall be permitted which shall have the effect of substantially altering the trade mark applied for or substitute a new specification of goods or services not included in the application as filed.

42. Withdrawal of acceptance by the Registrar - (1) If, after the acceptance of an application but before the registration of the trade mark, the Registrar has any objection to the acceptance of the application on the ground that it was accepted in error, or that the mark ought not to have been accepted in the circumstances of the case, or proposes that the mark should be registered only subject to conditions, limitations, divisions or to conditions additional to or different from the conditions, or limitations, subject to which the application has been accepted, the Registrar shall communicate such objection in writing to the applicant.

(2) Unless within thirty days from the date of receipt of the communication mentioned in sub-rule (1) the applicant amends his application to comply with the requirements of the Registrar or applies for a hearing, the acceptance of the application shall be deemed to be withdrawn by the Registrar, and the application shall proceed as if it had not been accepted.

(3) Where the applicant intimates the Registrar within the period mentioned in sub-rule (2) that he desires to be heard, the Registrar shall give notice to the applicant of a date when he will hear him. Such appointment shall be for a date at least 15 days after the date of the notice, unless the applicant consents to a shorter notice. The applicant may state that he does not desire to be heard and submit such submissions, as he may consider desirable.

(4) The Registrar may, after hearing the applicant, on considering the submissions, if any, of the applicant, pass such orders as he may deem fit.

ADVERTISEMENT OF APPLICATION

43. Manner of Advertisement. - (1) Every application for registration of a trade mark required to be advertised by sub-section (1) of section 20 or to be re-advertised by sub-section (2) of that section shall be advertised in the Journal ordinarily within six months of the acceptance of an application for registration or after the expiry of the period referred to sub-section (2) of section 154 whichever is later.

(2) Where a trade mark applied is other than a word, the Registrar may call upon the applicant to furnish a camera-ready copy of the trade mark ordered to be advertised to scan electronically into a Desk Top publishing package.

(3) The Registrar may after informing the public in the Journal, put the applications published in the Journal on the Internet, web site or any other electronic media.

(4) The Registrar may after informing the public in the Journal make available the Journal in CD-ROM on payment of the cost thereof.

44. Advertisement of series - Where an application relates to a series trade marks differing from one another in respect of the particulars mentioned in sub-section (3) of section 15, the Registrar may, if he thinks fit, insert with the advertisement of the application a statement of the manner in which the several trade marks differ from one another

45. Notification of correction or amendment of application. - In the case of an application to which clause (b) of sub-section (2) of section 20 applies, the Registrar may, if he so decides, instead of causing the application to be advertised again, insert in the Journal a notification setting out the number of the application, the class or classes in which it was made, the name and address of the principal place of business in India, if any, of the applicant or where the applicant has no principal place of business in India his address for service in India, the Journal number in which it was advertised and the correction or amendment made in the application

46. Request to Registrar for particulars of advertisement of a mark - Any person may request the Registrar in Form TM-58 to be informed of the number, and date of the Journal in which a trade mark which is sought to be registered specified in the Form was advertised and the Registrar shall furnish such particulars to the person making the request

OPPOSITION TO REGISTRATION

47. Notice of Opposition.-(1) A notice of opposition to the registration of a trade mark under sub-section (1) of section 21 shall be given in triplicate in Form TM-5 within three months or within such further period not exceeding one month in the aggregate from the date the Journal is made available to the public (which date shall be certified by the Registrar as such) The notice shall include a statement of the grounds upon which the opponent objects to the registration. If the registration is opposed on the ground that the trade marks in question resembles trade marks already on the register, the registration numbers of such trade marks and the dates of the Journals in which they have been advertised shall be set out

(2) Where a notice of opposition has been filed in respect of a single application for the registration of a trade mark, it shall bear the fee in respect of each class in relation to which the opposition is filed in Form TM-5

(3) Where an opposition is filed only for a particular class or classes in respect of a single application made under sub-section (2) of section 18, the application for remaining class or classes shall not proceed to registration until a request in Form TM-53 for division of the application together with the divisional fee is made by the applicant

(4) Where in respect of a single application for the registration of a trade mark, no notice of opposition is filed in a class or classes, the application in respect of such class or classes shall, subject to section 19 and sub-section (1) of section 23, proceed to registration after the division of the application in the class or classes in respect of which an opposition is pending

(5) All notices of opposition to the registration of a trade mark for goods or services received in respect of a particular Journal shall be published in the Journal

Provided that nothing in this sub-rule shall be construed to presume that all remaining trademarks from a particular journal so published shall automatically proceed to registration

(6) An application for an extension of the period within which a notice of opposition to the registration of a trade mark may be given under sub-section (1) of section 21, shall be made in Form TM-44 accompanied by the fee prescribed in First Schedule before the expiry of the period of three months under sub-section (1) of section 21

(7) A copy of notice of opposition shall be ordinarily served by the Registrar to the applicants within three months of the receipt of the same by the appropriate office

48. Requirements of Notice of Opposition.- (1) A notice of opposition shall contain , -

- (a) in respect of an application against which opposition is entered –
 - (i) the application number against which opposition is entered;
 - (ii) an indication of the goods or services listed in the trade mark application against which opposition is entered; and
 - (iii) the name of the applicant for the trade mark.
 - (b) in respect of the earlier mark or the earlier right on which the opposition is based , -
 - (i) where the opposition is based on an earlier mark, a statement to that effect and an indication of the status of earlier mark;
 - (ii) where available, the application number or registration number and the filing date, including the priority date of the earlier mark;
 - (iii) where the opposition is based on an earlier mark which is alleged to be a well-known trade mark within the meaning of sub-section 2 of section 11, an indication to that effect and an indication of the country or countries in which the earlier mark is recognised to be well known;
 - (iv) where the opposition is based on an earlier trade mark having a reputation within the meaning of paragraph (b) of sub-clause (2) of section 11 of the Act, an indication to that effect and an indication of whether the earlier mark is registered or applied for;
 - (v) a representation of the mark of the opponent and where appropriate, a description of the mark or earlier right; and
 - (vi) where the goods or services in respect of which earlier mark has been registered or applied for or in respect of which the earlier mark is well known within the meaning of sub-section (2) of section 11 or has a reputation within the meaning of that section, the opponent shall when indicating all the goods or services for which the earlier mark is protected, also indicate those goods or services on which the opposition is based.
 - (c) in respect of the opposing party -
 - (i) where the opposition is entered by the proprietor of the earlier mark or of the earlier right, his name and address and an indication that he is the proprietor of such mark or right;
 - (ii) where opposition is entered by a licensee not being a registered user, the name of the licensee and his address and an indication that he has been authorised to enter the opposition ;
 - (iii) where the opposition is entered by the successor in title to the registered proprietor of a trade mark who has not yet been registered as new proprietor, an indication to that effect, the name and address of the opposing party and an indication of the date on which the application for registration of the new proprietor was received by the appropriate office or, where this information is not available, was sent to the appropriate office; and
 - (iii) where the opposing party has no place of business in India, the name of the opponents and his address for service in India.
 - (d) the grounds on which the opposition is based.
- (2) A notice of opposition shall be verified at the foot by the opponent or by some other person who is acquainted with the facts of the case.

3) The person verifying shall state specifically by reference to the numbered paragraphs of the notice of opposition, what he verifies of his own knowledge and what he verifies upon information received and believed to be true

(4) the verification shall be signed by the person making it and shall state the date on which and the place at which it was signed

49. Counterstatement.- (1) The counterstatement required by sub-section (2) of section 21 shall be sent in triplicate in Form TM-6 within two months from the receipt by the applicant of the copy of the notice of opposition from the Registrar and shall set out what facts, if any, alleged in the notice of opposition, are admitted by the applicant. A copy of the counterstatement shall be ordinarily served by the Registrar to the opponent within two months from the date of receipt of the same

(2) The counterstatement shall be verified in the same manner as the notice of opposition as stated in clause (e) of sub-rule(1) of rule 48

50. Evidence in support of opposition.- (1) Within two months from services on him of a copy of the counterstatement or within such further period not exceeding one month in the aggregate thereafter as the Registrar may on request allow, the opponent shall either leave with the Registrar, such evidence by way of affidavit as he may desire to adduce in support of his opposition or shall intimate to the Registrar and to the applicant in writing that he does not desire to adduce evidence in support of his opposition but intends to rely on the facts stated in the notice of opposition. He shall deliver to the applicant copies of any evidence that he leaves with the Registrar under this sub-rule and intimate the Registrar in writing of such delivery

(2) If an opponent takes no action under sub-rule (1) within the time mentioned therein, he shall be deemed to have abandoned his opposition

(3) An application for the extension of the period of one month mentioned in sub-rule (1) shall be made in Form TM-56 accompanied by the prescribed fee before the expiry of the period of two months mentioned therein

51. Evidence in support of application.- (1) Within two months or within such further period not exceeding one month in the aggregate thereafter as the Registrar may on request allow, on the receipt by the applicant of the copies of affidavits in support of opposition or of the intimation that the opponent does not desire to adduce any evidence in support of his opposition, the applicant shall leave with the Registrar such evidence by way of affidavit as he desires to adduce in support of his application and shall deliver to the opponent copies thereof or shall intimate to the Registrar and the opponent that he does not desire to adduce any evidence but intends to rely on the facts stated in the counterstatement and or on the evidence already left by him in connection with the application in question. In case the applicant relies on any evidence already left by him in connection with the application, he shall deliver to the opponent copies thereof

(2) An application for the extension of the period of one month mentioned in sub-rule (1) shall be made in Form TM-56 accompanied by the prescribed fee before the expiry of the period of two months mentioned therein

52. Evidence in reply by opponent. -Within one month from the receipt by the opponent of the copies of the applicant's affidavit or within such further period not exceeding one month in the aggregate thereafter as the Registrar may on request in Form TM-56 allow, the opponent may leave with the Registrar evidence by affidavit in reply and shall deliver to the applicant copies thereof. This evidence shall be confined to matters strictly in reply

53. Further evidence. - No further evidence shall be left on either side, but in any proceedings before the Registrar, he may at any time, if he thinks fit, give leave to either the applicant or the opponent to leave any evidence upon such terms as to costs or otherwise as he may think fit

54. Exhibits. - Where there are exhibits to affidavits filed in an opposition a copy or impression of each exhibit shall be sent to the other party on his request and at his expense, or, if such copies or impression cannot conveniently be furnished, the originals shall be left with the Registrar in order that they may be open to inspection. The original exhibits shall be produced at the hearing unless the Registrar otherwise directs.

55. Translation of documents. -Where a document is in a language other than Hindi or English and is referred to in the notice of opposition, counterstatement or an affidavit filed in an opposition proceeding, an attested translation thereof in Hindi or English shall be furnished in duplicate.

56. Hearing and decision. - (1) Upon completion of the evidence if any, the Registrar shall give notice to the parties of the first date of hearing. Such notice shall be ordinarily given within three months of completion of the evidence. The date of hearing shall be for a date at least one month after the date of the first notice. Within fourteen days from the receipt of the first notice, any party who intends to appear shall so notify the Registrar in Form TM-7. Any party who does not so notify the Registrar within the time as aforesaid may be treated as not desiring to be heard and the Registrar may act accordingly in the matter.

(2) If sufficient cause for adjournment is not shown by either of the parties the Registrar may proceed with the matter forthwith.

(3) If the applicant is not present at the adjourned date of hearing and has not notified his intention to attend the hearing in Form TM-7, the application may be treated as abandoned.

(4) If the opponent is not present at the adjourned date of hearing and has not notified his intention to attend the hearing in Form TM-7, the opposition may be dismissed for want of prosecution and the application may proceed to registration subject to section 19.

(5) In every case of adjournment the Registrar shall fix a day for further hearing of the case and shall make such order as to cost occasioned by the adjournment or such higher costs as the Registrar deems fit.

(6) The fact that the agent or advocate on record of a party is engaged in another court shall not be a ground for adjournment.

(7) Where illness of legal practitioner or an agent or his inability to conduct the case for any reason is put forward as a ground for adjournment, the Registrar may refuse to grant the adjournment unless he is satisfied that the legal practitioner or an agent, as the case may be, could not have engaged another agent or legal practitioner in time.

(8) The Registrar shall take on record written arguments if submitted by a party to the proceeding.

(9) The decision of the Registrar shall be notified to the parties in writing.

57. Security for costs.-The security for costs which the Registrar may require under sub-section (6) of section 21 may be fixed at any amount which he may consider proper, and such amount may be further enhanced by him at any stage in the opposition proceedings.

NOTICE OF NON-COMPLETION OF REGISTRATION

58. Procedure for giving notice. -The notice which the Registrar is required by sub-section (3) of section 23 to give to an applicant, shall be sent in Form O-1 to the applicant at the address of his principal place of business in India or if he has no principal place of business in India at the address for service in India stated in the application but if the applicant has authorised an agent for the purpose of the application, the notice shall be sent to the agent and a duplicate thereof to the applicant. The notice shall specify twenty- one days time from the date thereof or such further time not exceeding one month as the Registrar may allow on a request made in Form TM-56 for completion of the registration

REGISTRATION

59. Entry in the Register.- (1) Where no notice of opposition to an application advertised or re-advertised in the Journal is filed within the period specified in sub-section (1) of section 21, or where an opposition is filed and it is dismissed, the Registrar shall, subject to the provisions of sub-section (1) of section 23 or section 19, enter the trade mark on the register.

(2) The entry of a trade mark in the register shall specify the date of filing of application, the actual date of the registration, the goods or services and the class or classes in respect of which it is registered, and all particulars required by sub-section (1) of section 6 including -

(a) the address of the principal place of business in India, if any, of the proprietor of the trade mark or in the case of a jointly owned trade mark, of such of the joint proprietors of the trade mark as have a principal place of business in India;

(b) where the proprietor of the trade mark has no place of business in India, his address for service in India as entered in the application for registration together with his address in his home country;

(c) in the case of a jointly owned trade mark, where none of the joint proprietors has a principal place of business in India, the address for service in India as given in the application together with the address of each of the joint proprietors in his home country;

(d) the particulars of the trade, business, profession, occupation or other description of the proprietor or, in the case of a jointly owned trade mark, of the joint proprietors of the trade mark as entered in the application for registration;

(e) the particulars affecting the scope of the registration or the rights conferred by the registration;

(f) the convention application date (if any), to be accorded pursuant to an application from applicants of a convention country made under section 154;

(g) where the mark is a collective or certification mark, that fact;

(h) where the mark is registered pursuant to sub-section 4 of section 11 with the consent of the proprietor of an earlier trade mark or other earlier right, that fact; and

(i) the appropriate office of the Trade Marks Registry in relation to the trade mark.

(3) The Registrar may from time to time, in consultation with computer experts, formulate guidelines for keeping official records in electronic form

60. Associated marks.- (1) Where a trade mark is registered as associated with any other marks, the Registrar shall note in the register in connection with the first mentioned mark the registration numbers of the marks with which it is associated and shall also note in the register in connection with each of the associated marks the registration number of the first mentioned mark as being a mark associated therewith

(2) An application under sub-section (5) of section 16 to dissolve the association as respects any of the trade marks registered as associated trade marks shall be made in Form TM-14 and shall include statement of the grounds of the application.

61. Death of applicant before registration.-In case of death of any applicant for the registration of a trade mark after the date of his application and before the trade mark has been entered in the register, the Registrar may, on proof of the applicant's death and on proof of the transmission of the interest of the deceased person, substitute in the application his successor in interest in place of the name of such deceased applicant and the application may proceed thereafter as so amended.

62. Certificate of registration.- (1) The certificate of registration of a trade mark to be issued by the Registrar under sub-section (2) of section 23 shall be in Form O-2 with such modification as the circumstances of any case may require, and the Registrar shall annex a copy of the trade mark to the certificate.

(2) The certificate of registration referred to in sub-rule (1) shall not be used in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

(3) The Registrar may issue a duplicate or further copies of the certificate of registration on request by the registered proprietor in Form TM-59 accompanied by the prescribed fee. An unmounted representation of the mark exactly as shown in the form of application for registration thereof at the time of registration shall accompany such request.

CHAPTER III RENEWAL OF REGISTRATION AND RESTORATION

63. Renewal of registration.- (1) An application for the renewal of the registration of a trade mark shall be made in Form TM-12 and may be made at any time not more than six months before the expiration of the last registration of the trade mark.

(2) Such application for renewal may be filed by the person who is the proprietor of the registered trade mark or his agent.

(3) If the proprietor, as set forth in the application for renewal is not the same person or the same legal entity as the registered proprietor, continuity of title from the registered proprietor in whose name the last renewal was effected to the present owner shall be shown in the first instance by way of affidavit along with supporting chain of documents.

(4) The Registrar may accept an application for renewal from the managing trustee, executors, administrators and the like, when supported by court order or other evidence of authority to act on behalf of the present proprietor.

64. Notice before removal of trade mark from register -(1) At a date not less than one month and not more than three months before the expiration of the last registration of a trade mark, if no application in Form TM-12 for renewal of the registration together with the prescribed fee has been received, the Registrar shall notify the registered proprietor or in the case of a jointly registered trade mark each of the joint registered proprietors and each registered user, if any, in writing in Form O-3 of the approaching expiration at the address of their respective principal places of business in India as entered in the register or where such registered proprietor or registered user has no principal place of business in India at his address for service in India entered in the Register.

(2) Where, in the case of a mark the registration of which (by reference to the date of application for registration) becomes due for renewal, the mark is registered at any time within six months before the date on which renewal is due, the registration may be renewed by the payment of the renewal fee within six months after the actual date of registration and where the renewal fee is not paid within that period the Registrar shall subject to rule 66, remove the mark from the register.

(3) Where, in the case of a mark the registration of which (by reference to the date of application for registration) becomes due for renewal, the mark is registered after the date of renewal, the registration may be renewed by the payment of the renewal fee within six months of the actual date of registration and where the renewal fee is not paid within that period the Registrar shall, subject to rule 66, remove the mark from the register.

(4) The renewal of registration of a collective mark or a certification trade mark shall be made in Form TM-12 along with the prescribed fee specified in the First Schedule.

65. Advertisement of removal of trade mark from the register.-If, at the expiration of last registration of a trade mark, the renewal fees has not been paid, the Registrar may remove the trade mark from the register and advertise the fact forthwith in the Journal.

Provided that the Registrar shall not remove the trade mark from the register if an application for payment of surcharge is made under proviso to sub-section (3) of section 25 in Form TM-10 within six months from the expiration of the last registration of the trade mark

66. Restoration and renewal of registration.—An application for the restoration of a trade mark to the register and renewal of its registration under sub-section (4) of section 25, shall be made in Form TM-13 after six months and within one year from the expiration of the last registration of the trade mark accompanied by the prescribed fee. The Registrar shall, while considering the request for such restoration and renewal have regard to the interest of other affected persons

67. Notice and advertisement of renewal and restoration.—Upon the renewal or restoration and renewal of registration, a notice to that effect shall be sent to the registered proprietor and every registered user and the renewal or restoration and renewal shall be advertised in the Journal

CHAPTER IV ASSIGNMENT AND TRANSMISSION

68. Application for entry of assignment or transmission.—An application to register the title of a person who becomes entitled by assignment or transmission to a registered trade mark shall be made in Form TM-24 or TM-23 according as it is made by such person alone or conjointly with the registered proprietor

69. Particulars to be stated in application.—An application under rule 68 shall contain full particulars of the instrument, if any, under which the applicant, or, in the case of a joint application, the person other than the registered proprietor claims to be entitled to the trade mark and such instrument or a duly certified copy thereof shall be produced at the Trade Marks Registry for inspection at the time of application. The Registrar may require and retain an attested copy of any instrument produced for inspection in proof of title

70. Case accompanying application.—Where a person applying under rule 68 for registration of his title, does not establish his claim under any document or instrument which is capable in itself of furnishing proof of his title, he shall, unless the Registrar otherwise directs, either upon or with the application, state a case setting forth the full particulars of the facts upon which his claim to be proprietor of the trade mark is based, and showing that the trade mark has been assigned or transmitted to him. If the Registrar so requires, the case shall be verified by an affidavit in Form TM-18

71. Proof of title.—The Registrar may call upon any person who applies to be registered as proprietor of a registered trade mark to furnish such proof or additional proof of title as he may require for his satisfaction

72. Impounding of Instruments.—If in the opinion of the Registrar any instrument produced in proof of title of a person is not properly or sufficiently stamped, the Registrar shall impound and deal with it in the manner provided by Chapter IV of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899)

73. Assignments involving transmission of moneys outside India.—If there is in force any law regulating the transmission of moneys outside India, the Registrar shall not register the title of a person who becomes entitled to a trade mark by an assignment which involves such transmission except on production of the permission of the authority specified in such law for such transmission

74. Application for Registrar's direction as to advertisement of an assignment of a trade mark without goodwill of the business.—(1) An application for directions under section 42 shall be made in Form TM-20 and shall state the date on which the assignment was made. The application shall give particulars of the registration in the case of a registered trade mark, and in the case of an unregistered mark shall show the mark and give particulars including user of the unregistered trade mark that has been assigned therewith. The Registrar may call for any evidence or further information and if he is satisfied with regard to the various matters he shall issue directions in writing with respect to the advertisement of the assignment

(2) The Registrar may refuse to consider such an application in a case to which section 41 applies, unless his approval has been obtained under the said section and a reference identifying the Registrar's notification of approval is included in the application

(3) A request for an extension of the period within which the application mentioned in sub-rule (1) may be made shall be made in Form TM-21

75. Application for entry of assignment without goodwill.- An application under rule 68 relating to an assignment of a trade mark in respect of any goods or services shall state -

- (a) whether the trade mark had been or was used in the business in any of those goods or services, and
- (b) whether the assignment was made otherwise than in connection with the goodwill of that business,

and if both those circumstances subsisted, then the applicant shall leave at the Trade Marks Registry a copy of the directions to advertise the assignment, obtained upon application under rule 74, and such proof, including copies of advertisements or otherwise, as the Registrar may require, to show that his directions have been fulfilled and if the Registrar is not satisfied that the directions have been fulfilled, he shall not proceed with the application.

76. Separate registration.-Where pursuant to an application under rule 68, and as the result of a division and separation of the goods or services of a registration or a division and separation of places or markets, different persons become registered separately under the same registration number as subsequent proprietors of a trade mark, each of the resulting separate registrations in the names of those different persons shall be deemed to be a separate registration for all the purposes of the Act.

77. Registrar's certificate or approval as to certain assignment and transmissions.-Any person who desires to obtain the Registrar's certificate under sub-section 2 of section 40 or his notification of approval under section 41 shall send to the Registrar with his application in Form TM-17 or Form TM-19, as the case may be, a statement of case in duplicate setting out the circumstances and a copy of any instrument or proposed instrument effecting the assignment or transmission. The Registrar may call for any evidence or further information that he may consider necessary and the statement of case shall be amended if required to include all the relevant circumstances and shall, if required, be verified by an affidavit. The Registrar, after hearing (if so required) the applicant and any other person whom the Registrar may consider to be interested in the transfer, shall consider the matter and issue a certificate thereon or a notification in writing of approval or disapproval thereof, as the case may be, to the applicant and shall also inform such other person accordingly. Where a statement of case is amended, three copies thereof in its final form shall be left at the Trade Marks Registry. The Registrar shall seal a copy of the statement of case in its final form to the certificate or notification.

78. Entry in register, of particulars of assignment.-Where the Registrar has allowed the assignment of a trade mark under this Act, there shall be entered in the register the following particulars of assignment, namely:-

- (i) the name and address of the assignee;
- (ii) the date of the assignment;
- (iii) where the assignment is in respect of any right in the mark, a description of the right assigned;
- (iv) the basis under which the assignment is made; and
- (v) the date on which the entry is made in the register.

79. Registration of assignment to a company under section 46.-For the purposes of sub-section (4) of section 46, the period within which a company may be registered as the subsequent proprietor of a registered trade mark upon application made under rule 68 shall be six months from the date of advertisement in the Journal of the registration of the trade mark or such further period not exceeding six months as the Registrar may allow on application being made in Form TM-25 by the applicant for registration of title or the registered proprietor, as the case may be, at any time before or during the period for which the extension can be allowed.

CHAPTER V REGISTERED USERS

80. Application for registration as registered user.- (1) An application to the Registrar for the registration under section 49, of a person as a registered user of a registered trade mark, shall be made jointly by that person and the registered proprietor of the trade mark, in Form TM-28 and shall be accompanied by the following-

(a) the agreement in writing or a duly authenticated copy thereof, entered into between the registered proprietor and the proposed registered user with respect to the permitted use of the trade mark;

(b) the documents and correspondence, if any mentioned in the agreement referred to in clause (a) entered into between the registered proprietor and the proposed registered user with respect to the permitted use of the trade mark or duly authenticated copies thereof.

(2) There shall be filed along with the application, an affidavit by the registered proprietor or by some person authorised, to the satisfaction of the Registrar, to act on his behalf testifying to the genuineness of the documents accompanying the application and containing-

(a) the particulars and statements required by clause (b) of sub-section (1) of section 49;

(b) the precise relationship between the registered proprietor and the proposed registered user, if any, for instance, whether their relationship is as principal and subsidiary company or whether there is common control between their business;

(c) a statement as to the goods or services in which the registered proprietor is dealing, together with details as to whether the trade mark which is the subject of the application has been used by him in the course of trade before the date of the application and if so the amount and duration of such user;

(3) The registered proprietor and the proposed registered user shall also produce and file such other documents and furnish such other evidence and information as may be required in that behalf by the Registrar.

(4) No application shall be entertained unless the same has been filed within six months from the date of the agreement referred to in clause (a) of sub-rule (1).

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), where more than one application for registration as registered user is made by the same registered proprietor and the same proposed registered user in respect of trade marks covered by the same agreement, the documents mentioned in sub-rule (1) may be filed with any one of the applications and a cross reference to such documents given in the other application or applications.

81. Particulars to be stated in the agreement.- The agreement referred to in clause (a) of sub-rule (1) of rule 80 shall-

(a) set out the particulars specified in sub-clause (i) to (iv) of clause (b) of sub-section (1) of section 49;

(b) disclose the terms as to royalty and other remuneration payable to the registered proprietor by the proposed registered user for the permitted use of the trade mark;

(c) provide means for bringing the permitted use to an end when the relationship between the parties or the control by the registered proprietor over the permitted use ceases; and

(d) contain a condition that when the registered trade mark is used by the proposed registered user in relation to his goods or services, other than goods or services for export, the mark shall be so described as clearly to indicate that it is being used only by way of permitted use

82. Consideration by the Registrar.- The Registrar under sub-section (2) of section 49, shall, if satisfied that the application and the accompanying documents comply with the relevant provisions of the Act and the rules, and the matters specified in sub-clause (i) to (iv) of clause (b) of sub-section 1 of section 49, register the proposed registered user in respect of the goods or services as to which he is so satisfied.

83. Hearing before refusing an application or to accept it conditionally. - (1) The Registrar shall give a notice in writing to the applicants where he proposes to accept the application subject to any conditions, restrictions or limitations. The notice shall state the grounds on which the Registrar proposes to issue such orders and shall inform the applicants that they are entitled to be heard.

(2) Unless within one month from the receipt of the notice mentioned in sub-rule (1) the registered proprietor and the proposed registered user apply for a hearing, the Registrar may refuse the application or to accept it conditionally, as the case may be.

(3) If the registered proprietor and the proposed registered user apply for a hearing the Registrar shall appoint a time for the hearing within two months and shall give them not less than a month's notice of the time so appointed.

(4) After hearing the registered proprietor and the proposed registered user, the Registrar shall decide whether to accept the application or to refuse it or to accept it conditionally.

(5) The Registrar shall, communicate in writing his order on the application to the applicants and to other registered users of the mark, if any.

84. Entry in the register.- (1) Where the Registrar under sub-section (2) of section 49 accepts an application for registration as registered user, he shall register the proposed registered user as registered user.

(2) The entry of a registered user in the register shall state the date on which the application for registration of registered user was made, which date shall be deemed to be the date of registration as registered user of the person mentioned in the entry. The entry shall also state, in addition to the particulars and statements mentioned in paragraph (i) to (iv) of sub-clause (b) of clause (1) of section 49, the name, description and principal place of business in India of the registered user and if he does not carry on business in India his address for service in India.

85. Registration not to imply authorisation to transmit money outside India. -The registration as registered user of a trade mark, shall not be deemed to imply an approval, of the agreement in so far as it relates to the transmission of any money, as consideration for the use of the said trade mark, to any place outside India.

86. Notification of registration as registered user. - A notification in writing of the registration of a registered user shall be sent by the Registrar to the registered proprietor of the trade mark, to the registered user and to every other registered user whose name is entered in relation to the same trade mark and shall also be inserted in the Journal within three months of such entry in the register.

87. Registered proprietor's application to vary entry.-An application by the registered proprietor of a trade mark for the variation of the registration of a registered user of that trade mark under clause (a) of sub-section (1) of section 50 shall be made in Form TM-29 and shall be accompanied by a statement of the grounds on which it is made, and where the registered user in question consents, by the written consent of the registered user.

88. Cancellation of registration of registered user.- (1) An application for the cancellation of the registration of a registered user under sub-clause (b) to sub-clause (d) of sub-section (1) of section 50 shall be made in Form TM-30 or Form TM-31, as the case may be, and shall be accompanied by a statement of the grounds on which it is made.

(2) In case of the registration of a registered user for a period, in accordance with paragraph (iv) of sub-clause (b) of sub-section (1) of section 49, the Registrar shall cancel the entry of the registered user at the end of that period. Where some or all the goods or services are omitted from those in respect of which a trade mark is registered, the Registrar shall at the same time omit them from those specifications of registered users of the trade mark in which they are comprised. The Registrar shall notify every cancellation or omission under this sub-rule to the registered users whose permitted use is affected thereby and to the registered proprietor of the trade mark.

89. Power of the Registrar to call for information with respect to registered user. - The Registrar may at any time, by notice in writing, require the registered proprietor to furnish him information under sub-section (1) of section 51 and take action in accordance with sub-section (2) of that section.

90. Procedure on application to vary entry or cancel registration.- (1) The Registrar shall notify in writing applications under section 50 to the registered proprietor and each registered user (not being the applicant in either case) of the trade mark.

(2) Any person notified under sub-rule (1) who intends to intervene in the proceedings, shall within one month of the receipt of such notification give notice to the Registrar in Form TM-32 to the effect and shall send

therewith a statement of the grounds of his intervention. The Registrar shall thereupon serve or cause to be served copies of such notice and statement on the other parties, namely, the applicant, the registered proprietor, the registered user whose registration is the subject matter of the proceeding in question and any other registered user who intervenes.

(3) In the case of any application made under section 50, the applicant and any person notified under sub-rule (1), may, within such time or times as the Registrar may appoint, leave evidence in support of his case, and the Registrar after giving the parties an opportunity of being heard, may accept or refuse the application or accept it subject to any conditions, amendments, modifications or limitations he may think right to impose and shall inform the parties in writing accordingly.

(4) In the case of an application for varying any registration under paragraph (a) of sub-section (1) of section 50 or cancelling any registration on any of the grounds mentioned in items (i) to (iv) of sub-clause (c) of sub-section (1) of section 50, the Registrar shall consider the application together with any notice in Form TM-32 and statement of case filed and shall dispose of the application and also inform the parties in writing accordingly.

91. Registered user's application. -An application under sub-section (2) of section 58 shall be made in Form TM-16 or Form TM-33 or Form TM-34 or Form TM-50 as may be appropriate by a registered user of a trade mark or by such person as may satisfy the Registrar that he is entitled to act in the name of a registered user, and the Registrar may require such evidence by affidavit or otherwise as he may think fit as to the circumstances in which the application is made.

CHAPTER VI

RECTIFICATION AND CORRECTION OF REGISTER ALTERATION OR RECTIFICATION OF REGISTER

92 Application to rectify or remove a trade mark from the register. -An application to the Registrar under Section 47, 57, 68 or 77 for the making, expunging or varying of any entry relating to a trade mark or a collective mark or certification trade mark in the register shall be made in triplicate in Form TM-26, or Form TM-43, as the case may be, and shall be accompanied by statement in triplicate setting out fully the nature of the applicant's interest, the facts upon which he bases his case and the relief which he seeks. Where the application is made by a person who is not the registered proprietor of the trade mark in question, the application and the statement aforesaid shall be left at the Trade Marks Registry triplicate. In case there are registered users, such application and statements shall be accompanied by as many copies thereof as there are registered users. A copy each of the application and statement shall be ordinarily transmitted within one month by the Registrar to the registered proprietor and to each of the registered user and to any other person who appears from the register to have an interest in the trade mark. The application shall be verified in the manner prescribed under clause (i) of sub-rule (e) of rule 48 for verification of a notice of opposition.

93 Further procedure. -Within two months from the receipt by a registered proprietor of the copy of the application mentioned in rule 92 or within such further period not exceeding one month in the aggregate, he shall send to the Registrar in Form TM-6 a counterstatement in triplicate of the grounds on which the application is contested and if he does so, the Registrar shall serve a copy of the counterstatement on the person making the application within one month of the receipt of the same. The provisions of rules 50 to 57 shall thereafter apply *mutatis mutandis* to the further proceedings on the application. The Registrar shall not, however, rectify the register or remove the mark from the register merely because the registered proprietor has not filed a counterstatement unless he is satisfied that the delay in filing the counterstatement is wilful and is not justified by the circumstance of the case. In any case of doubt any party may apply to the Registrar for directions.

94. Intervention by third parties. -Any person, other than the registered proprietor, alleging interest in a registered trade mark in respect of which an application is made under rule 92 may apply in Form TM-27 for leave to intervene, stating the nature of his interest, and the Registrar may refuse or grant such leave after hearing (if so required) the parties concerned, upon such conditions and terms including undertakings or conditions as to security for cost as he may deem fit to impose.

95. Rectification of the register by the Registrar of his own motion. - (1) The Notice, which the Registrar is required to give under sub-section (4) of section 57, shall be sent in writing to the registered proprietor, to each registered user, if any, and to any other person who appears from the register to have any interest in the trade

mark, and shall state the grounds on which the Registrar proposes to rectify the register and shall also specify the time, not being less than one month from the date of such notice, within which an application for a hearing shall be made.

(2) Unless within the time specified in the notice aforesaid, any person so notified sends to the Registrar a statement in writing setting out fully the facts upon which he relies to meet the grounds stated in the notice or applies for a hearing, he may be treated as not desiring to take part in the proceedings and the Registrar may act accordingly.

(3) If the Registrar decides to rectify the register he shall communicate his decision in writing to the registered proprietor and to each registered user, if any.

ALTERATION OF ADDRESS

96. **Alteration of address in register.**— (1) A registered proprietor or a registered user of a trade mark, the address of whose principal place of business in India or whose address in his home country, as the case may be, is changed so that the entry in the register is rendered incorrect, shall forthwith request the Registrar in Form TM-34 to make the appropriate alteration of the address in the register, and the Registrar shall alter the register accordingly if he is satisfied in the matter.

(2) A registered proprietor or a registered user of a trade mark, whose address for service in India entered in the register is changed, whether by discontinuance of the entered address or otherwise, so that the entry in the register is rendered incorrect, shall forthwith request the Registrar in Form TM-50 to make the appropriate alteration of the address in the register, and the Registrar shall alter the register accordingly if he is satisfied in the matter.

(3) A registered proprietor or a registered user of a trade mark the address of whose principal place of business in India or whose address for service in India is altered by a public authority, so that the changed address designates the same premises as entered in the register, may make the aforesaid request to the Registrar in Form TM-34 or TM-50 as the case may be, and if he does so he shall leave therewith a certificate of the alteration given by the said authority. If the Registrar is satisfied as to the facts of the case, he shall alter the register accordingly but shall not require any fees to be paid on the forms, notwithstanding the provisions of sub-rule (2) of rule 11 or sub-rule (2) of rule 12.

(4)(i) Where a registered proprietor makes a request under sub-rule (1), (2) or (3), he shall serve a copy of the request on the registered user or users, if any, and inform the Registrar accordingly.

(ii) where the request aforesaid is made by a registered user, he shall serve a copy thereof on the registered proprietor and every other registered users, if any, and inform the Registrar that he had done so.

(5) In case of the alteration of the address of a person entered in the register as the address for service in India of more than one registered proprietor or registered user of trade marks, the Registrar may, on proof that the said address is the address of the applicant and if satisfied that it is just to do so, accept an application from the person in Form TM-50 amended so as to suit the case, for the appropriate alteration of the entries of his address as the address for service in the several registrations, particulars of which shall be given in the Form and may alter the entries accordingly.

(6) All applications under this rule in Form TM-50 shall be signed by the registered proprietor or the registered user, as the case may be, or by an agent expressly authorised by him for the purpose of such an application, unless in exceptional circumstances the Registrar otherwise allows.

CORRECTION OF REGISTER

97. **Application for correction of register.**—Where an application has been made under sub-section (1) of section 58 for the alteration of the register by correction, change, cancellation or striking out of goods or services or for the entry of a memorandum, the Registrar may require the applicant to furnish such evidence by affidavit or otherwise as he may think fit, as to the circumstances in which the application is made. Such application shall

be made in Form TM-16, TM-33, TM-34, TM-35, TM-36, or TM-50 as may be appropriate and a copy thereof shall be served by the applicant on the registered user or users, if any, under the registration of the trade mark in question and to any other person who appears from the register to have an interest in the trade mark.

98. Alteration of registered trade mark. - Where a person applies under section 59 for leave to add to or alter his registered trade mark, he shall make the application in writing in Form TM-38 and shall furnish five copies of the mark as it will appear when so added to or altered. A copy of the application and of the trade mark so amended or altered shall be served by the applicant on every registered user, if any.

99. Advertisement before decision and opposition etc.- (1) The Registrar shall consider the application and shall, if it appears to him expedient, advertise the application in the Journal before deciding it.

(2) Within three months from the date of advertisement under sub-rule (1), or within such further period not exceeding one month in the aggregate as the Registrar may allow, any person may give notice of opposition to the application in Form TM-39 and may also send therewith a statement of his objections. The notice and the statement, if any, shall be sent in triplicate. In case there are any registered users under the registration of the trade mark in question, such notice and statement shall also be accompanied by as many copies thereof as there are registered users. A copy of each of the notice and statement shall be transmitted forthwith by the Registrar to the registered proprietor and each registered user, if any, and within two months from the receipt by the registered proprietor of such copies he shall send to the Registrar in Form TM-6 a counterstatement in triplicate of the grounds on which the opposition is contested. If the registered proprietor sends such a counterstatement, the Registrar shall ordinarily serve a copy thereof on the person giving notice of opposition within one month and the provisions of rules 50 to 57 shall apply *mutatis mutandis* to the further proceedings on the opposition. The Registrar shall not, however, refuse the application merely because the registered proprietor has not filed a counterstatement unless he is satisfied that the delay in filing the counterstatement is wilful and is not justified by the circumstance of the case. In case of any doubt any party may apply to the Registrar for directions.

(3) If there is no opposition, within the time specified in sub-rule (2), the Registrar shall, after hearing the applicant if he so desires, allow or refuse the application and shall communicate his decision in writing to the applicant.

100. Decision, Advertisement, Notification.- If the Registrar decides to allow the application he shall alter the mark in the register accordingly and insert in the Journal a notification that the mark has been altered. If the application has not been advertised under rule 99, he shall also advertise in the Journal the trade marks as altered.

RE-CLASSIFICATION OF GOODS IN RESPECT OF EXISTING REGISTRATION

101. Re-classification in respect of existing registration. -(1) On the classification set forth in the Fourth Schedule being amended, the registered proprietor of a trade mark may apply to the Registrar in Form TM-40 for the conversion of the specification relating to his trade mark, so as to bring that specification into conformity with the amended classification. The application shall include a request for the like conversion of the specification in respect of any registered users under that registration, and the registered proprietor shall serve a copy of the application on the registered user or users of the trade mark, if any.

(2) The Registrar shall, thereupon, notify in writing to the registered proprietor and to the registered user or users, if any, a proposal showing the form in which, in the Registrar's view, the amendment of the register should take in consequence of the proposed conversion. Two or more registrations of a trade mark having the same date and in respect of goods or services which fall within the same class under the amended or substituted classification, may be amalgamated upon conversion in accordance with this rule.

(3) The proposal referred to in sub-rule (2) shall be advertised in the Journal.

(4) Notice of opposition to such proposal shall be given in Form TM-41 in triplicate within three months from the date of the advertisement or within such period not exceeding one month in the aggregate and shall be accompanied by a statement in triplicate showing how the proposed amendment would contravene the provisions of sub-section (1) of section 60. Where there are any registered users under the registration of the trade mark in question, such notice and statement shall also be accompanied by as many copies thereof as there are registered users. The Registrar shall within two months send a copy each of the notice and the statement to the registered

proprietor and to each registered user, if any, and within two months from the receipt by him of such copies the registered proprietor may send to the Registrar in Form TM-6 a counterstatement in triplicate setting out fully the grounds on which the opposition is contested. If the registered proprietor sends such counterstatement the Registrar shall serve a copy thereof on the person giving notice of opposition within two months and the further procedure for the disposal of the opposition shall be regulated by the provisions of rules 50 to 57 *mutatis mutandis*. In any case of doubt, any party may apply to the Registrar for directions.

(5) If there is no opposition within the time specified in sub-rule (4), or in case of opposition if the conversion of the specification is allowed, the proposal as allowed shall be advertised in the Journal, and all necessary entries shall be made in the register. The date when such entries are made in the register shall be recorded therein. Any entry made in the register in pursuance of this sub-rule shall not affect the date of the renewal of registration under section 25 which shall be determined in the same manner as before the allowing of the conversion.

CHAPTER VII

MISCELLANEOUS

102. Refusal or invalidation of registration of a trade mark conflicting with a geographical indication.- A request in Form TM-73 or TM-74 as the case may be, may be made to the Registrar for the refusal or invalidation of a registered trade mark by an interested party along with a statement of case together with an affidavit and which-

(a) contains or consists of a geographical indication with respect to goods or class or classes of goods not originating in the territory of a country, or a region or locality in that territory which such geographical indication indicates, if the use of such geographical indication in the trade mark for such goods, is of such nature as to confuse or mislead the persons as to the true place of origin of such goods or class or classes of goods;

(b) contains or consists of geographical indication identifying goods or class or classes of goods notified under sub-section (2) of section 22 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 (48 of 1999).

103. Single application under sub-section (2) of section 18.-(1) Where an application for the registration of a trade mark for different classes of goods or services is made under sub-section (2) of section 18, the specification of goods or services contained in it shall set out the classes in consecutive numerical order beginning with the lowest number and indicate in each class the goods or services appropriate to that class.

(2) If the specification of goods or services contained in the initial application for registration of a trade mark makes a reference to a class or classes in the Fourth Schedule in which they do not fall, the Registrar shall require the applicant to correct the classification error in Form TM-16.

(3) Applications filed under sub-section (2) of section 18 when ordered to be advertised shall be published in a separate section of the Journal.

(4) The Registrar shall issue a single certificate of registration in respect of an application made under sub-section (2) of section 18, which has proceeded to registration.

104. Divisional Application.- (1) Where an application is made in Form TM-53 under proviso to section 22 for the division of a single pending application, such application shall be divided into two or more separate applications on the payment of a divisional fee and such class fees as are appropriate in accordance with the division.

(2) At any time before registration an applicant may request the Registrar in Form TM-53 for a division of his initial application for registration into two or more separate applications (divisional applications), indicating for each division the specification of goods or services. The Registrar shall treat each divisional application as a separate application for registration with the same filing date as the initial application.

(3) In the case of a request to divide some goods or services, but not all in a class, a divisional fee for separate application to be created by division shall be paid. Any time limit for any action by the applicant in

relation to the initial application at the time of division shall be applicable to each new separate application created by division irrespective of the date of the division.

(4) If the request to divide is not accompanied by necessary fee or is otherwise deficient, the Registrar shall notify the applicant of the deficiency. The applicant may correct any such deficiency within thirty days. If the applicant fails to correct the deficiency within the time provided, the request shall be considered as abandoned and the application shall proceed further without regard to the request.

(5) Where a request to divide an application is received, the Registrar shall assign an additional separate new serial number or numbers, as the case may be, and it shall be cross-referenced with the initial application. Such additional separate application or applications shall be assigned the same filing date as the initial application.

(6) For the removal of doubt, it is clarified that no new registration is effected when a single application is divided. On the contrary, application already filed are merely separated or divided into individual files.

105. Extension of time. -(1) An application for extension of time under section 131 (not being a time expressly provided in the Act or prescribed by rule 79 or by sub-rule (4) of rule 80 or a time for the extension of which provision is made in the rules) shall be made in Form TM-56.

(2) Upon an application made under sub-rule (1) the Registrar, if satisfied that the circumstances are such as to justify the extension of the time applied for, may, subject to the provisions of the rules where a maximum time limit is prescribed and subject to such conditions as he may think fit to impose, extend the time and notify the parties accordingly and the extension may be granted though the time for doing the act or taking the proceeding for which it is applied for has already expired.

106. Exercise of discretionary power of Registrar.-The time within which a person entitled under Section 128 to an opportunity of being heard shall exercise his option of requiring to be heard shall, save as otherwise expressly provided in the Act or the rules, be one month from the date of a notice which the Registrar shall give to such person before determining the matter with reference to which such person is entitled to be heard. If within that one month such person is required to be heard, the Registrar shall appoint a date for the hearing and shall give 10 day's notice thereof.

107. Notification of decision.-The decision of the Registrar in the exercise of any discretionary power given to him by the Act or the rules shall be notified to the person affected.

108. Amendments and correction of irregularity in procedure.- (1) Any document or drawing or other representation of a trade mark may be amended, and any irregularity in procedure which, in the opinion of the Registrar, may be obviated without detriment to the interests of any person, may be corrected, if the Registrar thinks fit and on such terms as he may direct.

(2) The Registrar may require the amendment of any application or representation of a trade mark or any other document or the addition of any matter thereto in order to bring it in accordance with the formal requirements of the Act.

109. Directions not otherwise prescribed.- Where in the opinion of the Registrar, it is necessary for the proper prosecution or completion of any proceedings under the Act or rules for a person to perform an act, file a document or produce evidence, which is not provided for by the Act or the rules, the Registrar may by notice in writing require the person to perform the act, file the document or produce the evidence, specified in the notice.

110. Opinion of the Registrar under Section 115(4). - (1) Where a matter has been referred to the Registrar for his opinion under proviso to sub-section (4) of section 115 such opinion shall be forwarded under a sealed cover within seven working days of the receipt of such written intimation to the referring authority and the Registrar shall ensure complete confidentiality in the matter so referred.

(2) The opinion under this rule shall be given by the Registrar or an officer specially authorised for this purpose under sub-section (2) of section 3 and the name of the designated officer shall be published in the journal

HEARINGS

111. Hearings.- (1) In relation to a trade mark for which an application for registration is made on or after the notified date, the application as well as any proceeding under the Act and the rules shall, in the event of a hearing becoming necessary, be heard at the office of the Trade Marks Registry at which such application was made under sub-section (3) of section 18, or at such place within the territorial jurisdiction of that office as the Registrar may deem proper.

(2) In relation to a trade mark for which an application for registration is pending before the Registrar, at the notified date, the hearing, if any, in respect of such application or any proceeding under the Act and the rules shall be taken at the appropriate office of the Trade Marks Registry or at such place within the territorial jurisdiction of that office as the Registrar may deem proper.

(3) In relation to a trade mark on the register of trade marks at the notified date, the hearing, if any, in respect of any proceeding under the Act and the rules shall take place at the appropriate office of the Trade Marks Registry or at such place within the territorial jurisdiction of that office as the Registrar may deem proper.

(4) Where an officer exercising the powers of the Registrar who has heard any matter under the Act or the rules, has reserved orders therein, is transferred from one office of the Registry to another or reverts to another appointment before passing an order or rendering decision therein, he may, if the Registrar so directs, pass the order or render the decision as if he had continued to be the officer in the office of the Trade Marks Registry where the matter was heard.

AWARD OF COSTS BY REGISTRAR

112. Costs in uncontested cases.- Where any opposition duly instituted under the rules is not contested by the applicant, the Registrar in deciding whether costs should be awarded to the opponent shall consider whether the proceedings might have been avoided if reasonable notice had been given by the opponent to the applicant before the notice of opposition was filed.

113. Exception to rule 112.- Notwithstanding anything in rule 112, costs in respect of fees specified under entries, 12, 14 and 15 of the First Schedule and of all stamps used on and affixed to affidavits used in the proceedings shall follow the event.

114. Scale of costs.- Subject to the provisions of rules 112 and 113, in all proceedings before the Registrar, he may, save as otherwise expressly provided by the Act, award such costs, not exceeding the amount admissible thereof under the Sixth Schedule, as he considers reasonable having regard to all the circumstances of the case.

REVIEW OF DECISION BY REGISTRAR

115. Application for review of Registrar's decision.- An application to the Registrar for the review of his decision under sub-section (c) of section 127 shall be made in Form TM-57 within one month from the date of such decision or within such further period not exceeding one month thereafter as the Registrar may on request allow, and shall be accompanied by a statement setting forth the grounds on which the review is sought. Where the decision in question concerns any other person in addition to the applicant, such application and statement shall be left in triplicate and the Registrar shall forthwith transmit a copy each of the application and statement to the other person concerned. The Registrar may, after giving the parties an opportunity of being heard, reject or grant the application, either unconditionally or subject to any conditions or limitations, as he thinks fit.

AFFIDAVITS

116. Form, etc; of Affidavits.- (1) The Affidavits required by the Act and the rules to be filed at the Trade Marks Registry or furnished to the Registrar, unless otherwise provided in the Second Schedule, shall be headed in the matter or matters to which they relate, shall be drawn up in the first person, and shall be divided into paragraphs consecutively numbered, and each paragraph shall, as far as practicable, be confined to one subject.

Every affidavit shall state the description and the true place of abode of the person making the same and shall bear the name and address of the person filing it and shall state on whose behalf it is filed.

(2) Where two or more persons join in an affidavit, each of them shall depose separately to such facts which are within his personal knowledge and those facts shall be stated in separate paragraphs.

(3) Affidavits shall be taken -

(a) in India, before any court or person having by law authority to receive evidence, or before any officer empowered by such court as aforesaid to administer oaths or to take affidavits;

(b) in any country or place outside India, before a diplomatic or consular officer, within the meaning of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fee) Act, 1948 (41 of 1948), of such country or place or before a notary public or before a Judge or Magistrate, of the country or place.

(4) The person before whom an affidavit is taken shall state the date on which and the place where the same is taken and shall affix his seal, if any, or the seal of the court to which he is attached thereto and sign his name and description at the end thereof.

(5) Any affidavit purporting to have affixed, impressed or subscribed thereto or thereon the seal or signature of any person authorised by sub-rule (3) to take an affidavit, in testimony of the affidavit having been taken before him, may be admitted by the Registrar without proof of the genuineness of the seal or signature or of the official character of that person.

(6) Alterations and interlineations shall, before an affidavit is sworn or affirmed, be authenticated by the initials of the person before whom the affidavit is taken.

(7) Where the deponent is illiterate, blind or unacquainted with the language in which the affidavit is written, a certificate by the person taking the affidavit that the affidavit was read, translated or explained in his presence to the deponent, that the deponent seemed perfectly to understand it and that the deponent made his signature or mark in his presence, shall appear in the jurat.

(8) Every affidavit filed before the Registrar in connection with any of the proceedings under the Act or the rules shall be duly stamped under the law for the time being in force.

INSPECTION OF DOCUMENTS BY THE PUBLIC

117. **Inspection of documents.**—The documents mentioned in sub-section (1) of section 148 shall be available for inspection at the head office of the Trade Marks Registry. A copy of the register and such of the other documents mentioned in section 148, as the Central Government may by notification in the Official Gazette direct, shall be available for inspection at each branch office of the Trade Marks Registry. The inspection shall be on payment of the prescribed fee and at such times on all the days on which the offices of the Trade Marks Registry are not closed to the public, as may be fixed by the Registrar.

118. **Distribution of copies of Journal and other documents.**—The Central Government may direct the Registrar to distribute the Journal and any other document which it may consider necessary, to such places as may be fixed by the Central Government in consultation with the State Governments and notified from time to time in the Official Gazette.

CERTIFICATES

119. **Certified copies of documents.**—The Registrar may furnish certified copies of any entry in the register or certified copies of any documents referred to in sub-section (1) of section 148 or of any decision or order of the Registrar, or give a certificate other than a certificate under sub-section (2) of section 23 as to any entry, matter or thing which he is authorised or required by the Act or the rules to make or do, upon receipt from any person of an application therefore in Form TM-46 accompanied by the prescribed fee. The Registrar shall not be obliged to include in any certificate or certified copy, a copy of any mark unless he is furnished by the applicant with a copy thereof suitable for the purpose:

Provided that the Registrar may furnish an expedited certified copies of the documents aforementioned within thirty working days on a request in Form TM-70 received to that effect on payment of five times the ordinary fees for such request.

120. Certificate for use in obtaining registration abroad. - (1) Where a certificate relating to the registration of a trade mark is desired for use in obtaining registration in any territory outside India, the Registrar shall include in the certificate a copy of the mark and may require the applicant for the certificate to furnish him with a copy of the mark suitable for that purpose, and if the applicant fails to do so, the Registrar may refuse to issue the certificate.

(2) Where a trade mark is registered without limitation of colour, the copy of the mark to be included in the certificate, may be either in the colour in which it appears upon the register or in any other colour or colours and it shall be stated in the certificate that the trade mark is registered without limitation of colour.

(3) The Registrar may state in the certificate such particulars concerning the registration of the mark as may deem fit to him, and may specify the terms and conditions and other limitation appearing on the Register. The purpose for which the certificate is issued shall be stated therein.

121. Power of Registrar to notify International Non-proprietary names.-The Registrar shall from time to time publish in the Journal, the words which are declared by the World Health Organisation as international non-proprietary names referred to in sub-section (b) of section 13

APPEALS TO THE INTELLECTUAL PROPERTY APPELLATE BOARD

122. Time for appeal.- An appeal to the Intellectual Property Appellate Board from any decision of the Registrar under the Act or the rules shall be made within three months from the date of such decision.

123. Service to the Registrar.- A copy of every application to Intellectual Property Appellate Board under the Act shall be served on the Registrar.

CERTIFICATE OF VALIDITY

124. Certificate of validity to be noted.- Where the Intellectual Property Appellate Board has certified as provided in section 141 with regard to the validity of a registered trade mark the registered proprietor thereof may request the Registrar in Form TM-47 to add to the entry in the register a note that the certificate of validity has been granted in the course of the proceedings, particulars of which shall be given in the request. An officially certified copy of the certificate shall be sent with the request, and the Registrar shall record a note to that effect in the register and publish the note in the Journal.

RETURN OF EXHIBITS AND DESTRUCTION OF RECORDS

125. Return of exhibits.- (1) Where the exhibits produced in any matter or proceeding under the Act or the rules are no longer required in the Trade Marks Registry, the Registrar may call upon the party concerned to take back the exhibits within a time specified by him and if the party fails to do so, such exhibits shall be destroyed.

(2) Where, before the notified date any exhibits have been produced in any proceeding, the Registrar may, if satisfied that it is no longer necessary to retain them call upon the party concerned to take back the exhibits within a time specified by him and if the party fails to do so, such exhibit shall be destroyed.

126. Destruction of records.-Where an application for the registration of a trade mark has been withdrawn/abandoned or refused or a trade mark has been removed from the register or in an opposition or rectification proceeding the matter has been concluded and no appeal is pending before the Intellectual Property Appellate Board, the Registrar may, at the expiration of three years after the application is withdrawn or is

abandoned or is refused or after the trade mark is removed from the register or the opposition or rectification proceeding is closed, as the case may be, destroy all or any of the records relating to the application, opposition or rectification or the trade mark concerned

PART II

SPECIAL PROVISIONS FOR COLLECTIVE MARKS

127. Rules to apply to collective marks.—The provisions of Part I, Part IV, and VII of the rules shall, in their application to collective marks, apply only subject to the provisions of this Part

128. Application for registration and proceedings relating thereto - (1) An application for the registration of a collective mark for goods or services under sub-section (1) of section 63 shall be made to the Registrar in Form TM-3, Form TM-64 or in the case of a single application in Form TM-66 or Form TM-67 as the case may be, in triplicate and shall be accompanied by five additional representations of the mark. The draft regulations to be submitted with the application under sub-section (1) of section 63 shall be in triplicate and shall be accompanied by Form TM-49

(2) References in Part I of the rules to the acceptance of an application for the registration of a trade mark for goods or services, shall, in their application to collective mark, be substituted by references to authorisation to proceed with the application

(3) An applicant for the registration of a collective mark shall not be deemed to have abandoned his application, if in the circumstances of sub-rule (5) of rule 38 he does not apply for a hearing or reply in writing

(4) The address in India, if any, of an applicant to register a collective mark shall be deemed to be the address of his principal place of business in India for all the purposes for which such an address is required by the rules

(5) The regulations governing collective marks shall specify *inter alia* -

- (a) the name of the association of persons and their respective office addresses,
- (b) the object of the association,
- (c) the details of members,
- (d) the conditions for membership and relation of each member with the group,
- (e) the persons authorised to use the mark and the nature of control the applicant exercise over the use of the collective mark,
- (f) the conditions governing use of the collective mark, including sanctions,
- (g) the procedure for dealing with appeals against the use of the collective mark,
- (h) such other relevant particulars as may be called for by the Registrar

129. Case accompanying application.—The applicant shall submit to the Registrar along with his application a statement of case setting out the grounds on which he relies in support of his application. Such case shall be furnished in triplicate

130. Examination and Hearing.—(1) The Registrar shall cause an application for the registration of a collective mark to be examined, in the first instance, as to whether it satisfies the requirement of the Act and the rules and issue a report to the applicant.

(2) The Registrar shall not refuse an application for the registration of a collective mark or accept the application subject to any conditions or limitations or impose amendments or modifications to the application or

to the regulation without giving the applicant an opportunity of being heard and the procedure thereto shall be regulated by the provision of sub-rule (4) of rule 38 to rule 42.

131. Opposition to registration of collective marks -(1) On acceptance of the application the Registrar shall cause the application to be advertised in the Journal and the provisions of rules 47 to 57 shall apply *mutatis mutandis* to further proceedings in the matter as they apply in relation to an application for the registration of a trade mark.

(2) In any case of doubt with regard to proceedings on the opposition to the registration of a collective mark, any party may apply to the Registrar for directions

132. Amendment of regulations relating to collective marks and renewal- (a) An application by the registered proprietor of a collective mark for any amendment to the regulation under Section 66 shall be made in Form TM-42 and where the Registrar accepts any such amendment he shall advertise, such application in the Journal and further proceedings in the matter shall be governed by rules 47 to 57.

(b) A collective mark may be renewed from time to time and the provision of rule 63 to 67 shall apply *mutatis mutandis* in respect of such request for renewal.

133. Removal of collective mark.-An application for removal of a collective mark from the register including on any of the grounds mentioned in section 68 shall be made in Form TM-43 and shall set forth particulars of the grounds on which the application is made. The provisions of rule 92 to 94 of these rules shall apply *mutatis mutandis* for further proceeding in the matter.

PART III

SPECIAL PROVISIONS FOR CERTIFICATION TRADE MARKS

134. Rules to apply to certification trade marks.-The provisions of Part I, Part IV and Part VII of the rules shall, in their application to certification trade marks, apply only subject to the provisions of this Part

135. Application for registration and proceedings relating thereto.- (1) An application for the registration of a certification trade mark under sub-section (1) of section 71 shall be made to the Registrar in Form TM-4, Form TM-65 and in the case of a single application in Form TM-68 or Form TM-69 as the case may be, in triplicate and shall be accompanied by five additional representations of the mark. The draft regulations to be submitted with the application shall be in triplicate and shall be accompanied by Form TM-49

(2) References in Part I of the rules to the acceptance of an application for the registration of a trade mark, shall, in their application to certification trade mark, be substituted by references to authorisation to proceed with the application.

(3) An applicant for the registration of a certification trade mark shall not be deemed to have abandoned his application, if, in the circumstances of sub-rule (5) of rule 38 he does not apply for a hearing or reply in writing.

(4) The address in India, if any, of an applicant to register a certification trade mark shall be deemed to be the address of his principal place of business in India for all the purposes for which such an address is required by the rules.

(5) The regulation governing a certification trade mark shall specify inter alia:-

- (a) a description of the applicant,
- (b) the nature of the applicant's business,
- (c) the particulars of infrastructure like R & D, technical manpower support;
- (d) the applicants competence to administer the certification scheme,
- (e) the applicants financial arrangement,

- (f) an undertaking from the applicant that there will be no discrimination of any party if they meet the requirements set down in the regulations;
- (g) the characteristic the mark will indicate in the certified goods or in relation to the rendering of certified services;
- (h) the manner of monitoring the use of the mark in India; and
- (i) such other relevant particulars as may be called for by the Registrar.

136. Statement of Case accompanying application.- (1) The applicant shall forward a statement of case to the Registrar with the application setting out the grounds in which he relies in support of the application. Such case shall be furnished in triplicate

(2) The Registrar shall cause the application for the registration of a certificate trade mark to be examined in the first instance as to whether it satisfies the requirement of the Act and the rules and issue a report to the applicant.

137. Hearing by the Registrar before refusing an application or to accept it conditionally.- The Registrar shall not refuse an application for registration of a certification trade mark or accept the application subject to any conditions or limitations or impose amendments or modifications to the application or to the regulations without giving to the applicant an opportunity of being heard and the procedure thereto shall be regulated by the provisions of sub-rule (4) of rule 38 to rule 42 of these rules.

138. Opposition to registration of certification trade mark and renewal.- (1) On acceptance of the application the Registrar shall cause the application to be advertised in the Journal and the provisions of rules 47 to 57 shall apply *mutatis mutandis* as they apply in relation to an application for the registration of a trade mark.

(2) In case of doubt with regard to the proceedings on the opposition to the registration of a certification trade mark, any party may apply to the Registrar for directions.

(3) A certification trade mark may be renewed from time to time and the provisions of rule 63 to 67 shall apply *mutatis mutandis* in respect of such request for renewal.

139.- Rectification of certification trade mark.-An application for cancellation or variation of registration of a certification trade mark on any of the grounds mentioned in section 77 shall be made in Form TM-43 and shall set forth particulars of the grounds on which the application is made. The provisions of rule 92 to 94 shall apply *mutatis mutandis* to further proceedings in the matter

140. Alteration of deposited regulations and consent of the Registrar for assignment or transmission of certification trade marks.- (1) An application by the registered proprietor of a certification trade mark under sub-section (2) of section 74 to alter the deposited regulation shall be made in Form TM-42 and where the Registrar decides to permit such alteration it shall be advertised in the Journal and further proceeding in the matter shall be governed by rules 47 to 57.

(2) An application for the consent of the Registrar to the assignment or transmission of a certification trade mark under section 43 shall be made in Form TM-62.

PART IV SPECIAL PROVISION FOR TEXTILE GOODS

141. Definitions.-For the purposes of rules 146 and 147 --

"balanced numeral" means a trade mark consisting of either identical numerals or identical letters of not less than three nor more than seven digits;

"digit" includes a single letter;

"letter fraction" means a fraction containing one or more letters.

142. Rules to apply to textile marks.—Subject to the provisions of this Part, the provisions of Part I, Part II, Part III and Part VII of the rules shall apply to trade marks in respect of textile goods as they apply to trade marks in respect of non-textile goods.

143. Textile Marks.—The expression "textile mark" means a trademark used or proposed to be used in relation to goods specified in rule 144 as "textile goods" for the purpose of Chapter X of the Act.

144. Textile Goods.—The classes of goods in relation to trade marks to which Chapter X of the Act shall apply and which are in the Act and the rules referred to as textile goods shall be classes 22 to 27 (inclusive) of the Fourth Schedule.

145. Application to register letters or numerals or any combination thereof in respect of items of textile goods.— (1) A separate application for the registration of a trade mark (other than a collective mark or a certification trade mark) shall be made in Form TM- 22 or TM-45 as the case may be, in respect of each of the items of textile goods mentioned in the Fifth Schedule where the mark consists exclusively of letters or numerals or any combination thereof.

(2) The items of the Fifth Schedule shall be grouped as follows; and goods falling in each group shall be deemed to be similar goods, and goods falling in different groups shall not be deemed to be similar goods for the purpose of an application for the registration of trade marks consisting exclusively of letters or numerals or any combination thereof made under sub-rule(1) and proceedings relating thereto but not for any other purpose—

Group-1—Items 1,4,5,8,9,10,11,12,16,19,20,22,23,24,25,26,27,30,33,36,37, 39,41,42,44,45,48,49,54,55,59,61,62,65 and 91

Group 2 – Items 2,3,14,17, 18,34,35 and 47.

Group 3 – Items 6,7,21,38 and 52.

Group 4 – Items 13,29,75,77 and 78

Group 5 - Items 15,28,31,40,60,66,79,88,90 and 93

Group 6 – Items 32,43,64 and 94.

Group 7 – Items 46,83 and 85.

Group 8 – Items 50,51,56,57,63,76,80,84,86,87 and 89.

Group 9 – Items 53.

Group 10 –Items 58,82 and 92.

Group 11- Items 67,68,69,70 and 71.

Group 12 – Items 72.

Group 13 – Items 73.

Group 14- Items 74.

Group 15- Items 81.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2) in respect of any proceeding relating to trade marks consisting exclusively of letters, numerals or any combination thereof for the registration of which applications were made on or before the 31st July, 1945, the goods falling in different items of the Fifth Schedule shall not be deemed to be similar goods of the same description.

146. Non-registrability of certain marks.— In respect of textile goods the following marks shall not be capable of registration, namely:—

- (a) any numerals of one digit or of more than six digits not being a balanced numeral;
- (b) a single letter or any combination of letters of more than six letters, not being a balanced numeral,
- (c) any combination of numerals and letters of more than eight digits;
- (d) any fraction or letter fraction consisting of more than eight digits together;
- (e) any fraction or letter fraction having less than three digits together;
- (f) any combination of numerals, and fractions of more than six digits,
- (g) any combination of numerals, letters, fractions and letter fractions either having more than eight digits or ending with a fraction of more than one digit in the numerator or in the denominator;

- (h) numerals or letters representing cloth dimensions,
- (i) a balanced numeral which does not consist of at least two more or two less digits than a balanced numeral of the same series already registered in the name of a different person, in respect of the same goods or description of goods.

147. Marks likely to deceive or cause confusion.- (1) A trade mark consisting of numerals, letters, fractions, letter fractions or any combination thereof, and not being a balanced numeral shall not be capable of being registered as a textile mark if it does not differ from a trade mark registered in the name of a different person in respect of the same goods or similar goods-

- a) in the case of a numeral not exceeding four digits, in at least one corresponding digit;
- b) in the case of a numeral of five digits, in at least two corresponding digits;
- c) in the case of a numeral of six digits, in at least three corresponding digits;
- d) in the case of a combination of two letters, in at least one corresponding letter;
- e) in the case of a combination of three or four letters, in at least two corresponding letters;
- f) in the case of a combination of five or six letters, in at least three corresponding letters;
- g) in the case of a mark consisting of one letter and one numeral digit, in at least one of them,
- h) in the case of a mark consisting of one letter and two or three numeral digits, in at least one corresponding numeral digit;
- i) in the case of a mark consisting of one letter and four or more numeral digits, in at least two corresponding digits;
- j) in the case of a mark consisting of two or more letters and one or more numeral digits, in at least one corresponding letter and one corresponding numeral digit;
- k) in the case of a fraction or letter fraction or any combination thereof in which the total number of digits in the numerator and denominator is three or four, in at least one corresponding digit from either the numerator or the denominator
- l) in the case of a fraction or letter fraction or any combination thereof in which the total number of digits in the numerator and denominator is five or more, in at least one corresponding digit in the numerator and one corresponding digit in the denominator or two corresponding digits in either the numerator or the denominator
- m) in the case of a combination consisting of a numeral and a fraction in at least one corresponding numeral digit;
- n) in the case of a combination of letters, numerals and fractions (including letter fractions)-
- (i) where the total number of digits excluding the fraction is not more than three in at least one corresponding digit;
- (ii) where the total number of digits, excluding the fraction, is four or more, in at least two corresponding digits.

- (2) Nothing in sub-rule (1) shall be construed to signify that where a trade mark does not come within the scope of any case specified in the said sub rule, the mark shall necessarily be registered as not being likely to deceive or to cause confusion.

PART V REGISTRATION OF TRADE MARKS AGENTS

148. Register of trade marks agents.-The Registrar of trade marks shall maintain a register of trade marks agents wherein shall be entered the name, address of the place of residence, address of the principal place of business, the nationality, qualifications and date of registration of every registered trade marks agent.

149. Registration of existing registered trade marks agents, code of conduct, etc;.- (1) Notwithstanding anything contained in rule 150, every person whose name has been entered in the register of trade marks agents maintained under the old law shall be deemed to be registered as a trade marks agent under these rules.

- (2) The Registrar may publish in the Journal a code of conduct for the registered trade marks agent authorising them to act as such.

150. Qualifications for registration.-Subject to the provisions of rule 151, a person shall be qualified to be registered as a trade marks agent if he-

- (i) is a citizen of India;
- (ii) is not less than 21 years of age;

- (iii) has passed the examination prescribed in rule 154 or is an Advocate within the meaning of the Advocates Act 1961 (25 of 1961) or is a Member of the Institute of Company Secretaries of India,
- (iv) is a graduate of any university in India or possess an equivalent qualification, and
- (v) is considered by the Registrar as a fit and proper person to be registered as a trade mark agent

151. Persons debarred from registration.-A person shall not be eligible for registration as a trade marks agent if he

- (i) has been adjudged by a competent Court to be of unsound mind,
- (ii) is an undischarged insolvent,
- (iii) being a discharged insolvent has not obtained from the court a certificate to the effect that his insolvency was caused by misfortune without any misconduct on his part,
- (iv) has been convicted by a competent court, whether within or without India of an offence punishable with transportation or imprisonment, unless the offence of which he has been convicted has been pardoned or unless on an application made by him the Central Government by order in this behalf, has removed the disability,
- (v) being a legal practitioner has been held guilty of professional misconduct by any High Court in India or by any Court beyond the limits of India
- (vi) being a chartered accountant, has been held guilty of negligence or misconduct by a High Court, or
- (vii) being a registered trade marks agent has been held guilty of professional misconduct by the Registrar

152. Manner of making application.- All applications under the provisions of this Part shall be made in triplicate and shall be sent to or left at that office of the Trade Marks Registry within whose territorial limits the principal place of business of the applicant is situate

153. Application for registration as a trade marks agent.- (1) Every person desiring to be registered as a trade marks agent shall make an application in Form TMA-1

- (2) The applicant shall furnish such further information bearing on his application as may be required of him at any time by the Registrar

154. Procedure on application and qualifying requirements.- (1) On receipt of an application for the registration of a person as a trade marks agent, the Registrar, if satisfied that the applicant fulfils the prescribed qualifications, shall appoint a date in due course on which the candidate will appear before him for a written examination in Trade Marks Law and practice followed by an interview. The candidate will be expected to possess a detailed knowledge of the provisions of the Act and the rules and knowledge of the elements of Trade Marks Law

- (2) The qualifying marks for the written examination and for interview shall be forty percent and sixty percent respectively and a candidate shall be declared to have passed the examination only if he obtained an aggregate of fifty percent of the total marks

155. Certificate of registration.-After a candidate has been interviewed and any further information bearing on his application, which the Registrar may consider necessary has been obtained and if the Registrar considers the applicant eligible and qualified for registration as a trade marks agent, he shall send an intimation to that effect to the applicant and any person so intimated may pay the prescribed fee for his registration as a trade marks agent. Upon receipt of the prescribed fee the Registrar shall cause the applicant's name to be entered in the register of trade marks agents and shall issue to him a certificate in Form O-4 of his registration as a trade marks agents

156. Continuance of the name in the register of trade marks agents.-The continuance of a person's name in the register of trade marks agents shall be subject to his payment of the fees prescribed in First Schedule

157. Removal of agent's name from the register of trade marks agents.- (1) The Registrar shall remove from the register of trade marks agents the name of any registered trade marks agent-

- (a) from whom a request has been received to that effect, or
- (b) from whom the annual fee has not been received on the expiry of three months from the date on which it became due

- (2) The Registrar shall remove from the register of trade marks agents, the name of any registered trade marks agent-

- (a) who is found to have been subject at the time of his registration, or thereafter has become subject, to any of the disabilities stated in clauses (i) to (vii) of rule 151, or
- (b) whom the Registrar has declared not to be a fit and proper person to remain in the Register by reason of any act of negligence, misconduct or dishonesty committed in his professional capacity;
- (c) whose name has been entered in the register by an error or on account of misrepresentation or suppression of material fact:

Provided that before making such declaration under clause (b) and (c) the Registrar shall call upon the person concerned to show cause why his registration should not be cancelled and shall make such further enquiry, if any, as it may consider necessary.

- (3) The Registrar shall remove from the register of trade marks agents the name of any registered trade marks agent who is dead
- (4) The removal of the name of any person from the register of trade marks agents shall be notified in the Journal and shall, wherever possible, be communicated to the person concerned.

158. Power of Registrar to refuse to deal with certain agents.- (1) The Registrar may refuse to recognise-

- (a) any individual whose name has been removed from, and not restored to the register;
- (b) any person, not being registered as a trade marks agent, who in the opinion of the Registrar is engaged wholly or mainly in acting as agent in applying for trade marks in India or elsewhere in the name or for the benefit of the person by whom he is employed,
- (c) any company or firm, if any person whom the Registrar could refuse to recognise as agent in respect of any business under these rules, is acting as a director or manager of the company or is a partner in the firm

- (2) The Registrar shall refuse to recognise as agent in respect of any business under this rule any person who neither resides nor has a place of business in India.

159. Restoration of removed names.- (1) The registrar may, on an application made in Form TMA-2 within six months from the date of removal of his name from the Register of trade marks agents accompanied by the fee specified in the First Schedule from a person whose name has been removed under clause (b) of sub-rule(1) of rule 157, restore his name to the register of trade marks agents and continue his name therein for a period of one year from the date on which his last annual fee became due

- (2) The restoration of a name to the register of trade marks agent shall be notified in the Journal and shall be communicated to the person concerned.

160. Alteration in the register of trade marks agents.- (1) A registered trade marks agent may apply in Form TMA-3 for alteration of his name, address of the place of residence, address of the principal place of business or qualifications entered in the register of trade marks agents. On receipt of such application and the fee prescribed in that behalf, the Registrar shall cause the necessary alteration to be made in the register of trade marks agents.

- (2) Every alteration made in the register of trade marks agents shall be notified in the Journal.

161. Publication of the register of trade marks agents.- The Registrar shall ordinarily publish the list of agents in the register of trade marks agents shall be published in the Journal from time to time, and at least once in two years together with their addresses as entered in the register, the entries being arranged in the alphabetical order of the surnames of the registered trade marks agents and copies thereof may be placed for sale.

162. Appeal.-An appeal shall lie to Intellectual Property Appellate Board from any order or decision of the Registrar in regard to the registration or removal of trade marks agents under Part V of these rules, and the decision of the Appellate Board shall be final and binding.

PART VI

PROVISIONS RELATING TO TESTING AND MARKING OF PIECE GOODS AND YARN

163. Definitions.- For the purposes of this Part, unless the context otherwise requires-

(a) "count" in relation to yarn means the relation of length to weight thereof either in the English system or the Metric system, as follows:-

(i) The English count for yarn shall be the number of hanks each of 840 yards in length that weight one pound avoirdupois or in other words the number of yards of yarn that weight 8.3 grains.

(ii) The metric count for all yarn with the exception of raw and prepared silk shall represent the relation between 1000 meters of yarn to 500 grammes or 2 metres to 1 grammes or in other words half the number of hanks (each of 1,000 metres length) that weigh 500 grammes.

The English system of counts may be converted into the metric system of counts and *vice versa* by the following formulae:-

The English count No. of yarn X 0.847 the metric count. The metric count No. of yarn X 1.181-the English count.

(iii) The metric count for raw and prepared silk shall be the weight in grams of 10,000 metres of yarn.

(b) "Customs collector" shall have the meaning assigned to the term in the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

164. Testing for length and width of piece-goods.- (1) In testing for length of piece-goods such as are ordinarily sold by the length or by the piece the measurement shall be made along the selvage.

(2) In testing piece-goods aforesaid for width the cloth shall be measured by each of the following methods and the mean of the measurements so taken shall be adopted. Care shall be exercised in applying each method to select a portion of the cloth where the creases are fewest, and the warp and weft respectively as straight as possible:

- (a) A double-fold of the cloth shall be laid on the table and the creases smoothed out, so that it may lie perfectly flat. The measuring rod shall then be placed across the cloth, and the finger and thumb run down the rod on each side of it across the cloth so as to once more flatten the creases. Care shall be taken in doing this to see that whilst the creases are smoothed out, stretching is avoided and the warp threads remain perpendicular to the rod. The measurement shall then be recorded.
- (b) A fold of the cloth shall be taken, and the doubled edge held between a finger and thumb at each end, and extended over the measuring rod which shall be kept flat on the table. The extension shall be sufficient to remove the creases but not to stretch the warp out of the perpendicular.

165. Allowances for peculiarities of cloth and for stretching.- (1) In taking the measurements aforesaid the peculiarities of the cloth under measure shall be taken into consideration and due allowances be made for these characteristics.

(2) If owing to the peculiarities of the cloth it is found difficult to determine a reasonable degree of tension for purposes of measurement, the mean between stretching to the full and not stretching, shall be adopted.

(3) The influence of stretching for length on the width shall always be taken into account in measuring cloth. Where the cloth has been stretched lengthwise in the making, it will lose in length as the weft is straightened to measure the width. It may then have to be ascertained, whether the trade description of length does not become false in the process of making that for width correct. To ascertain this a measurement along the selvages both lengthwise and across shall be made.

166. Testing of yarns. - Yarns may be tested by the customs- collector for length and count when he has reason to suspect or on information by any informant that the trade description is false.

167. Number of samples to be selected.- A testing of yarns to test the accuracy of the description of count or length shall be made, in the first instance, up to the limit of one bundle in every one hundred bales or fractions of one hundred bales in a consignment.

168. Further testing. - If, on such testing the difference between the average count or length and the described count or length is in excess of the variation permitted in the notification issued by the Central Government under section 121 of the Act, the importer or any other person having any claim to or in relation to, goods in question or otherwise interested may apply for a further testing.

- 169. Manner of selection and testing of Samples.**—The test to determine length of yarns shall be as follows -
- (i) From every one hundred bales, or fraction of 100 bales, in a consignment one bundle, shall be selected at random. The hanks in this bundle shall then be measured on the warp wheel one after the other, in the presence of the importer or any other person interested as is referred to in the last foregoing rule, or his representative and the length noted, the process being continued (within the limits of the bundle) until either the importer or other person, as the case may be, is satisfied that the yarn is short, or the average of the lengths noted shows that it is of full length.
 - (ii) When the importer or other person is dissatisfied with the test aforesaid he may, on payment of the cost, require the customs-collector to measure more hanks up to one percent of the total number of hanks in the consignment, such hanks being taken at random by an officer of the customs out of any bundles in the consignment.
- 170. Stove Test.**—(1) The stove test may be applied by the customs officers only in cases where weighment by the ordinary methods shows the weight of the yarn to be short or in which the feel and appearance of yarn indicate that it is abnormally moist or over-conditioned or where the importer demands the test. Where the test is carried out on demand by the importer, the fee levied for carrying out the test shall be returned if the test fails to support the original determination of count and length by the customs officers. If more than one application of the test is demanded a further fee shall be levied for each fresh test, the whole sum charged being retained or refunded according to his final decision on the results of the tests.
- (2) (a) In carrying out the stove test, in the case of cotton yarn a regain of 8 1/2 per cent shall be added to the weight obtained after the yarn is reduced to an absolute dry condition, and the figure so obtained shall be regarded as the actual weight of the yarn under normal conditions.
 - (b) In the case of silk, or woollen or other yarns other than cotton yarn the regain to be added to the weight obtained after reducing such yarns to dry condition shall be according to the table of official standards supplied with the stove test apparatus.
- 171. Place of testing.**—The testing of piece-goods and yarn referred to in rules 164 to 170 shall be made at the customs laboratories or at such place and by such officer as the customs-collector may direct.
- 172. Security.**—The customs-collector may require from any informant referred to in rule 166 security not exceeding five hundred rupees and where he is satisfied that the information given is wilfully false, the security shall be forfeited.

STAMPING OF PIECE-GOODS COTTON YARN AND UNDER SECTION 81

173. Piece-goods.—"Piece-goods such as are ordinarily sold by length or by the piece" (hereinafter referred as "piece-goods") shall for the purposes of section 81 of the Act or the Customs Act, 1962 (52 of 1962) include cotton piece-goods, woollen piece-goods, silk piece-goods, art silk piece-goods of synthetic fibre and other piece-goods of mixed fabrics, shall not include the following descriptions of goods namely -

- (a) Alhambras, except Alhambras quiltings
 - Blankets
 - Blind Cloth in cut-pieces
 - Book-Binding cloth in cut-pieces
 - Buckrams in cut-pieces
 - Carpets (in rolls)
 - Counterpanes
 - Decatising wrappers
 - Dusters in woven pieces
 - Embroidered all-overs and embroidered sans of all sorts
 - Embroidered flounces
 - Filter cloth
 - Glass cloth in woven pieces
 - Handkerchiefs in woven pieces
 - Laces and nets including Cotton Brettone nets
 - Lace curtain cloth
 - Pillow Calico (Tubular)
 - Prayer Mats
 - Press cloth in cut pieces
 - Quilts

- Rugs.
 - Sarongs upto 2 ½ yards 2.28 metres in length.
 - Shawls (finished) with ends hemmed or fringed, imported singly or in pieces, containing two or more shawls.
 - Sponge Cloth (for swabs).
 - Teddy Bear or imitation Seal Skin Cloth.
 - Towels in woven pieces.
 - Woollen cleaner cloth.
 - Woollen knitted cloth
 - Woollen roller cloth.
 - Woollen sizing Flannel.
- (b) (i) Cotton remnants or cut lengths measuring less than fifteen yards (or fourteen meters) which are not in current ordinary trade practice sold by length or by the piece;
- (ii) Fents regardless of their length, which are so defective owing to accidents in the weaving, dyeing or printing that they are not ordinarily capable of being sold by length or by the piece.

174. Stamping of piece-goods.- (1) Piece-goods which have been manufactured, bleached, dyed, printed or finished in India in premises which are a factory as defined in the Factories Act, 1948 (63 of 1948) shall be stamped with the particulars required under sub-section(1) of section 81.

(2) In the case of piece-goods manufactured outside India (each piece shall be marked with the name of the manufacturer, exporter, or wholesale purchaser in India of the goods and with the real length of the piece in standard yards or in standard metres as required under the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

175. Cases where requirement as to stamping may be waived.- (1) The customs-collector may not detain any unstamped piece-goods if he is satisfied that although they are not mentioned in the list of excepted goods under rule 173 they are of such a nature that they would be liable to serious depreciation in value if stamped:

Provided, however, where a customs-collector exercises his discretion under this sub-rule, he shall forthwith report the case, sending a sample of the goods to the Central Government through the Central Board of Revenue, so that the question of issuing general orders in favour of such goods may be considered.

(2) Cotton and woollen piece-goods imported for the personal use of individuals or private associations of individuals and not for trade purposes need not be stamped.

176. Nature of stamping required.- (1) In marking the length of the piece-goods the words "yards" or "yds" "metres" shall accompany the numerals, and in the case of cut-lengths or pieces of the kind other than that described in clause (b) of rule 173, the number of pieces shall be marked as well as the yards or metres on the front or outer face fold of the cut-piece, the figures being presented in a way to show clearly what they are intended to mean.

(2) The length shall be in standard yards or fractions of such yards or standard metres or fractions of a metre and shall represent the actual length of the goods, and not the length before shrinkage or dryage, resulting from processes such as dyeing, or from atmospheric changes which can reasonably be foreseen. Marking in inches or centimetres may be permitted on cloths of small dimensions and delicate make in accordance with the custom of the trade.

(3) The marking shall be such that it is not likely to be removal except by washing the fabric or in the case of goods that are not ordinarily washed; it shall be of such a nature that it is not likely to be obliterated in the ordinary course of handling before the goods reach the purchaser.

(4) The marking shall be conspicuous and in a different colour from that of the fabric, upon the fabric itself, and not upon a removable label or ticket. The marking shall not be upon an inner fold, which cannot readily be seen, nor upon a wholly detached piece, but it may be upon piece that is partly detached without being entirely severed. In the case of sarongs, which are required to be stamped, the stamping may be made on the selvege in the inner fold instead of one the uppermost fold of the cloth. Marks, which are stitched on the fabric and are easily removable by cutting, shall not be permitted.

177. Languages and numerals to be used for marking.- All markings required by sub-section(2) of section 81 shall be in English and the international form of Indian numerals shall be used.

178. Indications of weight, length, name of manufacturer etc., (1) The weight of yarn or thread in each bundle or unit shall ordinarily be indicated thereon in pounds or ounces in the English system or in grammes according to the metric system.

(2) The length of threads in each bundle or unit shall be indicated thereon in yards or metres.

(3) The name of the manufacturer or of the wholesale purchaser in India shall be indicated in full or, provided that the said name is clearly and unambiguously indicated thereby in an abbreviated form, on each bundle or unit.

179. Manner of marking cotton yarn and cotton thread.- (1) Each bundle of cotton yarn shall be marked with the particulars required under Sub-section (2) section 81 of the Act by one or more inscribed wrappers, labels or cards applied, affixed or stitched thereto, provided that all the required particulars shall be contained on the exposed surface.

(2) Units of cotton thread shall be marked with the required particulars -

- (a) when made up in skeins, by an inscribed label applied round each skein or bundle of skeins or secured by twine thereto;
- (b) when made up in balls, by an inscribed label attached to each ball, or inserted therein but remaining exposed;
- (c) when wound on cards, wheels, or stars, by inscription on the exposed portion of the card, wheel or star;
- (d) when wound on reels, by one or two inscribed label applied to the end or ends of the reel;
- (e) when wound on paper tubes or cones, by an inscribed label applied round or otherwise affixed to the thread or to the exposed portion of the outer surface of the tube or cone, or, where the diameter of the tube or cone is sufficient for the label to be clearly exposed to views, to the inner surface of the tube or cone, or, by inscription on the exposed portion of the outer surface of the tube or cone;
- (f) when made up in any other form, by an inscribed label or card applied, affixed or stitched to or enclosed or inserted in, such make up.

(3) Labels or cards used in accordance with sub-rules (1) and (2) shall be so applied as not to be easily detachable or removable from a bundle of cotton yarn or from each unit of cotton thread in the ordinary course of handling before it reaches the normal consumer.

180. Marking of cover.- Where units of cotton thread are enclosed in a cover, such cover shall be marked with the required particulars.

181. Markings to be clear and distinct.- All markings on bundles of cotton yarn or units of cotton thread shall be legible, distinct and in a colour which is not likely to be easily obliterated and which shall be different from the colour of the surface marked.-

182. Manner of expressing count of cotton-yarn.- The count of cotton yarn shall ordinarily be expressed in English the metric system by adding the letter 'S' after the numeral or numerals where, however, a bundles is packed on the metric system, the count shall be accompanied by the words "metric count" or by some other clear and definite indication conveying the fact and in the absence of such words or indication the marking shall be regarded as indicating that it is in the English system.

183. Indication of other particulars.- Nothing in rules 177 shall be construed as prohibiting the indication in any manner of other particulars relating to the cotton yarn or cotton thread so long as the conspicuousness of the required particulars is not affected thereby.

184. Exemptions.- All premises where the work is done by members of one family with or without the assistance of not more than ten other employees and all premises controlled by a co-operative society where not more than twenty workers are employed in the premises shall be exempted from the operation of rules 177 to 182.

PART VII REPEAL

185. Repeal.- The Trade and Merchandise Marks Rules, 1959 are hereby repealed without prejudice to anything done under such rules before the coming into force of the rules.

THE FIRST SCHEDULE

[See rule 11]

FEES

Entry No.	On what payable	Amount Rs. P.	Corresponding Form Number
1.	On application to register a trade mark for a specification of goods or services included in one class [Section 18(1)]	2500.00	TM-1
2.	On application to register a textile trade mark (other than a certification trade mark or a collective mark) consisting exclusively of numerals or letters or any combination thereof for a specification of goods included in one item of the Fifth Schedule under rule 25 (5) & 145.	2500 00	TM-22
3.	On application to register a trade mark for goods or services included in a class from a convention country under section 18(1) & 154(2)	2500.00	TM-2
4.	On a single application under section 18(2) for the registration of a trade mark for different classes of goods or services from a convention country under section 154(2)	2500.00 for each class	TM-52
5.	On a single application under section 18(2) for the registration of a trade mark for different classes of goods or services.	2500.00 for each class	TM-51
6.	On application to register a series trade mark under section 15 for a specification of goods or services included in a class or classes	(i) For one trade mark in one class 2500.00 (ii) For each additional trade mark ... 2500.00 (iii) For each additional class ... 2500.00	TM-8
7.	On application to register a series of trade mark from a convention country under section 154(2) for a specification of goods or services included in a class or classes	(i) For one trade mark in one class 2500 00 (ii) For each additional trade mark ... 2500.00 (iii) For each additional class ... 2500.00	TM-37
8.	On application under section 63(1) to register a collective mark for a specification of goods or services included in a class	10,000.00	TM-3
9.	On application under section 71(1) to register a certification trade mark for a specification of goods or services included in a class	10,000.00	TM-4
10.	On application for the registration of a textile trade mark (other than a certification trade mark or a collective mark) consisting exclusively of numerals or letters, or any combination thereof for a specification of goods included in one item of the Fifth Schedule under rule 145 from a convention country under section 154(2)	2500.00	TM-45
11.	On a request under rule 40(1) to state grounds of decision.	1000.00	TM-15
12.	On a notice of opposition under section 21 (1),	2500.00	TM-5

	64, 66 or 73 for each class opposed.		
13.	On application for extension of time for filing notice of opposition under section 21(1)	500.00	TM-44
14.	On a counter statement in answer to a notice of opposition under section 21, for each application opposed, or in answer to an application under any of the section 47 or 57 in respect of each trade mark or in answer to a notice of opposition under section 59 or rule 101 for each application or conversion opposed	1000.00	TM-6
15.	On notice of intention to oppose hearing under any of the section 21, 47, 57 and 59 by each party to the proceeding concerned.	500.00	TM-7
16.	On application under section 16(5) to dissolve the association between registered trade marks.	500.00 for each dissolution	TM-14
17.	For renewal under section 25 of the registration of a trade mark in a class at the expiration of the last registration not otherwise charged.	5,000.00	TM-12
18.	For renewal under section 25 of the registration of a series trade mark for each class at the expiration of the last registration-	5,000.00	TM-12
19.	For renewal under section 25 of a single application of a trade mark for goods or services in more than one class-in respect of every class.	5,000.00 for each class	TM-12
20.	For renewal under section 25 of the registration of a collective mark/certification trade mark.	10,000.00	TM-12
21.	On application under section 25(4) for restoration and renewal after six months and within one year from the expiration of the last registration of a trade mark removed from the register	5000.00 plus fee applicable for renewal under entries 17 to 20	TM-13
22.	On application for renewal under proviso to section 25(3) within six months from the expiration of last registration of the trade mark.	3000.00 as surcharge.	TM-10
23.	On application for certificate of the Registrar under section 40(2) : For the first mark proposed to be assigned. For every additional mark of the same proprietor included in that assignment	2500.00 500.00	TM-17
24.	On application for approval of the Registrar under section 41- For the first trade mark . For every additional mark of the same proprietor included in the same transfer	2500.00 500.00	TM-19
25.	On application under section 42 for direction of a Registrar for advertisement of assignment without goodwill of a trade mark in use- For the first mark assigned. For every additional mark assigned with the same devolution of title.	2500.00 2500.00 500.00	TM-20

26.	<p>On application for extension of time for applying for directions under section 42 for advertisement of assignment without goodwill of trade mark in use in respect of devolution of title-</p> <p>Not exceeding one month</p> <p>Not exceeding two months</p> <p>Not exceeding three months</p>	<p>500.00</p> <p>1000.00</p> <p>1500.00</p>	TM-21
27.	<p>On application under section 45 to register a subsequent proprietor in a case of assignment or transfer of a single trade mark:</p> <p>If made within six months from the date of acquisition of proprietorship.</p> <p>If made after expiration of six months but before 12 months from the date of acquisition of proprietorship.</p> <p>If made after 12 months from date of acquisition of proprietorship.</p>	<p>5000.00</p> <p>7500.00</p> <p>10,000.00</p>	<p>TM-23 OR TM-24</p> <p>TM-23 OR TM-24.</p> <p>TM-23 OR TM-24.</p> <p>TM-23 OR TM-24.</p>

28.	<p>On application under section 45 to register a subsequent proprietor of more than one trade mark registered in the same name, the devolution of title being the same in each case:-</p> <p>If made within six months from the date of acquisition of proprietorship-</p> <p>For the first mark</p> <p>For every additional mark</p> <p>If made after the expiration of six months but before twelve months from the date of acquisition of proprietorship:-</p> <p>For the first mark</p> <p>For every additional mark</p> <p>If made after expiration of twelve months from the date of acquisition of proprietorship:-</p> <p>For the first mark</p> <p>For every additional mark</p>	<p>5000.00</p> <p>1000.00</p> <p>7500.00</p> <p>1500.00</p> <p>10,000.00</p> <p>2000.00</p>	<p>TM-23 OR TM-24.</p> <p>TM-23 OR TM-24.</p> <p>TM-23 OR TM-24.</p> <p>TM-23 OR TM-24.</p> <p>TM-23 OR TM-24.</p>
29.	<p>On application under section 46(4) for extension of time for registering a company as subsequent proprietor of trade marks on one assignment: -</p> <p>Not exceeding two months</p> <p>Not exceeding four months</p> <p>Not exceeding six months</p>	<p>500.00</p> <p>1000.00</p> <p>1500.00</p>	TM-25
30.	On application under any of the sections 47 or 57 for rectification of the register or removal of a trade mark from the register or cancellation of a registered collective mark or a certification trade mark	3000.00	TM-26
31.	On application under rule 94 for leave to intervene in proceeding under any of the sections 47 or 57 for rectification of the register or removal of trade mark from the register or under rule 133 or 139 in respect of a collective mark or certification trade mark.	500.00	TM-27
32.	On application under section 49 to register a registered user of a registered trade mark in respect of goods or services within the specification thereof.	5000.00	TM-28

33.	On application under section 49 to register the same registered user of more than one registered trade mark of the same registered proprietor, where all the trade marks are covered by the same registered user agreement in respect of goods or services within the respective specification thereof and subject to the same conditions and restrictions in each case:- For the first mark For every additional mark of the proprietor included in the application, and in the registered user agreement	5000.00 3000.00	TM-28
34.	On application under clause (a) of sub-section 1 of section 50 to vary the entry of a registered user of one trade mark where the trade marks are covered by the same registered user in respect of each of them:- For the first mark For every additional mark included in the application	5000.00 2500.00	TM-29
35.	On application under clause (b) of sub-section (1) of section 50 for cancellation of the entry of a registered user of one trade mark- Where the application includes more than one trade mark- For the first mark For every additional mark included in the application	2500.00 2500.00 500.00	TM-30
36.	On application under clause (c) or (d) of sub-section (1) of section 50 to cancel the entry of a registered user of one trade mark:- Where the application includes more than one trade mark:- For the first mark For every additional mark included in the application	5000.00 5000.00 2000.00	TM-31
37.	On notice under rule 90(2) of intention to intervene in one proceeding for the variation or cancellation of entries of a registered user of a trade mark	500.00	TM-32

38.	<p>On application under section 58 to change the name or description of a registered proprietor or a registered user of a trade mark</p> <p>where there has been no change in the proprietorship or in the identity of the registered user (except where the application is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement as per law in India</p> <p>where the application includes more than one trade mark —</p> <p>For the first trade mark</p> <p>For every additional mark included in the application</p>	<p>1000.00</p> <p>1000.00</p> <p>1000.00</p> <p>500.00</p>	TM-33
39.	<p>On application under section 58 to alter an entry of the address of a registered proprietor or of a registered user of a trade mark unless exempted from fee under rule 96(3):</p> <p>Where the application include more than one trade mark — and where the address in each case is the same and is altered in the same way-</p> <p>For the first entry</p> <p>For every other entry included in the application</p>	<p>500.00</p> <p>500.00</p> <p>200.00</p>	TM-34
40.	<p>On application to make an entry of an address for service in India of a registered proprietor or a registered user of a trade mark-</p> <p>where the application include more than one trade mark and the address for service to be entered is the same in each case-</p> <p>For the first entry</p> <p>For every other entry included in the application.</p>	<p>500.00</p> <p>500.00</p> <p>200.00</p>	TM-50

41.	On application to alter or substitute an entry of an address for service in India in the register unless exempted from fee under rule 96(3) . Where the application includes more than one trade mark and the address in each case is the same and is altered or substituted in the same way- For the first entry For every other entry included in the application	500.00 . 500.00 200.00	TM-50
42.	On application under clause (c) of sub-section (1) of section 58 for canceling the entry or part thereof or under clause (d) to strike out goods or services from the register.	200.00	TM-35 OR TM-36
43.	On application under section 59(1) for leave to add or alter a registered trade mark (except where the application is made as a result of an order of a public authority or in consequence of statutory requirement)- Where the application includes more than one trade mark and the addition or alteration to be made in each case being the same- For the first mark For every other mark included in the application.	2500.00 2500.00 1000.00	TM-38
44.	On notice of opposition under sub-section (2) of section 59 to an application for leave to add or to alter a registered trade mark for each application opposed	1500.00	TM-39
45.	On application under section 60 for conversion of specification.	1000.00	TM-40
46.	On notice of opposition in each separate class under sub-section 2 of section 60 to a conversion of the specification or specifications of a registered trade mark: For the first mark For every additional mark included in the notice of opposition.	1500.00 1500.00 700.00	TM-41

47.	On application under section 66 for amendment of the deposited regulations of a collective mark or alteration under section 74(2) of the regulation of a certification trade mark-	1000 00	TM-42
	Where the marks are entered in the register as associated trade marks-		
	For the regulation of one registration.	1000 00	
	For the same or substantially same regulation of each additional registration proposed to be altered in the same way and included in the same application	200.00	
48	On application under section 68 to remove the registration of a collective mark or cancel or vary the registration of a certification trade mark under section 77	1000.00	TM-43
49.	For a search under rule 24(1) in respect of one class	500.00	TM-54
50.	On request for the Registrar's preliminary advice under section 133(1) for a trade mark in respect of one class.	1000.00	TM-55
51.	On request for certificate of the Registrar under section 137(other than a certificate under section 23(2)).	500.00	TM-46
52	On request for certificate of the Registrar [other than certificate under section 23(2)] of the registration of a series of the trade mark under section 15 for each class.	500.00	TM-46
53.	On request for a certified copy of any entry in the register or of any document under section 148(2).	500.00	TM-46
54.	On request to enter in the register and advertise a note of certificate of validity, under rule 124 in respect of one mark in a class	200.00	TM-47
55.	On request, not otherwise charged for correction of a clerical error or for amendment under section 18(4), 22 and 58, except where the request is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement as per law in India.	500.00	TM-16
56.	On application for extension of time for a month or part thereof under section 131 [not being a time expressly provided in the Act or prescribed by rule 79 or by rule 80(4)]	500.00	TM-56
57.	On application for review of the Registrar's decision under section 127 (c)	2000.00	TM-57

58.	On petition (not otherwise charged) for obtaining Registrar's order on any interlocutory matter in a contested proceeding	2500.00	
59.	On request to Registrar for particulars of advertisement of a mark under rule 46.	250.00	TM-58
60	For inspecting the documents mentioned in section 148(1):- (a) relating to any particular trade mark for every hour or part thereof. (b) computer search (when made available) for every fifteen minutes (c) search of index mentioned in section 148 for every hour or part thereof	200.00 400.00 200.00	
61	For copying of documents, (photocopy or typed) for every page of part thereof in excess of one page.	5.00 per page(subject to a minimum of Rs. 5.00)	
62	On request for a duplicate or further copy of certificate rule 62(3)	500.00	TM-59
63.	On a counter statement in answer to a notice of opposition in respect of a collective trade mark or a certification trade mark under section 64, 66, 73 or 77.	1500.00	TM-9
64.	For search and issue of certificate under rule 24(3).	5000.00	TM-60
65.	On application under sub-section (b) of section 25 of Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 to refuse or invalidate the registration of a trade mark which conflicts with or which contains or consists of a geographical indication identifying goods or class or classes of goods notified under sub-section (2) of section 22 of the said Act.	3000.00	TM-74
66.	On application under sub-section (a) of section 25 of Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 to refuse or invalidate the registration of a trade mark containing or consisting of a geographical indication not originating in the territory of a country or a region or locality in that territory which the geographical indication indicates.	3000.00	TM-73
67	Notice of intention to attend hearing under section 64, 66, 73 or 77 in respect of a collective mark or in respect of a certification trade mark, as the case may be.	500.00	TM-7

68.	On a request to divide an application or to divide a single application under proviso to section 22.	1000.00 plus appropriate class fee	TM-53
69.	On application under sub-rule 16 of rule 25 towards inclusion of specification of goods or services in excess of five hundred characters at the time of filing of application as excess space fee.	10.00 per character	TM-61
70.	On application under section 43, rule 140(2) for consent of Registrar to the assignment or transmission of certification trade mark.	1000.00	TM-62
71.	On application under rule 38(1) for the expedited examination of an application for the registration of a trade mark.	12,500.00	TM-63
72.	On application under section 63(1) to register a collective mark of a specification of goods or services included in a class from a convention country under section 154(2).	10,000.00	TM-64
73.	On application under section 71 to register a certification trade mark for a specification of goods or services included in class from a convention country under section 154(2).	10,000.00	TM-65
74.	On request for an expedited certificate of the Registrar (other than a certificate under section 23(2) of the Act) or certified copies of documents under proviso to rule 119.	2500.00	TM-70
75.	On request for an expedited search under proviso to rule 24(1).	2500.00	TM-71
76.	On request for an expedited search and issuance of a certificate under rule 24(5).	25000.00	TM-72
77.	On application for registration as a trade mark agent under 152.	1000.00	TMA-1
78.	For registration of a person as a trade mark agent under rule 154.	1000.00	

79.	<p>For continuance of the name of a person in the Register of Trade Marks Agents under rule 156:-</p> <p>For every year (excluding the first year) to be paid on the 1st April, in each year.</p> <p>For the first year to be paid along with the fee or registration, in the case of a person registered at any time between the 1st April, and 30th September.</p> <p>N.B. A year for this purpose will commence on the 1st day of April, and end on the 31st day of March following</p>	<p>1000.00</p> <p>1000.00</p>	
80.	On application for restoration of the name of a person to the Register of trade marks agents under rule 159	1000.00 plus continuance fee under entry no. 79.	TMA-2
81.	On application for an alteration of any entry in the Register of Trade Marks Agent under rule 160.	200.00	TMA-3
82.	For each addition to the registered entry of a trade mark that may be associated with a newly registered mark under section 16(1).	500.00	
83.	On a single application under section 18(2) for the registration of a collective mark for different classes of goods or services.	10,000.00 for each class.	TM-66
84.	On a single application under section 18(2) for the registration of a collective mark for different class of goods or services from a convention country.	10,000.00 for each class.	TM-67
85.	On a single application under section 18(2) for the registration of a certification trade mark for different class of goods or services.	10,000.00 for each class.	TM-68
86.	On a single application under section 18(2) for the registration of a certification trade mark for different class of goods or services from a convention country under section 154(2).	10,000.00 for each class.	TM-69
87.	On request for search and issuance of a certificate pursuant to clause (ii) of sub-section (2) of section 20 of the Companies Act, 1956.	5000.00	TM-75

THE SECOND SCHEDULE FORMS

List of Forms

Form No.	Section of the Act	Title	Entry number of first Schedule
(1)	(2)	(3)	(4)
TM-1	18(1)	Application for registration of a trade mark for goods or services (other than a collective mark or a certification trade mark)	1
TM-2	18(1), 154(2)	Application for registration of a trade mark from convention country (other than a collective mark or a certification trade mark)	3
TM-3	63(1)	Application for registration of a collective mark	8
TM-4	71(1)	Application for registration of a certification trade mark.	9
TM-5	21(1) 64, 66, 73	Notice of opposition to an application for registration of a trade mark, collective mark or certification trade mark.	12
TM-6	21(2), 47 57, 59 (2)	Form of counterstatement	14
TM-7	21(5), 47, 57 and 59, 64, 66, 73 & 77	Notice of intention to attend hearing.	15 and 67
TM-8	15(3)	Application for registration of series trade marks for goods or services in a class or different classes	6
TM-9	64, 66, 73 & 77	Form of counterstatement in answer to Notice of Opposition in respect of a collective mark or a certification trade mark	63
TM-10	Proviso to Section 25(3)	Payment of surcharge towards renewal of trade mark, certification trade mark and collective mark	22
TM-11	rule 32	Request for search and issuance of certificate under rule 32	87
TM-12		Application for renewal after expiry of last registration of a trade mark/collective mark/certification trade mark	17 to 20
TM-13	25(4)	Application for restoration of a trade mark removed from the register	21
TM-14	16(5)	Application to dissolve association between registered trade mark	16

TM-15	rule 40(1)	Request for statement of grounds of decision	11
TM-16	18(4) 22 and 58 rule 41,	Request for correction of clerical error or for amendment	55
TM-17	40(2) rule 77	Application for the certificate of the Registrar under Section 40(2) with regard to proposed assignment of registered trade mark.	23
TM-18	40(2) rule 68	Affidavit in support of statement of case.	
TM-19	41 Rule 77	Application for approval by the Registrar of a proposed assignment or transmission of trade mark resulting in exclusive rights in different parts of India.	24
TM-20	42, rule 74(1)	Application for directions for advertisement of an assignment of trade marks otherwise than in connection with goodwill of the business.	25
TM-21	42 and rule 74(3)	Application for extension of time in which to apply for the Registrar's directions for the advertisement of an assignment of trade marks otherwise than in connection with the goodwill of the business.	26
TM-22	18(1) rule 25(5), 144 and 145	Application to register a textile trade mark (other than a certification trade mark or a collective mark) consisting exclusively of numerals or letters or any combination thereof for a specification of goods included in one item of the Fifth Schedule under rule 145	2
TM-23	45	Joint request by registered proprietor and transferee to register the transferee as subsequent proprietor of trade marks upon the same devolution of title.	27,28
TM-24	45, rule 68	Request to register a subsequent proprietor of a trade mark or trade marks upon the same devolution of title.	27,28
TM-25	46(4) rule 79	Application for extension of time for the registration of the name of a company as a subsequent proprietor of a trade mark in the register.	29
TM-26	47, 57 rule 92	Application for the rectification of the register or the removal of a trade mark from the register.	30
TM-27	rule 94	Application for leave to intervene in proceedings relating to the rectification of the register or the removal of a trade mark from the register or a collective mark or a certification trade mark.	31

TM-28	49 rule 80	Application for registration of registered user	32,33
TM-29	50(1)(a) rule 87	Application by the registered proprietor of a trade mark for variation of the registered user thereof with regard to the goods or services or the condition or restriction.	34
TM-30	50(1)(b)	Application by the Registered Proprietor of a trade mark or by any of the registered users of the trade mark for the cancellation of entry of a registered user thereof	35
TM-31	50(1)(c) or (d)	Application for cancellation of entry of a registered user of a trade mark of a trade mark	36
TM-32	rule 90(2)	Notice of intention to intervene in proceedings for the variation or cancellation of an entry of a registered user of a trade mark	37
TM-33	58	Request to enter change of name or description of registered proprietor (or registered user of trade mark upon the register)	38
TM-34	58	Request for alteration of the address of the principal place of business of residence in India or of the address in the home country abroad in the Register of Trade Marks	39
TM-35	58(1)(c)	Application by registered proprietor of trade mark for the cancellation of entry thereof in the register	42
TM-36	58(1)(d)	Application by registered proprietor of trade mark to strike out goods or services from those for which the trade mark is registered	42
TM-37	15(3) rule 25(11) 26 & 31	Application in respect of series trade mark from convention countries under section 154(2) for goods or services in a class or for different classes	7
TM-38	59	Application by registered proprietor under Section 59 for an addition to or alteration of a registered trade mark	43
TM-39	59(2) rule 99(2)	Notice of opposition to application for addition to or alteration of a registered trade mark	44
TM-40	60 Rule 101	Application by the proprietor of a registered trade mark for the conversion of the specification	45
TM-41	60(2) Rule 101(4)	Notice of opposition to proposal for conversion of specification under section 60(2)	46
TM-42	66,74(2)	Request for amendment of deposited regulations governing the use of a collective mark or alteration of deposited regulation of a certification	47

		trade mark	
TM-43	66,77 rule 133,139	Application for removal from the register of a collective mark or to cancel or vary the registration of a certification trade mark.	48
TM-44	21(1) rule 47(6)	Application for extension of time for giving notice of opposition to a trade mark	13
TM-45	rule 25(6),144 145	& An application to register a textile trade mark (other than a collective mark or certification trade mark) consisting exclusively of numerals or letters or any combination thereof for a specification of goods included in one item of the Fifth Schedule from a convention country u/s 154 (2)	10
TM-46	137,148(2)	Request for certificate of the Registrar or certified copies of documents	51 to 53
TM-47	141 rule124	Request for entry in the register and advertisement of a note of the certificate of validity by the Appellate Board	54
TM-48	145 rule 21	Form of Authorisation of Agent in a matter or proceeding under the Act	
TM-49	63(1),74(1) rule 128(5) or 135(1)	Regulations for governing the use of a collective trade mark or a certification trade mark	
TM-50	rule 91,96,97	Form of request by a registered proprietor or a registered user of a trade mark who has no principal place of business in India, to enter, alter or substitute an address for service in India.	40,41
TM-51	18(2) rule 25(9)	A single application under section 18(2) for registration of a trade mark for goods or services in different classes.	5
TM-52	18(2) rule 25(4)	A single application u/s 18(2) for registration of a trade mark from convention country u/s 154(2)	4
TM-53	Proviso to section 22, rule 104(1)	Divisional application	68
TM-54	rule 24(1)	Request for search	49
TM-55	133(1)	Preliminary advice as to distinctiveness	50
TM-56	131	Request for extension of time	56
TM-57	127(c)	On application for review of Registrar's decision	57
TM-58	rule 46	Application for particulars of advertisement	59

		of a trade mark		
TM-59	rule 62(3)	Application for duplicate or further copy of certificate of registration	62	
TM-60	rule 24(3)	Application for search and certificate under Section 45(1) of the Copyright Act, 1957	64	
TM-61	rule 25(16)	Application for inclusion of specification of goods or services in excess of five hundred characters	69	
TM-62	43 rule 140(2)	Application for the consent of the Registrar to the assignment or transmission of certification trade mark	70	
TM-63	rule 38(1)	Request for expedited examination of an application for the registration of a trade mark under rule 38(1)	71	
TM-64	63(1) rule 128(1)	Application to register a collective mark for a specification of goods or services included in a class from convention country under section 154(2)	72	
TM-65	rule 135(1)	Application under section 71 to register a Certification trade mark for a specification of goods or services included in a class from convention country under section 154(2)	73	
TM-66	18(2) 63(1)	Single application for registration of a collective trade mark for different classes of goods or services	83	
TM-67	18(2) 63(1) 154(2)	Single application for registration of a collective trade mark for different classes of goods or services from a convention country under section 154(2)	84	
TM-68	18(2) 71	Single application for registration of a certification trade mark for different classes of goods or services	85	
TM-69	18(2) 71 154(2)	Single application for registration of a certification trade mark for different classes of goods or services from a convention country under section 154(2)	86	
TM-70	proviso to rule 119	Request for expedited certificate of the Registrar or certified copies of documents	74	
TM-71	Proviso to rule 24(1)	Request for expedited search in respect of one class	75	
TM-72	rule 24(5)	Request for expedited search certificate under section 45(1) of the Copyright Act, 1957	76	
TM-73 Geogra-	Section 25(a) Consisting of a geographical indication of Goods	Request to refuse or invalidate a trade mark Consisting of a geographical indication of Goods	66 phical Indi-	of the

(Registration and Protection) Act, 1999, rule 74(2) of Geographical Indications Goods Rules, 2002 and rule 102 of Trade Marks Rules, 2002

TM-74	Section 25(b) of Geographical Indications Goods (Registration and Protection) Act, 1999, rule 75(2) of Geographical Indications Goods Rules and rule 102 of Trade Marks Rules, 2002	Request to refuse or invalidate a trade mark conflicting with or containing or consisting of a geographical indication notified under sub-section (2) of section 22 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999	65
TMA-1	rule 153	Application for registration as a trade mark agent	77
TMA-2	rule 159	Application for restoration of the name of person to the register of trade marks agents	80
TMA-3	rule 160	Application for the alteration of an entry in the Register of Trade Marks Agents	81

FORM TM-1
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee: Rs.2500/-

Application for registration of a trade mark for goods or services (other than a collective mark or a certification trade mark) in the register
[Section 18(1); Rule 25(2)]

(To be filed in triplicate accompanied by five additional representations of the trade mark)

One representation to be fixed within this space and five others to be sent separately
Representation of a larger size may be folded but must then be mounted upon linen or other suitable material and affixed hereto (See rule 28)

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying trade mark in class [1] in respect of [2] in the name(s) of [3] whose address is [4] who claim (s) to be the proprietor(s) thereof [and by whom the said mark is proposed to be used [5] or (and by whom and his (their) predecessor(s) in title [6] the said mark has been continuously used since [7] in respect of the said goods or services

[8].....

[9].....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India. -

Dated this day of 20.....

[10]SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY IN LETTERS.

To

The Registrar of Trade marks,

The office of the Trade Marks Registry at [11]..... ..

1. The Registrar's direction may be obtained if the class of the goods or services is not known.
2. Specify the goods or services for the class in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs.10 per character is payable beyond this limit. [See rule 25(16)]. The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature.
3. Insert legibly the full name, description (occupation, calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated (See rule 16).
4. The applicant shall state the address of his principal place of business in India. if any. (See rules 3 and 17) (If the applicant carries on business in the goods or services for which registration is sought at only one place in India, such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries on business in the goods or services concerned at more places than one in India, the applicant should state such fact and give the address of that place of business, which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does not carry on business in the goods or services concerned but carries on business in other goods or services at any one place in India this fact should be stated and the address of that place given; and where the applicant carries on such business at more places than one in India such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India to which communications relating to the application may be sent) (See rule 19) Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India, the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad.
5. Strike out if the mark is already in use
6. Strike out the words if not applicable. If user by predecessor(s) in title is claimed, the name(s) of such person(s) together with the date of commencement of use by the applicant himself should be stated at 8.
7. If there has been no use of the trade mark in respect of all the goods or services specified at 2, the items of goods or services in respect of which the mark has actually been used should be stated.
8. For additional matter if required, otherwise to be left blank
9. If colour combination is claimed, clearly indicate it and state the

- colour. If the application is in respect of a three-dimensional mark, statement to that effect (See rule 25 and 29).
10. Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant- (See Section 145)
11. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Mark Registry. (See rule 4)

FORM TM-2
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee: Rs.2500/-

**Application for the registration of a trade mark (other than a collective mark or a certificate trade mark)
in the Register from a convention country.**
[Sections 18(1), 154(2); Rules 25(3) and 26]
(To be filled in triplicate accompanied by five additional representation of the trade mark)

One representation to be fixed within this space
and five others to be sent separately.
Representation of the larger size may be folded but
must then be mounted upon linen or other suitable
material affixed thereto. (See rule 28)

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying
trade mark in class [1] in respect of [2] in the name(s) of
[3]..... whose address is [4] who claim (s) to be the proprietor(s) thereof [and by whom
the said mark is proposed to be used [5] or (and by whom and his (their) predecessor(s) in title [6] the said mark
has been continuously used since] in respect of the said goods or services.[7]

The application in a convention country to register the trade mark has been made in on.....

A certified copy certified by an official of the convention country in which the application was filed is
enclosed (along with its translation in English).

I/We request that the trade mark may be registered with priority date based on the above-mentioned
application in a convention country under the provisions of Section 154 of the Act.

[8].....

[9].....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[10]SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS.

To

The Registrar of Trade marks,
The office of the Trade Marks Registry at [11]...

1. The Registrar's direction may be obtained if the class of the goods or services is not known.
2. Specify the goods or services for the class in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs.10 per character is payable beyond this limit. See rule 25(16) The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature.
3. Insert legibly the full name, description (occupation, calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. (See rule 16)
4. The applicant shall state the address of his principal place of business in India. if any. (Sec rules 3 and 17) If the applicant carries on business in the goods or services for which registration is sought at only one place in India, such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries on business in the goods or services concerned at more places than one in India, the applicant should state such fact and give the address of that place of business, which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does not carry on business in the goods or services concerned but carries on business in other goods or services at any one place in India this fact should be stated and the address of that place given; and where the applicant carries on such business at more places than one in India such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India to which communications relating to the application may be sent. (Sec rule 19). Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India, the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad.
5. Strike out if the mark is already in use
6. Strike out the words if not applicable If user by predecessor(s) in title is claimed the name(s) of such person(s) together with the date of commencement of use by the applicant himself should be stated at 8.
7. If there has been no use of the trade mark in respect of all the goods or services specified at 2, the items of goods or services in respect of which the mark has actually been used should be stated.
8. For additional matter if required, otherwise to be left blank.
9. If colour combination is claimed, clearly indicate it and state the Colour. If the application is in respect of a three-dimensional mark, statement to that effect (See rules 25 and 29).
10. Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant)- (See section 145).
11. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry – (See rule 4)

FORM TM-3
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents code No:
Proprietors code No:

Fee Rs.10, 000/-

Application for registration of a collective trade mark.
[Section 63(1); Rules 25(7) (a) and 128(1)]

(To be filed in triplicate and accompanied by five representation of the collective mark and three copies of the draft regulation in Form TM-49).

One representation to be fixed within this space and four others to be sent separately. Representation of a larger size may be folded but must then be mounted upon linen or other suitable material and affixed hereto: (See rule 28).

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying collective trade mark in class [1]in respect of [2]in the name of [3] whose address is [4]

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[5].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To
The Registrar of Trade Marks,
The Office of the Trade Marks Registry at [6]

1. Registrar's direction may be obtained if the class is not known.
2. Specify the goods or services for the class in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs.10/- per character is payable beyond this limit. (See rule 25(16) The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature.
3. Insert the full name, description (occupation, calling and nationality) of the applicant. If the applicant is a body corporate, the nature and country of incorporation should be stated. (See rule 16).
4. Here insert the full address of the applicant. [Address of the principal place of business or of residence in India, if any or address for service in India together with the address in the home country abroad].
5. Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant). (See section 145).
6. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry-(See rule 4).

FORM TM-4
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee Rs.10,000/-

Application for registration of a certification trade mark
[See section 71; Rules 25(8)(a) and 135]

(To be filed in triplicate accompanied by five representation of the certification trade mark and three copies of the draft regulation in Form TM-49).

One representation to be fixed within this space and four others to be sent separately. Representation of a larger size may be folded but must then be mounted upon linen or other suitable material and affixed hereto: (see rule 28).

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying certification trade mark in class [1]in respect of [2]in the name of [3] whose address is [4] The applicant(s)/ is (are) not carrying on business in the goods or services of the kind for which registration of the said Certification Trade Mark is sought.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[5].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks,
The Office of the Trade Marks Registry at [6]

1. Registrar's direction may be obtained if the class is not known.
2. Specify the goods or services.
3. Insert the full name, description (occupation, calling and nationality) of the applicant. If the applicant is a body corporate, the nature and country of incorporation should be stated. (See rule 16).
4. Insert the full address of the applicant. [Address of the principal place of business or of residence in India, if any or address for service in India together with the address in the home country abroad].
5. Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant). (See section 145).
6. State the name of the place of the appropriate office of the trade marks registry-(See rule 4).

FORM TM-5
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents code No:
Proprietors code No:

Fee: Rs.2500/-

Notice of opposition to application for registration of a trade mark or a Collective mark or a certification mark-

[Sections 21(1), 64, 66, 73; Rules 47(1), 131(1) and 138(1)]

(To be filed in triplicate)

In the matter of Application No _____ by I/ we[1] _____ hereby give notice of my/our intention to oppose the registration of the trade mark/certification mark/collective mark/ [2] advertised under the above number for class _____ in the Trade Marks Journal dated the _____ day of 20 _____ No _____

The grounds of opposition are as follows -

[3]

All communications in relation to these proceedings may be sent to the following address in India

Dated this _____ day of _____ 20 _____ [4]

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks,
The office of the Trade Marks Registry at [5]

- 1 State full name and address An address for service in India should be given if the opponent has no place of business or of residence in India
- 2 Strike out whichever is not necessary
- 3 If registration is opposed on the ground that the mark resembles marks already on the register the numbers of those marks and of the journals in which they have been advertised are to be set out
- 4 Signature of the opponent or of his agent
- 5 State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry - (See rule 4)

FORM TM-6
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee: Rs. 1000/-

Form of Counterstatement
[Sections 21(2), 47, 57, 59(2); Rules 49, 93,99 and 101]

(To be filed in triplicate)

In the matter of an opposition No _____ to application No _____ in class _____ for the registration of a trade mark

I /we [1] _____ the applicant(s) for registration of the above trade mark, hereby give notice that the following are the grounds on which I/we rely for my/ our application -

I / we admit the following allegations in the notice of opposition.....

All communications in relation to these proceedings may be sent to the following address in India.

.....

.....

Dated thisday of20.....

[2].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [3].....

1. State the full name and address as stated in the application for registration
2. Signature of the applicant or of his agent.
3. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry – (See rule 4).

FORM TM-7
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee Rs.500/-

Notice of intention to attend hearings
[Sections 21, 47, 57, 59, 64, 66 73 and 77;
[Rules 56(1), 93, 99,101, 131, 132, 133, 138, 139 and 140]

In the matter of [1].....I/We [2]..... hereby give notice that the hearing in reference to the above matter, which by the official notice to me (or us), dated theday of .. 20.....is fixed forA.M. orP.M. at.....the [3] on the day of20.....will be attended by me /us or by some person on my /our behalf.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[4] .SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade marks

The Office of the Trade Marks Registry at [5]

1. Insert particulars as in the official notice
2. Insert name and address
3. Insert the office of the Trade Marks Registry or place at which hearing will take place according to the official notice.
4. Signature of person giving the notice or of his agent
5. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry –(See rule 4.)

FORM TM-8
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee: See entry No. 6 of the First Schedule.

Application for registration of series trade mark for goods or services [1] (other than a collective mark or a certification trade mark) in a class or for different classes

[Section 15(3); Rules 25(10) and 31]

(To be filed in triplicate accompanied by five additional representations of the trade mark)

One representation to be fixed within this space and others to be sent separately. Representation of a larger size may be folded but must then be mounted upon linen or other suitable material and fixed hereto. (See rule 28).

Application is hereby made for registration in of the register as a series trade mark for the accompanying trade mark in class/classes [2] in respect of [3] in the name(s) of [4] whose address is [5] who claim (s) to be the proprietor(s) thereof [and by whom the said mark is proposed to be used [6] or (and by whom and his (their) predecessor(s) in title [7] the said mark has been continuously used since] in respect of the said goods [8].

[9].....
.....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20

.....
.....

[10]NAME OF THE SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade marks, [11]
The office of the Trade Marks Registry at.

1. Strike out whichever is not necessary
2. The Registrar's direction may be obtained if the class or classes of the goods or services is not known. In the case of marks consisting of letters or numerals or any combination thereof relating to textile goods, the item number of the Fifth Schedule should be stated if the goods fall in any of the items of the said Schedule. (See rule 144)
3. The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds five hundred characters at the space provided immediately before the signature
4. Insert legibly the full name, description (occupation, calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. (See rule 16).
5. The applicant shall state the address of the principal place of business in India. if any. (See rules 3 and 17) (If the applicant carries on business in the goods or services for which registration is sought at only one place in India, such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries on business in the

goods or services concerned at more places than one in India the applicant should state fact and give the address of that place of business which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does into carry on business in the goods or services concerned but carried on business in other goods or services at any one place in India, this fact should be stated and the address of that place given; and where the applicant carries on such business at more places than one in India such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India, the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India, to which communications relating to the application may be sent). (see rule 19). Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad.

6. Strike out if the mark is already in use
7. Strike out the words in if not applicable. If user by predecessor(s) in title is claimed the name(s) of such person(s) together with the date of commencement of use by the applicant himself should be stated at 9.
8. If there has been no use of the trade mark in respect of all the goods or services specified at 3, the items of goods or services in respect of which the mark has actually been used should be stated.
9. For additional matter if required, otherwise to be left blank. If colour combination is claimed, clearly indicate and state the colour. If the application is in respect of a three dimensional mark, a statement to that effect (See rule 25 and 29).
10. Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant- (See Section 123)
11. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry – (See rule 4).

FORM TM-9
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.1500/-

Form of counterstatement in respect of collective mark or certification trade mark. [Sections 64, 66, 73 and 77 ; Rules 131 to 133 and 137 to 140]

(To be filled in quadruplicate)

In the matter of an Opposition No.....to application No.....for registration of a Collective mark or a Certification trade Mark.[1]

I/we) [2]the applicant(s) in respect of the above numbered application, hereby give notice that the following are the grounds on which I/we) rely as supporting my/our) application.

I/ we admit the following allegations in the notice of opposition.

All communications relating to these proceedings may be sent to the following address in India

Dated thisday.....20.....

[3] SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To
The Registrar of Trade Marks,

The Office of the Trade Marks Registry at [4]

1. Strike out whichever is not applicable
2. Insert full name and nationality. An address for service in India should be given if the opponent has no place of business or of residence in India
3. Signature of the applicant or of his agent.
4. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry- (See rule 4).

FORM TM-10
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fees: Rs.3,000/-

Application for payment of surcharge towards renewal of a trade mark, collective mark and certification trade mark

[Section 25 (3) proviso; Rules 65,132(b) and 138(3)]

(To be filed along with Form TM-12 and TM-13 together with prescribed fees thereof)

I /we [1] [2] the registered proprietor/s hereby apply for the renewal of registration of registered trade mark collective mark/certification trade mark No. in class which has expired on and the renewal certificate be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20...

[3] Signature
Name of signatory in Letters

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [4].....

1. Strike out whichever is not applicable
2. Insert here the full name and address of the Registered Proprietor.
3. Signature of the registered proprietor or of his agent.
4. State name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry- (See rule 4) **FORM TM-**

TM- 11
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

Fee Rs.5,000/-

Request for search and issuance of certificate under rule 32.

I/ We.....request the Registrar to search and ascertain whether any trade mark(s) is (are) on record which resembles the name (or proposed name) of the company sent herewith in triplicate (each representation being mounted on a sheet of strong paper approximately 33cm by 20cm in size) and issue a certificate.

All communication relating to this application may be sent to the following address in India [1]:-

Dated this..... day.....of20

[2]SIGNATURE.
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks.....
The Office of the Trade Marks Registry at.....

- 1 Address in India
2. Signature

FORM TM-12
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

(For Fee see entries Nos. 17 to 20 and 22 of the First Schedule)

Renewal of registration of trade mark/collective mark/certification trade mark [1]
[Section 25; Rules 63(1), 132(b) and 138(3)]

I/we [2].....hereby leave the prescribed fee of Rs.....for renewal of registration of the Trade Mark/Collective mark/certification trade mark No.....in Class The Notice of renewal of the registration may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[3] SIGNATURE
NAME OF SIGNAORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [4].....

1. Strike out whichever is not applicable
2. Insert here the name and address of the Registered Proprietor
3. Signature of the registered proprietor or of his agent
4. State name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry- (See rule 4)

Note- This form will be returned if it is filed more than six months before the expiration of the last registration. Attention is also invited to section 159 (6).

FORM TM-13
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee: Rs.5000 plus the applicable renewal fee prescribed under entry Nos. 17 to 20 of the First Schedule.

Restoration and renewal of trade mark removed from register for non-payment of renewal fee.
[Section 25(4); Rules 66, 132(b) and 138(3)]

I / we [1] hereby apply that the Trade mark numbered.....in class/ (s)be restored to the register and the registration of the said Trade Mark in the class/(s) aforesaid be renewed, and that the notice of restoration and renewal be sent to the following address in India.

Dated thisday of 20....

[2].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [3].....

1. Insert full name, address and nationality of the registered proprietor
2. Signature of the registered proprietor or of his agent
3. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry - (See rule 4.)

FORM TM-14
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: R.500/- for each dissolution.

Application to dissolve the Association between a registered trade mark and (an) other registered trade mark(s).
[Section 16(5); Rule 60(2)]

(To be accompanied by a statement of case)

In the matter of a Trade Mark No registered in class.

I /Webeing the registered proprietor(s) of the above numbered Trade Mark, hereby apply that the association of this Trade Mark with the following Trade Mark(s) registered in my/our name.-

[1] No.....registered in class
No..... registered in class

may be dissolved and the register amended accordingly.

The grounds for this application are set forth in the accompanying statement of case

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[2].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [3].....

1. Additional numbers may be given in signed schedule on the reverse of the Form
2. Signature of the registered proprietor(s) or of his (their agent)
3. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry (See rule 4)

FORM TM-15
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.1000/-

Request for statement of grounds of decision
[Rule 40(1)]

In the matter of [1] the Registrar is hereby requested to state in writing the grounds of his decision dated the day of 20 after the hearing on the day of 20 and the materials used by him in arriving at the decision

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20

[2].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [3]

1. Insert particulars identifying the application
2. Signature of the applicant or of his agent
3. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry - (See rule 4)

FORM TM-16
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's No:
Proprietor's Co. No.

Fee: Rs.500/-

Request for correction of clerical error, or for amendment.
[Sections 18(4), 22 and 58 ; Rules 41, 91 and 97]

In the matter of [1]
I/ we being the [2] applicant (s) in the above matter hereby
Opponent(s)

Regd. Proprietor(s)
Registered User (s)

request that

.....

[3] A Copy of the request has been served on

the registered proprietor(s)
the registered user (s)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20.....

[4]
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [5].....

1. Insert words and reference number identifying the entry or application or opposition
2. Strike out words not applicable
3. Strike out if not applicable
4. Signature
5. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
(See rule 4).

Note:- No fee is payable where the request for correction or amendment is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement.

FORM TM-17
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.2500/- for the first trade mark and Rs.500/- for every additional trade mark included in the assignment

Application for the certificate of the Registrar under Section 40(2) with reference to a proposed assignment of a registered trade mark.

[Rule 77]

(To be accompanied by a statement of case in duplicate and a copy of the proposed assignment)

In the matter of Trade Mark(s) No(s)..... registered in the name of
in class (es).....
 Application is hereby made by [1] being the registered proprietor (s) of the
 abovementioned registered trade mark(s) for the Registrar's certificate under section 40(2) with reference to a
 proposed assignment of the registered trade mark(s) No.(s) to [2]..... in circumstances that
 are stated fully in the accompanying statement of case.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[3].....
 SIGNATURE
 NAME OF SIGNATORY
 IN LETTERS

To
 The Registrar of Trade Marks
 The Office of the Trade Marks Registry at [4]

1. Insert the full name and address of the registered proprietor.
2. Insert the full name, address and nationality of the proposed assignee.
3. Signature of the registered proprietor or of his agent
4. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry.
 (See rule 4).

FORM TM-18
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
 Proprietor's Code No:

Affidavit

[To be furnished only when required by Registrar in support of statement of case filed under section 40(2) or accompanying a request under rule 68]

(To be stamped as per rules for the time being in force)

I[1]ofdo hereby solemnly and sincerely declare that the particulars set out in the statement of case, exhibit markedand left by me in connection with [2]..... in respect of the Trade Mark No.....in classare true and comprise every material fact and document affecting the present proprietorship of the Trade Mark, to the best of my knowledge, information and belief.

[3].....
 SIGNATURE
 NAME OF SIGNATORY
 IN LETTERS

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Declared at
 thisday of20.....

Before me [4].....

1. Insert full name, address and nationality of deponent.
2. Insert particulars of the proceedings concerned.
3. To be signed here by the person making the declaration.
4. Signature and title of authority before whom affidavit is taken. In India affidavit may be taken before any Court or person having by law authority to receive evidence or before an officer empowered by a Court to administer oath. Outside India affidavit may be taken before a Diplomatic or Consular Officer within the meaning of the Diplomatic and Consular officers (Oaths and Fees) Act, 1948, of such country or place or before a Notary of the place if the notarial acts done by notaries of the place have been recognised by the Central Government under Section 14 of the Notaries Act, 1952.

FORM TM-19
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs. 2500/- for the first trade mark and Rs.500/- for every other trade mark

Application for the approval by the Registrar under Section 41 of a proposed assignment, or of transmission of a trade mark, resulting in exclusive rights in different persons for different parts of India [Rule 77]

(To be accompanied by a statement of case in duplicate and a copy of the instrument proposed for the assignment or effecting the transmission)

In the matter of trade mark(s) [1] Registered under NO (s) in
class(es)]

Application is hereby made by

*[I] [2] the proprietor of the trade mark (s) shown in the accompanying statement of case (registered in his name) [3] and (used by him) [3] in respect of the following goods or services for the approval by the Registrar of a proposed assignment of the trade marks(s) to [4] in respect of the following goods or services to be sold or otherwise traded in [5] (and to [6] in respect of all the following goods or services to be sold or otherwise traded in [5]) in circumstances that are stated fully in the accompanying statement of case

*(II) [7] who claims that the trade mark(s) shown in the accompanying statement of case, was (were) in respect of the following goods or services, namely and on the [8] day of 20 transmitted to him [9] who was his predecessor in title,] by or from [10] by whom the Trade Mark was then used in respect of the following goods or services namely all in circumstances that are stated fully in the accompanying a statement of case, for the approval by the Registrar of the said transmission

If communications relating to this application may be sent to the following address in India.

Dated this day of 20

[11]
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To
The Registrar of Trade Marks,
The Office of the Trade Marks Registry at [12]

*Strike out either paragraph (I) or paragraph (II)

- 1 Strike out in the case of unregistered trade mark
- 2 Insert the name and address of the proprietor
- 3 Strike out either if not applicable
- 4 Insert the name(s) and address(es) of the proposed assignee(s)
- 5 Insert the name(s) of the place(s) in India
- 6 Strike out the bracketed passage if not required
- 7 Insert the name and address of the person who claims a transmission to him
- 8 Insert the date of the transmission
Insert the name and address of the predecessor in title, if any
Insert the name and address of the person who transmitted
Signature of the applicant or of his agent
The name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry

FORM TM-20
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Ra.2500/- for the first mark and Ra.500/- for every additional mark

Application for directions for the advertisement of an assignment of trade marks otherwise than in connection with the goodwill of the business
[Section 42; Rule 74(1)]

(To be filed in duplicate)

Application is hereby made by [1]for the Registrar's direction with respect to the advertisement of an assignment of the following trade marks otherwise than in connection with the goodwill of the business in which they [2] (had been)(were) used namely:-

* (I) Registered Trade Marks:
Registration number Class

Goods or services in respect of which the mark has
been or is used and is assigned

.....
.....
all of which are or were registered in the name of [3]who is the assignor.

* (II) Unregistered Trade Marks 4 all being marks which [2] (had been) (were) used in his business in respect of the goods or services stated below, by [3]ofwho is the assignor:

* Representation of mark

Goods or services in respect of which the mark has
been or is used and is assigned

The date of assignment was theday of20.....

The instrument effecting the assignment is sent herewith, together with a copy thereof.

It is suggested that advertisement shall be directed as follows, namely, in

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[5].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTER

To
The Registrar of Trade Marks,
The Office of the Trade Marks Registry at [6]

Additional marks and registration numbers which cannot be accommodated may be give in a signed schedule on the back of the Form

1. Insert the name, nationality and address of the assignee (applicant).
 2. Strike out words not applicable.
 3. Insert the name, nationality and address of the proprietor (assignor).
 4. Only those unregistered trade marks passing by the same assignment and used in the same business and for the same goods or services as those for which one or more of the registered marks are registered may be stated here.
 5. Signature of applicant or of his agent
 6. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry.
- (See rule 4).

FORM TM-21
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.500/-, Rs.1,000/- or Rs.1,500/- for extension of 1, 2 or 3 months respectively

Application for extension of time in which to apply for the Registrar's direction for the advertisement of an assignment of trade marks otherwise than in connection with the goodwill of the business.

[Section 42; Rules 74(3)]

Application is hereby made by [1]for extension of time of [2]month(s) in which to apply for the Registrar's directions for the advertisement of an assignment of the following trade marks otherwise than in connection with the goodwill of the business in which they [3] (had been) (were) used, namely:-

(I) Registered Trade Marks:

*Registration Number Class

.....

Goods or services in respect of which the mark
has been or is used and is assigned.

all of which are or were registered in the name of [4.].....ofwho is the assignor

(II) Unregistered trade marks all being marks which [3] (had been)(were) used in his business in respect of the goods or services stated below, by [4]of.....who is the assignor.

*Representation of Mark

Goods or services in respect of which the mark has
been or is used and is assigned

The date of assignment was theday of20.....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India.

.....
.....

Dated thisday of20....

[5].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at[6].....

*Additional marks and registration numbers which cannot be accommodated here may be given in a signed schedule on back of the form.

1. Inert the name and address of the assignee(applicant)
2. Insert "one", "two", or "three"
3. Strike out words not applicable
4. Insert the name and address of the proprietor (assignor)
5. Signature of applicant or of his agent
6. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Mark Registry (See rule 4).

FORM TM-22
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee: Rs.2,500/-

Application to register a textile trade mark consisting exclusively of numerals or letters

[Section 18(1); Rules 25 (5), 144 and 145]

(To be filed in triplicate accompanied by five additional representations of the trade mark)

One representation to be fixed within this space
and five others to be sent separately.
Representation of a larger size may be
folded but must then be mounted upon
linen or other suitable material and
affixed hereto. (See rule 28).

Application [1] is hereby made for registration in the register of the accompanying trade mark in class[2] in respect of [3] in the name(s) of [4] whose address is [5] who claim (s) to be the proprietor(s) thereof [and by whom the said mark is proposed to be used 6 or (and by whom and his (their) predecessor(s) in title [7] the said mark has been continuously used since 20...] in respect of the said goods [8].

[9].....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20.....

[10] Signature.....
Name of the Signatory

.....

To

The Registrar of Trade marks,
The office of the Trade Marks Registry at [11].....

1. Strike out whichever is not necessary. The duly signed additional representation by the applicant or his agent should bear the mark, the name, address and description of the applicant, the description of goods, the class, the period of use of the trade mark, the trade description and address of service in India

2. The Registrar's direction may be obtained if the class of the goods or services is not known.

3. Specify the goods for class in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs.10 per character is payable beyond the prescribed limit. The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature.

- 4 Insert legibly the full name, description (occupation, calling and nationality of the applicant) In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated (See rule 16)
- 5 The applicant shall state the address of his principal place of business in India if any (See rules 3 and 17) If the applicant carries on business in the goods for which registration is sought at only one place in India such fact should be stated and the address of the place given If the applicant carries on business in the goods concerned at more places than one in India the applicant should state such fact and give the address of that place of business, which he considers to be his principal place of business If, however, the applicant does not carry on business in the goods concerned but carried on business in other goods at any one place in India, this fact should be stated and the address of that place given, and where the applicant carries on such business at more places than one in India, such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given Where the applicant is not carrying on any business in India the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India, to which communications relating to the application may be sent) (See rule 19) Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India, the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad.
- 6 Strike out if the mark is already in use
- 7 Strike out the words if not applicable If user by predecessor(s) in title is claimed the name(s) of such person(s) together with the date of commencement of use by the applicant himself should be stated at 9
- 8 If there has been no use of the trade mark in respect of all the goods specified at 3, the items of goods in respect of which the mark has actually been used should be stated
- 9 For additional matter if required, otherwise to be left blank If colour is claimed, clearly indicate it and state the colours If the application is in respect of a three-dimensional mark, a statement to that effect (See rule 25 and 29)
- 10 Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant)- (See section 123) to be also accompanied by the name in block letter
11. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry -- (See rule 4)

FORM TM-23
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

For Fee, see entries No.27 and 28 of the First Schedule.

Joint request by registered proprietor and transferee to register the transferee as subsequent proprietor of trade marks upon the same devolution of title
[Section 45; Rule 68]

We [1]'.....and [2]..... hereby request, under rule 68, that the name of [3].....carrying on business as [4]at [5].....may be entered in the Register of Trade Marks as proprietor of the trade mark(s) No.[6].....in Class.....as from the [7].....by virtue of [8] of which the original and an attested copy are enclosed herewith. The assignment of the trade mark was [9] (not) made otherwise than in connection with the goodwill of the business in which the mark [9] (had been) (was) used [9] (and there is sent herewith copy of the Registrar's direction to advertise the assignment, a copy of each of the advertisements, complying therewith, and a statement of the dates of issue of any publications containing them) .

We declare that the facts and matters stated herein are true to the best of our knowledge, information and belief.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of.....20.....

[10] SIGNATURE

[11] SIGNATURE
NAME OF SIGNATORIES
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [12].....

1. Full name, address, and nationality of registered proprietor, or other assignor or transmitter.
2. Full name, address and nationality of transferee.
3. Name of transferee
4. Description of transferee (calling or profession)
5. Address of the principal place of business in India, if any, of the transferee. If there is no place of business in India state the address of the place of residence in India.
If there is not even a place of residence in India state the address in the home country abroad and an address for service in India.
6. Additional numbers may be given in a signed schedule on the back of the Form
7. Date of acquisition of proprietorship
8. Full particulars of the instrument of assignment or transmission, if any, or statement of case.
9. Strike out any words not applicable.
10. Signature of assignor or transmitter or of his agent
11. Signature of transferee or of his agent
12. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry (See rule 4)

FORM TM-24
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

For Fee, see entries Nos. 27 and 28 of the First schedule.

Request to register a subsequent proprietor of a trade mark or trade marks upon the same devolution of title
[Section 45; Rule 68]

I/We [1]

hereby request that my/our name may be entered in the Register of Trade Marks as proprietor of trade (s) No.(s) [2]..... in class as from the [3].....

I am / we are entitled to the trade mark (s) by virtue of [4]

of which the original and an attested copy are enclosed herewith.

The assignment of the trade mark was [5] (not) made otherwise than in connection with the goodwill of the business in which the mark (had been)(was) used [5] (and there is sent herewith a copy of the Registrar's direction to advertise the assignment, a copy of each of the advertisements complying therewith, and a statement of the dates of the issue of any publications containing them).

I / We declare that the facts and matters stated herein are true to the best of my /our knowledge, information and belief

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of..... ..20.....

[6].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To
The Registrar of Trade Marks,
The Office of the Trade Marks Registry at [7].....

1. Insert full name, address of the principal place of business in India, if any, nationality and description of the applicant. If there is no place of business in India, state the address of the place of residence in India if any. If there is not even a place of residence in India state the address in the home country abroad and an address for service in India.
2. Additional numbers may be given in a signed schedule on the back of the Form.
3. State the date of acquisition of proprietorship
4. Insert full particulars of the instrument of assignment or transmission, if any, or statement of case
5. Strike out any words not applicable (See rule 75)
6. Signature of transferee or of his agent
7. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry.
(See rule 4)

FORM TM-25
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.500/-, 1,000/- or 1,500/- for 2, 4, or 6 months' extension respectively.

**Application under Section 46(4) for extension of time for the registration of the name of a company as
 subsequent proprietor of a trade mark in the register**
[Rule 79]

Application is hereby made by [1].....
 for an extension of time by [2].....months of the period of six months
 allowed by section 46(4) and rule 79 for registering the name of [3]by virtue of a single assignment as
 proprietor of the following Trade Marks(s) registered upon application(s) conforming to sub-section (1) of section
 46.

[4] Registration Number

Class

.....

.....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:

.....

Dated thisday of 20.....

[5].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of The Trade Marks Registry at [6]

1. Insert the name and address of the applicant
2. Here insert "two" or "four" or "six"
3. Insert the name of the company to be registered as subsequent proprietor
4. Additional numbers may be given in a signed schedule on the back of the Form
5. Signature
6. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry. (See rule 4).

FORM TM-26
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.3000/-

Application for the rectification of the register or the removal of trade mark from the register.
[Sections 47, 57; Rule 92]

(To be filed in duplicate/ triplicate along with the statement of case in duplicate/triplicate and accompanied by as many copies of each of them as there are registered users under the registration).

In the matter of Trade Mark No.....
 registered in the name of in Class.....
 I / We [1] hereby apply that the entry in the register
 in respect of the abovementioned Trade Mark may be (removed) [2] (rectified) in the following manner:-

The grounds of my/our application are as follows:-

The [3].....Office of the Trade Marks Registry has been entered in the register as the appropriate office in relation to this trade mark.

No action concerning the trade mark in question is pending in any court.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[4].....
 SIGNATURE
 NAME OF SIGNATORY IN
 LETTERS

To
 The Registrar of Trade Marks
 The Office of the Trade Marks Registry at [3].....

1. State full name, address and nationality. An address for service in India should be stated if the applicant has no place of business or of residence in India.
2. Strike out the word that is not applicable
3. State the name of the place of appropriate office of the Trade Marks Registry
4. Signature
 (See rule 4).

FORM TM-27
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
 Proprietor's Code No:

Fee : Rs.500/-

Application for leave to intervene in proceedings relating to the rectification of the register or the removal of trade mark from the register or the cancellation of a collective mark or certification trade mark from the register.

[Rules 94, 133 and 139]

In the matter of the Trade Mark No..... registered in
 the name of in class

I/ we [1].....

hereby apply for leave to intervene in the proceedings relating to the rectification or removal of the entry in the register in respect of the above mentioned trade mark .

My (our) interest in the Trade Mark.....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

.....

.....

Dated this day of 20.....

[2].....
 SIGNATURE
 NAME OF SIGNATORY
 IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks,
 The Office of the Trade Marks Registry at [3].....

1. State full name, address and nationality
2. Signature
3. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
 (See rule 4).

FORM TM-28
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: See entries Nos. 32 and 33 of the First Schedule.

Application for registration of registered user.
[Section 49; Rule 80]

(To be filed in triplicate accompanied by the agreement in writing between the registered proprietor and the proposed registered user or a duly authenticated copy thereof, the other documents mentioned in rule 80(1), an affidavit setting forth particulars and statements as required by rule 80(2) and by two copies of each of the aforesaid documents).

Application is hereby made by [1].....who is /are the registered proprietor(s) of Trade Mark(s) [2].....registered in class in respect of [3].....and by [4]..... that the said [5] .. may be registered as a registered user of the above mentioned registered trade mark(s) in respect of [6]subject to the following conditions and restrictions[7]:-

8(The proposed permitted use is to end on theday of20.....)

(The proposed permitted use is without limit of period).

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[9].....

[10].....

NAME OF SIGNATORIES
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [11].....

1. Insert full name, address and nationality of the registered proprietor
2. Additional numbers may be given in a signed schedule on the back of the Form
3. Insert the specification as in the register
4. Here insert the full name, description (calling or occupation, nationality and address of the principal place of business in India, if any, of the proposed registered user. If there is no place of business in India, state the address of the place of residence in India, if any. If there is not even a place of residence in India, state the address in the home country abroad and an address for service in India
5. Insert name of proposed registered user
6. Insert designation of goods or services (which must be comprised within the specification)
7. Write none if there are no conditions or restrictions
8. Strike out the words that are not applicable
9. Signature of registered proprietor or of his agent
10. Signature of proposed registered user or of his agent
11. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
(See rule 4)

FORM TM-29
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: See entry No. 34 of the First Schedule.

Application by the registered proprietor of a trade mark for variation of the registration of a registered user thereof with regard to the goods or services or the condition or restriction.

[Section 50 (1)(a); Rule 87]

(To be filed in triplicate accompanied by a statement in triplicate of the grounds for the application and the written consent in triplicate (if given) of the registered user)

Application is hereby made by [1].....the proprietor of trade mark(s) No. [2] registered in class..... in respect of [3]that the registration of [4]as a registered user of the abovementioned trade mark(s) in respect of [5]may be varied in the following manner:-

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of 20.....

[7].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [8].....

1. Insert the full name and address of the registered proprietor
2. Additional numbers may be given in a signed schedule on the back of the Form
3. Insert the specification as in the register
4. Insert the full name and address of the registered user
5. Insert the goods or services in respect of which the registered user is registered
6. State the manner of which the entry should be varied.
7. Signature of registered proprietor or of his agent
8. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
(See rule 4).

FORM TM-30
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: See entry No.35 of the First Schedule

Application by the registered proprietor of a trade mark or by any of the registered users of the trade mark for the cancellation of entry of a registered user thereof.

[Section 50(1)(b); Rule 88(1)]

(To be filed in triplicate accompanied by a statement in triplicate of the grounds for the application)

Application is hereby made by [1]..... being (the registered proprietor) [2] a (registered user) of trade mark(s) No.[3].....registered in classin respect of [4]. for the cancellation of the entry under the abovementioned registration(s) of [5] as a registered user of the trade mark(s) in respect of [6]

The grounds for this application are set forth in the accompanying statement

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20.....

[7].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [8].....

1. Insert the full name and address of the applicant or of the applicants
2. Strike out the words that are not applicable
3. Additional numbers may be given in a signed schedule on the back of the Form
4. Insert the specification as in the register
5. Insert the full name and address of the registered user whose entry is sought to be cancelled
6. Insert goods or services in respect of which registered user mentioned at 5 is registered
7. Signature
8. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry (See rule 4).

FORM TM-31
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: See Entry No.36 of the First Schedule

Application for cancellation of entry of a registered user of a trade mark.
[Section 50(1)(c), 50 (1) (d); Rule 88(1)]

(To be filed in triplicate accompanied by a statement in triplicate of the grounds for the application)

In the matter of Trade Mark(s) No.(s) [1] registered in class in the name of [2]

.....
Application is hereby made by [3] for the cancellation of the entry under the abovementioned registration (s) of [4]..... as the registered user thereof in respect of [5].
The grounds of this application, particulars of which are given in detail in the accompanying statement of case are [6]

All communications relating to this application may be sent to the following address in India

.....

Dated this day of ... 20

[7]... ..
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Mark

The Office of the Trade Marks Registry at [8]

1. Additional numbers may be given in a signed schedule on the back of the Form.
2. Insert the name of the registered proprietor
3. Insert the name, address and nationality of the applicant for cancellation
4. Insert the name, address and description of the registered user as entered in the register
5. State the goods or services in respect of which registered user is registered.
6. Insert one or more of the sub-clauses of clause (c) of section 50(1)
7. Signature
8. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry (See rule 4).

FORM TM-32
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.500/-

Notice of intention to intervene in proceedings for the variation or cancellation of an entry of a registered user of a trade mark.
[Rule 90(2)]

(To be filed in triplicate accompanied by a statement in triplicate of the grounds of intervention)

In the Matter of Trade Mark No.....registered in classin the name of
 [1]..... and

In the matter of registration of [2].....thereunder as a registered user of the mark.

I /We [3]hereby give notice of my/our intention to intervene in the proceedings in the above matter.

All communications relating to these proceedings may be sent to the following address in India:-

.....

.....

Dated this day of20.....

[4].....
 SIGNATURE
 NAME OF SIGNATORY
 IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [5].....

- 1 Insert the name of the registered proprietor.
- 2 Insert the name and address of the registered user.
- 3 Insert the full name, address and nationality of person giving notice.
- 4 Signature of the person giving notice or of his agent.
5. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry.(See rule 4).

FORM TM-33
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: See entry No. 38 of the First Schedule and footnote below.

Request to enter change of name or description of registered proprietor (or registered user) of trade mark upon the register.

[Section 58; Rules 91 and 97]

I/we [1] hereby request that my/our name (s) and description (s) may be entered in the Register of Trade Marks as [2] proprietor (s)/ registered user (s) of the trade mark(s) No.[3]..... registered in class

I am/ we are entitled to [3] the said Trade Mark.

.....use the said Trade Mark as registered user(s). There has been no change in the actual proprietorships [2]/identity of registered user(s) of the said Trade Marks, but [4]

The entry at present standing in the register gives my (or our) name(s) and description (3) as follows.-

.....
.....

[5] A copy of this request has been served upon the registered user(s)/proprietor(s)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[6]
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Register of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [7].....

1. Insert present name and address of registered proprietor or registered user
2. Strike out the words that are not applicable.
3. Additional numbers may be given in a signed schedule on the back of the Form.
4. State the circumstances under which the change of name took place.
5. Strike out if not applicable.
6. Signature of applicant or of his agent.
7. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry.
(See rule 4).

Note: Fee for the first mark Rs.1000, for every additional associated mark Rs 500. No fee, however, payable where the application for alteration or change of name is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement as per law in India

FORM TM-34
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: See entry No.39 of the First Schedule and footnote below.

Request for alteration of the address of the principal place of business or of residence in India or of the address in the home country abroad in the Register of Trade Marks.

[Section 58; Rules 91, 96 and 97]

In the matter of Trade Mark(s) No (s) [1].. registered in class

.....

I / weof
 being the registered proprietor [2] of the Trade Mark(s) numbered as above, request that
 user
 the 2address of my (our) principal place of business 2(or residence) in India or address in my(our) home country
 abroad in the Register of Trade Marks be altered to
 [3] The change of address was ordered by [4]on the
 day of20.....An officially certified copy of the order is enclosed herewith.

A copy of this request has been served on the registered proprietor [2]
 user

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[5].....
 SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY
 IN LETTERS

TO

The Registrar of Trade Marks
 The Office of Trade Marks Registry at [6].....

1. Additional numbers may be given in a signed schedule on the back of the Form.
2. Strike out word(s) not applicable.
3. Strike out if not applicable.
4. Insert the name of the public authority ordering the change and the date thereof
5. Signature of registered proprietor or of his agent.
 user
6. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry.
 (See rule 4).

Note: Fee for the first mark Rs.500; for every additional associated mark Rs.200. No fee is, however, payable in case the alteration is made as a result of an order of a public authority in India.

FORM TM-35
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
 Proprietor's Code No:

Fee Rs.200/-

Application by registered proprietor of trade mark for the cancellation of entry thereof in the register
[Section 58 (1)(c); Rule 97]

In the matter of Trade Mark No.....Class.....
 Name of registered proprietor
 Address as entered in the register.....
 Application is hereby made by the aforesaid registered proprietor that the entry in
 the Register of Trade Marks of Trade Mark No.....in classmay be cancelled.
 [1] A copy of the application has been served on the Registered User(s)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[2].....
 SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [3].....

1. Strike out if not applicable
2. Signature of the registered proprietor or of his agent
3. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
(See rule 4).

FORM TM-36
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.200/-

**Application by registered proprietor of trade mark to strike out goods or services from those for which the
trade mark is registered.**
[Section 58(1)(d); Rule 97]

In the matter of Trade Mark No.
Name and address of the registered proprietor
Application is hereby made by the aforesaid registered proprietor for the striking out of [1]from the
goods or services for which the Trade Mark Nois registered in class[2] A copy of this application
has been served on the Registered User(s).

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of..... 20.....

[3].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The office of the Trade Marks Registry at [4]

1. Designate the goods or services to be struck out.
2. Strike out if not applicable.
3. Signature of the registered proprietor or of his agent.
4. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry.
(See rule 4).

FORM TM-37
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: See entry No. 7 of the First Schedule.

Application for the registration of series trade mark for goods or services (other than a collective mark or a certificate trade mark) in a class or for different classes from a convention country
[Sections 154(2) and 15(3); Rules 25(11), 26 and 31]

(To be filled in triplicate accompanied by five additional representation of the trade mark)

One representation to be fixed within this space and five others to be sent separately. Representation of the larger size may be folded but must then be mounted upon linen or other suitable material affixed thereto. (See rule 28).

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying trade mark in class/classes [1] in respect of [2] in the name(s) of [3] whose address is [4] who claim (s) to be the proprietor(s) thereof [and by whom the said mark is proposed to be used [5] or (and by whom and his (their) predecessor(s) in title [6] the said mark has been continuously used since in respect of the said goods or services. [7]

The application in a convention country to register the trade mark has been made in on

A certified copy certified by an official of the convention country in which the application was filed is enclosed (along with its translation in English).

I/We request that the trade mark may be registered with priority date based on the above mentioned application in a convention country under the provisions of Section 154 of the Act.

[8]

[9]

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20

[10] SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS.

To

The Registrar of Trade marks,
The office of the Trade Marks Registry at [11]

1. The Registrar's direction may be obtained if the class or classes of the goods or services is not known
2. Specify the goods or services for the class or classes in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs.10 per character is payable beyond this limit. [See rule 25(16)]. The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature
3. Insert legibly the full name, description (occupation and calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated (See rule 16).
4. The applicant shall state the address of his principal place of business in India if any. (See rules 3 and 17) If the applicant carries on business in the goods or services for which registration is sought at only one place in India such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries on business in the goods or services concerned at more places than one in India the applicant should state such fact and give the

address of that place of business which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does not carry on business in the goods or services concerned but carries on business in other goods or services at any one place in India, this fact should be stated and the address of that place given; and where the applicant carries on such business at more places than one in India such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires given an address in India to which communications relating to the application may be sent. (See rule 19). Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad.

5. Strike out if the mark is already in use
6. Strike out the words if not applicable. If user by predecessor(s) in title is claimed the name(s) of such person(s) together with the date of commencement of use by the applicant himself should be stated at 8.
7. If there has been no use of the trade mark in respect of all the goods or services specified at 2, the items of goods or services in respect of which the mark has actually been used should be stated.
8. For additional matter if required, otherwise to be left blank.
9. If colour combination is claimed, clearly indicate it and state the colours. If the application is in respect of a three-dimensional mark, a statement to that effect (See section 25 and 29).
8. Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant- See Section 145)
9. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry. (See Rule 4)

FORM TM-38
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: See entry No.43 of the First Schedule and Footnote below.

Application by registered proprietor under section 59(1) for an addition to or alteration of a registered trade mark
[Rule 98]

In the matter of Trade Mark No.....registered in class

Application is hereby made by[1]..... being the registered proprietor(s) of the registered trade mark numbered as above for leave to add to or alter the said trade mark in the following particulars, that is to say[2].....

Five copies of the mark as it will appear when so altered are filed herewith.

[3]A copy of this application and a copy of the mark as it will appear when so altered have been served on the registered user (s)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this .. day of20.....

[4].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To
The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [5].....

1. Insert name and address of the registered proprietor
2. Fill in full particulars
3. Strike out if not applicable
4. Signature of the registered proprietor or of his agent
5. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
(See rule 4).

Footnote: Fee Rs.2500. In the case of associated trade marks fee for the first registration Rs.2500; for each additional registration Rs.1000. No fee is however, payable in case the addition to or alteration of the mark is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement.

FORM TM-39
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No.
Proprietor's Code No.

Fee: Rs.1500/-

Notice of opposition to application for addition to or alteration of a registered trade mark.
[Section 59(2) rule 99(2)]
(To be filed in triplicate)

In the matter of Trade Mark No.....registered in the name of in class
.....I/we[1].....
hereby give notice of my/our intention to oppose the addition to or alteration of the Trade Mark numbered and
registered as above, so that it shall be in the form shown in the application advertised in the Journal of the
.....day of.....20..... No.....
The grounds of opposition are as follows:-

The[2]office of the Trade Marks Registry has been entered in the Register as the appropriate office in
relation to the trade mark.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

.....
Dated thisday of20.....

.....
[3]
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [2]

1. State full name and address. An address for service in India should be stated if the person giving notice has no place of business or of residence in India.
2. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
(See rule 4).
3. Signature of the person giving notice or of his agent.

FORM TM-40
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.1000/-

Application by the proprietor of a registered trade mark for the conversion of the specification.
[Rule 101(1)]

In the matter of Trade Mark No registered in the name of in class..... of the Fourth Schedule

Application is hereby made by[1] the registered proprietor of the above numbered trade mark of the conversion of the specification of the above mentioned registration and[2] the *specification(s) of the Registered User(s) thereunder* in consequence of the amendment of the Fourth Schedule to the Trade Marks Rules, 2002.

The specification(s) entered in the register in accordance with the said schedule prior to amendment is (are):-

.....
 It is requested that the Registrar should propose the following specification in accordance with the amended schedule:-

Class

Class

[3] A copy of this application has been served on the registered user(s)

All communications relating to this application may be sent to the following address in India. -

Dated this day of 20

[4]
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
 The Office of the Trade Marks Registry at [5].....

1. Insert the name and address of the registered proprietor
2. Cancel the words in italics, if there are no registered users
3. Strike out if not applicable
4. Signature of the registered proprietor or of his agent
5. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry (See rule 4).

FORM TM-41
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: See entry No.46 of the First Schedule.

Notice of opposition to proposal for conversion of specification
[Section 60(2); Rule 101(4)]

[To be filed in triplicate accompanied by a statement in triplicate showing how the proposed conversion would be contrary to sub-section (1) of section 60]

In the matter of Trade Mark(s)[1].....registered in the name ofin classof the Fourth Schedule.

I/we[2].....hereby give notice of my (or our) intention to oppose the proposal for the conversion of the specification(s) of the trade mark(s) advertised in the Trade Marks Journal of theday of 20..... No..... page.....

The grounds of opposition are as follows:

The [3]office of the Trade Marks Registry has been entered in the register as the appropriate office in relation to the trade mark(s).

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

.....
Dated thisday of20.....

To

[4].....

The Registrar of Trade marks

The Office of the Trade Marks Registry at [3].....

1. The numbers of more than one trade mark (being associated trade marks) dealt with by the same proposal may be given provided the specification are the same and the marks are associated.
2. State full name and address. An address for service in India should be stated if the person giving notice has no place of business or of residence in India
3. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry - (See rule 4).
4. Signature of the person giving notice or of his agent

FORM TM-42
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: See entry No.47 of the First Schedule.

Request to alter or amend the deposited regulations governing the use of a collective mark or to alter the deposited regulation of a certification trade mark.
[Sections 66 and 74(2); Rule 132(a) and 140]

(To be accompanied by two duplicates of the application and four copies of the regulations having the proposed amendment or alterations shown in red therein)

Application is made by[1] who is (or are) the proprietor(s) of the Collective mark/Certification Trade Mark(s) Nos.[2][3] registered in classin respect of [4] that the deposited regulations governing the use of the said marks may be amended or altered in the manner shown in red in the accompanying copies of the regulations as proposed to be amended or altered.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[5].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade marks
The Office of the Trade Marks Registry at[6].....

1. State name and address of the proprietor(s) as registered
 2. If the same regulations apply to more than one registration of Collective Marks or Certification Trade Marks entered in the Register as associated marks, the numbers of all the registrations should be stated.
 3. Additional numbers and specifications may be given in a signed schedule on the back of the form
 4. State the specifications of the respective registrations
 5. Signature
 6. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
- (See rule 4).

FORM TM-43
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee Rs.1000/-

Application for the removal from the Register of a collective mark or to cancel or vary the registration of a certification trade mark .

[See Sections 68, 77; Rules 92, 133 and 139]

(To be filed in triplicate alongwith statement of case in triplicate).

In the matter of Collective Mark/Certification Trade Mark NO.....registered in the name of in class I/We[1]

being an aggrieved person(s) hereby apply for an order of the Registrar that :

[2] The entry in the Register in respect of the abovementioned Collective Mark/Certification Trade Mark may be[3] expunged/varied in the following manner:

The grounds of my(our) application are as follows:[4]-

The facts and matters set forth in the enclosed statement of case are true to the best of my (our) knowledge, information and belief.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20.....

[5].....

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To
The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at[6]

1. State full name, address and nationality. An address for service in India should be stated if the applicant has no place of business or of residence in India. (See rule 18).
2. Strike out that which is not applicable
3. Strike out word not applicable
4. Specify any of the grounds set forth in section 68 or clauses(a) to (d) of section 77, as the case may be.
5. Signature
6. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry. (See rule 4).

FORM TM-44
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.500/-

Application for extension of time for giving notice of opposition.
[Section 21(1); Rule 47(6)]

In the matter of application

No ... I/We[1] hereby
 apply for extension of time of [2]for giving notice of opposition to the registration of the trade mark
 advertised under the above number for classin the Trade Marks Journal dated theday of
20.....

The reasons for making the application are as follows:-

All communications relating to this application may be sent to the following address in India[3] -

.....

Dated this day of20.....

[4].....

SIGNATURE
 NAME OF SIGNATORY
 IN LETTER

To
 The Registrar of Trade Marks
 The Office of the Trade Marks Registry at[5].....

1. State full name and address
2. Insert the period of extension required which shall not exceed one month beyond three months from the date of advertisement or re-advertisement, as the case may be, of the application in the Journal.
3. To be stated only where the address given is not an address in India.
4. Signature.
5. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
 (See rule 4).

FORM TM-45
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.2500/-

Application to register a textile trade mark consisting exclusively of letter or numerals from a convention country.

[Section 18(1) and 154(2); Rule 25(6), 26, 144, and 145]

(To be filled in triplicate accompanied by five additional representation of the trade mark)

One representation to be fixed within this space
and five others to be sent separately.

Representation of the larger size may be folded but
must then be mounted upon linen or other suitable
material affixed thereto. (See rule 28).

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying trade mark in class^[1] in respect of^[2] in the name(s) of [3.] whose address is ^[4] who claim (s) to be the proprietor(s) thereof [and by whom the said mark is proposed to be used ^[5] for (and by whom and his (their) predecessor(s) in title ^[6] the said mark has been continuously used since in respect of the said goods [7].

The application in a convention country to register the trade mark has been made in on

A certified copy certified by an official of the convention country in which the application was filed is enclosed (along with its translation in English).

I/We request that the trade mark may be registered with priority date based on the above mentioned application in a convention country under the provisions of Section 154 of the Act.

[8].....

[9].....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20.....

[10] ..SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS.

To

The Registrar of Trade marks,
The office of the Trade Marks Registry at [11].....

1. The Registrar's direction may be obtained if the class of the goods is not known.

2. Specify the goods for the class in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods may be used. The specification of goods should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs.10 per character is payable beyond this limit. [See rule 25(16)]. The applicant must state the exact number of excess characters where the specification of goods exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature.

3. Insert legibly the full name, description (occupation and calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. (See rule 16).

4. The applicant shall state the address of his principal place of business in India, if any. (See rules 3 and 17). If the applicant carries on business in the goods for which registration is sought at only one place in

India such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries on business in the goods concerned at more places than one in India, the applicant should state such fact and give the address of that place of business which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does not carry on business in the goods concerned but carries on business in other goods at any one place in India, this fact should be stated and the address of that place given, and where the applicant carries on such business at more places than one in India such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India to which communications relating to the application may be sent) (see rule 19) Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad

- 5 Strike out if the mark is already in use
 - 6 Strike out the words if not applicable. If user by predecessor(s) in title is claimed the name(s) of such person(s) together with the date of commencement of use by the applicant himself should be stated at 8
 - 7 If there has been no use of the trade mark in respect of all the goods specified at 2, the items of goods in respect of which the mark has actually been used should be stated
 - 8 For additional matter if required, otherwise to be left blank
 - 9 If colour combination is claimed, clearly indicate it and state the colours. If the application is in respect of a three dimensional mark, a statement to that effect (see rule 25 and 29)
- 10 Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant-(See Section 145)
- 11 State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry (See rule 4)

FORM TM-46
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee.: See entries Nos.51, 52 and 53 of the First Schedule

Request for certificate of the Registrar
[Sections 137, 148(2); Rule 119 and 120]

In the matter [1] of Trade Mark No _____ registered in _____ Class/Classes
I/we[2] _____ hereby request the Registrar to furnish
me (us) with his certificate to the effect that[4] _____
a certified copy

[3]a certificate of the registration of Trade Marks for use in obtaining
registration in[5]

The certificate/certified copy be sent to the following address in India[6]

Dated this _____ day of _____ 20____

All communications relating to this application may be sent to the following address in India -

SIGNATURE[7]

NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [8].....

1. These words may be varied to suit other cases
 2. Insert name, address and nationality of the person making the request
 3. Strike out words that are not applicable
 4. Set out the particulars which the Registrar is required to certify or state particulars of the document of which a certified copy is required
 5. Insert the name of country or state
 6. To be stated only where the address given at is not an address in India
 7. Signature
 8. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
- (See rule 4)

FORM TM-47
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code:
Proprietor's code:

Fee: Rs.200/-

Request for entry in the register and advertisement of a note of certificate of validity by the Appellate Board.

[Section 141 rule 124]

In the matter of Trade Mark No.....registered in class in the name of [1]
..... hereby request the Registrar to add to the entry relating to the above
numbered Trade Mark in the register, and to advertise in the Trade Marks Journal, a note that in
[2].....

.....
the Appellate Board certified that the validity of the said registration came into question and was decided in
favour of the proprietor of the Trade Mark in the terms of accompanying officially certified copy of the certificate
of validity.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of 20.....

[3].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The office of the Trade Marks Registry at [4]

1. State the name and address of the registered proprietor
2. State the nature of the proceedings with the names of the parties to them, in which the certificate was given
3. Signature
4. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry -(See Rule 4.)

FORM TM-48
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Form of authorisation of an agent
[Section 145; Rule 21]

(To be stamped as per rules for the time being in force)

I/we[1] hereby authorise [2]
..... of
..... to act as my (or our) agent for [3].....and request that all notices,
requisitions and communications relating thereto may be sent to such agent at the above address..

I/We hereby revoke all previous authorisations, if any, in respect of the proceeding.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[4].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [5].....

1. Insert full name, address and nationality. (See rule 16).
2. Insert full name and address of agent (legal practitioner, registered trade marks agent or a person in the sole and regular employment of the person appointing the agent).
3. State the particular matter or proceeding for which the agent is appointed giving the reference number if known
4. To be signed by the person appointing the agent
5. State the name of the place of the appropriate office of the trade marks registry

(See rule 4)

FORM TM-49
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Draft of regulations
[Sections 63, 71; Rules 128(1),135(1)]

(to be accompanied by three copies of the draft regulations)

Regulations for governing the use of Collective Mark No...../Certification Trade Mark^[1] No.
..... Class in respect of [2]
]

(for official use)

Advertised in the Trade Marks Journal No. at page on the
..... day of 20....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

(Date of application and registration . 20...)

1. Strike out whichever is not applicable.
2. Specify the goods or services.

FORM TM-50
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: See entries No.40 and 41 of the First Schedule.

Form of request by a registered proprietor or a registered user of a trade mark who has no principal place of business in India to enter, alter or substitute an address for service in India as part of his registration [rules 91, 96, 97]

Request is made by[1] _____ who is the registered [2] proprietor (user) or Trade Mark(s) Nos [3] registered in class _____ for the[4] addition, alteration or substitution of an address for service in India in or to the entry thereof so that the address for service in India may read[5] _____

All communications relating to this application may be sent to the following address in India -

Dated this _____ day of _____ 20 _____

[6]
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [7] _____

- 1 Here insert the full name and address of the person making the request
- 2 Strike out one of the words "Proprietor" or "user" as the case may be
- 3 Additional numbers (where the marks are entered in the register as associated trade marks) may be given in a signed schedule on the back of the Form
- 4 Cancel the words that are not applicable
- 5 State here the precise entry or changed entry desired
- 6 Signature
- 7 State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry- (See rule 4)

Note A registered proprietor or a registered user whose address for service in India has been altered by a public authority so that the changed address designates the same premises as before may make also the statement for which there is provision on the back of this Form in order to avoid payment of fees

(To appear on the back of this form)

(For use only in case an address for service in India is changed by a public authority, without change of premises)

The change of address for service in India for the entry of which application is made on the other side of this form was ordered by[8] _____ on the _____ day of _____ 20 _____
An officially certified copy of the order is enclosed herewith

Dated this _____ day of _____ 20 _____

[9]
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

- 8 Here insert the name of the public authority ordering the change and date thereof
- 9 Signature

Note If the above statement be made and an officially certified copy of the order by the named authority necessitating the alteration be supplied, the Registrar if satisfied as to the facts of the case will not require any fee to be paid in Form TM-50 [see rule 96(3)]

FORM TM-51
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.2500/- for each class

A single application for registration of a trade mark for different classes of goods or services (other than a collective mark or a certification trade mark).

[Section 18(2); Rule 25(9) and 103]

(To be filed in triplicate accompanied by five additional representations of the trade mark)

One representation to be fixed within this space
and five others to be sent separately

Representation of a larger size may be
folded but must then be mounted upon
linen or other suitable material and
affixed hereto (See rule 28)

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying trade mark in

(i) class [1] in respect of [2]
(ii) class [1] in respect of [2]
(iii) class [1] in respect of [2]

in the name(s) of [3] whose address is [4] who claim (s) to be the proprietor(s) thereof
and by whom the said mark is proposed to be used [5] or (and by whom and his (their) predecessor(s) in title [6]
the said mark has been continuously used since in respect of the said goods or services [7]

[8]
[9]

All communications relating to this application may be sent to the following address in India -

Dated this day of 20

[10] SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade marks,
The office of the Trade Marks Registry at [11]

1 The Registrar's direction may be obtained if the class or classes of the goods or services is not known

2 Specify the goods or services for the class or classes in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs 10 per character is payable beyond this limit. [See rule 25(16)] The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature

3 Insert legibly the full name, description (occupation and calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated (See rule 16)

4 The applicant shall state the address of his principal place of business in India if any (See rules 3 and 17) If the applicant carries on business in the goods or services for which registration is sought at only one place in India, such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries

on business in the goods or services concerned at more places than one in India, the applicant should state such fact and give the address of that place of business which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does not carry on business in the goods or services concerned but carries on business in other goods or services at any one place in India, this fact should be stated and the address of that place given, and where the applicant carries on such business at more places than one in India such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India, the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India to which communications relating to the application may be sent) (See rule 19). Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad.

- 5 Strike out if the mark is already in use
- 6 Strike out the words if not applicable. If user by predecessor(s) in title is claimed the name(s) of such person(s) together with the date of commencement of use by the applicant himself should be stated at 8
- 7 If there has been no use of the trade mark in respect of all the goods or services specified at 2, the items of goods or services in respect of which the mark has actually been used should be stated
- 8 For additional matter if required, otherwise to be left blank
- 9 If colour combination is claimed, clearly indicate it and state the colours. If the application is in respect of a three dimensional mark, a statement to that effect (See rule 25 and 29)
- 10 Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant)- (See Section 145)
- 11 State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
- (See rule 4)

FORM TM-52
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.2500/- for each class

A single application for registration of a trade mark for different classes of goods or services (other than a collective trade mark or certification trade mark) from a convention country.
[Section 18(2); rule 25(4), 103]

One representation to be fixed within this space
and five others to be sent separately
Representation of a larger size may be folded
but must then be mounted upon linen or other
suitable material and affixed hereto (See rule 28)

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying
trade mark in

- (i) class [1] in respect of [2]
(ii) class [1] in respect of [2]
(iii) class [1] in respect of [2]

in the name(s) of [4] whose address is [4] who claim (s) to be the proprietor(s) thereof
[and by whom the said mark is proposed to be used] [5] or (and by whom and his (their) predecessor(s) in title
[6] the said mark has been continuously used since [6] in respect of the said goods or services [7]

The application in a convention country to register the trade mark has been made in on
A certified copy certified by an official of the convention country in which the application was filed is
enclosed (alongwith, its translation in English)

I/we request that the trade mark may be registered with priority date based on the above mentioned
application in a convention country under the provisions of Section 154 of the Act

[8]

[9]

All communications relating to this application may be sent to the following address in India -

Dated this day of 20

^[10] SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks,
The office of the Trade Marks Registry at [11]

- 1 The Registrar's direction may be obtained if the class or classes of the goods or services is not known
- 2 Specify the goods or services for the class or classes in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs 10 per character is payable beyond this limit. [See rule 25(16)] The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature
- 3 Insert legibly the full name, description (occupation, calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm, the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated (See rule 16)
- 4 The applicant shall state the address of his principal place of business in India, if any (See rules 3 and 17). If the applicant carries on business in the goods or services for which registration is sought at only one place in India, such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries on business in the goods or services concerned at more places than one in India, the applicant should state such fact and give the address of that place of business which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does not carry on business in the goods or services concerned but carries on business in other goods or services at any one place in India this fact should be stated and the address of that place given, and where the applicant carries on such business at more places than one in India, such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India, the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India to which communications relating to the application may be sent (see rule 19). Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad
- 5 Strike out if the mark is already in use
- 6 Strike out the words "if not applicable". If user by predecessor(s) in title is claimed the name(s) of such person(s) together with the date of commencement of use by the applicant himself should be stated at *
- 7 If there has been no use of the trade mark in respect of all the goods or services specified at 2, the items of goods or services in respect of which the mark has actually been used should be stated
- 8 For additional matter if required, otherwise to be left blank
- 9 If colour combination is claimed, clearly indicate it and state the colours. If the application is in respect of a three dimensional mark, a statement to that effect (See rule 25 and 29)
- 10 Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent) or person in the sole and regular employment of the applicant- See Section 145)
- 11 State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
- (See rule 4)

FORM TM-53
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.1,000 as Divisional fee plus appropriate class fee. See entry NO.68 of the first schedule.

Request for the division of an application or of a single application for different classes of goods or services.

[Proviso to Section 22; Rule 104(1)]

(to be filed in triplicate accompanied by three additional representation of the mark)

In the matter of Trade Mark No _____ in class _____ in the name of _____ made on _____

I / we [1] hereby request the Registrar to divide application No _____ in class _____ in the following class or classes [2] and/ or to divide the specification of goods or services as indicated below

A copy of the Registrar order on the request may be sent to the following address in India -

Dated this _____ day of _____

[4]
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To
The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [3]

- 1 Insert the full name, address and nationality of the applicant
- 2 Mention the goods or services and the class or classes in which it is to be registered in ascending numerical order
- 3 State the name of the place of the appropriate office of the trade marks registry
(See rule 4)
- 4 Signature of the applicant or agent (legal practitioner or registered trade marks agent)

FORM TM-54
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.500/-

Request for search
[Rule 24(1)]

The Registrar is hereby requested under rule 24(1) to search in class [1] _____ in respect of [2] _____ to ascertain whether any trade marks are on record which resemble the trade mark sent herewith in triplicate [each representation being mounted on a sheet of strong paper approximately 33 centimetres by 20 centimetres in size]

All communications relating to this application may be sent to the following address in India -

Dated this _____ day of _____ 20 _____

[3]
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks,
The Office of the Trade Marks Registry at [4].....

1. The Registrar's direction may be obtained if the class is not known.
2. Specify the goods or services (in the class stated) in respect of which the search is to be made.
3. Signature.
4. State the name of the place of the office of the appropriate office of the Trade Marks Registry (see rule 4).

Footnote: No fee is payable in cases where the directions of the Central Government for exemption from payment of fee have been obtained.

FORM TM-55
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Fee: Rs.1000/-

Application for Registrar's preliminary advice as to distinctiveness by a person proposing to apply for the registration of a trade mark.
Section 133(1) rule 23.

I/We[1]hereby apply to the Registrar to advise me / us whether the accompanying trade mark[2] appears to him prima facie to be distinctive in respect of my/our goods or services.

The goods or services in respect of which I/we propose to apply for registration of the said trade mark are [3] in class[4].....

The Registrar's advice may be sent to the following address in India :-

Dated thisday of20.....

[5].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [6].....

1. State the name and address in full
2. To be sent in triplicate, each representation being mounted on a sheet of strong paper approximately 33 centimetres by 20 centimetres in size.
3. Here specify the goods or services Only goods or services included in one and the same class should be specified. A separate application is required for each class.
4. State only if the address given at is not of a place in India
5. Signature
6. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry (see rule 4) .

Footnote: If and when an application is made to register the trade mark, objection may arise if identical or deceptively similar marks are found on the records of the Trade Marks Registry. A prior notification of any such relevant marks(if they are to be found) can be obtained by a request to the Registrar in Form TM-54.

FORM TM-56
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code:
Proprietor's code:

Fee: Rs.500/-

Application for extension of time [not being a time expressly provided in the Act or prescribed by rule 79 or by rule 80(4)] or a time for the extension of which provision is made in the rules.
[Section 131; Rule 105.]

In the matter of [1]
I/we [2] .. being the in the above matter hereby
apply for an extension of time of [3] .. for [4] .. on the following grounds.-

All communications relating to this application may be sent to the following address in India.-

Dated this day of 20

[5]
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at [6]

- 1 Here insert words and reference number identifying the matter in respect of which the application is made.
 - 2 State full name and address
 - 3 Insert the period of extension required.
 4. State the purpose for which extension of time is required.
 5. Signature.
 6. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
- (See rule 4)

FORM TM-57
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.2000/-

Application for review of Registrar's decision
[Section 127(c); Rule 115]

(To be filed in triplicate together with a statement in triplicate - vide Rule 115)

In the matter of [1]
I/we [2] .. being the in the above matter hereby apply to the
Registrar for the review of his decision dated the day of 20, in the above matter

The grounds for making this application are set forth in the accompanying statement

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[3].....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The office of the Trade Marks Registry at [4]

1 Here Insert the words and reference number identifying the matter in respect of which the application is made

2. State full name and address

3. Signature

4. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry

-(See rule 4)

FORM TM-58
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.250/-

Request to Registrar for particulars of advertisement of a mark.
[Rule 46]

I/we| 1| hereby request that I/we may be informed of the number and date of the Journal in which the trade mark sought to be registered under Application No. in the name of is advertised.

The information may be sent to the following address in India -

Dated this . . . day of . . . 20.

[2].....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [3]

' State full name and address

Signature

' State the name of the place of appropriate office of the Trade Marks Registry

(4)

FORM TM-59
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.500/-

Request for duplicate or further copy of the certificate of registration .
[Rule 62(3)]

(If the applicant had furnished a label for advertisement, this Form must be accompanied by one unmounted representation of the mark exactly as shown in the Form of application at the time of registration)

I/we[] request the Registrar to furnish me (us) with 3 duplicate /further copy of the certificate of registration issued to me (us) under sub-section (2) of section 23 in respect of my (our) Trade Mark No _____ registered in class _____ in the Register

The [2] duplicate/further copy of the certificate may be sent to my (our) following address in India -

Dated this _____ day of _____ 20____

[3]
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The office of the Trade Marks Registry at[4]

- 1 Insert the name and address of the registered proprietor
 - 2 Strike out whichever is not applicable
 - 3 Signature of the registered proprietor or of his agent
 - 4 State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
- (See rule 4)

FORM TM-60
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.5000/-

Request for search and issuance of certificate
[Rules 24(3) and 32]

The Registrar is hereby requested under rules 24(3) and 32 to search and ascertain whether any trade mark(s) is on record which resembles the artistic work sent herewith in triplicate (each artistic work being mounted in a sheet of strong paper approximately 33 centimetres by 20 centimetres in size and issue a certificate for use under section 45 of the Copyright Act, 1957

All communications relating to this application may be sent to the following address in India -

Dated this _____ day of _____ 20____

[1]SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at Mumbai[2]

1. Signature
2. see rule 8 (2)(c).

FORM TM-61
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.10 per character in excess of five hundred characters

Application under sub-rule 16 of rule 25 for inclusion of specification of goods or services in excess of five hundred characters

I/We [1].....being the applicant for the registration of a trade mark under No..... in class
.....hereby submit a sum of Rs.....being the excess space fee at the rate of Rs.10 per character
in excess of the five hundred character allowed under sub-rule 16 of rule 25

I/We state the total number of excess character under the aforesaid application is

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20

[²] SIGNATURE
NAME OF SINGATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry, at [³]

1. Insert the full name and address of the applicant
2. Signature of applicant or agent
3. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry (See rule 4)

FORM TM-62
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.1,000/-

Application for the consent of the Registrar under Section 43, rule 140(2) to the assignment or transmission of certification trade mark.

(To be filed in triplicate accompanied by three copies of the draft deed of assignment or by an affidavit and two copies of the affidavit)

I/We [¹].....being the registered proprietor of certification trade mark No..... registered in class (es)
.....hereby apply for the consent of the Registrar to the assignment or transmission of the aforesaid
Certification Trade Mark to [²].....

[³] draft deed of the proposed assignment is transmitted herewith

3 The circumstances under which the transmission takes place are set forth in the accompanying affidavit

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of20....

[⁴] SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTER

To

The Registrar of Trade Mark
The Office of the Trade Mark Registry
at [⁵].....

1. Insert the name, address and nationality of the registered proprietor
2. Insert name, address and nationality and description of the proposed transferee
3. Strike out one of these paragraphs not required in any particular case
4. Signature of the registered proprietor or of his agent
5. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
(See rule 4)

FORM TM-63
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.12500/-

Application for the expedited examination for the registration of a trade mark.
Rule 38(1)

In the matter of Application No..... in class filed on

I/We hereby request the Registrar for the issuance of an expedited examination report in respect of the above mentioned application.

The reasons for the request is mentioned in the accompanying declaration.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this day of20....

[¹]...SIGNATURE.....
[²]...NAME OF THE SIGNATORY IN
LETTERS.....

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at Mumbai [3].....

]

1. Signature
2. See rule 8(2) (e)

FORM TM-64
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.10,000/-

**Application under section 63(1) to register a collective mark for a specification of goods or services
included in a class from a convention country under section 154(2),
[Rule 128(1)]**

(To be filed in triplicate accompanied by three copies of the draft regulation with Form TM-49)

One representation is to be fixed within this space and five others is to be sent separately. Representation of a larger size may be folded but must then be mounted upon linen or other suitable material and affixed hereto. (See rule 28).

Application is hereby made for registration in the Register of Trade Mark of the accompanying collective mark in class[1]..... in respect of[2] in the name of[3]... whose address is[4]

The application in a country to register the trade mark has been made inon

A certified copy certified by an official of the convention country in which the application was filed is enclosed (along with its translation in English)

I/we request that the trade mark may be registered with priority date based on the above mentioned application in a convention country under the provisions of section 154 of the Act.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this . . . day of20.....

[5].....

SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [6]

1 The Registrar's direction may be obtained if the class or classes of the goods or services is not known

2. Specify the goods or services for the class or classes in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs.10 per character is payable beyond this limit. See rule 25(16). The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature.

3. Insert legibly the full name, description (occupation, calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated (See rule 16).

4. The applicant must state the address of his principal place of business in India. if any. (See rules 3 and 17) If the applicant carries on business in the goods or services for which registration is sought at only one place in India, such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries on business in the goods or services concerned at more places than one in India, the applicant should state such fact and give the address of that place of business which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does not carry on business in the goods or services concerned but carries on business in other goods or services at any one place in India, this fact should be stated and the

address of that place given; and where the applicant carries on such business at more places than one in India, such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India to which communications relating to the application may be sent). (see rule 19). Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India, the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad.

5. Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant- See Section 145)
 6. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
- (See rule 4)

FORM TM-65
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.10,000/-

Application under section 71 to register a certification trade mark for specification of goods or services included in a class from a convention country
[Section 154(2); Rules 25 (8) (b) and 135(1)]

(To be filed in triplicate accompanied by three copies of the draft regulation in Form TM-49)

One representation is to be fixed within this space and five others is to be sent separately. Representation of a larger size may be folded but must then be mounted upon linen or other suitable material and affixed hereto. (See rule 28).

Application is hereby made for registration in the Register of Trade Mark of the accompanying certification trade mark in class [1]..... in respect of [2]..... in the names of [3]..... whose address is [4]..... who claims(s) to be the proprietor(s) thereof. The applicant(s) is/are not carrying on business in the goods or the services of the kind for which registration of the said certification trade mark is sought [5]..... [6]

The first application in a convention country to register the trade mark has been made inon

A certified copy certified by an official of the convention country in which the application was filed is enclosed (along with its translation in English)

I/we request that the trade mark may be registered with priority date based on the above mentioned application in a convention country under the provisions of section 154 of the Act.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this Day of20.....

[7].....

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY
IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks

The Office of the Trade Marks Registry at [8]

1. The Registrar's direction may be obtained if the class or classes of the goods or services is not known.
 2. Specify the goods or services for the class or classes in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs.10 per character is payable beyond this limit. See rule 25(16).
 The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature.

3. Insert legibly the full name, description (occupation and calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. (See rule 16).
4. The applicant shall state the address of his principal place of business in India, if any (See rules 3 and 17) If the applicant carries on business in the goods or services for which registration is sought at only one place in India, such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries on business in the goods or services concerned at more places than one in India, the applicant should state such fact and give the address of that place of business which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does not carry on business in the goods or services concerned but carries on business in other goods or services at any one place in India this fact should be stated and the address of that place given; and where the applicant carries on such business at more places than one in India, such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India to which communications relating to the application may be sent). (see rule 19). Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad.
5. For additional matter if required, otherwise to be left blank.
6. If colour combination is claimed, clearly indicate it and state the colours. If the application is in respect of a three dimensional mark, a statement to that effect. (See rule 25 and 29)
7. Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant- See Section 145)
8. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
 - (See rule 4)

FORM TM-66
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.10,000/- for each class

A single application for registration of a collective trade mark for different classes.

[Section 18(2),63(1). rule 25(17(a),103, 128(1).]

(To be filed in triplicate accompanied by five additional representations of the collective mark and three copies of the draft regulation in Form TM-49)

One representation to be fixed within this space
and five others to be sent separately.

Representation of a larger size may be
folded but must then be mounted upon
linen or other suitable material and
affixed hereto. (See rule 28.)

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying
Collective trade mark in

- (i) class ^[1] in respect of ^[2]
(ii) class ^[1] in respect of ^[2]
(iii) class ^[1] in respect of ^[2]

in the name(s) of ^[3] whose address is ^[4] who claim (s) to be the proprietor(s) thereof
and by whom the said mark is proposed to be used ^[5] or (and by whom and his (their) predecessor(s) in title ^[6]
the said mark has been continuously used since in respect of the said goods or services. [7]

[8].....

[9].....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated this . . . day of20.....

^[10] SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS.

To

The Registrar of Trade marks,
The office of the Trade Marks Registry at [11].

1. The Registrar's direction may be obtained if the class or classes of the goods or services is not known
2. Specify the goods or services for the class or classes in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs.10 per character is payable beyond this limit. See rule 25(16). The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature.
3. Insert legibly the full name, description (occupation, calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. See rule 16.

4. The applicant shall state the address of his principal place of business in India, if any. (See rules 3 and 17) If the applicant carries on business in the goods or services for which registration is sought at only one place in India, such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries on business in the goods or services concerned at more places than one in India, the applicant should state such fact and give the address of that place of business which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does not carry on business in the goods or services concerned but carries on business in other goods or services at any one place in India this fact should be stated and the address of that place given; and where the applicant carries on such business at more places than one in India, such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India to which communications relating to the application may be sent). (see rule 19). Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad.
5. Strike out if the mark is already in use
6. Strike out the words if not applicable. If user by predecessor(s) in title is claimed the name(s) of such person(s) together with the date of commencement of use by the applicant himself should be stated at 8.
7. If there has been no use of the trade mark in respect of all the goods or services specified at 2, the items of goods in respect of which the mark has actually been used should be stated.
8. For additional matter if required, otherwise to be left blank.
9. If colour combination is claimed, clearly indicate it and state the colours. If the application is in respect of a three dimensional mark, a statement to that effect. (See rule 25 and 29)
10. Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant- See Section 145)
11. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
- (See rule 4)

FORM TM-67
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee: Rs.10,000/- for each class.

A single application for the registration of a collective trade mark in different classes from a convention country.

[Section 18(2), 63(1), 154(2); rule 25(17)(b), 103,128(1)]

(To be filled in triplicate accompanied by five additional representation of the collective trade mark and three copies of the draft regulation in Form TM-49)

One representation to be fixed within this space
and five others to be sent separately
Representation of the larger size may be folded but
must then be mounted upon linen or other suitable
material affixed thereto See rule 28

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying
Collective trade mark in

(i) class ^[1] in respect of ^[2]
(ii) class ^[1] in respect of ^[2]
(iii) class ^[1] in respect of ^[2]

in the name(s) of ^[3] whose address is ^[4] who claim (s) to be the proprietor(s) thereof
and by whom the said mark is proposed to be used ^[5] or (and by whom and his (their) predecessor(s) in title ^[6]
the said mark has been continuously used since in respect of the said goods or services ^[7]

The application in a convention country to register the trade mark has been made in on

A certified copy certified by an official of the convention country in which the application was filed is
enclosed (along with its translation in English)

I/We request that the trade mark may be registered with priority date based on the above mentioned
application in a convention country under the provisions of Section 154 of the Act

[8]

[9]

All communications relating to this application may be sent to the following address in India -

Dated this day of 20

^[10] SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade marks,
The office of the Trade Marks Registry at ^[11]

1. The Registrar's direction may be obtained if the class or classes of the goods or services is not known
2. Specify the goods or services for the class or classes in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs 10 per character is payable beyond this limit. See rule 25(16). The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds five hundred characters at the space provided immediately before the signature
3. Insert legibly the full name, description (occupation, calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners

composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. See rule 16.

4. The applicant shall state the address of his principal place of business in India, if any. (See rules 3 and 17) If the applicant carries on business in the goods or services for which registration is sought at only one place in India, such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries on business in the goods or services concerned at more places than one in India, the applicant should state such fact and give the address of that place of business which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does not carry on business in the goods or services concerned but carries on business in other goods or services at any one place in India, this fact should be stated and the address of that place given; and where the applicant carries on such business at more places than one in India such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India to which communications relating to the application may be sent). see rule 19. Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad.
5. Strike out if the mark is already in use
6. Strike out the words if not applicable. If user by predecessor(s) in title is claimed the name(s) of such person(s) together with the date of commencement of use by the applicant himself should be stated at 8.
7. If there has been no use of the trade mark in respect of all the goods or services specified at 2, the items of goods in respect of which the mark has actually been used should be stated.
8. For additional matter if required, otherwise to be left blank.
9. If colour combination is claimed, clearly indicate it and state the colours. If the application is in respect of a three dimensional mark, a statement to that effect. (See rule 25 and 29)
10. Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant- See Section 145)
11. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
- (See rule 4)

FORM TM-68
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.10,000/- for each class

A single application for registration of a certification trade mark for different classes.

[Section 18(2), 71. rule 25(18)(a), 103, 135]

(To be filed in triplicate accompanied by five additional representations of the collective mark and three copies of the draft regulation in Form TM-49)

One representation to be fixed within this space
and five others to be sent separately.
Representation of a larger size may be
folded but must then be mounted upon
linen or other suitable material and
affixed hereto. See rule 28.

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying
Certification trade mark in

- (i) class [1] in respect of [2]
(ii) class [1] | in respect of [2]
(iii) class [1]] in respect of [2]

in the name(s) of [3] whose address is [4] The applicant(s) is/are not carrying on
business in the goods or the services of the kind for which registration of the said certification trade mark is
sought.

[5].....

[6].....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of 20.....

[7]..SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS.

To

The Registrar of Trade marks,
The office of the Trade Marks Registry at [8].....

- 1 The Registrar's direction may be obtained if the class or classes of the goods or services is not known.
- 2 Specify the goods or services for the class or classes in respect of which application is made. A 'separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs.10 per character is payable beyond this limit. [See rule 25(16)]. The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature.
- 3 Insert legibly the full name, description (occupation, calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. (See rule 16).
- 5 For additional matter if required, otherwise to be left blank.
- 6 If colour combination is claimed, clearly indicate it and state the colours. If the application is in respect of a three dimensional mark, a statement to that effect. (Sec rule 25 and 29)
- 7 Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant- Sec Section 145)
- 8 State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
- (See rule 4)

FORM TM-69
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's code No:
Proprietor's code No:

Fee: Rs.10,000/- for each class.

A single application for the registration of a certification trade mark in different classes from convention country.

[Section 18(2), 71, 154(2); Rule 25(18)(b), 103,135]

(To be filled in triplicate accompanied by five additional representation of the collective trade mark and three copies of the draft regulation in Form TM-49)

One representation to be fixed within this space
and five others to be sent separately.
Representation of the larger size may be folded but
must then be mounted upon linen or other suitable
material affixed thereto. See rule 28.

Application is hereby made for registration in the register of the accompanying
Collective trade mark in

- (i) class [1] in respect of [2]
(ii) class [1] in respect of [2]
(iii) class [1] in respect of [2]

in the name(s) of [3] whose address is [4] the applicant(s) is/are not carrying on
business in the goods or the services of the kind for which registration of the said certification trade mark is
sought.

The application in a convention country to register the trade mark has been made in on

A certified copy certified by an official of the convention country in which the application was filed is
enclosed (along with its translation in English).

I/We request that the trade mark may be registered with priority date based on the above mentioned
application in a convention country under the provisions of Section 154 of the Act.

[5].....

[6].....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[7]..SIGNATURE

NAME OF SIGNATORY IN LETTERS.

To

The Registrar of Trade marks,
The office of the Trade Marks Registry at [8].....

1. The Registrar's direction may be obtained if the class or classes of the goods or services is not known.
2. Specify the goods or services for the class or classes in respect of which application is made. A separate sheet detailing the goods or services may be used. The specification of goods or services should not ordinarily exceed five hundred characters. An excess space fee of Rs.10 per character is payable beyond this limit. See rule 25(16). The applicant shall state the exact number of excess characters where the specification of goods or services exceeds of five hundred characters at the space provided immediately before the signature.
3. Insert legibly the full name, description (occupation and calling and nationality of the applicant). In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and descriptions of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. (See rule 16).

4. The applicant shall state the address of his principal place of business in India, if any. (See rules 3 and 17) If the applicant carries on business in the goods or services for which registration is sought at only one place in India, such fact should be stated and the address of the place given. If the applicant carries on business in the goods or services concerned at more places than one in India, the applicant should state such fact and give the address of that place of business which he considers to be his principal place of business. If, however, the applicant does not carry on business in the goods or services concerned but carries on business in other goods or services at any one place in India, this fact should be stated and the address of that place given; and where the applicant carries on such business at more places than one in India, such fact should be stated and the address of the place which he considers to be his principal place of business given. Where the applicant is not carrying on any business in India the fact should be stated and the place of his residence in India, if any, should be stated and the address of that place given. In addition to the principal place of business or of residence in India, as the case may be, an applicant may if he so desires give an address in India to which communications relating to the application may be sent). see rule 19. Where the applicant has neither a place of business nor of residence in India the fact should be stated and an address for service in India given along with his address in his home country abroad.
5. For additional matter if required, otherwise to be left blank.
6. If colour combination is claimed, clearly indicate it and state the colours. If the application is in respect of a three dimensional mark, a statement to that effect. (See rule 25 and 29)
7. Signature of the applicant or of his agent (legal practitioner or registered trade marks agent or person in the sole and regular employment of the applicant- See Section 145)
8. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry
- (See rule 4)

FORM TM-70
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
 Proprietor's Code No:

Fee.: Rs.2,500/-. See entry No.74 of the First schedule

Request for expedited certified copies of documents
[Section 137, 148 ; Rule 8(2)(c) and Proviso to rule 119]

In the matter[1] of Trade Mark No. registered in Class
 I/We [2]hereby request the Registrar to furnish
 me (us) with his certificate to the effect that[4]
 a certified copy

..... [3]a certificate of the registration of Trade Marks for use in obtaining
 registration in[5]

..... The certificate/certified copy be sent to the following address in India

Dated thisday of20.....

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

SIGNATURE[6]

NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
 The Office of the Trade Marks Registry at Mumbai[7]

1. These words may be varied to suit other cases
2. Insert name, address and nationality of the person making the request
3. Strike out words that are not applicable
4. Set out the particulars which the Registrar is required to certify or state particulars of the document of which a certified copy is required
5. Insert the name of country or state
6. Signature
7. See rule 8(2)(c).

FORM TM-71
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agent's Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.2,500/-.

Request for expedited search report
[See rule 8 (2)(c) Proviso to rule 24(1)]

The Registrar is hereby requested under rule 24(1) to search in class[1] in respect of[2]..... to ascertain whether any Trade Marks are on record which resemble the Trade Mark sent herewith in triplicate [each representation being mounted on a sheet of strong paper approximately 13 inches (or 33 centimetres by 20 centimetres) in size]

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.

[3].....
SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN
LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks,
The Office of the Trade Marks Registry at Mumbai [4]

1. The Registrar's direction may be obtained if the class is not known
2. Here specify the goods or services (in the class stated) in respect of which the search is to be made
3. Signature
4. See rule 8(2) (c)

FORM TM-72
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

Fee: Rs.25,000/-

Request for expedited search and issuance of copyright certificate
[Rule 8(2)(c), 24(5)]

Registrar is hereby requested under rule 24(3) to search to ascertain whether any trade marks are on record which resemble the artistic work sent herewith in triplicate (each artistic work being mounted in a sheet of strong paper approximately 33 centimetres by 20 centimetres in size and issue a certificate for use under section 45 of the Copyright Act, 1957.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India:-

Dated thisday of20.....

[1]SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at Mumbai[2]
1. Signature
2. See rule 8(2) (c).

FORM TM-73
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

Fee Rs.3,000/-

Request for refusal or invalidation of registration of a trade mark.

The Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999
[See section 25(a); Rule 74(2)]

(To be filed in triplicate along with the statement of case in triplicate together with an affidavit)

In the matter of trade mark No. pending/registered in the name of In class.....

A. I/We[1] hereby apply that the pending trade mark No. in class..... in the name of..... be refused registration on the following grounds[2].....

B. I/We[1] hereby apply that the entry in the register in respect of the abovementioned trade mark may be removed/rectified in the following manner

The ground(s) of my/our request is/are as follows:.....

The appropriate office of the Trade Marks Registry at[3] is the appropriate office.

[4]The affidavit to accompany the statement of case shall declare that the particulars set out in the statement are true and comprise every material facts concerning the trade mark which contains or consists of a geographical indication not originating the territory of a country, or a region or locality in that territory with such geographical indication indicates and which is likely to cause confusion or mislead persons as to the true place of origin of such goods or class or classes of goods within the meaning of section 25(a) of the Geographical Indication of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 to the best of knowledge, information and belief of the deponent.

All communication to this request may be sent to the following address in India.....

Dated this day of 20

SIGNATURE[5].....
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks.....

The Office of the Trade Marks Registry at[6]

1. State the full name, address and nationality. An address for service in India should be stated if the applicant has no place of business or residence in India
2. Strike out whichever is not applicable
3. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry – see Rule 4.
4. The affidavit should be made by the persons filing the request to refuse or invalidate the registration of the trade mark.
5. Signature
6. State the name of the place of appropriate office of the trade marks registry (See rule 4)

FORM TM-74
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

Fee Rs.3,000/-

Request for refusal or invalidation of registration of a trade mark.

The Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999.

[Section 25(b); Rule 75(2)]

(To be filed in triplicate along with the Statement of Case in triplicate together with an affidavit accompanied by as many copies of them as there may be registered user under registration).

In the matter of trade mark No..... pending/registered in the name of In class.....

A. I/We[1].....hereby apply that the pending trade mark No.....in class..... in the name of.....be refused registration on the following grounds:.....

[2]

B. I/We[1].....hereby apply that the entry in the register in respect of the above mentioned trade mark may be removed/rectified in the following manner.....

The grounds of my(our) request are as follows.....

TheOffice of Trade Marks Registry has been entered in the register as the appropriate office in relation to the trade mark [3].

[4]The affidavit to accompany the Statement of Case shall declare that the particulars set out in the statement are true and comprise every material fact concerning the trade mark which contains or consists of a geographical indication identifying goods or class or classes of goods notified under sub-section (2) of section 22 of the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999. to the best of knowledge, information and belief of the deponent

All communication to this request may be sent to the following address in India.....

Dated this..... day..... of20

SIGNATURE[5].....

NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks.....

The Office of the Trade Marks Registry at[3].....

1. State the full name, address and nationality. An address for service in India should be stated if the applicant has no place of business or residence in India
2. Strike out the word which is not applicable
3. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry – (See Rule 4).
4. The affidavit should be made by the persons filing the request to refuse or invalidate the registration of the trade mark.
5. Signature.

FORM TM-75
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Agents Code No:
Proprietor's Code No:

Fee Rs.5,000/-

Request for search and issuance of certificate under rule 32.

I/ We request the Registrar to search and ascertain whether any trade mark(s) is (are) on record which resembles the name (or proposed name) of the company sent herewith in triplicate (each representation being mounted on a sheet of strong paper approximately 33cm by 20cm in size) and issue a certificate

All communication relating to this application may be sent to the following address in India - [1]

Dated this day of 20

SIGNATURE[2]
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS

To

The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at

1 Address in India

2 Signature

FORM TMA-1
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Fee Rs.1,000/-

Application for registration as a Trade Marks Agent [Rule 153]

(To be filed in triplicate)

I beg to apply for registration as a trade marks agent under the Trade Marks Act, 1999

A certificate of character from _____ is enclosed herewith

I, hereby declare that I am not subjected to any of the disabilities stated in clauses (i), (ii), (iii),(iv),(v) and (vi) of rule 151 of the Trade Marks Rules, 2001 and that the information given below is true to the best of my knowledge and belief

- 1 Name in full beginning with surname if any (in capital letters)
- 2 Address of the place of residence
- 3 Principal place of business
- 4 Father's name
- 5 Nationality
- 6 Date and place of birth

7. Occupation in full.....

8. Particulars of qualifications for registration as a trade marks agent.....

9. Whether at any time removed from the Register of Trade Marks Agents and if so, the details thereof.

Dated this.....day of20.....

SIGNATURE
NAME OF SIGNATORY IN LETTERS
[2]

To
The Registrar of Trade Marks
The Office of the Trade Marks Registry at.....

1. The certificate should be from the District Magistrate of the District where the applicant ordinarily resides.
2. Documents should be attested by a Judicial Magistrate or Notary Public.
3. State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry (See Rule 4)

Agent Code No.

FORM TMA-2 THE TRADE MARKS ACT, 1999

Fee: Rs.1000/- plus continuance fee specified in entry No.79 of the First Schedule.

Application for restoration of the name of a person in the Register of Trade Marks Agents [Rule 159]

(To be filed in triplicate)

I.....of.....
hereby apply for the restoration of my name in the Register of trade marks agents in which my name was entered under No..... My name was removed on..... under clause (b) of rule 157(1) of the Trade Marks Rules, 2001.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India.-

Dated thisday of20.....

Signature
Name of signatory in Letters

To,
Registrar of Trade marks,
The Office of the Trade marks Registry at.....

FORM TMA-3
THE TRADE MARKS ACT, 1999

Fee: Rs.200/-

Application for alteration of an entry in the Register of trade marks agents
(Rule 160)

(To be filed in triplicate)

I[1] of being a registered trade marks agent (Registration No) hereby request that my [2] name, address of the place of residence address of the principal place of business or qualifications entered in the Register of trade marks agents may be altered as follows -

All communications relating to this application may be sent to the following address in India -

Dated this day of 20

Signature
Name of Signatory
In Letters

To,
Registrar of Trade marks,
The Office of the Trade marks Registry at[3]

- 1 Insert name and address in full
- 2 Strike out whichever is not applicable
- 3 State the name of the place of the appropriate office of the Trade Marks Registry

THE THIRD SCHEDULE
Forms to be used by the Registrar

LIST OF FORMS

Form No.	Section	Title
0-1	23(3)	Notice of non-completion of registration
0-2	23(2)	Certificate of registration of trade mark
0-3	25(3)	Notice of expiration of last registration
0-4	(Rule 155)	Certificate of registration of a person as a trade marks agent.

FORM 0-1

**GOVERNMENT OF INDIA
TRADE MARKS REGISTRY
TRADE MARKS ACT, 1999**

Notice of non-completion of registration. Section 23(3). Rule 58.

No

Notice is hereby given as required by section 23(3) of the Trade Marks Act, 1999, that the registration of the trade mark, in respect of which application numbered as above was made on the day of ... 20...., has not been completed by reason of default on the part of the applicant. Unless registration is completed within twenty-one days from the date of this notice, the application will be treated as abandoned.

All communications relating to this application may be sent to the following address in India. -

Dated this day of20.. .

Registrar of Trade Marks.

To, _____

FORM 0-2

**GOVERNMENT OF INDIA
TRADE MARKS REGISTRY
TRADE MARKS ACT, 1999**

Certificate of registration of trade mark. Section 23(2). Rule 62(1)

Trade Marks No..... ..

Date..... ..

Certified that the Trade Mark of which a representation is annexed hereto, has been registered in the register in the name ofin Class.....under NO. as of the datein respect of

Sealed at my direction this.....day of20.....

Registrar of Trade marks.

Registration is for 10 years from the date first above-mentioned and may then be renewed for a period of 10 years, and also at the expiration of each period of 10 years thereafter (See section 25 of the Trade Marks Act, 1999 and Rules 63 to 66 of the Trade Marks Rules, 2001).

This certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

Note- Upon any change of ownership of this trade mark, or change in address of the principal place of business or address for service in India, application should AT ONCE be made to register the change.

62167/02 - 18

FORM 0-3
GOVERNMENT OF INDIA
TRADE MARKS REGISTRY
TRADE MARKS ACT, 1999

Certificate of registration of trade mark
[Section 23(2); Rule 64 (1)]

Registered Trade Marks No.....
 Class.

Notice is hereby given as required in section 25(3) of the Trade Marks Act, 1999 that the registration of the aforesaid trade mark will expire on..... and that the registration can be renewed for a further period of 10 years on receipt in the Trade Marks Registry of an application on the enclosed Form TM-12 accompanied by the prescribed fee of Rs..... on or before the said date.....

Dated thisday of20

Registrar of Trade marks.

FORM 0-4
GOVERNMENT OF INDIA
TRADE MARKS REGISTRY

TRADE MARKS ACT, 1999
Certificate of registration as Trade Marks Agent
(Rule 155)

No...

This is to certify that.....

of.....

was registered on thisday of20.....in the Register of Trade Marks Agents maintained under rule 148 of the Trade Marks Rules, 2001.

Registrar of Trade Marks

THE FOURTH SCHEDULE**Classification of goods and services – Name of the classes**

(Parts of an article or apparatus are, in general, classified with the actual article or apparatus, except where such parts constitute articles included in other classes).

1. Chemical used in industry, science, photography, agriculture, horticulture and forestry, unprocessed artificial resins, unprocessed plastics, manure, fire extinguishing compositions; tempering and soldering preparations; chemical substances for preserving foodstuffs; tanning substances; adhesive used in industry
2. Paints; varnishes; lacquers; preservatives against rust and against deterioration of wood; colorants mordents; raw natural resins; metals in foil and powder form for painters; decorators; printers and artists
3. Bleaching preparations and other substances for laundry use; cleaning; polishing; scouring and abrasive preparations; soaps; perfumery; essential oils; cosmetics; hair lotions; dentifrices
4. Industrial oils and greases; lubricants; dust absorbing, wetting and binding compositions; fuels(including motor spirit) and illuminants; candles, wicks
3. Pharmaceutical, veterinary and sanitary preparations; dietetic substances adapted for medical use, food for babies; plasters, materials for dressings; materials for stopping teeth, dental wax; disinfectants; preparation for destroying vermin; fungicides, herbicides
4. Common metals and their alloys; metal building materials; transportable buildings of metal; materials of metal for railway tracks, non-electric cables and wires of common metal; ironmongery, small items of metal hardware; pipes and tubes of metal; safes; goods of common metal not included in other classes; ores
7. Machines and machine tools; motors and engines (except for land vehicles); machine coupling and transmission components (except for land vehicles); agricultural implements other than hand-operated; incubators for eggs
8. Hand tools and implements (hand-operated); cutlery; side arms; razors
9. Scientific, nautical, surveying, electric, photographic, cinematographic, optical, weighing, measuring, signalling, checking (supervision), life saving and teaching apparatus and instruments; apparatus for recording, transmission or reproduction of sound or images, magnetic data carriers, recording discs; automatic vending machines and mechanisms for coin-operated apparatus; cash registers, calculating machines, data processing equipment and computers; fire extinguishing apparatus
10. Surgical, medical, dental and veterinary apparatus and instruments, artificial limbs, eyes and teeth; orthopedic articles; suture materials
11. Apparatus for lighting, heating, steam generating, cooking, refrigerating, drying ventilating, water supply and sanitary purposes
12. Vehicles; apparatus for locomotion by land, air or water
13. Firearms, ammunition and projectiles; explosives; fire works
14. Precious metals and their alloys and goods in precious metals or coated therewith, not included in other classes; jewellery, precious stones, horological and other chronometric instruments
15. Musical instruments

- 16 Paper, cardboard and goods made from these materials, not included in other classes; printed matter, bookbinding material, photographs, stationery, adhesives for stationery or household purposes; artists' materials; paint brushes, typewriters and office requisites (except furniture); instructional and teaching material (except apparatus), plastic materials for packaging (not included in other classes); playing cards, printers' type, printing blocks
- 17 Rubber, gutta percha, gum, asbestos, mica and goods made from these materials and not included in other classes, plastics in extruded form for use in manufacture, packing, stopping and insulating materials; flexible pipes, not of metal
- 18 Leather and imitations of leather, and goods made of these materials and not included in other classes; animal skins, hides, trunks and travelling bags; umbrellas, parasols and walking sticks; whips, harness and saddlery
- 19 Building materials, (non-metallic), non-metallic rigid pipes for building; asphalt, pitch and bitumen; non-metallic transportable buildings, monuments, not of metal
- 20 Furniture, mirrors, picture frames, goods(not included in other classes) of wood, cork, reed, cane, wicker, horn, bone, ivory, whalebone, shell, amber, mother- of-pearl, meerschaum and substitutes for all these materials, or of plastics
- 21 Household or kitchen utensils and containers(not of precious metal or coated therewith); combs and sponges, brushes(except paints brushes); brush making materials; articles for cleaning purposes, steelwool, unworked or semi-worked glass (except glass used in building), glassware, porcelain and earthenware not included in other classes
- 22 Ropes, string, nets, tents, awnings, tarpaulins, sails, sacks and bags (not included in other classes) padding and stuffing materials(except of rubber or plastics); raw fibrous textile materials
- 23 Yarns and threads, for textile use
- 24 Textiles and textile goods, not included in other classes, bed and table covers.
- 25 Clothing, footwear, headgear
- 26 Lace and embroidery, ribbons and braid, buttons, hooks and eyes, pins and needles, artificial flowers
- 27 Carpets, rugs, mats and matting, linoleum and other materials for covering existing floors; wall hangings(non-textile)
- 28 Games and playthings, gymnastic and sporting articles not included in other classes, decorations for Christmas trees
- 29 Meat, fish, poultry and game; meat extracts; preserved, dried and cooked fruits and vegetables, jellies, jams, fruit sauces; eggs, milk and milk products; edible oils and fats
- 30 Coffee, tea, cocoa, sugar, rice, tapioca, sago, artificial coffee; flour and preparations made from cereals, bread, pastry and confectionery, ices; honey, treacle, yeast, baking powder, salt, mustard; vinegar, sauces, (condiments), spices; ice
- 31 Agricultural, horticultural and forestry products and grains not included in other classes; live animals; fresh fruits and vegetables; seeds, natural plants and flowers; foodstuffs for animals, malt
- 32 Beers, mineral and aerated waters, and other non-alcoholic drinks; fruit drinks and fruit juices; syrups and other preparations for making beverages
- 33 Alcoholic beverages(except beers)

34. Tobacco, smokers' articles, matches

SERVICES

35. Advertising, business management, business administration, office functions
36. Insurance, financial affairs; monetary affairs; real estate affairs
37. Building construction; repair; installation services
38. Telecommunications
39. Transport; packaging and storage of goods; travel arrangement
40. Treatment of materials
41. Education, providing of training; entertainment; sporting and cultural activities.
42. Providing of food and drink; temporary accommodation; medical, hygienic and beauty care; veterinary and agricultural services, legal services, scientific and industrial research, computer programming; services that cannot be classified in other classes.

THE FIFTH SCHEDULE

List of items of textile goods referred to in rule 145

No. of item

1. Grey Longcloth, Shirtings, Cellular, Limbric, Poplin, Sheetings, Printers and Leopard Cloth - Including all abovementioned grey cloths with no colour in the body except a woven coloured heading.
2. Grey Drills, Jeans and Duck - Including only grey cloth and not striped drills with grey grounds
3. Grey Twills .
4. Grey Salitha, T-Cloths and Domestics
5. Grey Coarse Cloth
6. Grey Chadars of Plain Weave and Khadi Chadars - Including all chadars of plain weave with no colour in the body but with or without a woven coloured heading or fancy heading, but not including check Chadars and striped Chadars.
7. Grey Chadars of Twill Weave - Including only grey twill chadars with no colour in the body except a woven coloured heading.
8. Grey Dhoties including Tahmad [This item relates only to grey ground dhoties (of all dimensions) with or without artificial silk, coloured yarn, folded yarn, or printed borders and headings]
9. Grey Saries and Scarves and Sari Cloth - Including only grey ground Saries (of all dimensions) with or without artificial silk, coloured yarn or printed borders and headings and sari cloth in piece length but not including Saries with striped or check grounds, and dyed and printed Saries.

10. Grey Dosuti
11. Grey Jaconets, Jagannathi, Mulls and Mulmulls
12. Grey pagree Cloth
13. Grey Matting Weave and Canvas including Filter cloth
14. Sambura Cloth - Grey Drill with red and black headings and coloured runner in the centre.
15. Whole Grey Dobby Cloth and Doria
16. Bleached Longcloth, Shirtings, Cellular, Limbric, Poplin, Sheetings and Printers - Including all the above mentioned plain cloths with no colour in the body except a woven coloured heading.
17. Bleached drills, jeans and Duck - See note under item 16.
18. Bleached Twills - see note under item 16. This item does not include Striped Twills on bleached ground.
19. Bleached T-Cloths and Domestics - See note under item 16
20. Bleached Coarse cloth - see note under item 16
21. Bleached Chadars - Including chadars of plain and twill weave.
22. Bleached Mulls, Jaconets and Nainsooks - See note under item 16.
23. Bleached Madapollams and Cambrics - See note under item 16.
24. Bleached Dhoties including Tahmad - This item relates only to plain bleached ground dhoties (of all dimensions) with artificial silk, coloured yarn, folded yarn, folded yarn or printed borders and headings.
25. Bleached Saries and Scarves - Including only plain bleached ground Saries (of all dimensions) with artificial silk, coloured yarn or printed borders and headings, but not including Saries with stripes or checks and dyed and printed Saries.
26. Bleached Dosuti - See note under item 16.
27. Bleached Voiles and Muslins - See note under item 16.
28. Bleached Dorias and Fancies - including bleached cloth with bleached folded yarn stripes or checks.
29. Bleached Matting Weave and Canvas - See note under item 16.
30. Bleached Pagree Cloth- See note under item 16.
31. Embroidered Voiles, Muslins etc, Bleached.
32. Bleached Flannel and Flannelettes and all bleached cloths raised on one side and cotton Velvet.
33. Dyed Longcloth, Shirtings, Cellular, Limbric, Poplin and Sheetings - Including the above mentioned cloths dyed in the piece.
34. Dyed Drills - see note under item 33. This item also includes coloured warp or weft drills.
35. Dyed Twills - See note under item 33.
36. Dyed T-cloths and Domestics - See note under item 33.
37. Dyed Coarse Cloth - See note under item 33.

38. Dyed Chadars - See note under item 33.
39. Dyed Dhoties including Tahmad, Saries and Shawls - This item includes dhoties, saries or shawls dyed in the piece.
40. Dyed Fancies - including fancies with single colour warp or weft fancies or printed yarn in the warp or weft or both.
41. Dyed Pagree Cloth - see note under item 33.
42. Dyed Voiles - including bordered voiles.
43. Dyed Flannelettes - Including Grey and self-coloured Flannelettes and all dyed cloths raised on one side and cotton velvet.
44. Dyed Mulls.
45. Dyed Umbrella Cloth.
46. Coatings and Trouserings (including Sholapuri, Chennai, Cloth, Sunproof cloth, Tussore, Kashmere Cloth, Serges, Thana Cloth, Tweeds, Mazri, Malatia and Corduroy). - In addition to the goods enumerated above, this item includes cotton dyed coatings and coatings with artificial silk in the warp or in the weft as stripes or checks, either alone or in combination with dyed cotton yarn.
47. Striped Drills and Jeans and Striped Twills - Including striped drills or twills with grey, bleached or coloured ground.
48. Bed ticking - with coloured warp kind grey or bleached weft.
49. Striped Coarse cloth - including both grey and bleached grounds.
50. Striped shirtings, Striped Susis and striped Zephyrs - Including striped shirtings, etc. with grey, bleached or coloured ground but not including artificial silk striped goods
51. Check shirtings, Check Susis and Check Zephyrs - See note under item 50.
52. Check Chadars - Including plain check chadar and twill check chadar on grey, bleached or coloured grounds.
53. Lungis and Sarongs
54. Woven coloured Saries and Scarves - (this includes saries and scarves with striped or check grounds, but does not include saries and scarves in which there is artificial silk in the body of the cloth).
55. Check Cholas and Gumchas.
56. Artificial Silk Striped Shirtings - This includes (a) artificial silk shirtings with an artificial silk warp and weft, (b) an artificial silk warp, or (c) artificial silk only in stripes, either alone or in combination with coloured cotton yarn.
57. Artificial Silk Check Shirtings - On grey, white and coloured grounds.
58. Artificial Silk Brocades and "All over Styles".
59. Artificial Silk Dhoties, Saries and Scarves and Sari Cloth - (This item includes dhoties and saries in which an artificial silk warp or weft or both are used. It does not include dhoties, etc. in which artificial silk is used, only in the borders).
60. Crepe Cloth - Grey, Bleached and dyed. This item also includes crepe cloth yarn printed.
61. Dyed and striped Dosuti - including striped Dosuti bleached in the piece.

62. Printed dhoties, Shawls, Rumals, Saries and other printed garments - including Voile Saries also.
63. Printed longcloth, Shirtings, Cellular, Limbric, Poplins and Sheetings - Grey, bleached and dyed grounds
64. Striped, Check and printed Flannelettes.
65. Pure Silk Saries.
66. Leno and Mockleno, Bandage cloth - Grey, bleached, dyed or striped including Gauze cloth also.
67. Terry Towels including towelling cloth - Grey, bleached, dyed, printed, striped or checked.
68. Huckaback towels including towelling cloth- Grey, bleached, dyed, printed, striped or checked.
69. Honey Comb Towels including towelling cloth - Grey, bleached, dyed, printed, striped or checked.
70. All other towels including towelling cloth.
71. (a) Dusters, Handkerchiefs, Rumals and Glass Cloth (serviettes)
(b) Table cloth and table covers, napkins.
72. Dobby Jacquard Chadars, Bedspreads, Quilts and Counterpanes including Suzni - Grey, bleached or coloured
73. Blankets and Malida Cloth - All types, including cotton and wool union blankets; and shawls(not dyed or printed) or lobs of any fibres.
74. Durries and carpets including Satranji (floor carpets).
75. Dyed and coloured Canvas - Dyed or woven coloured.
76. Artificial Silk zephyrs, Alpaca, Crepe, etc. - Plain and Fancy grounds (whole colour and unstriped).
77. Motor hood cloth.
78. Buckram cloth- grey, bleached and dyed.
79. Striped voiles - bleached and/or dyed in the piece.
80. Printed Voiles - Grey, bleached and dyed.
81. Mookta cloth - This cloth is woven with cotton warp and flax weft.
82. Artificial silk Tapestry and Upholstering Fabrics, including cotton furnishing fabrics and casement cloths - Grey, bleached dyed and printed.
83. Bedford Cord - Bleached and dyed.
84. Printed Crepe- Grey, bleached or dyed grounds.
85. Pure Silk Coatings - Plain, striped or checked. This item also includes coatings made of artificial fibres, filaments and yarns.
86. Pure Silk shirtings- Plain, striped or checked.
87. Printed Drills, Twills and Jeans.

88. Corded Voiles - Bleached coloured, printed kind bordered.
89. Printed Boski - Artificial silk warp, weft or both.
90. Artificial silk striped Voiles - Grey, Bleached and dyed voiles with artificial silk stripes in the body of the cloth.
91. Bordered voiles - bleached, dyed and printed (with or without artificial silk border).
92. Artificial Silk Satins - including satins made from 100 per cent silk or artificial silk in the warp or weft.
93. Check Voiles, Grey, bleached and dyed (This item contains cotton voiles with grey, bleached or coloured grounds with check designs all over the body of the cloth)
94. Grey Flannellettes - Including all grey cloths raised on one side and cotton velvet.

THE SIXTH SCHEDULE
Scale of costs allowable in Rule 114 proceedings before the Registrar

Entry No	Matter in respect of which costs to be awarded	Amount
1	For one day's hearing involving examination of witnesses	Rs. 1000
2.	For one day's hearing when there is no examination of witnesses	Rs. 500
3	For adjournment of hearing granted on the summoning the other parties' witnesses who	Rs. 500 plus cost for petition of petition for re-were due to be examined on the day

4.	For striking out scandalous matter from an affidavit	Rs.200
5.	For attendance of witnesses -	
	Subsistence allowance....	Rs.500 (vide note below)
	Travelling allowance..	The fare by rail or steamer for the first class or the second class each way and if there is no rail or steamer communication Rs.5 or Rs.2.50 per km. depending upon the rank and status of the witness.

Note: the rates of subsistence allowance and travelling allowance for witness shall vary according to the status of the witness subject to the maximum prescribed above.

Part VIII

Language of the Trade Marks Registry.- (I)(a) The language of the Trade Marks Registry shall be English:

Provided that the parties to a proceedings before the Trade Marks Registry may file documents drawn up in Hindi, if they so desire:

Provided that where-

- (a) the Registrar permits the use of Hindi in the proceedings of the Tribunal and hearing in such proceedings, he may in his discretion direct English translation of pleadings and documents to be filed,
- (b) the Trade Marks Registry located in "Region A" as defined in clause (f) of rule 2 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Registrar may, in his discretion, make final orders either in Hindi or in English.
- (2) Notwithstanding anything contained in paragraph (1), where a final order is made in Hindi, an authenticated English translation thereof shall simultaneously be prepared and kept on record.

[No. 14(3)/98-PP&C]

A E. AHMAD, Jt. Secy.